राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् की

वार्षिक रिपोर्ट
1990-91



राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

मार्च 1992
फाल्गुन 1913
P.D.5H – RA

आवरण : अमित श्रीवास्तव

प्रकाशन विभाग में सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली 110016 द्वारा प्रकाशित तथा कम्प्यूग्राफिक्स कम्पोजर्स, एच-16, ग्रीन पार्क एक्सटेन्शन, नई दिल्ली 110016 में लेज़र टाइप होकर जे. के. ऑफसेट प्रिंटर्स, 315, जामा मस्जिद, दिल्ली 110006 द्वारा मुद्रित।

आभार

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एन.सी.ई.आर.टी.) अपने अध्यक्ष, केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री तथा राज्य शिक्षा एवं संस्कृति मंत्री के प्रति उनके मार्गदर्शन हेतु आभारी है। परिषद के कार्यों में गहन रुचि और सहायता प्रदान करने हेतु परिषद अपने शासी निकाय तथा कार्यकारी समिति के अन्य विशिष्ट सदस्यों के प्रति कृतज्ञ है। परिषद उन विशेषज्ञों को धन्यवाद देती है जिन्होंने अपना बहुमूल्य समय देकर इसकी विभिन्न समितियों में कार्य किया तथा अनेक प्रकार से सहायता प्रदान की। राज्य शिक्षा विभागों तथा राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषदों/संस्थाओं, राज्य शिक्षा संस्थानों, माध्यमिक शिक्षा बोर्डों, उच्चतर माध्यमिक/इंटरमीडिएट/विश्वविद्यालय पूर्व शिक्षा बोर्डों सहित वे सभी संगठन और संस्थाएँ भी धन्यवाद की पात्र हैं, जिन्होंने एन.सी.ई.आर.टी. को सहयोग देकर उसकी गतिविधियों को कार्यान्वित करने में पूरी सहायता प्रदान की। यूनेस्को, यूनिसेफ, यू.एन.डी.पी., यू.एन.एफ.पी.ए., जी.टी. जैड. तथा ब्रिटिश काउंसिल द्वारा प्रायोजित कार्यक्रमों के कार्यान्वियन में उन्होंने परिषद को जो सहयोग दिया उसके प्रति परिषद अपनी कृतज्ञता व्यक्त करना चाहती है। परिषद अपने स्टाफ के सभी सदस्यों के प्रति भी अपना आभार प्रकट करना चाहती है जिनके सहयोग और निष्ठा के बिना कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक कार्यान्वियन असंभव था। परिषद उन हजारों अध्यापकों, विद्यालयों, अभिभावकों और अनेक व्यक्तियों के प्रति भी साधुवाद एवं कृतज्ञता व्यक्त करना चाहती है, जिन्होंने परिषद के 1990-91 के प्रकाशनों और कार्यक्रमों के बारे में अपने विचार देते हुए परिषद के विभिन्न घटकों को अनेक पत्र भेजे जो बेहतर कार्य निष्पादन के लिए निरंतर प्रेरणा स्रोत बने रहे।

गांधी जी का जन्तर

तुम्हें एक जन्तर देता हूं। जब भी तुम्हें सन्देह हो या तुम्हारा अहम् तुम पर हावी होने लगे, तो यह कसौटी आजमाओ :

जो सबसे गरीब और कमजोर आदमी तुमने देखा हो, उसकी शकल याद करो और अपने दिल से पूछो कि जो कदम उठाने का तुम विचार कर रहे हो, वह उस आदमी के लिए कितना उपयोगी होगा। क्या उससे उसे कुछ लाभ पहुंचेगा ? क्या उससे वह अपने ही जीवन और भाग्य पर कुछ काबू रख सकेगा ? यानि क्या उससे उन करोड़ों लोगों को स्वराज्य मिल सकेगा जिनके पेट भूखे हैं और आत्मा अतृप्त है ?

तब तुम देखोगे कि तुम्हारा सन्देह मिट रहा है और अहम् समाप्त होता जा रहा है।

मो० क० गांधी

विषय सूची

1990-91

एक

एन.सी.ई.आर.टी.
भूमिका और संरचना

1 सितंबर, 1961 को स्थापित राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एन.सी.ई.आर.टी.) संस्था पंजीकरण अधिनियम 21 (1860) के अंतर्गत एक पंजीकृत स्वायत्त संगठन है।

भूमिका और कार्य

एन.सी.ई.आर.टी., मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के अकादमिक सलाहकार के रूप में कार्य करती है। इसका मुख्य उद्देश्य शिक्षा, विशेषकर विद्यालयी शिक्षा के क्षेत्र में नीतियों और मुख्य कार्यक्रमों को कार्यान्वित करने में मानव संसाधन विकास मंत्रालय को सहायता और परामर्श देना है। विद्यालयी शिक्षा तथा अध्यापक शिक्षा की नीतियों और कार्यक्रमों के प्रतिपादन तथा कार्यान्वियन के लिए मंत्रालय अधिकतर इसकी विशेषज्ञता का उपयोग करता है। परिषद् का वित्तीय भार, भारत सरकार वहन करती है।

एन.सी.ई.आर.टी. का प्रमुख कार्य विद्यालयी शिक्षा और अध्यापक शिक्षा में गुणात्मक सुधार लाना है। विद्यालयी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हेतु परिषद् निम्नलिखित कार्य करती है:

- विद्यालयी शिक्षा तथा अध्यापक शिक्षा की सभी शाखाओं में अनुसंधान संबंधी कार्य करना, उनमें सहायता पहुँचाना, उन्हें प्रोत्साहित और समन्वित करना।
- मुख्यतः उच्च स्तर पर अध्यापकों के सेवा-पूर्व और सेवाकालीन प्रशिक्षण आयोजित करना।
- शैक्षिक पुनर्निर्माण में संलग्न संस्थानों, संगठनों और अभिकरणों के लिए विस्तार सेवाएँ आयोजित करना।
- परिष्कृत शैक्षिक तकनीकों, पद्धतियों एवं नवाचारों के विकास एवं प्रयोग संबंधी कार्य करना।
- शैक्षिक जानकारी एकत्रित, समाकलित, संसाधित तथा प्रसारित करना।
- विद्यालयी शिक्षा में गुणात्मक सुधार हेतु राज्यों/संघीय क्षेत्र सरकारों तथा राज्य/संघीय क्षेत्र स्तर के संस्थानों, संगठनों एवं अभिकरणों को कार्यक्रम तैयार एवं कार्यान्वित करने में सहायता देना।
- यूनेस्को, यूनिसेफ, यू.एन.डी.पी., यू.एन.एफ.पी.ए जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठनों एवं अन्य देशों की राष्ट्रीय स्तर की शैक्षिक संस्थाओं के साथ सहयोग स्थापित करना।
- अन्य देशों के शैक्षिक कार्मिकों को प्रशिक्षण एवं अध्यापन की सुविधाएँ प्रदान करना।

- शैक्षिक नवाचारों के विकास हेतु एशिया तथा प्रशान्त कार्यक्रम, यूनेस्को, बैंकाक के लिए राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद्, राष्ट्रीय विकास समूह के अकादमिक सचिवालय के रूप में कार्य करना।

कार्यक्रम और कार्यकलाप

उपर्युक्त लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु परिषद् निम्नलिखित कार्यक्रमों एवं कार्यकलापों का संचालन करती है:

अनुसंधान

विद्यालयी शिक्षा में अनुसंधान की शीर्षस्थ राष्ट्रीय संस्था होने के नाते परिषद् अनेक महत्वपूर्ण कार्य करती है जैसे—अनुसंधान संबंधी कार्यकलाप करना और उन्हें बल प्रदान करना, शैक्षिक अनुसंधान के कार्मिकों को प्रशिक्षण देना इत्यादि।

राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान (एन.आई.ई.) के विभिन्न विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय और केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सी.आई.ई.टी.) विद्यालयी शिक्षा और अध्यापक शिक्षा के विभिन्न पहलुओं से संबंधित अनुसंधान के कार्यक्रमों का संचालन करते हैं।

अनुसंधान के अतिरिक्त, एन.सी.ई.आर.टी. व्यक्तियों तथा संगठनों को वित्तीय सहायता एवं अकादमिक पारस्परिक विचार-विमर्श द्वारा अन्य अनुसंधान कार्यक्रमों को बल प्रदान करती है। पी.एच.डी. शोध प्रबंधों के प्रकाशन हेतु एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा विद्वानों को सहायता प्रदान की जाती है।

परिषद् कनिष्ठ और वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता वृत्तियां भी प्रदान करती है, ताकि शैक्षिक समस्याओं की जाँच-पड़ताल की जा सके और योग्य अनुसंधानकर्ताओं का एक दल तैयार किया जा सके। देश में विद्यालयी शिक्षा के अनेक पहलुओं पर आँकड़े एकत्र कराने के लिए यह समय-समय पर शैक्षिक सर्वेक्षण भी कराती है। यहाँ आंकड़ों के भंडारण, संसाधन एवं उन्हें पुनः प्राप्त करने के लिए एक कंप्यूटर टर्मिनल हैं। परिषद् अंतरदेशीय अनुसंधान परियोजनाओं में अंतर्राष्ट्रीय अभिकरणों से सहयोग स्थापित करती है।

विकास

विद्यालयी शिक्षा संबंधी विकासात्मक कार्यकलापों का परिषद् के कार्यों में महत्वपूर्ण स्थान है। परिषद् के मुख्य विकास संबंधी कार्य विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न स्तरों के लिए पाठ्यचर्या एवं अनुदेशी सामग्री का विकास करना, उन्हें नवीन रूप देना तथा बच्चों एवं समाज की बदलती हुई आवश्यकताओं के अनुरूप बनाना है। परिषद् के नवाचार संबंधी विकासात्मक कार्यकलापों में शिक्षा का व्यावसायीकरण, अध्यापक शिक्षा तथा अनौपचारिक शिक्षा के क्षेत्र में पाठ्यचर्या एवं अनुदेशी सामग्री का विकास भी सम्मिलित है। परिषद् शैक्षिक प्रौद्योगिकी, जनसंख्या शिक्षा एवं विकलांगों एवं अन्य विशेष वर्गों की शिक्षा के क्षेत्र में भी विकासात्मक कार्य करती है।

प्रशिक्षण

विभिन्न स्तरों जैसे पूर्व-प्राथमिक, प्रारंभिक, एवं माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तरों पर तथा व्यावसायिक शिक्षा, मार्गदर्शन और परामर्श तथा विशेष शिक्षा के क्षेत्रों में भी अध्यापकों को सेवा-पूर्व और सेवाकालीन प्रशिक्षण प्रदान करना परिषद के महत्वपूर्ण कार्यकलाप हैं। क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों के सेवा-पूर्व अध्यापक शिक्षा कार्यक्रमों में विषयवस्तु और शिक्षण विधि का एकीकरण, कक्षा में अध्यापक प्रशिक्षणार्थियों का दीर्घकालीन प्रशिक्षण तथा समुदाय कार्यों में छात्रों की प्रतिभागिता जैसी कुछ नवीन विशेषताएँ सम्मिलित की गई हैं। यह राज्यों तथा राज्य स्तरीय संस्थाओं के प्रमुख कार्मिकों और अध्यापक-शिक्षकों तथा सेवारत शिक्षकों के प्रशिक्षण का कार्य भी करती है।

विस्तार कार्य

एन.सी.ई.आर.टी. के व्यापक शैक्षिक विस्तार कार्यक्रमों में एन.आई.ई.

के विभाग, केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय तथा राज्यों के क्षेत्रीय सलाहकारों के कार्यालयों के अनेक प्रकार के कार्यक्रम हैं। परिषद्, राज्यों के विभिन्न अभिकरणों तथा संस्थाओं के साथ सहयोग कर कार्य करती है तथा विभिन्न कार्मिक वर्गों, जैसे अध्यापकों, निरीक्षकों, प्रशासकों, प्रशासनिकों, पाठ्यपुस्तक लेखकों आदि को सहायता प्रदान करने के लिए विस्तार सेवा विभागों, विद्यालयों और कालेजों के अध्यापक प्रशिक्षण केन्द्रों के साथ व्यापक रूप से कार्य करती है। विस्तार कार्यों के अंतर्गत नियमित रूप से शैक्षिक विषयों पर सम्मेलन, संगोष्ठियाँ, कार्यशालाएँ एवं प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं। ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं ताकि कार्यक्रमों से संबद्ध कार्यकर्ता वहाँ पहुँचें, जहाँ विशिष्ट समस्याएँ विद्यमान हैं तथा जिनके लिए विशेष प्रयासों की आवश्यकता है। परिषद् विकलांग एवं समाज के सुविधाहीन वर्गों की शिक्षा के लिए अलग से कार्यक्रम आयोजित करती है। परिषद् के विस्तार कार्यक्रम में सभी राज्य एवं संघ शासित क्षेत्र सम्मिलित हैं।

प्रकाशन और प्रसार

एन.सी.ई.आर.टी. कक्षा 1 से 12 तक के विभिन्न विद्यालयी विषयों की पाठ्यपुस्तकें प्रकाशित करती है। परिषद् अभ्यास पुस्तिकाएँ, अध्यापक संदर्शिकाएँ, पूरक पाठमालाएँ, अनुसंधान रिपोर्ट आदि भी प्रकाशित करती है। इसके अतिरिक्त, यह अध्यापक-शिक्षक, अध्यापक प्रशिक्षणार्थी एवं सेवारत अध्यापकों के उपयोग हेतु शिक्षण सामग्री भी प्रकाशित करती है। शोध और विकास के पश्चात् तैयार की गई यह शिक्षण सामग्री राज्यों एवं संघ शासित क्षेत्रों के विभिन्न अभिकरणों के लिए आदर्श सामग्री मानी जाती है। यह राज्य स्तरीय अभिकरणों को ग्रहण एवं/या रूपांतरण हेतु उपलब्ध कराई जाती है। ये पाठ्यपुस्तकें अंग्रेजी, हिन्दी और उर्दू में प्रकाशित की जाती हैं।

एन.सी.ई.आर.टी. शैक्षिक जानकारी के प्रसार के लिए छः पत्रिकाएँ प्रकाशित करती है—प्राइमरी टीचर (अंग्रेजी और हिन्दी) जिसका लक्ष्य सीधे कक्षा में उपयोग के लिए प्राथमिक स्कूल अध्यापकों को सार्थक एवं सुसंगत सामग्री प्रदान करना है तो 'स्कूल साइंस' विज्ञान शिक्षा के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा के लिए खुला मंच प्रदान करती है। 'जरनल आफ इंडियन एजुकेशन' समसामयिक शैक्षिक विषयों पर चर्चा के माध्यम से शिक्षा में मौलिक और आलोचनात्मक विचार शक्ति को प्रोत्साहित करती है। 'इंडियन एजुकेशनल रिव्यू' में अनुसंधान परक लेख होते हैं और यह शिक्षा में अनुसंधानकर्ताओं को मंच प्रदान करती है। भारतीय आधुनिक शिक्षा हिन्दी में प्रकाशित की जाती है तथा समकालीन विषयों पर शिक्षा में आलोचनात्मक विचार शक्ति को प्रोत्साहित करती है तथा शैक्षिक समस्याओं और अभ्यासों के लिए विचारों को प्रसारित करती है। इसके अतिरिक्त संस्था पत्रिका, एन.सी.ई.आर.टी. न्यूज लैटर हर मास प्रकाशित की जाती है। क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय अपनी पत्रिकाएँ अलग से निकालते हैं।

अनुदेशी सामग्री का मूल्यांकन

विद्यालयी पाठ्यपुस्तकों तथा अन्य अनुदेशी सामग्री का विशेष रूप से राष्ट्रीय एकता की दृष्टि से निरंतर मूल्यांकन किया जाता है। इस प्रयोजन के लिए आधार क्रियाविधि, उपकरण एवं तकनीकें विकसित की गई हैं। विद्यालयी पाठ्यपुस्तकों के शैक्षिक और आकार-प्रकार संबंधी पहलुओं के मूल्यांकन के लिए मार्गदर्शिकाएँ और पद्धतियाँ निर्धारित की गई हैं। इनके संबंध में प्रयोक्ता विद्यालयों से प्राप्त विचार, टिप्पणियाँ, पाठ्यपुस्तकों तथा अन्य शिक्षण सामग्री के संशोधन में सहायक सिद्ध होती हैं।

विनिमय कार्यक्रम

विशिष्ट शैक्षिक समस्याओं के अध्ययन तथा विकासशील राष्ट्रों के कार्मिकों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की व्यवस्था करने के लिए एन.सी.ई.आर.टी., यूनेस्को, यूनिसेफ, यू.एन.डी.पी. और यू.एन.एफ.पी.ए. जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ मिलकर कार्य करती है। यह

एशिया और प्रशांत क्षेत्र में यूनेस्को के प्रधान क्षेत्रीय कार्यालय, बैंकाक द्वारा प्रायोजित ए.पी.ई.आई.डी. के अंतर्गत सहयोगी केन्द्रों में से एक है। यह शैक्षिक नवाचार एवं विकास हेतु एशियाई केन्द्र (एसीड) के राष्ट्रीय विकास समूह के सचिवालय के रूप में कार्य करती है। यह विकासशील देशों के शैक्षिक कार्यकर्ताओं के लिए संबद्ध कार्यक्रमों तथा कार्यशालाओं में प्रतिभागिता के माध्यम से प्रशिक्षण सुविधाएँ प्रदान करती है।

एन.सी.ई.आर.टी. स्कूली शिक्षा तथा अध्यापक शिक्षा के क्षेत्र में भारत सरकार तथा अन्य राष्ट्रों के बीच तय किये गये द्विपक्षीय सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम कार्यान्वित करने के लिए मुख्य अभिकरण के रूप में कार्य करती है। इस संबंध में परिषद् विशिष्ट शैक्षिक समस्याओं का भारतीय अपेक्षाओं के अनुरूप अध्ययन करने के लिए अन्य देशों में अपने शिष्टमंडल भेजती है तथा अन्य देशों के विद्वानों के लिए प्रशिक्षण एवं अध्ययन दौरे की व्यवस्था करती है। परिषद् अन्य देशों से शैक्षिक सामग्री का आदान-प्रदान भी करती है। यह अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, बैठकों, परिसंवादों आदि में भाग लेने के लिए अपने संकाय सदस्यों को नामित करती है।

संरचना और प्रशासन

केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री एन.सी.ई.आर.टी. की "महासभा" के अध्यक्ष हैं। सभी राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों के शिक्षा मंत्री इस सभा के सदस्य हैं। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष, भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के शिक्षा विभाग के सचिव, चार विश्वविद्यालयों के उपकुलपति (प्रत्येक क्षेत्र में से एक), केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्यालय संगठन के आयुक्त, परिषद् की कार्यकारी समिति के सदस्य (जो ऊपर सम्मिलित नहीं हैं) तथा अन्य 12 व्यक्ति जिनमे कम से कम 4 सदस्य विद्यालय के अध्यापक हों, जो समय-समय पर अध्यक्ष द्वारा नामित किए जाते हैं, इस महासभा के सदस्य हैं।

कार्यकारिणी समिति एन.सी.ई.आर.टी. का मुख्य शासी निकाय है। केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री इसके अध्यक्ष (पदेन) और मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य शिक्षा एवं संस्कृति मंत्री (पदेन) उपाध्यक्ष हैं। इस समिति के अन्य सदस्यों में मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शिक्षा विभाग के सचिव, परिषद् के निदेशक, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष, विद्यालयी शिक्षा में रुचि रखने वाले चार शिक्षाविद, (इनमें से कम से कम दो विद्यालय के शिक्षक होंगे) परिषद् के संयुक्त निदेशक, परिषद् के तीन सदस्य (इनमें कम से कम दो प्रोफेसर तथा विभागाध्यक्ष स्तर के होने चाहिए), मानव संसाधन विकास मंत्रालय का एक प्रतिनिधि तथा वित्त मंत्रालय का एक प्रतिनिधि भी सम्मिलित है, जो परिषद् का वित्तीय सलाहकार है।

निम्नलिखित स्थायी समितियाँ इस कार्यकारिणी समिति की सहायता करती हैं:

1. वित्त समिति
2. स्थापन समिति
3. भवन एवं निर्माण समिति
4. क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय की प्रबंध समिति
5. कार्यक्रम सलाहकार समित
6. शैक्षिक अनुसंधान तथा नवाचार समिति

परिषद् मुख्यालय में निम्नलिखित अनुभाग हैं:

1. परिषद् सचिवालय
2. लेखा शाखा

परिषद् के चार वरिष्ठ पदाधिकारी—निदेशक, संयुक्त निदेशक, संयुक्त निदेशक (सी.आई.ई.टी) तथा सचिव, भारत सरकार द्वारा नियुक्त किए जाते हैं। रिपोर्ट में उल्लिखित वर्ष के दौरान निम्नलिखित अधिकारियों ने ये पद संभाले:

1990-91

निदेशक : डा. के. गोपालन

संयुक्त निदेशक : प्रोफेसर ए. के. शर्मा

संयुक्त निदेशक (सी.आई.ई.टी.) : डा. एम. एम. चौधरी (14 सितम्बर, 1990 तक)
प्रो. ए. के. शर्मा (22 सितम्बर, 1990 से 31 मार्च, 1991 तक)

सचिव : श्री एच. के. एल. चुघ (30 अप्रैल, 1990 तक)

श्री जी. आर. दास (2 मई से सितम्बर, 1990 तक)

डा. के. जे. एस. चतरथ (19 सितम्बर, 1990 से)

शैक्षिक कार्यों में निदेशक के सहायतार्थ तीन संकायाध्यक्ष (डीन) हैं:

संकायाध्यक्ष (अकादमिक) : प्रोफेसर बी. गांगुली

संकायाध्यक्ष (अनुसंधान) : प्रोफेसर आर. पी. सिंह

संकायाध्यक्ष (समन्वय) : प्रोफेसर ए. के. शर्मा

संकायाध्यक्ष (अकादमिक) एन.आई.ई. के विभागों के शैक्षिक कार्य को समन्वित करते हैं। संकायाध्यक्ष (अनुसंधान) अनुसंधान कार्यक्रम समन्वित करते हैं और शैक्षिक अनुसंधान तथा नवाचार समिति (एरिक) के कार्य की देखभाल करते हैं। संकायाध्यक्ष (समन्वय) सेवा/उत्पादन विभागों, क्षेत्र सलाहकार कार्यालयों और क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों के कार्यकलापों को समन्वित करते हैं।

एन.सी.ई.आर.टी. के मुख्य घटक

परिषद् के मुख्य घटक निम्नलिखित हैं:

1. राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान (एन.आई.ई.) नई दिल्ली
2. केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सी.आई.ई.टी.) नई दिल्ली
3. क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (क्षे.शि.म.) अजमेर
4. क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (क्षे.शि.म.) भोपाल
5. क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (क्षे.शि.म.) भुवनेश्वर
6. क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (क्षे.शि.म.) (मैसूर)

राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान (एन.आई.ई.)

वर्ष 1990-91 के दौरान राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली के निम्नलिखित विभाग/एकक थे, जो अपने-अपने क्षेत्रों के अनुसंधान विकास, प्रशिक्षण, विस्तार, मूल्यांकन संबंधी कार्यों में कार्यरत थे:

1. सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एस.एच.)
2. विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एम)
3. विद्यालय-पूर्व और प्रारंभिक शिक्षा विभाग (डी.ई.पी.एस.ई.ई.)
4. अनौपचारिक शिक्षा और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति शिक्षा विभाग (डी.एन.ई.एफ.ई.एस.सी./एस.टी.)
5. शिक्षा-व्यावसायीकरण विभाग (डी.वी.ई.)
6. अध्यापक शिक्षा, विशेष शिक्षा और विस्तार सेवा विभाग (डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.)

7. मापन, मूल्यांकन, सर्वेक्षण और आधार सामग्री प्रक्रियन विभाग (डी.एम.ई.डी.पी.)
8. शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और निर्देशन विभाग (डी.ई.पी.सी.जी.)
9. महिला अध्ययन विभाग (डी.डब्ल्यू.एस.)
10. नीति, अनुसंधान, नियोजन और कार्यक्रम विभाग (डी.पी.आर.पी.पी.)
11. योजना, कार्यक्रम, अनुवीक्षण और मूल्यांकन प्रभाग (डी.पी.एम.ई.डी.)
12. क्षेत्रीय सेवा और विस्तार समन्वयन विभाग (डी.एफ.एस.ई.सी.)
13. पुस्तकालय, प्रलेखन और सूचना विभाग (डी.एल.डी.आई.)
14. प्रकाशन विभाग (पी.डी.)
15. कर्मशाला विभाग (डब्ल्यू.डी.)
16. नवोदय विद्यालय प्रकोष्ठ (एन.वी.सी.)
17. पत्रिका प्रकोष्ठ (जे.सी.)
18. अंतर्राष्ट्रीय संबंध एकक (आई.आर.यू.)

केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सी.आई.ई.टी.)

सी.आई.ई.टी. संयुक्त निदेशक की अध्यक्षता में एन.सी.ई.आर.टी. के एक घटक के रूप में काफी स्वायत्तता के साथ कार्य करता है। कार्यक्रमों और कार्यकलापों के मार्गदर्शन हेतु संस्थान की एक सलाहकार समिति है। सी.आई.ई.टी. के निम्नलिखित प्रमुख प्रभाग हैं:

शैक्षिक दूरदर्शन प्रभाग
दूरस्थ शिक्षा योजना, समन्वयन, अनुसंधान और मूल्यांकन
आलेख और प्रशिक्षण प्रभाग
शैक्षिक रेडियो प्रभाग
आलेखिकी, प्रदर्शनी फोटो और फिल्म प्रभाग
सूचना और प्रलेखन प्रभाग
तकनीकी योजना, प्रचालन और अनुरक्षण प्रभाग
प्रशासन और लेखा प्रभाग

क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (आर.सी.ई.)

क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय अजमेर, भोपाल, भुवनेश्वर और मैसूर में स्थित हैं। एन.सी.ई.आर.टी. के नियमों/विनियमों के अंतर्गत हर महाविद्यालय के कार्यों के सामान्य पर्यवेक्षण के लिए एक प्रबंध समिति उत्तरदायी है। महाविद्यालय की प्रबंध समिति उस विश्वविद्यालय के उपकुलपति की अध्यक्षता में कार्य करती है, जिससे वह संबद्ध है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य करते हैं। इस समिति की वर्ष में कम से कम दो बार बैठक होती है तथा आवश्यकता पड़ने पर अध्यक्ष द्वारा समिति की विशेष बैठक किसी भी समय बुलाई जा सकती है। अकादमिक कार्यों में संकायाध्यक्ष (शिक्षण) महाविद्यालय के प्राचार्य की सहायता करते हैं।

ये क्षेत्रीय महाविद्यालय आवासीय संस्थाएँ हैं, जिनमें प्रयोगशाला, पुस्तकालय और अन्य सुविधाएँ पर्याप्त रूप से उपलब्ध हैं। हर महाविद्यालय का एक बहुउद्देशीय निर्देशन विद्यालय है जहाँ विकसित अध्यापन विधियों तथा अन्य नवाचार पद्धतियों से सम्बद्ध अध्ययन-अध्यापन तथा मूल्यांकन पद्धतियों को वास्तविक कक्षा स्थिति के आधार पर परखा जाता है।

क्षेत्रीय सलाहकार कार्यालय

राज्य/संघ शासित क्षेत्र के शिक्षाधिकारियों एवं वहाँ विद्यालयी शिक्षा तथा अध्यापक शिक्षा में शैक्षिक और प्रशिक्षण निवेश प्रदान करने वाली संस्थाओं के साथ संपर्क सूत्र के रूप में कार्य करने के लिए

1990-91

निम्नलिखित 17 क्षेत्रीय सलाहकार कार्यालयों की स्थापना की गई है:

1. अहमदाबाद
2. इलाहाबाद
3. बेंगलूर
4. भोपाल
5. भुवनेश्वर
6. कलकत्ता
7. चंडीगढ़
8 गुवाहाटी
9. हैदराबाद
10. जयपुर
11. मद्रास
12. पटना
13. पुणे
14. शिलांग
15. शिमला
16. श्रीनगर/जम्मू
17. तिरुअनंतपुरम

दो

वर्ष 1990-91 के कार्यकलापों पर एक विहंगम दृष्टि

वर्ष 1991के दौरान राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् के विभिन्न घटकों ने विद्यालयी शिक्षा और अध्यापक शिक्षा में गुणात्मक सुधार से संबंधित कार्यक्रमों के विकास और कार्यान्वियन एवं राज्यों में विद्यालयी शिक्षा में सुधार से संबंधित केन्द्रीय प्रायोजित योजनाओं के कार्यान्वियन के लिए लगातार और समन्वित प्रयास किया। वर्ष 1990-91 के दौरान शैशवकालीन देखभाल और शिक्षा संबंधी कार्यक्रमों और परियोजनाओं का निरूपण और कार्यान्वियन; प्रारंभिक शिक्षा का व्यापकीकरण; लड़कियों, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों, शैक्षिक रुप से पिछड़े अल्पसंख्यकों और विकलांग बच्चों जैसे विशेष वर्गों की शिक्षा; विद्यालय स्तर पर शिक्षा की विषयवस्तु और प्रक्रियाओं का पुनर्निर्धारण; विज्ञान और गणित की शिक्षा में सुधार; कम्प्यूटर साक्षरता और विद्यालयों में अध्ययन; उच्चतर माध्यमिक स्तर पर शिक्षा का व्यावसायीकरण; शैक्षिक प्रौद्योगिकी का उपयोग; अध्यापक शिक्षा का पुनर्गठन और पुनर्संरचना; जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रवेश हेतु छात्रों का चयन; प्रतिभा खोज; शैक्षिक सर्वेक्षण; शैक्षिक एवं व्यावसायिक मार्गदर्शन; शैक्षिक अनुसंधान और नवाचारों का उन्नयन और अनुदेशी सामग्री का प्रकाशन; जिसमें कक्षा 1 से 12 तक की पाठ्यपुस्तकों का प्रकाशन भी सम्मिलित है, आदि कार्य रा.शै.अ. और प्र.प. के कुछ महत्त्वपूर्ण पहलुओं को उजागर करते हैं।

परिषद् ने यूनिसेफ सहायता प्राप्त परियोजनाओं, राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना, कम्प्यूटर साक्षरता और विद्यालयों में अध्ययन कार्यक्रम (क्लास) और भारत एवं संघीय जर्मन-गणराज्य, परियोजना शीर्षक "मध्य प्रदेश तथा उत्तर प्रदेश के प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में उन्नत विज्ञान शिक्षा" से संबंधित सभी कार्यकलापों को भी समन्वित एवं मॉनिटर करना जारी रखा। क्षेत्रीय कार्यालयों और क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों के नेटवर्क के माध्यम से शिक्षा निदेशालयों/शिक्षा विभागों, राज्य शिक्षा संस्थान/राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एस.आई.ई./एस.सी.ई.आर.टी.) तथा राज्यों एवं संघ शासित क्षेत्रों के अन्य अभिकरणों द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिया सहयोग देकर राज्य एवं संघ शासित क्षेत्रों की सरकारों से निकट संपर्क बनाए रखा।

शैशवकालीन देखभाल और शिक्षा (ई.सी.सी.ई.)

राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों में शैशवकालीन देखभाल और शिक्षा (ई.सी.सी.ई.) कार्यक्रमों को प्रभावी बनाने एवं उन्हें सहायता देने में परिषद् ने कारगर ढंग से काम किया। शैशवकालीन शिक्षा (ई.सी.ई.) कार्यक्रम के अन्तर्गत आयोजकों और अध्यापकों के लिए एक निदर्शन-संदर्शिका तैयार की गई। शैशवकालीन शिक्षा अनुदेशी

सामग्री श्रृंखला के अंतर्गत सात पुस्तिकाएं प्रकाशित की गई और शिशुओं के लिए सामान्य विषयों पर आधारित छः चित्र-पुस्तिकाओं का निर्माण किया गया। बच्चों के लिए श्रव्य कार्यक्रम के अंतर्गत रेडियो संभाव्यता अध्ययन के लिए विभिन्न विषयों पर कैप्स्यूल के रूप में 51 कार्यक्रम तैयार किए गए।

वर्ष 1990-91 में बाल माध्यम प्रयोगशाला (सी.एम.एल.) के अन्तर्गत तैयार की गई सामग्री के लगभग 500 सेटों का विभिन्न संगठनों में प्रचार-प्रसार किया गया। बाल विकास में गृह-आधारित कार्यक्रम के अन्तर्गत अन्य चीजों के साथ-साथ 0 से 6 वर्ष के बच्चों के कार्यकलापों को शामिल करके एक मैनुअल तैयार किया गया। दिल्ली नगर निगम के चुने गए प्राथमिक विद्यालयों में परियोजना का संचालन करने के लिए "चाइलड-टू-चाइल्ड" कार्यक्रम के अंतर्गत अध्यापकों के लिए एक विस्तृत मैनुअल तैयार किया गया। शिक्षकों में प्राथमिक और प्रारम्भ प्राथमिक स्तर पर खिलौनों और शैक्षिक खेल के महत्व तथा खेल-खेल में शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के लिए एक पाँच-दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला-सहप्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें चण्डीगढ़, हरियाणा, हिमाचल-प्रदेश, केरल, महाराष्ट्र, मिजोरम, और उत्तर-प्रदेश से प्राथमिक-पूर्व/प्राथमिक विद्यालयों के सात पुरस्कार विजेता अध्यापकों ने भाग लिया। कार्यशाला के दौरान कम कीमत के शैक्षिक खिलौनों पर एक मैनुअल तैयार किया गया।

शैशवकालीन परियोजना के अन्तर्गत, रा.शै.अ.प्र.प. ने शैशवकालीन परियोजना समन्वयकों और राज्य स्तर के कार्यकर्ताओं के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें शैशवकालीन शिक्षा में नवाचार कार्यक्रम के सम्बन्ध में विचार-विमर्श किया गया। इसके अतिरिक्त गैर-सरकारी संगठनों के प्रमुख कार्यकर्ताओं के लिए भी शैशवकालीन शिक्षा में दो प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

प्रारंभिक शिक्षा का व्यापीकरण

प्रारंभिक शिक्षा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 (एन.पी.ई.-1986) के प्रावधानों के व्यापीकरण के संबंध में मूलभूत निदेशों को ध्यान में रखते हुए परिषद् ने प्रारंभिक शिक्षा के व्यापीकरण (यू.ई.ई.) से संबंधित कार्यक्रमों और परियोजनाओं को उच्च प्राथमिकता दी है। विषय-सूची की पुनर्संरचना और शिक्षा-प्रक्रिया के कार्यक्रम के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालय स्तर की पाठयपुस्तकों को संशोधित करने की अगली कार्रवाई के लिए उनका मूल्यांकन किया गया। विभिन्न वर्गों के बच्चों की आवश्यकताओं एवं पर्यावरण संबंधी प्रसंगों से जोड़ने के लिए पाठ्यचर्या का नवीकरण एवं शिक्षण सामग्री तैयार करने संबंधी गतिविधियां जारी रखी गई। एन.सी.ई.आर.टी. ने केप (प्राथमिक शिक्षा का व्यापक लक्ष्य) परियोजना के विभिन्न कार्यकलापों जैसे, अधिगम पैकेज, कार्यकर्ताओं के लिए पुस्तिकाएँ और नौसिखियों की उपलब्धियों का मूल्यांकन करने के लिए प्रश्न बैंक/पत्र तैयार करने जैसे विभिन्न कार्यकलापों के आयोजन में भाग लेने वाले राज्यों की सहायता की। अनौपचारिक शिक्षा प्रणाली में भाग लेने वाले राज्यों में केप के अन्तर्गत तैयार शिक्षण सामग्री के व्यापक अनुप्रेरण के प्रयत्न किए गए/उड़ीसा ने अपनी अनौपचारिक शिक्षा प्रणाली में केप की सामग्री को पहले से ही अपना लिया है।

यूनिसेफ सहायता प्राप्त परियोजना एन.एच.ई.ई.एस. (पोषण स्वास्थ्य शिक्षा और पर्यावरणात्मक स्वच्छता) के अंतर्गत दो मूल्यांकन अध्ययन शीर्षक "छात्र उपलब्धि अध्ययन" और "ग्रामुदायिक संपर्क कार्यक्रम का प्रभाव" आयोजित किए गए। यूनिसेफ सहायता प्राप्त क्षेत्र शिक्षा और मानव संसाधन विकास के लिए यूनिसेफ सहायता प्राप्त क्षेत्र गहन शिक्षा परियोजना (ए.आई.ई.पी.) के अंतर्गत विभिन्न स्तरों पर अंतर खंडीय सहयोग पर विचार किया गया। शैक्षिणिक कार्यों में सहायता प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य, महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक स्तर में सुधार एवं सामाजिक जागरूकता जैसे कार्यक्रमों की युक्तिरचना तैयार की गई।

आपरेशन ब्लैकबोर्ड (ओ.बी.) योजना के अन्तर्गत दो प्रशिक्षण पैकेज (1) पैकेज जागरूकता और (2) पैकेज निष्पादन को मूलतः जिला शिक्षाओं और प्रशिक्षण संस्थान (डी.आई.ई.टी.) द्वारा आयोजित सेवाकालीन शिक्षा पाठ्यक्रम के प्रयोग के लिए अंतिम रूप दिया गया। एक यूनिसेफ प्रायोजित अध्ययन शीर्षक "कठिन शैक्षिक संदर्भों में ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक शिक्षा की उन्नति में माता-पिता तथा

अध्यापकों का सहयोग" किया गया। प्राथमिक विद्यालय में छात्रों के शब्दकोश पठन पर पहले से तैयार की गई रिपोर्ट को भी प्रकाशित किया गया।

बच्चों की उपलब्धियों के स्तर में सुधार को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति-1986 ने शिक्षा के प्रत्येक स्तर के लिए न्यूनतम अधिगम स्तर (एम.एल.एल.) निर्धारित करने की आवश्यकता पर बल दिया जिससे सभी बच्चे इनका लाभ उठा सकें। मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा स्थापित समिति की रिपोर्ट के आधार पर रा.शै.अ.प्र.प. ने प्राथमिक विद्यालय स्तर पर न्यूनतम अधिगम स्तर कार्यक्रम के कार्यान्वियन को आरम्भ कर दिया है। इस वर्ष किए गए अन्य कार्यक्रमों एवं कार्यों के साथ-साथ परिषद् ने न्यूनतम अधिगम स्तर की रिपोर्ट को अंग्रेजी और हिन्दी में मुद्रित करना, निर्देश-चिन्ह आंकड़े एकत्र करने के लिए उपकरण तैयार करना और प्राथमिक विद्यालयों तथा अनौपचारिक शिक्षा केन्द्रों के लिए सूचकों का चयन करना, हिन्दी में न्यूनतम अधिगम स्तर के लिए परिचायक सामग्री का प्रारूप तैयार करना, क्षमताओं को किस सीमा तक विषयवस्तु में शामिल किया जाए, इस दृष्टि से वर्तमान पाठ्यपुस्तकों/अनुदेशी सामग्री का विश्लेषण, और अध्यापकों/अनौपचारिक अनुदेशकों के लिए प्रारूप-पुस्तिका तैयार करना।

ऐसा अनुभव किया गया कि प्रारंभिक शिक्षा के व्यापकीकरण के लिए अनौपचारिक शिक्षा (एन.एफ.ई.) एक विशेष युक्तिरचना है। इस वर्ष अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रमों से संबंधित अनुसंधान, विकास और प्रशिक्षण कार्यकलापों ने रा.शै.अ.प्र.प. के कार्यों के एक महत्वपूर्ण पहलू को उजागर किया है।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के अनुरोध पर रा.शै.अ.प्र.प. ने शैक्षिक रूप से पिछड़े राज्यों में केन्द्र द्वारा प्रायोजित अनौपचारिक शिक्षा योजना के कार्यान्वियन से जुड़े शीर्ष व्यक्तियों/परियोजना अधिकारियों और अनौपचारिक केन्द्रों के अनुदेशकों को प्रशिक्षण देने का दायित्व लिया। अनौपचारिक शिक्षा में परियोजना अधिकारियों और स्वैच्छिक अभिकरणों के कार्मिकों के लिए भी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

रा.शै.अ.प्र.प. ने अनौपचारिक शिक्षा के बच्चों की उपलब्धियों का मूल्यांकन करने के लिए उपकरण और प्रविधियाँ तैयार कीं। अनौपचारिक अनुदेशकों और परियोजना अधिकारियों के लिए सामाजिक, भावनात्मक और राष्ट्रीय एकता पर पुस्तिका का प्रारूप तैयार किया गया। प्राथमिक विद्यालय अध्यापकों और अनौपचारिक शिक्षा अनुदेशकों को सम्मिलित करके न्यूनतम अधिगम स्तर (एम.एल.एल.) के दस्तावेज के संशोधन के लिए भी कार्य किए गए। "अनौपचारिक शिक्षा पद्धति में प्रयोग के लिए क्षेत्रीय स्थान" शीर्षक शोध परियोजना के अंतगर्त क्षेत्रीय स्थानों में दिए गए निदर्शनात्मक पाठों की वीडियो रिकॉर्डिंग के लिए एक कार्यशाला आयोजित की गई, बाद में एक अन्य कार्यशाला में इन स्थानों के संबंध में ऑकड़ों का विश्लेषण किया गया।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति की शिक्षा

रा.शै.अ.प्र.प. ने अनुसूचित जातियों और जन जातियों की शिक्षा के संवर्द्धन हेतु अपने कार्यकलाप जारी रखे। "आदिवासी बोलियों में पाठ्यपुस्तकें तैयार करना "शीर्षक परियोजना के अन्तर्गत गोंडी और इरूला में प्रवेशिकाएं तैयार करने/मुद्रित करने का कार्य जारी है। रा.शै.अ.प्र.प. ने "आदिवासी बोलियों में शिक्षण अधिगम सामग्री का विकास" परियोजना के अंतर्गत बिहार की पाँच आदिवासी भाषाएं हो, संथाल, मुंदरी, खड़िया और कुरुख में कक्षा 1 के लिए पाँच क्षेत्रीय लिपियों में पाण्डुलिपियाँ तैयार कीं। वर्ष के दौरान अनुसूचित जाति के विशिष्ट व्यक्तियों पर ग्रंथपरक पाठ्यसामग्री तैयार की गई और भारत रत्न बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर की जन्मशती समारोह के एक अंग के रूप में अनुसूचित जाति के शैक्षिक विकास पर व्याख्या सहित एक ग्रंथ सूची तैयार करने का कार्य किया गया। उनकी जन्मशती-स्मरणोत्सव के अवसर पर रा.शै.अ.प्र.प. के कार्यों के एक हिस्से के रूप में डा. बी.आर. अम्बेडकर के शिक्षा से संबंधित विचारों का एक संग्रह तैयार किया गया।

महिला समानता के लिए शिक्षा

रा.शै.अ.प्र.प. ने बालिका शिक्षा के संवर्द्धन और लिंगों में समानता

संबंधी अपनी बचनबद्धता को पाठ्यचर्या और अध्यापक शिक्षा में उपयुक्त अंतःक्षेप और बालिका शिक्षा की अग्रवर्ती नीतियों एवं विशेष कार्यक्रमों के कार्यान्वियन में केन्द्र, राज्यों और अन्य संस्थानों/संगठनों को सहायता देकर नवीकृत किया है। इस संदर्भ में रा.शै.अ.प्र.प. ने बालिका शिक्षा के क्षेत्र में शैक्षिक एवं संबंधित नीतियों तथा कार्यक्रमों के निरूपण एवं एक मूल्यवान और सशक्त मानव संसाधन के रूप में बालिकाओं को उनके विकास के लिए शिक्षित करने की आवश्यकता के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से मानव संसाधन विकास मंत्रालय को तकनीकी सुविज्ञता एवं आंकड़ा-विश्लेषण प्रदान किया।

वर्ष 1990-91 में रा.शै.अ.प्र.प. ने राष्ट्र-मण्डल प्रायोजित अध्ययन "भारत में व्यावसायिक, तकनीकी और पेशेवर शिक्षा में महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रवेश में सुधार के उपाय" और राष्ट्रीय अध्ययन "प्रारम्भिक विद्यालयों में बालिकाओं की नियमितता और अनियमितता" किया। पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकों से लिंग के आधार पर पक्षपात दूर करना, उदाहरण सामग्री का विकास एवं पाठ्यचर्या तैयार करने वालों, पाठ्यपुस्तकों के लेखकों और नीति निर्धारकों के लिए दिशा निर्देशों का विकास, देश में प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों की वर्तमान पाठ्य मालाओं के विश्लेषण से संबंधित कार्य किए गए। "मातृभाषा (हिन्दी) में उदाहरण सामग्री का विकास" परियोजना के अंतर्गत "समानता की ओर" विषय पर तीन पूरक पाठमालाओं को प्रकाशित किया गया। "मानसी परिचय माला" शीर्षक परियोजना के एक अंग के रूप में 14 से 18 वर्ष समूह के लिए पूरक पाठमालाओं के विकास के संदर्भ में राष्ट्रीय और क्षेत्रीय भाषाओं के साहित्य में महिलाओं के चित्रण के विश्लेषण के लिए दिशानिर्देश तैयार किए गए. सार्क की एक कार्य योजना "बालिकाओं का दशक" भी तैयार की गई।

"महिला शिक्षा और विकास की प्रणाली" पर एक सात सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम ने शिक्षाविदों, सामाजिक वैज्ञानिकों, राज्यों के शीर्ष-स्तर के शैक्षिक कार्मिकों तथा बालिका शिक्षा से जुड़े आधारिक गैर-सरकारी संगठनों के मध्य बालिका शिक्षा के क्षेत्र में विचारों एवं अनुभवों के आदान-प्रदान का एक सशक्त मंच प्रदान किया। महिला-समानता की शिक्षा से संबंधित कुछ अंतर्राष्ट्रीय बैठकों में रा.शै.अ.प्र.प. के संकाय-सदस्यों ने हिस्सा लिया।

शैक्षिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यकों की शिक्षा

शैक्षिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यकों द्वारा प्रबंधित विद्यालयों के अध्यापकों की शिक्षण क्षमता के संवर्धन के लिए क्षेत्रीय संसाधन केन्द्रों की योजना को जारी रखा गया। अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा स्थापित, उप समूहों की बैठकों में क्षेत्रीय संसाधन केन्द्रों के कार्यक्रमों की अद्यतन सूचना प्रस्तुत की गई और रा.शै.अ.प्र.प. ने शैक्षिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यकों के विद्यालयों के अध्यापकों की क्षमता का विकास करने के लिए वैकल्पिक युक्तिरचनाओं का सुझाव दिया।

विकलांगों की शिक्षा

रा.शै.अ.प्र.प. ने गैर-विकलांग बच्चों के साथ-साथ सामान्य शिक्षा पद्धति से विकलांग बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देने के विशेष प्रयत्न किए. कार्यक्रमों और कार्यकलापों का केन्द्रबिन्दु संगठनात्मक सहयोग से विकलांग बच्चों को सामान्य शिक्षा पद्धति से जोड़ने के लिए संदर्भ आधारित विशिष्ट कार्यनीतियों का विकास कक्षा में बच्चों की विशेष आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सामान्य अध्यापकों की क्षमता में वृद्धि, पाठ्यचर्या के समायोजन और अनुकूलन के लिए तथा विशेष आवश्यकताओं के शिक्षण के लिए पाठ्यचर्या और अनुदेशात्मक सामग्री तैयार करना, विकलांग बच्चों को विद्यालय में लाने और उसे जारी रखने के लिए समुदाय और अभिभावकों से संपर्क स्थापित करना तथा विकलांग बच्चों के लिए नीति निर्माण में भा.स.वि.मं. तथा भारत सरकार के अन्य संबंधित विभागों को सहयोग प्रदान करना रहा। रा.शै.अ.प्र.प. ने इस क्षेत्र में कार्यक्रमों की योजना तैयार करने और प्रबन्धन में राज्य सरकारों को भी सहायता प्रदान की।

मा.सं.वि.म. के अनुरोध पर विकलांग बच्चों की संगठित शिक्षा (आई.ई.डी.सी.) योजना के कार्यान्वियन का मूल्यांकन किया गया और एक रिपोर्ट तैयार की गई। इसके अतिरिक्त, इस दौरान दो अध्ययन शीर्षक "प्रारम्भिक जानकारी और मध्यस्थता के लिए आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण की उपयुक्तता" और "कक्षा में विशेष आवश्यकताओं के लिए अध्यापक शिक्षा स्रोत पैक की प्रभाविता का अध्ययन" किए गए।

रा.शै.अ.प्र.प. ने विकलांगों के लिए शिक्षा से संबंधित कुछ पुस्तिकाए और अनुदेशी सामग्री का विकास किया जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ कम देखने वाले बच्चों के लिए पुस्तिका "विकलांग बच्चों के सीखने की प्रारम्भिक पहचान के लिए मार्ग निर्देशन" कम्प्यूटर की सहायता से सीखने और सिखाने के लिए विशेष आवश्यकता कार्यक्रम, विशेष आवश्यकताओं पर वीडियो कार्यक्रम" संसाधन कक्ष के आयोजन से संबंधित पुस्तिका, और "मूल्यांकन सामग्री पर आधारित पाठ्यचर्या" भी सम्मिलित है।

रा.शै.अ.प्र.प. ने विकलांग बच्चों की शिक्षा के लिए कार्यक्रमों और कार्यकलापों की योजना और कार्यान्वियन से जुड़े विभिन्न वर्ग के कार्मिकों के लिए कई प्रशिक्षिण/अभिविन्यास और विस्तार कार्यक्रमों का भी आयोजन किया। विशेष शिक्षा में एक वर्षीय बहुवर्गीय प्रशिक्षण जो वर्ष 1990-91 में क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय अजमेर, भोपाल और भुवनेश्वर में दिया गया, विशेष उल्लेखनीय हैं।

विकलांगों की शिक्षा के विभिन्न पहलुओं से संबंधित सूचना के विनिमय और प्रचार-प्रसार के लिए रा.शै.अ.प्र.प. में विशेष शिक्षा पर तैयार की गई अनुदेशी सामग्री सभी राज्यों और संघशासित क्षेत्रों के विकलांग बच्चों की संघटित शिक्षा प्रकोष्ठों को दी गई तथा इसे कुछ अन्तर्राष्ट्रीय अभिकरणों जैसे यूनेस्को, यूनिसेफ, हू, सार्क, कामनवेल्थ और अन्य गैर-सरकारी संगठनों को भी दिया गया। विकलांगों की शिक्षा के नियमित कार्यक्रमों और कार्यकलापों के अतिरिक्त, रा.शै.अ.प्र.प. ने वर्ष के दौरान राष्ट्रीय स्तर पर कुछ सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों को सहायता और परामर्श-सेवाएं प्रदान की। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर यूनेस्कों को कक्षा में विशेष आवश्यकता पर अध्यापक-शिक्षा संसाधन पैक तैयार करने में तकनीकी सहायता प्रदान की गई। विकलांगों की शिक्षा से संबंधित कुछ कार्यक्रमों/कार्यकलापों के संदर्भ में मानसिक रूप से विकलांगों के लिए यूनिसेफ, हू और अन्तर्राष्ट्रीय संघ को तकनीकी सहायता प्रदान की गई।

विद्यालय-स्तर पर शिक्षा की विषयवस्तु और प्रक्रियाओं की पुनर्सरंचना

विद्यालयी शिक्षा में गुणात्मक सुधार लाने के लिए किए जा रहे प्रयासों में रा.शै.अ.प्र.प. ने विद्यालयी स्तर पर शिक्षा की विषयवस्तु और प्रक्रिया की पुनर्सरचना के लिए समन्वित उपायों की एक श्रृंखला आरंभ की। इन कार्यक्रमों और कार्यकलापों का मुख्य केन्द्र अनुदेशी सामग्री का विकास, व्यावसायिक क्षमता में सुधार के लिए अध्यापक और अन्य शैक्षिक कार्मिकों का प्रशिक्षण और परीक्षा में सुधार, जिसमें पठन पाठन, प्रक्रिया में सुधार के लिए निरंतर और व्यापक मूल्यांकन शामिल है, की ओर ही रहा।

अन्‍य रुकी हुई पाठ्यपुस्तकों के प्रकाशन सहित नई शिक्षा-नीति 1986 के अनुवर्तन के रूप में 1986-87 में चरणबद्ध रूप से आरंभ अनुदेशी सामग्री के विकास का कार्य पूरा किया गया। एक अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्र जिसका कार्य 1989-90 से आरम्भ किया गया और 1990-91 में आगे बढ़ाया गया वह था हिन्दी, उर्दू और अंग्रेजी की दूसरी और तीसरी भाषाओं के रूप में पाठ्यचर्या और अनुदेशी सामग्री तैयार करना। दूसरी और तीसरी भाषा के शिक्षण तथा दूसरी और तीसरी भाषा के रूप में हिन्दी और उर्दू के पाठ्यविवरण की सामान्य रूपरेखा को अन्तिम रूप दिया गया तथा इन भाषाओं में पाठ्यपुस्तकें तैयार करने का कार्य किया गया। पाठ्यपुस्तकें तैयार करने के अतिरिक्त रा.शै.अ.प्र.प. ने सामान्य अध्ययन, योगा, शारीरिक शिक्षा, कला शिक्षा और शिक्षा से संबंधित सर्जनात्मक नाटक की पाठ्यचर्या और अनुदेशी सामग्री के विकास पर भी कार्य किया। कक्षा 9-10 के लिए कला शिक्षा पर अध्यापक-पुस्तिका बनाने का कार्य भी किया गया।

इस अवधि के दौरान रा.शै.अ.प्र.प. ने सामाजिक विज्ञान और

1990-91

मानविकी में अध्यापक-संदर्शिका/पुस्तिका, कार्यकलाप पुस्तक और पठन व शिक्षण साधन आदि को तैयार करने का कार्य भी आरम्भ किया।

रा.शै.अ.प्र.प. कुछ अन्य परियोजनाओं और कार्यक्रमों में भी लगी रही जैसे राष्ट्रीय एकता के दृष्टिकोण से इतिहास और छह राज्यों की भाषाओं की पाठ्यपुस्तक का मूल्यांकन, विद्यालयों में संगोष्ठी पठन और नवाचारों के पुरस्कार विजेताओं की राष्ट्रीय बैठक, बाल-साहित्य में छब्बीसवीं राष्ट्रीय पुरस्कार प्रतियोगिता का आयोजन तथा पाठ्यपुस्तकों में भाषा की बोधगम्यता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

विज्ञान और गणित शिक्षा का सुधार

विद्यालय शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर विज्ञान और गणित शिक्षा में सुधार लाने की दृष्टि से रा.शै.अ.प्र.प. ने विज्ञान और गणित में अनुदेशी सामग्री का विकास, अध्यापकों को प्रशिक्षण विस्तार कार्यकलाप, एवं अनुसंधान कार्यों से संबंधित कार्य को जारी रखा। वर्ष 1990-91 में कक्षा 6 से 12 के लिए विज्ञान और गणित में अनुदेशी पैकेज और पूरक पुस्तकों के विकास के लिए कई कार्यशालाएं और बैठकें आयोजित की गईं। अपनी सामग्री के विकास के अतिरिक्त रा.शै.अ.प्र.प. कुछ राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों को विज्ञान और गणित की विषय-वस्तु एवं प्रक्रिया में सुधार के उनके प्रयासों में नई शिक्षा नीति 1986 के परिप्रेक्ष्य में अपनी विशेशज्ञता प्रदान की। रा.शै.अ.प्र.प. ने प्रशिक्षण सामग्री भी तैयार की एवं कुछ राज्यों के विभिन्न स्तरों के पदाधिकारियों को भी मार्ग-दर्शन दिया।

बिहार सरकार के सहयोग से रा.शै.अ.प्र.प. ने बच्चों के लिए 13 से 21 दिसम्बर, 1990 तक पटना में उन्नीसवीं जवाहर लाल नेहरू विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित की। राज्य स्तर पर विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित करने के लिए विभिन्न राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों को शैक्षिक मार्गदर्शन और वित्तीय सहयोग भी प्रदान किया गया। रा.शै.अ.प्र.प. के विज्ञान संकाय सदस्यों ने राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तरों के कुछ संस्थानों/संगठनों द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों और कार्यकलापों में भाग लिया।

रा.शै.अ.प्र.प. ने विज्ञान के उपकरणों की रूपरेखा तैयार करने, उनके आदिरूप का विकास और उत्पादन तथा विद्यालयों में विज्ञान के अध्ययन-अध्यापन से संबंधित कार्यकलापों का संवर्द्धन जारी रखा। परिषद् "मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के प्राथमिक तथा माध्यमिक विद्यालयों में संशोधित विज्ञान शिक्षा" शीर्षक इंडो-जर्मन परियोजना के अन्तर्गत उन्नत डिजाइन, गुणवत्ता, टिकाऊपन एवं इनकी मदों के बहुउपयोगी प्रयोग आदि विशेषताओं वाली नई प्राथमिक विज्ञान किट का निर्माण किया गया। केन्द्र द्वारा प्रायोजित ऑपरेशन ब्लैक बोर्ड योजना के अन्तर्गत न्यूनतम अनिवार्य सुविधाओं के एक अंग के रूप में रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा निर्मित प्राथमिक विज्ञान किट और मिनी टूल किट प्राथमिक विद्यालयों को दी जा रही है। वर्ष 1990-91 में 2151 प्राथमिक विज्ञान किट, 209 संघटित विज्ञान किट और 253 मिनी विज्ञान किटों का निर्माण हुआ और इन्हें राज्यों को भेजा गया। रा.शै.अ.प्र.प. ने कुछ नये किटों के नमूने और निर्माण का कार्य आरम्भ किया है जैसे माध्यमिक स्तर पर रसायनशास्त्र में मॉली-क्यूलर किट और भौतिक शास्त्र में ऑप्टीकल किट और +2 स्तर पर "बेसिक इलेक्ट्रॉनिक सर्किट"।

भारत जर्मनी परियोजना के कार्यान्वियन के संदर्भ में उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के प्रमुख व्यक्तियों, विद्वानों और प्राथमिक विद्यालयों के अध्यापकों के लिए पाँच पुनश्चर्या/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों के आयोजन से अन्य बातों के साथ-साथ किट की कुछ मदों को सुधारने के लिए भी पुनर्निवेशन (फीड बैक) मिलते हैं।

विद्यालयों में कम्प्यूटर साक्षरता और अध्ययन (क्लास)

विद्यालयों में कम्प्यूटर साक्षरता और अध्ययन कार्यक्रम के अन्तर्गत कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर पैकेज तैयार करना और कम्प्यूटर के उपयोग के लिए अध्यापकों को प्रशिक्षण, वर्ष 1990-91 में रा.शै.अ.प्र.प. में कम्प्यूटर संसाधन केन्द्र के कार्यकलापों का एक मक्षत्वपूर्ण क्षेत्र रहा है। इस अवधि में कम्प्यूटर संसाधन केन्द्र में बहुत से प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित किए। क्लास परियोजना के

लिए संसाधन केन्द्र ने विभिन्न विद्यालयी विषयों पर कम्प्यूटर के प्रभाव का प्रदर्शन करने के लिए कई विकासात्मक कार्यक्रम प्रारम्भ किए। रा.शै.अ.प्र.प. "साधन के रूप में कम्प्यूटर की सहायता से आधुनिक जीव विज्ञान और जीव-प्रौद्योगिकी में शिक्षण का संवर्द्धन" शीर्षक परियोजना का समन्वयन कर रही है जिसके लिए वित्त पोषण जीव प्रौद्योगिकी विभाग कर रहा है।

शिक्षा का व्यावसायीकरण

रा.शै.अ.प्र.प. का एक महत्वपूर्ण कार्य उच्चतर माध्यमिक शिक्षा के व्यावसायीकरण से सबद्ध कार्यक्रमों और कार्यकलापों का विकास और उनका कार्यान्वियन रहा है। केन्द्र द्वारा प्रायोजित माध्यमिक शिक्षा का व्यावसायीकरण योजना के प्रभावी कार्यान्वियन के लिए विभिन्न अभिकरणों के सहयोग से जिनमें व्यावसायिक, निजी, स्वैच्छिक और प्रशिक्षण संस्थान शामिल है कई कार्यक्रम एवं कार्य किए गए। वर्ष के दौरान रा.शै.अ.प्र.प. ने जो प्रमुख कार्य किए उनमें से कुछ हैं—पाठ्यचर्या, अनुदेशी सामग्री और दिशानिर्देशों का विकास, व्यावसायिक अध्यापक-शिक्षकों, समन्वयकों और +2 स्तर पर व्यावसायिक शिक्षा के कार्यान्वियन से जुड़े अन्य कार्मिकों का प्रशिक्षण, राज्य/संघ शासित क्षेत्र के स्तर के अभिकरणों और संस्थानों के सहयोग से शिक्षा व्यावसायीकरण से संबद्ध विस्तार और प्रचार कार्यकलापों का आयोजन, केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजना के कार्यान्वियन संबंधी अध्ययन, सेवा पूर्व व्यावसायिक अध्यापक प्रशिक्षण प्रारम्भ करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर संगोष्ठियों और बैठकों का आयोजन और उच्चतर माध्यमिक स्तर पर व्यावसायीकरण कार्यक्रम का निर्माण एव कार्यान्वियन आदि।

वर्ष 1990-91 में परिषद् ने विपणन, उद्यान-विज्ञान, रेशम कीट पालन, अन्तर्देशीय मछली-पालन विद्युतीय मोटर मरम्मत और अनुरक्षण, तथा इलैक्ट्रॉनिकी के क्षेत्र में अनुदेशी सामग्री का विकास किया। इसके अतिरिक्त कृषि और ग्रामीण आधारित पाठ्यक्रमों के विकास के लिए विभिन्न कार्यशालाएं आयोजित की गई।

रा.शै.अ.प्र.प. ने कथक, तबला और हिन्दी आशुलिपि पर क्षमता आधारित पाठ्यक्रम का विकास एवं स्वास्थ्य तथा पराचिकित्सा पाठ्यक्रम के संशोधन/पुनर्संगठन के लिए कदम उठाए। इस वर्ष विभिन्न राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों के प्रमुख व्यक्तियों के लिए उच्चतर माध्यमिक शिक्षा के व्यावसायीकरण से संबंधित विभिन्न अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कार्यक्रम के प्रभावशाली कार्यान्वियन के लिए कार्यनीतियाँ तैयार करने के उद्देश्य से व्यावसायीकरण से संबंधित जूरी की कई बैठकें आयोजित की गई। विशेषज्ञों की एक अन्य जूरी ने चरित्र-निर्माण के लिए विद्यालयों में कार्यानुभव के कार्यान्वियन के लिए कुछ महत्वपूर्ण सिफारिशें कीं।

देश में शिक्षा के व्यावसायीकरण और कार्यान्वियन के संवर्धन की दृष्टि से रा.शै.अ.प्र.प. ने केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, केन्द्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय और स्वैच्छिक संगठनों को अपनी विशेषज्ञता प्रदान की तथा सी.ई.ई.आर.आई., पिलानी द्वारा संचालित व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के मूल्यांकन में राष्ट्रीय साक्षरता मिशन को सहायता प्रदान की। व्यावसायिक कार्यक्रमों एवं ग्रामीण औद्योगीकरण सोसाइटी रांची द्वारा वित्त की उपयोगिता के मूल्यांकन में मानव संसाधन विकास मंत्रालय को सहायता प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त विभिन्न राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों के शिक्षा के व्यावसायिक कार्यक्रमों की तादाद और उनकी कमियों का पता लगाने के लिए कुछ तत्काल अध्ययन आयोजित किए गए।

शैक्षिक प्रौद्योगिकी का उपयोग

विद्यालय शिक्षा और अध्यापक शिक्षा के क्षेत्र में अन्य कार्यक्रमों और क्रियाकलापों में रा.शै.अ.प्र.प. देश में शिक्षा की वैकल्पिक प्रणाली के विकास एवं देश में शिक्षा के प्रसार तथा सुधार के लिए शैक्षिक प्रौद्योगिकी विशेषरूप से जनसंपर्क के माध्यमों के विकास पर जोर देती है। परिषद् शैक्षिक आवश्यकताओं के अनुरूप साफ्टवेयर का विकास, अनुसंधान, मूल्यांकन अध्ययन जैसे कार्य तथा शैक्षिक प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में काम करने वाले कार्मिकों को प्रशिक्षण देती है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् का केन्द्रीय

शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सीआई.ई.टी.) राज्य शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थानों (एस.आई.ई.टी.) के कार्यों में उनसे समन्वयन करता है। वर्ष 1990-91 में ऑपेरशन ब्लैक बोर्ड के अन्तर्गत अध्यापक प्रशिक्षण के क्षेत्र में साफ्टवेयर विकसित करने, जिला शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थानों (डी.आई.ई.टी.) के कार्मिकों को शिक्षा प्रौद्योगिकी (ई.टी.) में प्रशिक्षण देने, इनसैट वाले राज्यों में शैक्षिक दूरदर्शन सेवा (ई.टी.वी.) की जांच और उपयोग करने तथा ई.टी.वी. रेडियो प्रयोक्ता अध्यापकों के लिए स्वयं-अनुदेशी मैनुअल तैयार करने से संबंधित कार्य किए गए।

वर्ष 1990-91 में के.शै.पौ.सं. में कम्प्यूटर नियंत्रित दूरदर्शन स्टूडियो कैमरा आदि तथा मीटर से चलने वाले रिमोट कंट्रोल वाली परिष्कृत प्रकाश पद्धति एवं हाई बैंड व लो बैंड के वीडियो टेप की यू-मैटिक रिकार्डिंग की सुविधा और सर्विसिंग-स्टूडियो आदि की व्यवस्था सहित दूसरे दूरदर्शन स्टूडियो को चालू किया गया।

के.शै.प्रौ.सं. ने शैक्षिक दूरदर्शन (ई.टी.वी.) की उपयोगिता पर उड़ीसा, बिहार और आन्ध्र प्रदेश में अध्ययन किए। ये अध्ययन इन विषयों पर किए गए : (1) निर्धारित विषयों के संबंध में बच्चों की सामान्य जानकारी के स्तर जिस पर शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रम प्रसारित किया गया था, (3) बच्चों पर हास्य दूरदर्शन धारावाहिकों के प्रभाव और (3) भारत की सांस्कृतिक परम्परा पर श्रव्य श्रृंखला का मूल्यांकन।

के.शै.प्रौ.सं. शैक्षिक साफ्टवेयर के विकास, जिनमें ई.टी.वी. कार्यक्रम, श्रव्य कार्यक्रम, फिल्म, चार्ट, स्लाइड और अन्य सामग्रियाँ शामिल हैं, में लगा रहा। वर्ष 1990-91 में प्राथमिक स्तर पर बच्चों एवं अध्यापकों से संबंधित 105 नए ई.टी.वी. कार्यक्रम मुख्यतः सैटेलाइट (इनसैट-1) का संभरण तैयार किया गया।

के.शै.प्रौ.सं. और राज्य शै.प्रौ.सं. द्वारा निर्मित कार्यक्रम छः इनसैट राज्यों जैसे आन्ध्र प्रदेश, बिहार, गुजरात, महाराष्ट्र, उड़ीसा और उत्तर प्रदेश में पांच विभिन्न भाषाओं में सभी विद्यालय दिवसों और ग्रीष्मकालीन अवकाश में तीन घंटे के लिए प्रसारित किया गया। सैटेलाइट के माध्मय से प्रसारण के लिए हिन्दी में 650 कैप्सूल टेप और उड़िया में 400 कैप्सूल टेप तैयार किए गए।

के.शै.प्रौ.सं. द्वारा तैयार कक्षा 9-10 के लिए जीव विज्ञान में 22 चार्टों के सेट को जवाहर नवोदय विद्यालय समिति ने जवाहर नवोदय विद्यालयों में उपयोग के लिए स्वीकार किया है। कक्षा 11-12 के लिए जीव विज्ञान चार्टों को तैयार किया जा रहा है। दृश्य बैंक तैयार करने के अपने प्रयास में के.शै.प्रौ.सं. ने भारत के विभिन्न राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों के लोगों, वेषभूषाओं, भोजन की आदतों, प्राकृतिक दृश्यों, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्मारकों आदि के रंगीन स्लाइड तैयार करना आरम्भ कर दिया है। प्राथमिक विद्यालय के प्रयोगकर्ता अध्यापकों के लिए कक्षा में दूरदर्शन और रेडियो-सह कैसेट रिकॉर्डर और प्लेयर के प्रयोग से संबंधित दो मैनुअल (अंग्रेजी और हिन्दी में) भी विकसित किए गए। वर्ष 1990-91 में पाठ्यचर्या सामग्री के विकास के लिए 15 कार्यशालाओं के आयोजन के अतिरिक्त के.शै.प्रौ.सं. ने तकनीकी प्रचालन एवं अनुरक्षण, आलेख-लेखन शोध प्रविधियों और विद्यालयी शिक्षा के लिए शैक्षिक प्रौद्योगिकी का नवीनीकरण एवं उपयोग पर 11 मार्गदर्शन/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

अध्यापक शिक्षा

रा.शै.अ.प्र.प. ने सेवापूर्व और सेवाकालीन अध्यापक-शिक्षा कार्यक्रमों में गुणात्मक सुधार लाने के अपने कार्यकलाप जारी रखे। वर्ष 1990-91 के दौरान अनुसंधान एवं विकासात्मक कार्यकलापों का उद्देश्य प्रारम्भिक और माध्यमिक शिक्षक-शिक्षा कार्यक्रमों में सुधार, शिक्षक-शिक्षा पाठ्यचर्या का विकास, अध्यापक शिक्षा की पुनर्संरचना एवं पुनर्गठन की केन्द्रीय प्रायोजित योजना के कार्यान्वियन में सहायता की तैयारी करना रहा। जिन्हें हम रा.शै.अ.प्र.प. के प्रमुख कार्यकलापों में गिन सकते हैं।

"प्रारम्भिक और माध्यमिक शिक्षा के लिए राष्ट्रीय अध्यापक-शिक्षा परिषद् एन.सी.टी.ई. शिक्षक-शिक्षा की रूपरेखा पर आधारित दिशानिर्देशों और पाठ्यविवरणों का विकास" परियोजना के अन्तर्गत अध्यापक शिक्षा पाठयचर्या के विभिन्न घटकों में दिशानिर्देश और पाठ्यविवरण तैयार किए गए। "राज्य शैक्षिक

अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् का संवर्द्धन" पर एक उपागम पत्र भी तैयार किया।

"भारतीय शिक्षा की एनसाइक्लोपिडिया को तैयार करने के संदर्भ में संकल्पनात्मक रूपरेखा के अन्तर्गत धारणा संबंधी रूपरेखा सहित एक प्रारूप, मदों के शीर्षक और लेखकों के लिए दिशानिर्देश तथा परियोजना पूरी करने के लिए योजनाबद्ध कार्यपद्धति को अन्तिम रूप दिया गया। अध्यापक शिक्षा में शोध के क्षेत्रों की पहचान और कुछ चुने हुए क्षेत्रों में शोध की रूपरेखा के विकास पर भी कार्य जारी रहा।

रा.शै.अ.प्र.प. ने राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (एन.सी.टी.ई) के सचिवालय के रूप में कार्य करना जारी रखा और उसके विभिन्न कार्यकलापों को समन्वित किया। अध्यापक शिक्षकों के लिए "मूल्य शिक्षा पर" एक पुस्तिका बनाने के लिए एक कार्यशाला आयोजित की गई। रा.अ.शि.प्र. (एन.सी.टी.टी) की समितियों की अनेक बैठकें भी आयोजित की गईं।

जिला शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (डी.आई.ई.टी.) के प्राचार्यों के लिए प्रस्तावित/प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए प्रशिक्षण कार्य पद्धतियाँ एवं युक्तिरचना तैयार करने से संबंधित विचार-विमर्श के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में नमूनों के प्रारूप, शीर्षक और युक्तिरचनाओं पर चर्चा की गई।

रा.शै.अ.प्र.प. ने अध्यापक शिक्षा में लगे व्यावसायिकों और संस्थानों के बीच संप्रेषण का माध्यम स्थापित करने के उद्देश्य से रा.अ.शि.प्र. बुलेटिन का प्रकाशन जारी रखा।

रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा चलाए जा रहे चार क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों ने चार वर्ष के बी.ए.बी.एड. या बी.एस.सी (आनर्स/पास) बी.एड. डिग्री, एक वर्ष का बी.एड. पाठ्यक्रम और एक वर्ष का एम.एड. पाठ्यक्रम चलाना जारी रखा। क्षे.शि.म.वि.भुवनेश्वर और मैसूर ने दो वर्ष का एम.एस.सी.एड. पाठ्यक्रम भी चलाया। विद्यालय शिक्षा और अध्यापक शिक्षा से संबंधित शोध अध्ययन के अतिरिक्त क्षे.शि.म.वि. ने ग्विालयी शिक्षा और अध्यापक शिक्षा के विभिन्न पहलुओं तथा सामग्री तैयार करने से संबंधित अनेक विस्तार कार्यक्रम/कार्यशालाएं/बैठकें/संगोष्ठियां आयोजित की गईं। पी.एच.डी. डिग्री के लिए अनुसंधान कार्य हेतु क्षे.शि.म.वि. ने अनेक शोधकर्ताओं को मार्गदर्शन प्रदान किया। क्षे.शि.म.वि. ने अपने-अपने क्षेत्रों के अध्यापक शिक्षा संस्थानों और अन्य संस्थानों/संगठनों को परामर्श/मार्गदर्शन देना जारी रखा।

जवाहर नवोदय विद्यालयों में छात्रों का चयन

रा.शै.अ.प्र.प., वर्ष 1986-87 से जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रवेश के लिए चयन परीक्षाएं आयोजित करती आ रही है। वर्ष 1990-91 के शैक्षिक सत्र में 18 मार्च, 1990 को 239 जिलों के ज.न.वि. के लिए चयन परीक्षाएं आयोजित की गई तथा शेष 22 ज.न.वि. के लिए 1991-92 में चयन परीक्षाएं आयोजित की गई। रा.शै.अ.प्र.प. ने चयन परीक्षाओं के सुचारू रुप से आयोजन के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय के प्राचार्यों और अन्य कार्यकर्ताओं के लिए अनेक मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित किए। परीक्षा 22 राज्यों और 7 संघशासित क्षेत्रों के 261 जिलों के 3,039 ब्लाकों में स्थित 3,254 केन्द्रों में आयोजित की गई।

जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा-1990 के लिए पंजीकृत 3,43,107 अभ्यार्थियों में से 3,14,,762 (91.74%) अभ्यर्थी परीक्षा में बैठे। इनमें से 261 ज.न.वि. के लिए 17,445 अभ्यर्थी चुने गए। इन में ग्रामीण क्षेत्रों से 75.96% और शहरी क्षेत्रों से 24.04% अभ्यर्थी चुने गए। प्रवेश के लिए चुने गए लड़के और लड़कियों का प्रतिशत क्रमशः 67.47 और 32.53 रहा।

चुने गए 17,445 अभ्यर्थियों में से 3,440 (19.72%) अनुसूचित जाति और 1,787 (10.24%) अनुसूचित जन जाति के थे। शेष 12,218 (70.04%) पिछड़ी जातियों सहित सामान्य वर्ग के थे।

शैक्षिक सत्र 1991-92 में प्रवेश के लिए छात्रों की चयन परीक्षा 10 मार्च, 1991 को देश के 219 जिलों के 2,607 ब्लाकों में स्थित 2,755 केन्द्रों में आयोजित की गई। 3,15,832 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 2,91,093 (92.17%) अभ्यर्थी परीक्षा में बैठे। इस अवधि में शेष 42 जवाहर नवोदय विद्यालयों में प्रवेश के लिए मई 1991 में आयोजित चयन परीक्षा की तैयारियाँ की गई।

1990-91

राष्ट्रीय प्रतिभा खोज

रा.शै.अ.प्र.प. ने राष्ट्रीय प्रतिभा खोज (एन.टी.सी.) छात्रवृत्ति के पुरस्कार के लिए दूसरे स्तर की परीक्षा 13 मई 1990 को आयोजित की। इससे पहले प्रथम स्तर की परीक्षा अक्तूबर 1989—जनवरी 1990 के दौरान राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों द्वारा आयोजित की गई थीं। दूसरे स्तर की परीक्षा 32 केन्द्रों में आयोजित की गई, जिसमें 3,066 छात्र बैठे। इनमें से अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जाति के 70 छात्रों सहित 750 छात्र, छात्रवृत्ति के पुरस्कार के लिए चुने गए। वर्ष 1990-91 के दौरान नामावली में रा.प्र.खो. छात्रों की कुल संख्या 4,747 था।

शैक्षिक सर्वेक्षण

इस वर्ष रा.शै.अ.प्र.प. ने पांचवें अखिल भारतीय शैक्षिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया। संदर्भ तारीख के अनुसार यह सर्वेक्षण 30 सितम्बर, 1986 को किया गया था। इस व्यापक सर्वेक्षण की रिपोर्ट प्रकाशनाधीन है। सर्वेक्षण की संक्षिप्त रिपोर्ट अक्तूबर 1990 को प्रकाशित की गई थी। सर्वेक्षण का मुख्य केन्द्र बिंदु वे विभिन्न शैक्षिक समस्याएं हैं जिन पर तत्काल कार्रवाई अपेक्षित है।

रा.शै.अ.प्र.प. ने जि.शै.अ.प्र.प. के संकाय सदस्यों के लिए शिक्षा में नमूना सर्वेक्षण पद्धति पर एक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम भी आयोजित किया।

परीक्षा सुधार

रा.शै.अ.प्र.प. ने परीक्षा और मूल्यांकन प्रणाली में सुधार से संबंधित अनेक कार्य किए हैं। माध्यमिक/उच्चतर माध्यमिक बोर्डों के अध्यक्षों और सचिवों की एक संगोष्ठी आयोजित की गई। परीक्षाओं की विश्वसनीयता और मान्यता में सुधार, ग्रेडिंग, अनुमापन एवं निरन्तर व्यापक मूल्यांकन तथा प्रतिपुष्टि प्रणाली में कम्प्यूटर-आधारित विश्लेषण के प्रयोग पर संगोष्ठी में प्रश्नों, प्रश्नपत्रों एवं रिपोर्टिंग कार्यविधि आदि में अतिरिक्त सुधार के उपायों पर विचार-विमर्श किया गया।

परीक्षा सुधार के क्षेत्र में अन्य कार्यकलापों में विद्यालय-स्तर की विभिन्न पाठयचर्याओं से संबंधित सीखने के परिणाम के मूल्यांकन हेतु इकाई परीक्षाओं एवं अन्य साधनों के विकास एवं उनकी जांच तथा मूल्यांकन पद्धति जैसे खुली किताब परीक्षा, मौखिक परीक्षा और परियोजना कार्य का विकास जिन्हें वर्तमान परीक्षा के विकल्प के रूप में रखा जा सके आदि सम्मिलित हैं। वर्ष 1990-91 में परीक्षा सुधार के क्षेत्र में अनेक प्रशिक्षण और विस्तार कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

रा.शै.अ.प्र.प. ने "देश के विभिन्न राज्यों में प्राथमिक विद्यालय के बच्चों की उपलब्धि" तथा "कक्षा 10 और 12 स्तर के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि" पर शोध अध्ययन का कार्य जारी रखा।

शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और मार्गदर्शन

रा.शै.अ.प्र.प. ने "रचनात्मक क्षमता वाली लड़कियों के व्यवसाय संबंधी व्यवहार का अध्ययन" "विद्यालय और कक्षा की व्यवस्था में छात्रों के व्यावहारिक प्रबंध की प्रणाली पर प्राथमिक अध्यापकों का एक प्रारम्भिक सर्वेक्षण" और "किशोरों के विकास पर एक देशांतरीय अध्ययन" शीर्षक अनुसंधान परियोजनाएं आयोजित कीं। व्यावसायिक छात्रों का व्यवसाय संबंधी व्यवहार और "विद्यालय में +2 स्तर पर उनका समायोजन" शोध अध्ययन की उपलब्धियों को संबंधित विभागों और अभिकरणों को दिया गया। बुद्धि और अभिरुचि परीक्षणों की समीक्षा पर दो बुलेटिन प्रकाशित किए गए। बड़ी संख्या में अध्यापकों और अभिभावकों के मार्गदर्शन पाठ्यक्रम का विस्तार करने के लिए दूरस्थ शिक्षा पद्धति के उपयोग के प्रयत्न किए गए।

इसके अतिरिक्त प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों को स्वतः आत्मपोषण एवं कार्याभिमुख होने के लिए व्यवहारों में संशोधन एवं मार्गदर्शन निवेश से संबंधित विकासात्मक एवं प्रशिक्षण कार्य किए गए।

सात राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों से आये जि.शै.प्रौ.सं. के कार्मिकों को प्रभावी शिक्षण-अधिगम युक्तिरचना और कक्षा में किस तरह

व्यवहार-संशोधन प्रविधि अपनायी जाए एवं मार्गदर्शन व परामर्श के सिद्धान्त और प्रविधि के बारे में प्रशिक्षित किया गया।

"क्षमता आधारित मार्गदर्शन कार्यक्रम के विकास की दृष्टि से माध्यमिक विद्यालयों के परामर्शदाताओं की भूमिका और कार्य का मूल्यांकनात्मक अध्ययन" शीर्षक के अन्तर्गत मार्गदर्शन के दर्शन एवं शैक्षिक व्यावसायिक मार्गदर्शन के सामाजिक/व्यक्तिगत क्षेत्रों में छात्रों के बीच विकसित की जाने वाली विभिन्न क्षमताओं को ध्यान में रखते हुए कई मार्गदर्शन कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई।

रा.शै.अ.प्र.प. ने माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के आत्म-मार्गदर्शन के लिए 14 मॉड्यूल तैयार किए। इसके अतिरिक्त सीनियर माध्यमिक स्तर के लिए मनोविज्ञान में 2 पाठ्यपुस्तकों की पाण्डुलिपियाँ तैयार की गईं। विकासात्मक एवं व्यवसाय-मार्गदर्शन से संबंधित दस श्रव्य कार्यक्रम तैयार किए गए। प्रारम्भिक अध्यापक प्रशिक्षण संस्थानों के अध्यापक प्रशिक्षुओं के लिए संसाधन सामग्री के रूप में प्रारम्भिक विद्यालय छात्रों में सृजनात्मक संभावना को प्रोत्साहित करने पर एक पुस्तिका का विकास किया गया।

"विद्यार्थियों में अधिकतम आत्म पोषण और कार्य अभिमुख होने को प्रोत्साहन देने के लिए प्रारम्भिक विद्यालय अध्यापकों के लिए मार्गदर्शन निवेशों का विकास" परियोजना के अन्तर्गत प्रारम्भिक विद्यालय अध्यापकों के लिए मार्गदर्शन निवेशों को अन्तिम रूप दिया गया। विद्यालय के छात्रों को समकक्षी परामर्शदाताओं के रूप में प्रशिक्षण देने के लिए पाठ्यक्रम का विकास भी किया गया।

शैक्षिक अनुसंधान का विकास

रा.शै.अ.प्र.प. की शैक्षिक अनुसंधान और नवाचार समिति (एरिक) ने विद्यालयी शिक्षा और अध्यापक शिक्षा के विभिन्न पहलुओं पर अनुसंधान परियोजनाओं को प्रायोजित करना जारी रखा। एरिक द्वारा सहायता प्राप्त 20 अनुसंधान परियोजनाओं को वर्ष 1990-91 में पूरा किया गया। इनमें से 15 परियोजनाओं को रा.शै.अ.प्र.प. के विभिन्न घटकों ने और पाँच परियोजनाओं को बाहरी अनुसंधान संस्थाओं ने चलाया। छः परियोजनाओं पर रा.शै.अ.प्र.प. के घटकों ने तथा 17 परियोजनाओं पर बाहर की अनुसंधान संस्थाओं ने कार्य किया।

शैक्षिक अनुसंधान की गुणवत्ता सुधारने के प्रयास के रूप में परिषद् ने उत्तर पूर्व पहाड़ी विश्वविद्यालय शिलांग में स्तर-1 अनुसंधान अध्ययन पद्धति पाठ्यक्रम आयोजित किया। अनुसंधान मार्गदर्शकों के लिए तकनीकी अध्यापक प्रशिक्षण संस्थान (टी.टी.टी.आई.), मद्रास में स्तर-2 पर अनुसंधान अध्यापन पद्धति पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। राज्य शै.अ.प्र.प. और जिला शै.प्रौ.सं. आदि में कार्यरत कार्मिकों के लिए क्षे.शि.म. भुवनेश्वर में स्तर-3 पर अनुसंधान अध्यापन पद्धति पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। एरिक ने राजकोट सौराष्ट्र में शिक्षा पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का भी आयोजन किया।

शैक्षिक अनुसंधान और नवाचारों के पाँचवें सर्वेक्षण की परियोजना रा.शै.अ.प्र.प. में संस्थापित हो चुकी है। इस सर्वेक्षण की अवधि जनवरी, 1988 से दिसम्बर 1992 तक पाँच वर्ष की होगी। इसमें शिक्षा तथा संबद्ध क्षेत्रों जैसे मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, संचार, जनसंचार आदि के विभिन्न स्तरों की शैक्षिक प्रक्रिया से संबंधित देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों द्वारा संचालित पी.एच.डी. शोध प्रबंधों का सारांश शामिल किया जाएगा।

वर्ष 1990-91 मे एरिक की वित्तीय सहायता से 12 पी.एच.डी. शोध प्रबंध प्रकाशित हुए और 14 पी.एच.डी. शोध प्रबन्धों के प्रकाशन हेतु वित्तीय सहायता अनुमोदित की गई।

रा.शि.सं. की व्याख्यान-श्रंखला में एरिक ने व्याख्यान देने तथा रा.शै.अ.प्र.प. के संकाय सदस्यों से विचारों के आदान-प्रदान के लिए दो प्रतिष्ठित शिक्षाविदों को आमंत्रित किया।

मा.सं.वि.मं. के सहयोग से एरिक ने डा. भीमराव अम्बेडकर के जन्म शताब्दी समारोह के एक हिस्से के रूप में बाबा साहिब अम्बेडकर और भारतीय समाज से असमानता विशेषकर शैक्षिक असमानता को दूर करने की युक्तिरचना पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इस संगोष्ठी में भारतीय समाज में असमानता विशेषकर शिक्षा के क्षेत्र में, को दूर करने के लिए सार्थक सिफारिशें की गईं।

1990-91

जनसंख्या शिक्षा

राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना (एन.पी.ई.पी.) स्वयं को संस्था का रूप देने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रयत्नशील रही। आन्ध्र प्रदेश राज्य और संघ शासित क्षेत्र दमन और दीव के सम्मिलित होने से इस परियोजना के कार्यान्वियन का क्षेत्र विस्तृत हो गया है। इस परियोजना के कार्यकलापों का लक्ष्य विद्यालयी शिक्षा और अध्यापक शिक्षा की विषय-वस्तु और प्रक्रिया में जनसंख्या शिक्षा के तत्वों का एकीकरण और आठवीं पंचवर्षीय योजना में इसके विस्तार की तैयारी थी। वर्ष 1990-91 के दौरान एन.पी.ई.पी. के अन्तर्गत संचालित महत्वपूर्ण कार्यकलापों में जनसंख्या शिक्षा की आवश्यकताओं के निर्धारण पर संगोष्ठी सह-कार्यशाला, जनसंख्या शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों जैसे पाठ्यचर्या सामग्री, प्रशिक्षण एवं अनुदेशी सामग्री में (कोर) पैकेज विकसित करना, मूल्यांकन और अनुसंधान, सह पाठ्यचर्या कार्यकलाप और विद्युतीय माध्यम, जनसंख्या वृद्धि और पर्यावरण तथा वृद्धि की प्रक्रिया पर वीडियो कार्यक्रम तैयार करना तथा अनौपचारिक शिक्षा के क्षेत्र के लिए जनसंख्या--शिक्षा का विकास आदि कार्य शामिल हैं। परियोजना में कार्यरत संकाय सदस्यों ने राज्य जनसंख्या शिक्षा परियोजनाओं के मुख्यालय में जांच दौरा किया और अनेक राज्यों तथा संघ शासित क्षेत्रों में राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षण परियोजना के कार्यान्वियन में तकनीकी सहयोग प्रदान किया। वर्ष 1990-91 में राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत किए गए अन्य कार्यकलापों में जनसंख्या शिक्षा की राष्ट्रीय संसाधन पुस्तक का विकास, जनसंख्या शिक्षा बुलेटिन तैयार करना, माध्यमिक अध्यापक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में नियुक्त नये कार्मिकों के लिए प्रशिक्षण, कार्यक्रम, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और जनसंख्या शिक्षा पखवाड़ा आयोजित करना सम्मिलित है।

प्रकाशन और प्रचार

रा.शै.अ.प्र.प. का प्रमुख कार्य पाठ्यपुस्तकों, अभ्यास-पुस्तकों, अध्यापक संदर्शिकाओं, पूरक पाठ्यपुस्तकों, अनुसंधान मोनोग्राफों, पत्रिकाओं आदि का प्रकाशन है। वर्ष 1990-91 के दौरान विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत 374 प्रकाशन किए गए। इनमें 47 नई पाठ्यपुस्तकों/अभ्यास पुस्तिकाओं/निर्धारित पाठमालाओं, पाठ्यपुस्तकों/अभ्यासपुस्तिकाओं/निर्धारित पूरक पाठ्मालाओं के 232 पुनर्मुद्रण अन्य सरकारी अभिकरणों के लिए 18 पाठ्यपुस्तक/अभ्यास पुस्तिका, 43 अनुसंधान मोनोग्राफों/रिपोर्ट एवं अन्य प्रकाशन और शैक्षिक पत्र/पत्रिकाओं के 34 अंकों का प्रकाशन शामिल है।

रा.शै.अ.प्र.प. ने विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर छात्रों के लिए अंग्रेजी और हिन्दी की पूरक पाठ्यसामग्री के प्रकाशन का कार्य जारी रखा। इनमें 'रीडिंग टू लर्न सीरीज', 'लोटस सीरीज', 'कमल पुस्तक माला' और 'पढ़ें और सीखें माला' आदि शामिल हैं। परिषद् ने छह पत्रिकाओं 'इंडियन एजूकेशनल रिव्यू' (त्रैमासिक), 'प्राइमरी टीचर (त्रैमासिक)' 'जरनल ऑफ इंडियन एजूकेशन (द्विमासिक) 'स्कूल साइंस (त्रैमासिक), 'प्राइमरी शिक्षक (हिन्दी) (त्रैमासिक)' और भारतीय. आधुनिक शिक्षा' का प्रकाशन जारी रखा। वर्ष 1990-91 के दौरान रा.शै.अ.प्र.प. ने मणिपुर, मेघालय, केरल और मिजोरम में पाठ्यपुस्तक अभिकरणों को रा.शै.अ.प्र.प. की अनेक पाठ्यपुस्तकों और अन्य प्रकाशनों को स्वीकारने/रूपान्तरण/अनुवाद और प्रकाशन के कॉपीराइट की अनुमति दी। पहले की ही तरह रा.शै.अ.प्र.प. के प्रकाशन, प्रकाशन प्रभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के नई दिल्ली, कलकत्ता, बम्बई, मद्रास, त्रिवेन्द्रम, पटना, लखनऊ और हैदराबाद के बिक्री केन्द्रों के माध्यम से वितरित किए गए।

प्रलेखन और सूचना सेवाएँ

रा.शै.अ.प्र.प. के प्रलेखन और सूचना विभाग ने इसके विभिन्न संघटित इकाइयों के अनुसंधान और विकासात्मक कार्यों को सहयोग देना जारी रखा। इस विभाग ने विद्यालय और अध्यापक प्रशिक्षण संस्थानों में पुस्तकालयाध्यक्षों या पुस्तकालय के प्रभारी अध्यापकों के लिए अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित कीं।

रा.शै.अ.प्र.प. के पुस्तकालय प्रलेखन और सूचना विभाग ने अन्तर्राष्ट्रीय शैक्षिक संसाधन और प्रलेखन केन्द्र (आई.ई.आर.डी.ओ.सी.)

तथा जनसंख्या शिक्षा प्रलेखन केन्द्र (पी.ओ.डी.ओ.सी.) के रूप में विशेष सुविधाओं की व्यवस्था की। इस केन्द्र को शिक्षा के अन्तर्राष्ट्रीय, और तुलनात्मक पहलुओं तथा जनसंख्या शिक्षा पर सामग्री के एकत्रीकरण और प्रचार में विशेषज्ञता प्राप्त है।

अंतर्राष्ट्रीय संबंध और सहायता

रा.शै.अ.प्र.प. विद्यालयी शिक्षा तथा अध्यापक शिक्षा के क्षेत्र में भारत सरकार के अन्य देशों के साथ द्विपक्षीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के कार्यान्वयन में मुख्य अभिकरण की भूमिका निभाती रही। वर्ष 1990-91 में रा.शै.अ.प्र.प. ने यू.ए.आर. शेशल्स, पुर्तगाल, जर्मनी, जांबिया, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, यू.ए.ई. अल्जीरिया, एवं इटली को शैक्षिक सामग्री और सूचनाएं भेजीं तथा जर्मनी और पाकिस्तान से शैक्षिक सामग्री/सूचनाएं प्राप्त कीं।

रा.शै.अ.प्र.प. के संकाय सदस्यों ने यूनेस्को प्रायोजित सात परियोजनाओं/अध्ययनों/कार्यक्रमों जैसे प्रारम्भिक प्राथमिक विद्यालय छोड़ने वाले के लिए शिक्षा जारी रखने पर कार्यशाला, ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक शिक्षा को उन्नत करने के लिए माता-पिता और अध्यापकों को सहयोग पर अध्ययन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी शिक्षा में विकासात्मक कार्यकलापों पर कार्यशाला, ग्रामीण क्षेत्रों में बालिकाओं के लिए प्राथमिक शिक्षा का उन्नयन, विज्ञान के भावी विषयों पर एक पुस्तिका तैयार करना, कार्याभिमुख प्राथमिक शिक्षा पर अन्तर्देशीय कार्यशाला और अन्तर्राष्ट्रीय समझ, सहयोग और शान्ति तथा मानव अधिकार और मौलिक स्वतंत्रता से संबंधित शिक्षा के लिए संबद्ध सिफारिशों के कार्यान्वयन से संबंधित अध्ययन में हिस्सा लिया। रा.शै.अ.प्र.प. ने शैक्षिक रूप से वंचित जनसंख्या समूहों पर यूनेस्को प्रायोजित एक अध्ययन पूरा किया और उसकी रिपोर्ट यूनेस्को पी.आर.ओ.ए.पी. बैंकाक को प्रेषित की। वर्ष के दौरान रा.शै.अ.प्र.प. के अनेक संकाय सदस्यों को यूनेस्को और कुछ अन्य अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों द्वारा अन्य देशों में विभिन्न कार्यक्रमों में प्रतिनियुक्ति/प्रतिभागिता की अनुमति प्रदान की गई। रा.शै.अ.प्र.प. के संकाय ने 1990-91 में भारत में अन्य देशों से आये शिष्टमण्डल, शिक्षाविदों, अध्यापकों, और विद्यार्थियों से परस्पर विचार-विमर्श किया। यूनेस्को प्रायोजित संयोजन कार्यक्रम के अन्तर्गत अन्य देशों से आये शोध विद्यार्थियों को प्रशिक्षण/मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

रा.शै.अ.प्र.प. ने एपिड (यूनेस्को) के सहयोगी केन्द्र और शैक्षिक नवाचार हेतु राष्ट्रीय विकास समूह (एन.डी.जी.) के सचिवालय के रूप में प्रमुख भूमिका अदा की। राष्ट्रीय विकास समूह के कार्यकलापों के एक अंग के रूप में रा.शै.अ.प्र.प. ने क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भुवनेश्वर में राज्यों और पूर्वी क्षेत्र के संघ शासित क्षेत्रों के लिए शैक्षिक नवाचार पर एक अंतर-क्षेत्रीय प्रादेशिक संगोष्ठी का आयोजन किया।

क्षेत्रीय सेवाएँ

रा.शै.अ.प्र.प. ने देश में विद्यालयी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए रा.शै.अ.प्र.प./मा.सं.वि.मं./राज्य सरकारों और राज्य शैक्षिक अभिकरणों के बीच प्रभावशाली संप्रेषण सेतु स्थापित करने के लिए अपने 17 क्षेत्रीय सलाहकार कार्यालयों की कार्यप्रणाली को पुनर्गठित किया। इन क्षेत्रीय कार्यालयों ने मुख्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान के विभिन्न विभागों और केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान, अपने-अपने क्षेत्रों के क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों को उनके कार्यक्रम के आयोजन, राष्ट्रीय प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति परीक्षा के साक्षात्कार एवं प्रशासन में, जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रवेश के लिए चयन परीक्षा में, तथा राज्य और राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए अध्यापकों के चयन में सहायता प्रदान की। इनमें से बहुत से क्षेत्रीय कार्यालयों ने विद्यालयी शिक्षा में गुणात्मक सुधार लाने के लिए राज्य स्तर के शैक्षिक कार्यकर्ताओं के लिए कार्यक्रम आयोजित किए।

इस वर्ष क्षेत्रीय सेवाएं और विस्तार समन्वयन विभाग (डी.एफ.एस.ई.सी.) रा.शै.अ.प्र.प. ने क्षेत्रीय कार्यालयों से प्राप्त सूचना निवेशों पर कार्रवाई की, उन कार्यक्रमों/कार्यकलापों का चयन किया गया, जिनके कार्यान्वयन के लिए रा.शै.अ.प्र.प. के घटकों से शैक्षणिक

सहयोग देने की आवश्यकता थी तथा संबंधित घटकों को उन पर अनुवर्ती कार्रवाई करने को कहा गया। राज्य की उन शैक्षिक आवश्यकताओं का पता लगाने के लिए जिन्हें रा.शै.अ.प्र.प. की शैक्षणिक/तकनीकी सहायता की आवश्यकता है तथा इन आवश्यकताओं को पूरा करने की कार्यपद्धतियों का निर्धारण करने में क्षेत्रीय सेवाएं और विस्तार समन्वयन विभाग के क्षेत्रीय कार्यालयों, क्षेत्रीय महाविद्यालयों तथा राज्य शिक्षा विभागों के परस्पर कार्य में सहयोग दिया। इस विभाग ने क्षेत्रीय कार्यालयों और अपने-अपने क्षेत्र के क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों के कार्यक्रमों के बीच प्रभावी समन्वयन के लिए क्षेत्रीय समन्वयन समितियों की क्रियाविधि के प्रभावशाली प्रचालन के लिए भी कदम उठाए हैं।

वर्ष 1990-91 में रा.शै.अ.प्र.प. के विभिन्न घटकों द्वारा किए जाने वाले कार्यकलापों/कार्यक्रमों का विस्तृत ब्यौरा परवर्ती अध्यायों में दिया गया है।

तीन

विद्यालय-पूर्व और प्रारम्भिक शिक्षा

14 वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों को निःशुल्क तथा अनिवार्य शिक्षा उपलब्ध कराने के अपने सर्वाधिक महत्वपूर्ण लक्ष्य को पूरा करने के लिए रा.शै.अ.प्र.प. ने प्रारम्भिक शिक्षा के व्यापीकरण को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रमों और परियोजनाओं को उच्च प्राथमिकता दी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.पी.ई.) 1986 के कार्यान्वियन की कार्ययोजना (पी.ओ.ए.) से शैशवकालीन देखभाल व शिक्षा (ई.सी.सी.ई.) को प्राथमिक शिक्षा के पोषक एवं सहयोगी कार्यक्रम तथा समाज की सुविधाविहीन कामकाजी महिलाओं के लिए सहयोगी सेवा के रूप में "मानव संसाधन विकास की युक्तिरचना में महत्वपूर्ण योगदान" की तरह मान्यता मिली है।

विद्यालय-पूर्व और प्रारम्भिक शिक्षा विभाग राज्यों एवं संघ शासित क्षेत्रों में शैशवकालीन देखभाल व शिक्षा को मजबूत बनाने और प्रोत्साहित करने के कार्यकलापों और कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से जुटा हुआ है।

शैशवकालीन देखभाल और शिक्षा

शैशवकालीन देखभाल और शिक्षा (ई.सी.सी.ई.) के अन्तर्गत आयोजित बहुत से कार्यकलाप यूनीसेफ सहायता प्राप्त शैशवकालीन देखभाल और शिक्षा (ई.सी.ई.) और बाल मीडिया प्रयोगशाला (सी.एम.एल.) परियोजनाओं के एक अंश के रूप में किए गए। ई.सी.ई. कार्यक्रम के अन्तर्गत ई.सी.ई. कार्यक्रमों के आयोजकों और अध्यापकों के लिए 250 पृष्ठों की एक सचित्र मार्गदर्शिका तैयार की गई। इस प्रलेख में 3, 4 और 5 वर्ष के बच्चों के लिए निर्धारित विकासात्मक लक्ष्यों से संबद्ध कार्यकलापों का चित्रांकन किया गया है।

ई.सी.ई. अनुदेशी सामग्री की श्रृंखला के अन्तर्गत 7 पुस्तिकाएं प्रकाशित हो चुकी हैं और 3 पुस्तिकाएं प्रकाशन के लिए तैयार हैं। ये इस प्रकार है—"ड्रामा एण्ड दि यंग चाइल्ड", "न्यूट्रीशन एण्ड दि प्री-स्कूलर्स" और "डेवलपिंग रीडिंग रेडिनेस इन प्री-स्कूलर्स"।

बच्चों के लिए श्रव्य कार्यक्रमों के अन्तर्गत रेडियो संभाव्यता अध्ययन के लिए विभिन्न विषयों पर कैप्सूल के रूप में 51 श्रव्य कार्यक्रम निर्मित किए गए। सामान्य् विषयों पर आधारित शिशुओं के लिए 6 सचित्र पुस्तिकाओं की पांडुलिपियाँ तैयार करने का कार्य किया गया।

वि.पू.प्रा.शि.वि. ने बच्चों के नामांकन और उनका आना जारी रखने पर एक अध्ययन किया। इस अध्ययन में परियोजना में भाग लेने वाले 10 राज्यों के 65 केन्द्रों से आँकड़े एकत्र किए गए। जिन बच्चों ने ई.सी.ई. केन्द्रों में भाग लिया था उन्होंने कक्षा-1 में सीधे प्रवेश करने वाले बच्चों की तुलना में ज्यादा विस्तार से ग्रहण किया। इस अध्ययन के आँकड़ों का विश्लेषण किया जा रहा है और रिपोर्ट तैयार की जा रही है।

1990-91

बाल मीडिया प्रयोगशाला (सी.एम.एल.)

उड़ीसा में सी.एम.एल. परियोजना के अन्तर्गत उपलब्ध खेल सामग्री पर एकत्र सूचना के आधार पर एक मैनुअल तैयार किया गया। यह मैनुअल प्रकाशनाधीन है। रिपोर्ट की अवधि के दौरान सी.एम.एल. परियोजना के अन्तर्गत विकसित किए गए लगभग 500 से 600 सैटों का इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (आई.जी.एन.ओ.यू.) राष्ट्रीय लोक-सहयोग और बाल विकास संस्थान (एन.आई.पी.सी.सी.डी.), एकीकृत बाल विकास सेवाएँ (आई.सी.डी.एस.) और स्वैच्छिक अभिकरणों सहित अन्य संगठनों में प्रचार-प्रसार किया गया।

गृह-आधारित बाल विकास कार्यक्रम

वि.पू.प्रा.शि.वि. द्वारा ई.सी.ई. के अंतर्गत उड़ीसा के भगवतीपुर आदिवासी क्षेत्र के 65 घरों तथा भुवनेश्वर की गंदी बस्तियों के 100 घरों के गृह-आधारित अध्ययन के अनुभवों के आधार पर 0 से 6 वर्ष की आयु के बच्चों के कार्यकलापों को शामिल करके एक मैनुअल तैयार किया गया। इस अध्ययन से एक गृह आधारित अनुदेशी पैकेज मिला जिसमें स्वास्थ्य, पोषण और अभिभावकों को उनके अपने बच्चों के शिक्षक की भूमिका निभाने का आत्मविश्वास एवं कौशल का विकास करने हेतु प्रारम्भिक शिक्षा/प्रेरणा सम्मिलित थी।

बच्चे से बच्चे तक (चाइल्ड टु चाइल्ड) कार्यक्रम

दिल्ली नगर निगम के 14 प्राथमिक विद्यालयों में चलाए जा रहे "बच्चे से बच्चे तक" कार्यक्रम के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालयों में कार्यक्रमों के संचालन हेतु अध्यापकों के लिए एक विस्तृत पुस्तिका तैयार की गई। इसके अतिरिक्त 3 दिन की एक कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें अध्यापकों को 'बच्चे से बच्चे तक' कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं से परिचित करवाया गया।

रेडियो संभाव्यता अध्ययन

वर्ष 1989 से आरम्भ रेडियो संभाव्यता परियोजना का मुख्य उद्देश्य विद्यालय पूर्व और प्राथमिक विद्यालय की आयु के बच्चों के लिए कोटा राजस्थान रेडियो प्रसारण के माध्यम से संवर्द्धन कार्यक्रम प्रदान करना था। इस परियोजना को वि.पू.प्रा.शि.वि. ने अखिल भारतीय आकाशवाणी के सहयोग से चलाया। इस परियोजना के समर्थन और प्रचार के लिए एक विवरणिका तैयार की गई।

नर्सरी स्कूलों में शैशवकालीन शिक्षा कार्यक्रम

विद्यालय-पूर्व और प्रारम्भिक शिक्षा विभाग ने कक्षा में खेल विधि से सीखने-सिखाने के कार्यकलापों को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली नगर निगम (एम.सी.डी.) परियोजना विद्यालयों के नर्सरी, कक्षा-2 और कक्षा-3 के अध्यापकों की एक बैठक का आयोजन किया गया।

खिलौना बनाने की कार्यशाला एवं प्रतियोगिताएँ

पूर्व प्राथमिक तथा प्रारंभिक प्राथमिक स्तर पर शैक्षिक खेल-खिलौनों की महत्ता तथा खेल विधि पर आधारित शिक्षण पद्धति के बारे में अध्यापकों में जागरूकता लाने के लिए रा.शै.अ.प्र.प. राज्य स्तर पर खिलौने बनाने की कार्यशालाएं—सह-प्रतियोगिताएं आयोजित करती रही है। वर्ष 1990-91 में राष्ट्रीय स्तर पर 22 से 27 मार्च, 1991 तक पाँच दिवसीय एक कार्यशाला-सह-प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय स्तर की इस कार्यशाला-सह-प्रतियोगिता में महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मिजोरम, हरियाणा, चण्डीगढ़ और हिमाचल प्रदेश राज्यों के विद्यालय-पूर्व/ प्राथमिक विद्यालय के सात पुरस्कार विजेता अध्यापकों ने भाग लिया। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को तीन माध्यमों मिट्टी, कागज की लुगदी और लकड़ी से खिलौना बनाना सिखाया और इसके लिए प्रोत्साहित किया। तीन उत्तम रचनाओं को पुरस्कृत किया गया।

1990-91

वर्ष 1990-91 में विभाग ने कम लागत के शैक्षिक खिलौने बनाने के लिए एक मैनुअल तैयार करने से संबंधित काम किया। इस मैनुअल में विभाग द्वारा आयोजित आंचलिक एवं राष्ट्रीय खिलौना प्रतियोगिता में विजेता खिलौनों को शामिल किया गया है।

शैशवकालीन शिक्षा के प्रमुख व्यक्तियों का प्रशिक्षण

शैशवकालीन शिक्षा के समन्वयकों और शैशवकालीन शिक्षा के नवाचार कार्यक्रमों जैसे "बच्चे से बच्चे तक" और गृह प्रेरणा तथा विद्यालय जाने के लिए तैयार कार्यक्रम के राज्य स्तर के कार्यकर्ताओं का एक प्रशिक्षण कार्यक्रम 16 से 26 अप्रैल, 1990 तक आयोजित किया गया। ई.सी.ई. के परियोजना समन्वयकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के अतिरिक्त वि.पू.प्रा.शि. विभाग ने शैशवकालीन शिक्षा में गैर-सरकारी अभिकरणों के प्रमुख कार्यकर्ताओं के लिए रा.शै.अ.प्र.प. परिसर, नई दिल्ली में दो प्रशिक्षण कार्यक्रम (दिनांक 3 से 15 अक्तूबर तथा 5 से 16 नवम्बर, 1990) आयोजित किए। केन्द्रीय तिब्बती विद्यालय संगठन (सी.टी.एस.ए.) के अनुरोध पर वि.पू.प्रा.शि.वि. ने शैशवकालीन शिक्षा में सी.टी.एस.ए. के विद्यालय-पूर्व अध्यापकों के लिए एक मास का सेवाकालीन प्रशिक्षण 10 जनवरी से 9 फरवरी 1991 तक रा.शै.अ.प्र.प. परिसर, नई दिल्ली में आयोजित किया।

प्राथमिक स्तर पर शिक्षा की विषयवस्तु और प्रक्रिया का नवीनीकरण

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या संरचना के आधार पर वि.पू.प्रा.शि. विभाग ने कक्षा 1 से 5 की गणित और कक्षा 3 से 5 की पर्यावरण अध्ययन (ई.वी.एस.) 1 और 2 की पाठ्यपुस्तकें तैयार कीं। पाठ्यपुस्तकों के अतिरिक्त विभाग ने कार्यानुभव और कला शिक्षा के क्षेत्र में अध्यापक संदर्शिका तैयार की।

सामग्री के इस सैट के संशोधन का कार्य वर्ष 1989 से चल रहा है। वर्ष 1990-91 के दौरान कक्षा-5 के लिए गणित की पाठ्यपुस्तक का मूल्यांकन किया गया। इसके अतिरिक्त दिल्ली के विद्यालयों में प्रयोग की जाने वाली पाठ्यपुस्तकों का अध्यापकों ने मूल्यांकन किया। मूल्यांकन रिपोर्ट के आधार पर पाठ्यपुस्तकों का संशोधन किया जाएगा। अनुदेशी सामग्री के मूल्यांकन से संबंधित आयोजित कार्यशाला का विस्तृत विवरण तालिका-3.1 में दिया गया है।

तालिका 3.1

कक्षा 1 से 5 तक की नई पाठ्यपुस्तकों के मूल्यांकन हेतु 1990-91 में वि.पू.प्रा.शि.वि. द्वारा आयोजित कार्यशालाएँ

क्रमांक	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तारीख*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1.	भाषा, गणित और पर्यावरण अध्ययन 1 और 2 (दिल्ली के विद्यालयों की कक्षा 3 से 5) की पाठ्यपुस्तकों की समीक्षा पर प्रथम कार्यकारी समूह की बैठक	21 से 29 मई, 1990	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	24
2.	भाषा, गणित, पर्यावरण अध्ययन 1 और 2 (दिल्ली के विद्यालयों की कक्षा 3 से 5) में पाठ्यपुस्तकों की समीक्षा के लिए द्वितीय कार्यकारी समूह की बैठक	28 मई से 28 जून, 1990	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	44

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
3.	केन्द्रीय विद्यालय संगठन के अध्यापकों द्वारा कक्षा 5 की गणित की पाठ्यपुस्तक की समीक्षा के लिए कार्यकारी समूह की बैठक (राष्ट्रीय स्तर) (एक बैठक)	4 से 6 फरवरी, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	28

पोषण, स्वास्थ्य शिक्षा, पर्यावरणात्मक स्वच्छता (एन.एच.ई.ई.एस.)

यूनिसेफ सहायता प्राप्त परियोजना "पोषण", स्वास्थ्य शिक्षा और पर्यावरणात्मक अध्ययन (एन.एच.ई.ई.एस.) वर्ष 1975 में आरम्भ की गई थी। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा और पर्यावरणात्मक अध्ययन के क्षेत्र में प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों के लिए उपयुक्त अनुदेशी सामग्री तैयार करना तथा समुदाय संपर्क कार्यक्रम के माध्यम से विद्यालय से इतर जनसंख्या को संबंधित जानकारी देने की युक्तिरचना तैयार करना है। वर्ष 1987-89 में "पोषण स्वास्थ्य, शिक्षा और पर्यावरणात्मक अध्ययन" परियोजना का छात्रों और समाज पर प्रभाव का अध्ययन करने के लिए वर्ष 1987-89 में "छात्रों की उपलब्धि का अध्ययन" (पी.ए.टी.) तथा "समाज से संपर्क कार्यक्रम का प्रभाव" (सी.सी.पी.) का अध्ययन शीर्षक दो मूल्यांकन अध्ययन किये गए। वर्ष 1990-91 में एकत्र आँकड़ों की जाँच और विश्लेषण किया गया। प्रभाव संबंधी अध्ययन की तकनीकी रिपोर्ट तैयार की जा रही है।

मानव संसाधन विकास के लिए गहन क्षेत्र शिक्षा परियोजना

यूनिसेफ सहायता प्राप्त परियोजना (ए.आई.ई.पी.) क्षेत्र विशेष की कुल जनसंख्या की शैक्षणिक, सामाजिक-आर्थिक और विकासात्मक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु रा.शि.नी.-1986 और पी.ओ.ए. में रेखांकित प्राथमिकताओं को सहायता प्रदान करने के लिए बनाई गई है। इस परियोजना में समाज में विद्यालय-पूर्व शिक्षा प्राथमिक, अनौपचारिक और प्रौढ़ शिक्षा को आपस में जोड़ने तथा केन्द्रीय और राज्य स्तर के सामाजिक-आर्थिक, विकासात्मक निवेशों में सामंजस्यता पर बल दिया गया है। अन्य बातों के साथ-साथ इस परियोजना में (1) सामाज की शैक्षणिक और विकासात्मक आवश्यकताओं की पहचान, (2) गाँव की सूक्ष्म स्तर की योजनाओं का विकास और कार्यान्वियन, (3) विभिन्न स्तरों पर अन्तरखण्डीय समन्वयन और परियोजना के प्रत्येक स्तर पर समुदाय को सहभागी के रूप में सम्मिलित करना आदि मुख्य बिन्दु भी हैं।

वर्ष 1990-91 में इस परियोजना का महाराष्ट्र, मिजोरम, उड़ीसा, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश राज्यों तथा दादर और नगर हवेली संघ शासित क्षेत्र में कार्यान्वियन जारी रहा। परियोजना प्रतिभागी राज्यों में खण्ड-स्तर पर बहुउद्देशीय संसाधन केन्द्र (एम.पी.आर.सी.) स्थापित करने और इन्हें चलाने संबंधी आवश्यक कदम उठाए गए। सभी गाँवों में शिक्षा और विकास केन्द्रों (ई.डी.सी.) ने अपना कार्य आरम्भ कर दिया है। इसके अतिरिक्त शैक्षिक कार्यकलापों पर विभिन्न आय समूहों के लिए नामांकन अभियान एवं शैक्षणिक गतिविधियों के अतिरिक्त शैक्षिक कार्यकलापों में सहायता देने की युक्ति रचना के रूप में स्वास्थ्य, सामाजिक आर्थिक स्थिति, महिलाओं की स्थिति और सामाजिक जागरूकता में सुधार संबंधी कार्य भी किए गए। ऐसा अनुभव किया गया है कि इस परियोजना से योजना, अंतरखंडीय समन्वयन तथा सामुदायिक शिक्षा कार्यक्रमों के कार्यान्वियन के लिए पूरी-पूरी जानकारी देने और योजना के लिए युक्तिरचना बनाने में मदद मिली है।

प्राथमिक शिक्षा व्यापक उपागम (सी.ए.पी.ई.)

यूनिसेफ सहायता प्राप्त प्राथमिक शिक्षा व्यापक उपागम परियोजना अंशकालीन अनौपचारिक शिक्षा प्रबन्ध के अन्तर्गत विद्यालयेतर बच्चों के लिए वैकल्पिक शिक्षा उपागम का विकास करने के लिए वर्ष 1979 में आरम्भ की गई थी। यह परियोजना वर्ष 1990-91 में आन्ध्र प्रदेश, बिहार, जम्मू और कश्मीर, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मिजोरम, उड़ीसा, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश में कार्यान्वित की गई। वि.पू.प्रा.शि.वि. ने इन राज्यों को विभिन्न कार्यकलापों जैसे अधिगम पैकेज का एक पूरा सेट तैयार करना, कार्यकर्ताओं के लिए पुस्तिका तैयार करना तथा शिक्षार्थियों की उपलब्धि के मूल्यांकन के लिए प्रश्न बैंक/प्रश्न-पत्र आदि तैयार करने में सहायता प्रदान की। शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत विकसित अधिगम सामग्री को प्रतिभागी राज्यों की अनौपचारिक शिक्षा प्रणाली में व्यापक रूप से शामिल करने के प्रयत्न भी किए गए। उल्लेखनीय है कि उड़ीसा राज्य ने सी.ए.पी.ई. परियोजना के अन्तर्गत विकसित अधिगम सामग्री को अपनी अनौपचारिक शिक्षा प्रणाली में पहले से ही लागू कर दिया है।

वर्ष 1990-91 में "सी.ए.पी.ई. अधिगम केन्द्रों, अनौपचारिक केन्द्रों और औपचारिक विद्यालयों में जाने वाले शिक्षणार्थियों की उपलब्धि" पर एक अध्ययन आरम्भ किया गया। इसके अतिरिक्त सी.ए.पी.ई. परियोजना के अन्तर्गत एक अन्य अध्ययन "बुलंदशहर (उत्तर प्रदेश) के दनकौर ब्लॉक के 20 चयनित केन्द्रों में अध्ययन कर रहे शिक्षार्थियों की उपलब्धियों का पता लगाने के लिए एक गहन अध्ययन" भी किया गया।

इस गहन अध्ययन में, परियोजना द्वारा विकसित अधिगम सामग्री को केन्द्रों में प्रयोग किया गया। कार्यकर्ताओं को इस अधिगम सामग्री के प्रयोग का प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रयोजन के लिए विकसित परीक्षणों/उपकरणों की सहायता से 287 के लगभग शिक्षणार्थियों के आँकड़े एकत्र किए गए। परियोजना की रिपोर्ट तैयार करने के लिए आँकड़ों का विश्लेषण किया जा रहा है।

केप परियोजना के अन्तर्गत वि.पू.प्रा.शि.वि. ने हिन्दी भाषी राज्यों के अधिगम केन्द्रों में नामांकित शिक्षणार्थियों और कार्यकर्ताओं के प्रयोग के लिए एक पूरा अधिगम/प्रशिक्षण पैकेज तैयार किया। इसी प्रकार अहिन्दी भाषी राज्यों ने भी अपनी-अपनी भाषाओं में एक अधिगम/प्रशिक्षण पैकेज तैयार किया।

बिहार राज्य की अनौपचारिक शिक्षा प्रणाली के निदेशक के अनुरोध पर प्राथमिक शिक्षा स्तर के लिए हिन्दी, गणित और पर्यावरण अध्ययन में 13 मॉड्यूल का संशोधित कोर अधिगम पैकेज का सैट भी तैयार किया गया। केप परियोजना के अन्तर्गत सत्र 2, 3, 4 और 5 के लिए भाषा, हिन्दी और गणित में प्रश्न-पत्रों के चार समानान्तर सैट तैयार किए गए।

ऑपरेशन ब्लैक बोर्ड योजना

वर्ष 1990-91 में ओ.बी. योजना के अन्तर्गत दो प्रशिक्षण पैकेज सैटों "जागरूकता पैकेज" और प्रदर्शन "निष्पादन पैकेज" को अन्तिम रूप दिया गया। पैकेज के अंग्रेजी रूपान्तरण को जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थानों में आयोजित किए जाने वाले सेवाकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के उपयोग के लिए मुद्रित करवाया जा चुका है। प्रशिक्षण पैकेज का हिन्दी रूपान्तरण मुद्रित किया जा रहा है।

वि.पू.प्रा.शि.वि. ने केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान के सहयोग से जागरूकता पैकेज को आगे बढ़ाने के लिए 20 रंगीन स्लाइडों का एक सैट, और इसी प्रकार "निष्पादन पैकेज" को बढ़ावा देने के लिए 15 से 30 मिनट की अवधि के 15 वीडियो कार्यक्रम तैयार किए गए।

ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड योजना के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालयों को दी गई सामग्री के उपयोग के विस्तार पर अध्ययन करने का भी विचार किया गया।

शोध अध्ययन

(1) प्राथमिक विद्यार्थियों का शब्द-संग्रह पठन—एक अध्ययनः वर्ष 1986 में आरम्भ इस अध्ययन की रिपोर्ट को इस

वर्ष प्रकाशित किया गया। इसमें प्रयोग किए जाने वाले शब्दसंग्रह के आकार और प्रकार का राज्यवार विस्तृत विवरण, उसका तुलनात्मक मूल्यांकन तथा बार-बार प्रयोग किए जाने वाले 5000 शब्दों की सूची एवं प्राथमिक विद्यालय की पाठयपुस्तकों के शब्द संग्रह की उपयुक्त मदों के चयन तथा इस्तेमाल के लिए मार्गदर्शन आदि शामिल हैं।

(2) भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक शिक्षा के उन्नयन के लिए अभिभावक-अध्यापक का समन्वयनः यूनिसेफ सहायता प्राप्त इस अध्ययन में कठिन शैक्षिक संदर्भों के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक शिक्षा के उन्नयन के लिए अभिभावक-अध्यापक सहयोग को केन्द्रित किया गया है।

1990-91 में वि.पू.प्रा.शि.वि. द्वारा आयोजित कार्यशाला, प्रशिक्षण/मार्गदर्शन कार्यक्रमों (जो तालिका 3.1 में नहीं दिए गए) को तालिका 3.2 में दर्शाया गया है।

तालिका 3.2

1990-91 के दौरान वि.पू.प्रा.शि.वि. द्वारा आयोजित कार्यशालाएँ/बैठकें, प्रशिक्षण/मार्गदर्शन कार्यक्रम

क्रमांक	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तारीख/अवधि*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1.	खिलौने बनाने पर एक राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला एवं प्रतियोगिता	22 से 27 मार्च, 1991	रा.शि.सं., नई दिल्ली	7
2.	ई.सी.ई. में दिल्ली के प्रमुख विद्यालयों के प्राचार्यों की बैठक	29 नवम्बर, 1990	रा.शि.सं., नई दिल्ली	40
3.	बच्चे से बच्चे तक उपागम पर दि.न.नि. विद्यालयों के अध्यापकों के लिए कार्यशाला	तीन दिन	दि.न.नि. सेवाकालीन प्रशिक्षण केन्द्र, दिल्ली	164
4.	परियोजना वाले दि.न.नि. के विद्यालयों के अध्यापकों की बैठक	18 से 22 दिसम्बर, 1990	दि.न.नि. के चार विद्यालय, दिल्ली	40
5.	शैशवकालीन शिक्षा कार्यक्रम को अन्तिम रूप देने के लिए कार्यशाला	10 से 12 अप्रैल, 1990	रा.शि.सं., नई दिल्ली	10
6.	बच्चे से बच्चे तक परियोजना के अन्तर्गत दि.न.नि. के लिए डायरिया प्रबन्ध पर कार्यशाला	16 नवम्बर से 4 दिसम्बर, 1990	रा.शि.सं., नई दिल्ली	लगभग 500 अध्यापक
7.	ई.सी.ई. परियोजना समन्वयकों के लिए प्रशिक्षण	16 से 26 अप्रैल, 1990	रा.शि.सं., नई दिल्ली	30

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख/अवधि	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
8.	ई.सी.ई. में गैर-सरकारी संगठनों के प्रमुख कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	3 से 15 अक्तूबर, 1990	रा.शि.सं., नई दिल्ली	22
9.	ई.सी.ई. में गैर-सरकारी संगठनो के प्रमुख कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	5 से 16 नवम्बर, 1990	रा.शि.सं., नई दिल्ली	9
10.	केन्द्रीय तिब्बती विद्यालय संघ के अध्यापकों के विद्यालय पूर्व अध्यापकों के लिए सेवाकालीन प्रशिक्षण	10 जनवरी से 9 फरवरी, 1990	रा.शि.सं., नई दिल्ली	35

सीखने के न्यूनतम स्तर

विद्यालयों में बच्चों की उपलब्धि के स्तर में सुधार, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 का एक प्रमुख एवं अति महत्त्वपूर्ण क्षेत्र है। इस संदर्भ में, नीति में प्रत्येक स्तर के लिए सीखने का न्यूनतम स्तर जिसे प्रत्येक बच्चे को प्राप्त करना होगा निर्धारित करने की आवश्यकता पर बल दिया गया है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा गठित समिति की रिपोर्ट के आधार पर रा.शै.अ.प्र.प. को प्राथमिक स्तर पर न्यूनतम अधिगम स्तर कार्यक्रम (एम.एम.एल.) के कार्यान्वियन का दायित्व दिया गया है।

ऐसी परिकल्पना की गई है कि न्यूनतम अधिगम स्तर लागू करने से अध्ययन-अध्यापन की विषयवस्तु को ही पढ़ाने पर बल देने की बजाय सीखने पर बल दिया जाएगा जिससे शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार आएगा और इससे सभी शिक्षार्थी लाभान्वित होंगे। कार्य योजना को अन्तिम रूप देने के पश्चात, कार्यक्रम कार्यान्वियन के प्रथम चरण को जनवरी 1991 में आरम्भ कर दिया गया। कार्यक्रम के प्रथम चरण में चार खण्डों उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान और बिहार में प्रत्येक के एक खण्ड को शामिल किया जाएगा।

वर्ष 1991 की प्रथम तिमाही में परियोजना के अंतर्गत कुछ कार्य किए गए, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ एम.एल.एल. रिपोर्ट का अंग्रेजी और हिन्दी में मुद्रण, ब्लॉकों, प्राथमिक विद्यालयों और अनौपचारिक शिक्षा (एन.एफ.ई.) केन्द्रों के लिए चयनित संकेतक एवं निर्देश-चिन्ह, आँकड़े, एकत्र करने के लिए उपकरणों का विकास, मसौदा परिचायक सामग्री तैयार करना, जैसे अध्यापकों और अनौपचारिक शिक्षा अनुदेशकों के लिए हिन्दी में न्यूनतम अधिगम स्तर एम.एल.एल. रिपोर्ट में दी गई क्षमताओं की सीमा तय करने को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश के प्राथमिक विद्यालयों/अनौपचारिक शिक्षा केन्द्रों में प्रयोग की जा रही वर्तमान पुस्तकों/अनुदेशी सामग्री की विषय वस्तु का विश्लेषण, और अध्यापकों/अनौपचारिक शिक्षा अनुदेशकों के लिए एक मसौदा पुस्तिका दैयार करना सम्मिलित हैं।

प्रकाशन

निम्नलिखित प्रकाशनों को प्रकाशित किया गया:

1. ग्रोथ ऑफ लॉजिकल थिंकिंग इन चिल्ड्रन
2. रिसर्चेज इन चाइल्ड डेवलपमेन्ट

1990-91

प्रेस में

1. अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन प्रोग्राम
2. मैनुअल ऑन चाइल्ड-टु-चाइल्ड प्रोग्राम
3. मैनुअल फॉर होम-बेस्ड प्रोग्राम इन अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन
4. ई.सी.ई. इन्सट्रक्शनल मैटीरियल सीरिज
   - ड्रामा एण्ड दी यंग चाइल्ड
   - न्यूट्रिशन फॉर दि प्री-स्कूलर्स
   - डेवलपिंग रीडिंग रेडिनेस इन दि प्री-स्कूलर्स

उड़ीसा के मनोरंजन कार्यक्रम

(क) वीडियो प्रोग्राम
- ए डे इन प्री-स्कूल
- म्यूजिक, रायम एण्ड मुवमेन्ट
- क्रीएटिव एण्ड एसथेटिक डेवलपमेन्ट

(ख) ऑडियो प्रोग्राम

1. रेडियो सम्भाव्यता परियोजना के अन्तर्गत बच्चों के लिए 51 ऑडियो कार्यक्रम

चार अनौपचारिक शिक्षा और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जन-जाति की शिक्षा

विद्यालयेतर अथवा प्रारम्भ में विद्यालय छोड़ने वाले बच्चों और उन बच्चों के लिए जो विद्यालय नहीं गए अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रम तथा अनुसूचितजाति एवं अनुसूचित जन जाति के विद्यार्थियों की शिक्षा के संवर्धन हेतु कार्यक्रम और युक्तियां बनाना रा.शै.अ.प्र.प. के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में से एक है। अनौपचारिक शिक्षा अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जाति शिक्षा विभाग (डी.ए.एफ.ई.ई.एस.सी./एस.टी) द्वारा किए गए मुख्य कार्यक्रम और कार्यकलाप इस प्रकार हैं:—

अनौपचारिक शिक्षा

अनुसंधान और विकास

अनौपचारिक शिक्षा अ.जा./अ.जा. शिक्षा विभाग ने अनौपचारिक शिक्षा के बच्चों की उपलब्धि का मूल्यांकन करने के लिए उपकरणों और कार्यप्रणालियों का विकास किया।

अनौपचारिक शिक्षा पद्धति में प्रयोग के क्षेत्र स्टेशन कार्यक्रम के अन्तर्गत तीन स्वैच्छिक संगठनो में स्थित तीन क्षेत्र-स्टेशनों के दल के सदस्यों की एक योजना बैठक 22 नवम्बर, 1990 को की गई। इसके पश्चात क्षेत्र स्टेशनों में दिए गए निर्देशनात्मक अध्यायों की वीडियों रिकार्डिंग के लिए 29 जनवरी से 2 फरवरी, 1991 तक बोधगया में एक कार्यशाला आयोजित की गई। क्षेत्र-स्टेशनों के संबंध में तीसरा कार्यक्रम एक कार्यशाला थी जो इन स्टेशनों के आंकड़ों का विश्लेषण करने के लिए 3 से 7 फरवरी, 1991 को बोधगया में आयोजित की गई। अनौ. शि.अ.जा./ अ.ज.जा. शि. विभाग ने अनुदेशकों, पर्यवेक्षकों और परियोजना अधिकारियों के लिए सामाजिक, भावनात्मक और राष्ट्रीय एकता पर एक पुस्तिका का मसौदा भी तैयार किया।

न्यूनतम अधिगम स्तर (एम.एल.एल.) परियोजना के अन्तर्गत मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने प्राथमिक स्तर पर विकसित की जाने वाली क्षमताओं की एक सूची तैयार की है। अनौ.शि.अ.जा./ अ.ज.जा. विभाग ने एम.एल.एल. के दस्तावेज में संशोधन के लिए प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों और अनौ.शि.अनुदेशकों को शामिल करके 7 कार्यशालाएँ आयोजित कीं। इन कार्यक्रमों का विस्तृत विवरण तालिका 4.1 में दिया गया है।

1990-91

तालिका 4.1

1990-91 में अनौ.शि.अ.जा./अ.ज.जा. शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाएं

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
1.	स्तर 3 और 5 पर अनौ.शि के बच्चों के मूल्यांकन के लिए उपकरणों और कार्यप्रणालियों के विकास पर कार्यशाला	11 से 14 दिसम्बर, 1990	नई दिल्ली	4
2.	स्तर 4 पर अनौ.शि. के बच्चों के मूल्यांकन के लिए उपकरण और कार्यप्रणाली के विकास पर कार्यशाला	11 से 15 मार्च, 1990	नई दिल्ली	6
3.	अनौ.शि.पद्धति में प्रयोग के लिए क्षेत्र स्टेशनों के कार्यकर्ताओं के लिए योजना बैठक	22 नवम्बर, 1990	नई दिल्ली	7
4.	अनौ.शि.पद्धति के प्रयोग हेतु क्षेत्र स्टेशन पर निदर्शनात्मक अध्यायों की वीडियो रिकार्डिंग के लिए कार्यशाला	29 जनवरी से 2 फरवरी, 1991	बोधगया	15
5.	क्षेत्र-स्टेशन के क्षेत्रीय आँकड़ों के विश्लेषण के लिए कार्यशाला	3 से 7 फरवरी, 1991	बोधगया	11
6.	अनौ.शि. के सत्र 4 के लिए अनुदेशी सामग्री के विकास और गणित पुस्तक-3 के लिए उदाहरणों के विकास के लिए कार्यशाला	16 से 20 जुलाई, 1991	नई दिल्ली	1
7.	अनौ.शि. के सत्र-4 के लिए अनुदेशी सामग्री के विकास और गणित पुस्तक-3 के उदाहरणों के विकास के लिए कार्यशाला	14 से 21 जनवरी, 1991	नई दिल्ली	6
8.	अनौ.शि. सत्र-4 के लिए अनुदेशी सामग्री के विकास और गणित पुस्तक-3 के लिए उदाहरणों के विकास के लिए कार्यशाला	21 से 25 जनवरी, 1991	नई दिल्ली	10
9.	अनौ.शि. के सत्र-4 के लिए अनुदेशी सामग्री के विकास और गणित पुस्तक-3 के लिए उदाहरणों के विकास के लिए कार्यशाला	18 से 22 मार्च, 1991	नई दिल्ली	7
10.	अनौ.शि. के सत्र-4 के लिए अनुदेशी सामग्री के विकास और गणित पुस्तक-3 के लिए उदाहरणों के विकास के लिए कार्यशाला	18 से 22 मार्च 1991	नई दिल्ली	5

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
11.	अनौ.शि. केन्द्रों के अध्येताओं, अनुदेशकों और पर्यवेक्षकों के लिए सामाजिक, भावनात्मक और राष्ट्रीय एकता से संबंधित विषयों पर पूरक पठन सामग्री की समीक्षा के लिए कार्यशाला	20 से 21 दिसम्बर, 1990	नई दिल्ली	4
12.	अनौ.शि.केन्द्रों के अध्येताओं, अनुदेशकों और पर्यवेक्षकों के लिए सामाजिक, भावनात्मक और राष्ट्रीय एकता से संबंधित विषयों पर पूरक पठन सामग्री की समीक्षा के लिए कार्यशाला	21 से 22 मार्च, 1990	नई दिल्ली	5
13.	एम.एल.एल. दस्तावेज का प्रश्नावली सहित अनुवाद करवाने के लिए कार्यशाला	9 से 13 जुलाई, 1990	नई दिल्ली	5
14.	प्राथमिक विद्यालय अध्यापकों और अनौ.शि. के अनुदेशकों को शामिल करके मा.सं.वि.म. द्वारा विकसित एम.एल.एल. दस्तावेज को संशोधित करने हेतु कार्यशाला	23 से 27 जुलाई, 1990	कन्याकुमारी	37
15.	प्राथमिक विद्यालय अध्यापकों और अनौ.शि.के अनुदेशकों को शामिल करके मा.सं.वि.म. द्वारा विकसित एम.एल.एल. दस्तावेज को संशोधित करने हेतु कार्यशाला	24 से 28 जुलाई, 1990	हैदराबाद	29
16.	प्राथमिक विद्यालय अध्यापकों और अनौशि.के. अनुदेशकों को शामिल करके मा.सं.वि.म. द्वारा विकसित एम.एल.एल. दस्तावेज को संशोधित करने हेतु कार्यशाला	24 से 28 जुलाई, 1990	पटना	33
17.	प्राथमिक विद्यालय अध्यापकों और अनौ.शि.के अनुदेशकों को शामिल करके मा.सं.वि.म. द्वारा विकसित एम.एल.एल. दस्तावेज को संशोधित करने हेतु कार्यशाला	26 से 30 जुलाई, 1990	अहमदाबाद	40
18.	प्राथमिक विद्यालय अध्यापकों और अनौ.शि. के अनुदेशकों को शामिल करके मा.सं.वि.म. द्वारा विकसित एम.एल.एल. दस्तावेज को संशोधित करने हेतु कार्यशाला	30 से 7 अगस्त, 1990	जयपुर	36
19.	प्राथमिक विद्यालय अध्यापकों और अनौ.शि. के अनुदेशकों को शामिल करके मा.सं.वि.म. द्वारा विकसित एम.एल.एल. दस्तावेज को संशोधित करने हेतु कार्यशाला	6 से 8 अगस्त, 1990	पुणे	33

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
20.	प्राथमिक विद्यालय अध्यापकों और अनौ.शि. के अनुदेशकों को शामिल करके मा.सं.वि.म. द्वारा विकसित एम.एल.एल. दस्तावेज को संशोधित करने हेतु कार्यशाला	7 से 11 अगस्त, 1990	भोपाल	33
21.	अनौपचारिक शिक्षा में नवाचारों पर वार्षिक कार्यशाला	29 मई से 2 जून, 1990	डूंगापुर	25
22.	अनौपचारिक शिक्षा में नवाचारों पर वार्षिक कार्यशाला	25 से 29 मार्च, 1990	भुवनेश्वर	27

अनौ.शि. के कार्मिकों के लिए मार्गदर्शन/प्रशिक्षण कार्यक्रम

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शिक्षा विभाग भारत सरकार के अनुरोध पर रा.शै.अ.प्र.प. ने अनौपचारिक शिक्षा केन्द्रों के उन प्रमुख व्यक्तियों/ परियोजना अधिकारियों तथा अनुदेशकों को प्रशिक्षण देने का दायित्व लिया जो आन्ध्र प्रदेश, बिहार, जम्मू और कश्मीर, मध्य प्रदेश, उड़ीसा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और पं. बंगाल राज्यों में केन्द्र द्वारा प्रायोजित अनौपचारिक शिक्षा योजना के कार्यान्वयन में लगे हुए हैं। इस सदंर्भ में अनौ.शि.अ.जा./अ.ज.जा. शि. विभाग ने निम्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजत किए:

— राज्यों में अनौ.शि. के प्रमुख व्यक्तियों का प्रशिक्षण।
— उन प्रमुख व्यक्तियों के लिए पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम, जिन्होंने पिछले वर्ष प्रशिक्षण लिया।
— शिक्षा विभागों के प्रमुख व्यक्तियों/राज्य स्तर के अधिकारियों की एक दिवसीय बैठकें।
— स्वैच्छिक अभिकरणों के कार्मिकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम।
— विभाग द्वारा आयोजित अनौ.शि. प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विस्तृत विवरण तालिका 4.2 में दिया गया है।

तालिका 4.2

1990-91 में अनौ.शि.अ.जा./अ.ज.जा विभाग द्वारा आयोजित अनौपचारिक शिक्षा में प्रशिक्षण कार्यक्रम

कमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
1.	मणिपुर के अनौ.शि.के प्रमुख व्यक्तियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	22 से 26 अक्टूबर, 1990	इम्फाल	25
2.	बिहार के अनौ.शि. के प्रमुख व्यक्तियों के लिए पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम	20 से 22 जून, 1990	नई दिल्ली	23

1990-91

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
3.	उत्तर प्रदेश के अनौ.शि. के प्रमुख व्यक्तियों के लिए पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम	8 से 10 अगस्त, 1990	नई दिल्ली	22
4.	मध्य-प्रदेश के अनौ.शि. के प्रमुख व्यक्तियों के लिए पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम	29 से 31 अगस्त, 1990	नई दिल्ली	17
5.	आन्ध्र प्रदेश के अनौ.शि. के प्रमुख व्यक्तियों के लिए पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम	18 से 20 सितम्बर, 1990	नई दिल्ली	19
6.	उड़ीसा के अनौ.शि. के प्रमुख व्यक्तियों के लिए पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम	19 से 21 नवम्बर, 1990	नई दिल्ली	10
7.	असम के अनौ.शि. के. प्रमुख व्यक्तियों के लिए पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम	7 से 9 जनवरी, 1990	नई दिल्ली	10
8.	राजस्थान के प्रमुख व्यक्तियों और कार्यकर्ताओं के लिए पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम	26 से 28 नवम्बर, 1990	उदयपुर	30
9.	मणिपुर में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के संबंध में अनौ.शि. के प्रमुख व्यक्तियों का मार्गदर्शन करने के लिए एक दिन का प्रशिक्षण कार्यक्रम	2 जनवरी, 1991	इम्फाल	20
10.	उत्तर प्रदेश के अनौ.शि. परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	9 से 13 जुलाई, 1991	इलाहाबाद	16
11.	उत्तर-प्रदेश के अनौ.शि. परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	16 से 20 जुलाई, 1991	इलाहाबाद	25
12.	राजस्थान के अनौ.शि. परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	13 से 17 दिसंबर, 1990	उदयपुर	30
13.	जम्मू एवं कश्मीर के अनौ.शि. परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	1 से 11 जनवरी, 1990	जम्मू	24
14	जम्मू एवं कश्मीर के अनौ.शि. परियोजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	25 से 29 मार्च, 1991	जम्मू	12

1990-91

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
15.	अनौ.शि. में लगे स्वैच्छिक अभिकरणों के प्रमुख व्यक्तियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम	20 से 24 अगस्त, 1990	तिरुपति	38
16.	राज्यों तथा संघ शासित क्षेत्रों को अनौ.शि.एवं अ.ज.जा/ ज.जा. शिक्षा के क्षेत्र में समर्थन एवं परामर्श प्रदान करने के लिए मार्गदर्शन कार्यक्रम	25 से 29 जून, 1990	गोविन्दपुर उ.प्र.	21
17.	अनौ.शि. और अ.जा./अ.ज.जा. शिक्षा के क्षेत्र में राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों को समर्थन और सलाह देने के लिए मार्गदर्शन कार्यक्रम	20 जून से 4 जुलाई, 1990	नई दिल्ली	1
18.	अनौ.शि. और अ.जा./अ.ज.जा. शिक्षा के क्षेत्र में राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों को समर्थन और सलाह देने के लिए मार्गदर्शन कार्यक्रम	30 अक्टूबर से 1 नवम्बर, 1990	नई दिल्ली	3
19.	रा.शि.सं. में श्री लंका के निदेशक (अनौ.शि.) का प्रशिक्षण	20 जून से 4 जुलाई, 1990	नई दिल्ली	1

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन-जाति की शिक्षा

"आदिवासी बोलियों में पाठ्यपुस्तकें तैयार करना" शीर्षक पर अनौ.शि. अ.जा./अ.ज.जा. ने गोंडी और ईरुला भाषा में प्रवेशिका तैयार करने का कार्य जारी रखा।

अनौ. शि.अ.जा./अ.ज.जा. विभाग ने क्षेत्रीय लिपि में "आदिवासी बोलियों में अध्ययन-अध्यापन सामग्री का विकास" परियोजना भी आरंभ की, इस परियोजना के अन्तर्गत कक्षा-1 के लिए बिहार की 5 आदिवासी भाषाएं हो, संथाल, मुंडारी, खड़िया और कुरुख में पाठ्यपुस्तकों की पांडुलिपियाँ तैयार की गई हैं। विभाग ने डा.बी.आर. अम्बेडकर के जीवन उध्दरणों का एक संग्रह भी तैयार किया है।

उपर्युक्त के अतिरिक्त अनौ.शि.अ.जा./अ.ज.जा. शिक्षा विभाग ने निम्नलिखित परियोजनाओं पर कार्य जारी रखा,

1. अनुसूचित जातियों के शैक्षिक विकास पर टीका सहित ग्रंथ सूची तैयार करना
2. अनुसूचित जाति के प्रतिष्ठित व्यक्तियों पर ग्रंथ परक पठन सामग्री का तैयार करना।

पाँच सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी शिक्षा

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् का एक महत्वपूर्ण कार्य विद्यालय शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर सामाजिक विज्ञान और मानविकी में शिक्षण सामग्री विकसित करना है। विद्यालय स्तर पर शिक्षा की विषय-वस्तु और प्रक्रिया के नवीनीकरण के प्रयासों के एक अंश के रूप में राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान का सामाजिक विज्ञान और मानविकी शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एस.एच.) राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रुपरेखा के आधार पर विद्यालय शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर सामाजिक विज्ञान और मानविकी के पाठ्यवितरण और पाठ्यपुस्तकों के विकास में लगा हुआ है। विभाग के अन्य कार्यों में अध्यापकों और अध्यापक-शिक्षकों का मार्गदर्शन, राज्य शिक्षा प्राधिकरणों को पाठ्यचर्या और अनुदेशी सामग्री के विकास और मूल्यांकन में राज्य के शैक्षणिक प्राधिकरणों को शैक्षिक सहायता प्रदान करना और भाषा, सामाजिक विज्ञान, वाणिज्य, कला शिक्षा, स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा, योग, सामान्य अध्ययन तथा दर्शनशास्त्र में सर्वेक्षण अध्ययन करना है। सा.वि.मा.शि.वि. राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना के कार्यान्वयन हेतु केन्द्रीय तकनीकी समन्वयन तथा अनुवीक्षण अभिकरण के रूप में भी कार्य करता है।

अनुदेशी सामग्री का विकास

वर्ष 1990-91 में विभाग के कार्यक्रमों का मुख्य केन्द्र सामाजिक विज्ञान (इतिहास, नागरिक शास्त्र, राजनीतिशास्त्र, अर्थशास्त्र और समाजशास्त्र) भाषा (हिन्दी, अँग्रेजी, संस्कृत और उर्दू (वाणिज्य, कला शिक्षा, स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा, सामान्य अध्ययन और दर्शनशास्त्र में पाठ्यचर्या और अनुदेशी सामग्री तैयार करना रहा है। 1990-91 के दौरान तालिका 5.1 में दी गई पाठ्यपुस्तकों के प्रकाशन के साथ नई शिक्षा नीति-1986 के अनुवर्तन के रूप में अनुदेशी सामग्री के विकास के लिए 1986-87 में आरम्भ किया गया कार्य पूरा हो चुका है।

निम्नलिखित पाठ्यपुस्तकों की पाण्डुलिपियाँ तैयार की जा चुकी हैं।

1. भारतीय अर्थव्यवस्था—एक परिचय, कक्षा 11-12 के लिए अर्थशास्त्र की पाठ्यपुस्तक
2. हमारी हिन्दी, भाग-3, नवोदय विद्यालय की कक्षा-8 के लिए हिन्दी पाठ्यपुस्तक
3. उर्दू की नई किताब, कक्षा-2 के लिए उर्दू पाठ्यपुस्तक
4. उर्दू की नई किताब, कक्षा-5 की उर्दू पाठ्यपुस्तक
5. जीवन और विज्ञान (संशोधित रुपान्तरण) कक्षा-8 के लिए हिन्दी पूरक पुस्तक

6. अरूण भारती, भाग-4 की अभ्यास-पुस्तिका
7. अरूण भारती भाग-5, अरूणाचल प्रदेश की कक्षा-5 के लिए हिन्दी पाठ्य पुस्तक
8. अरूण भारती भाग-5 की अभ्यास-पुस्तिका
9. सुलेख पुस्तिका भाग-I
10. सुलेख पुस्तिका भाग-II
11. प्राथमिक कक्षाओं के लिए व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण
12. कक्षा 1 और 2 के लिए हिन्दी में पूरक पुस्तकें
13. स्वस्ति भाग-I (संशोधित रूपान्तरण) कक्षा-5 के लिए संस्कृत में पाठ्यपुस्तक
14. स्वस्ति भाग-II (संशोधित रूपान्तरण) कक्षा-6 के लिए संस्कृत में पाठ्यपुस्तक
15. स्वस्ति भाग-III (संशोधित रूपान्तरण) कक्षा-8 के लिए संस्कृत में पाठ्यपुस्तक
16. संस्कृत धारा भाग-5, कक्षा-10 के लिए संस्कृत में पाठ्यपुस्तक (हिन्दी मातृभाषा पाठ्यक्रम का एक भाग)
17. लागत लेखाशास्त्र कक्षा-12 के लिए पाठ्यपुस्तक
18. कार्यालय प्रशासन, कक्षा-12 के लिए पाठ्यपुस्तक

वर्ष के दौरान प्रकाशित अन्य पाठ्यपुस्तकों का विवरण तालिका 5.1 एवं 5.2 में दिया गया है।

तालिका - 5.1

1990-91 में सा.वि.मा.शि.वि. द्वारा विकसित सामाजिक विज्ञान, मानविकी, व्यापार अध्ययन और लेखाशास्त्र में तैयार की गई पाठ्यपुस्तकें

क्रमांक	*पुस्तकों का शीर्षक*	*कक्षा*
	हिन्दी	
1	अरूण भारती, अरूणाचल प्रदेश के लिए भाग-4	6
	संस्कृत	
1.	संस्कृत कविता कादंबिनी	12
	उर्दू	
1	उर्दू की नई किताब	4
2	उर्दू की नई किताब	8
	अँग्रेजी	
1	नवोदय विद्यालय के लिए "दी वर्ल्ड एराउण्ड मी"	8
	राजनीति शास्त्र	
1	डेमोक्रेसी इन इण्डिया	12
2	भारत में प्रजातन्त्र (हिन्दी रूपान्तर)	12

1990-91

क्रमांक	पुस्तकों का शीर्षक	कक्षा
	इतिहास	
1	दी स्टोरी ऑफ सिविलाइजेशन वाल्यूम II	10
2	सभ्यता की कहानी, भाग II	10
3	एंशियेन्ट इण्डिया	11
4	प्राचीन भारत	11
5	मिडिएवल इंडिया	11
6	मध्यकालीन भारत	11
7	मॉर्डन इण्यिा	12
8	आधुनिक भारत	12
9	कॉन्टैम्परेरी वर्ल्ड हिस्ट्री	12
10	समसामायिक विश्व इतिहास	12
	भूगोल	
1	इंडिया रिसोर्सेज एण्ड रीजनल डेवलपमेंट	12
2	भारत-संसाधन और क्षेत्रीय विकास (हिन्दी रूपान्तर)	12
	समाजशास्त्र	
1	इंडियन सोसाइटी (रिवाइज्ड वर्शन)	12
	व्यापार अध्ययन	
1	व्यापार अध्ययन	12
	लेखाशास्त्र	
1	एकाउंटिंग भाग I	12
2	एकाउंटिंग भाग II	12

तालिका 5.2

1990-91 में सा.वि.मा.शि.वि. द्वारा दूसरी और तीसरी भाषा के रूप में तैयार की गई हिन्दी, उर्दू की पाठ्यपुस्तकें

क्रमांक	कक्षा और शीर्षक
	हिन्दी
1.	कक्षा-6 के लिए हिन्दी एल-2
2.	कक्षा-9 के लिए हिन्दी एल-2
3.	कक्षा-9 के लिए पूरक पाठमाला हिन्दी एल-2
4.	हिन्दी भारती भाग-I कक्षा 7 के लिए पाठ्यपुस्तक हिन्दी एल-3
5.	हिन्दी भारती भाग-III कक्षा 9 के लिए पाठ्यपुस्तक हिन्दी एल-3
6.	कक्षा-9 के लिए पूरक पुस्तक हिन्दी एल-3
	उर्दू
1.	कक्षा 6 के लिए पाठ्यपुस्तक उर्दू एल-2
2.	कक्षा-7 के लिए पाठ्यपुस्तक उर्दू एल-3

एक महत्वपूर्ण क्षेत्र जिसका कार्य पहले ही आरम्भ हो चुका था और वर्ष 1990-91 में उसे आगे बढ़ाया गया वह था हिन्दी, उर्दू और अँग्रेजी की द्वितीय और तृतीय भाषा के रूप में पाठ्यचर्या और अनुदेशी सामग्री तैयार करना। हिन्दी और उर्दू का द्वितीय और तृतीय भाषा के रूप में शिक्षण और पाठ्यविवरण की सामान्य संरचना को अन्तिम रूप दिया जा चुका है और इन भाषाओं में पाठ्यपुस्तकें तैयार करने संबंधी कार्य किए गए।

पाठ्यचर्या/अनुदेशी सामग्री तैयार करना

जैसा कि ऊपर बताया गया है, पाठ्यपुस्तकें तैयार करने के अतिरिक्त सा.वि.मा.शि. विभाग ने निम्नलिखित पाठ्यचर्या के क्षेत्रों में पाठ्यचर्या और अनुदेशी सामग्री बनाई:—

सामान्य अध्ययन

सामान्य अध्ययन में सामान्य संरचना और पाठ्यविवरण, उच्चतर माध्यमिक स्तर पर कोर-पाठ्यचर्या तैयार करने के बाद सामान्य अध्ययन में अनुदेशी सामग्री तैयार करने का कार्य किया गया।

योग

कक्षा 1 से 12 के लिए योग में पाठ्यविवरणों को अन्तिम रूप देने के पश्चात् कक्षा 6 से 8 के योग-अध्यापकों के लिए पुस्तिका और माध्यमिक स्तर के लिए पाठ्य पुस्तक तैयार करने का कार्य आरम्भ किया गया।

शारीरिक शिक्षा

कक्षा 6 से 10 के लिए शारीरिक शिक्षा की सोर्स बुक ऑन फिजिकल एजुकेशन की पाण्डुलिपि तैयार की गई। कक्षा 6 से 10 के लिए शारीरिक शिक्षा में पुस्तिका की रूपरेखा को अन्तिम रूप देने के पश्चात् पुस्तिका की पाण्डुलिपि तैयार करने का कार्य किया गया।

कला शिक्षा

कक्षा 11-12 के लिए दृश्य और पूर्वरचनात्मक कलाओं में पाठ्यविवरणों को अन्तिम रूप देने के पश्चात् निम्नलिखित अनुदेशी सामग्री तैयार की गईः

1. बच्चों के विकास के विभिन्न स्तरों पर बालकला की मुख्य विशिष्टताओं पर स्लाइडों का एक सेट
2. मसौदा पाण्डुलिपियाँ :
   - क. विद्यालयी बच्चों के लिए संगीत—एक उपागम
   - ख. विद्यालयों में नृत्य-शिक्षा—एक उपागम
   - ग. विद्यालयों में श्रव्य कलाएं— एक उपागम
   - घ. विद्यालयों के लिए रचनात्मक कठपुतलियाँ
   - ङ. मिट्टी का काम
   - च. शिक्षा में रचनात्मक नाटक

सा.वि.मा.शि. विभाग ने कक्षा 9-10 के लिए शिक्षा में अध्यापक पुस्तिका के विकास का कार्य भी आरम्भ किया। इसके अतिरिक्त अध्यापक शिक्षा पाठ्यचर्या में कला शिक्षा के पाठ्यक्रम की एक रूपरेखा भी तैयार की।

सा.वि.मा.शि. विभाग ने अपने क्षेत्र के अन्तर्गत अपने वाले सभी विषयों में अध्यापक संदर्शिकाएँ, पुस्तिकाएँ, कार्यकलाप पुस्तकें, पठन और पाठन साधनों आदि को तैयार करने का कार्य आरम्भ किया।

विशेष परियोजनाएँ और कार्यक्रम

सा.वि.मा.शि.वि. कुछ विशेष परियोजना/कार्यक्रमों के कार्यान्वियन मे लगा हुआ है। इसमें निम्नलिखित सम्मिलित हैं:

1. *राष्ट्रीय एकता की दृष्टि से पाठ्यपुस्तकों का मूल्यांकन*

राष्ट्रीय एकता की दृष्टि से 6 राज्यों की इतिहास और भाषा की पाठ्यपुस्तकों के मूल्यांकन संबंधी तीन कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था। निजी संगठनों द्वारा प्रकाशित पाठ्यपुस्तकों को भी मूल्यांकन कार्यक्रमों में शामिल किया गया।

2. *संगोष्ठी-पाठ कार्यक्रम*

विद्यालय कार्यक्रमों में संगोष्ठी पाठों और नवाचारों के पुरस्कार विजेताओं की एक राष्ट्रीय बैठक अक्टूबर 1990 में रा.शि.सं. परिसर में आयोजित की गई। इस राष्ट्रीय बैठक में चौंतीस पुरस्कार विजेताओं और तीन संबंधित विद्वानों ने भाग लिया। डा. एस. राधाकृष्णन की जन्मशती के संबंध में आयोजित निबन्ध प्रतियोगिता में 3 राष्ट्रीय पुरस्कार विजेताओं ने अपने पुरस्कार विजेता शोध पत्रों को भी प्रस्तुत किया।

3. *बाल साहित्य के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्रतियोगिता*

सा.वि.मा.शि. बिभाग ने बाल-साहित्य के लिए छब्बीसवीं राष्ट्रीय पुरस्कार प्रतियोगिता का आयोजन किया। यह प्रतियोगिता बाल साहित्य में गुणात्मक सुधार को उन्नत करने के लिए समय-समय पर आयोजित की जाती है। वर्ष 1990-91 में 15 भाषाओं की 30 बाल पुस्तकों/पाण्डुलिपियों को पुरस्कार विजेता प्रविष्टी के रूप में चुना गया।

4. *पाठ्य-पुस्तक भाषा व्यापकता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी*

इस संगोष्ठी में 20 पत्र प्रस्तुत किए गए। पत्रों को प्रकाशन के लिए सम्पादित किया गया।

1990-91

यूनेस्को प्रायोजित कार्यक्रम

सा.वि.म.शि. विभाग ने यूनेस्को प्रायोजित माध्यमिक शिक्षा के सुधार और नवीनीकरण पर राष्ट्रीय कार्यशाला की एक रिपोर्ट तैयार की जो दिसम्बर 1989 में आयोजित की गई थी। विभाग ने यूनेस्को प्रायोजित पारियोजना "10 अन्य देशों के बच्चों के प्रयोगार्थ अपने देश और संस्कृति पर शिक्षण सामग्री" आरंभ की। इस परियोजना के अन्तर्गत 24 विद्यार्थियों और 4 अध्यापकों की एक कार्यशाला आयोजित की गई। वर्ष 1990-91 में अन्तर्राष्ट्रीय समझ, सहयोग, शान्ति तथा मानव अधिकारों और मौलिक स्वतन्त्रता से संबंधित शिक्षा की सिफारिशों को कार्यान्वित करने के लिए एक अन्य यूनेस्को प्रायोजित परियोजना विभाग को सौंपी गई।

सा.वि.मा.शि.वि. ने अनुदेशी सामग्री आदि के विकास/समीक्षा के लिए अनेक कार्यशालाएँ, बैठकें, मार्गदर्शन/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। वर्ष 1990-91 में आयोजित कार्यक्रमों का विस्तृत विवरण तालिका 5.3 में दिया गया है।

तालिका 5.3

1990-91 में सा.वि.मा.शि.वि. द्वारा आयोजित कार्यशालाएँ/बैठकें/संगोष्ठियाँ/सम्मेलन/प्रशिक्षण/अभिविन्यास कार्यक्रम

क्रमांक	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*दिनांक*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1.	सामान्य अध्ययन में पाठ्यचर्या और अनुदेशी सामग्री तैयार करना			
	1. पाठ्यचर्या को अन्तिम रूप देना 2. अनुदेशी सामग्री की विस्तृत रूपरेखा को अन्तिम रूप देना	मई-जून 1990 जून, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	सा.वि.मा.शि.वि. संकाय
2.	कक्षा-12 की राजनीति विज्ञान की पाठ्यपुस्तक, डेमोक्रेसी इन इंडिया के हिन्दी रूपान्तर की समीक्षा और अन्तिम रूप देना	7 से 11 मई 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	14
3.	कक्षा-11 के लिए समाजशास्त्र में परीक्षण मदें तैयार करना	15 से 19 मई 1990	क्षे.शि.म. भोपाल	15
4.	बाल भारती-III के लिए अध्यापक संदर्शिका के अन्तिम मसौदे की समीक्षा	25 से 29 जून, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	8
5.	दिल्ली के विद्यालयों में बाल भारती श्रृंखला का मूल्यांकन	28 मई से 1 जून, 1990	दिल्ली	25 सा.वि.मा.शि.वि (वि.पू.प्रा.) शि.वि.के सहयोग से)

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
6.	प्रेमचन्द साहित्य (5 कहानी पुस्तकों का चयन और सम्पादन)	28 से 30 मई, 1990 1990	दिल्ली	9
7.	माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के हिन्दी के अध्यापकों के लिए पुस्तिका तैयार करना	25 से 29 जून, 1990	तारापुर	13
8.	हिन्दी एल-2 के लिए मूलपाठ विषयक सामग्री तैयार करना	26 से 28 अप्रैल, 1990	दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली	8
	हिन्दी एल-2 के लिए पाठ्यचर्या और पाठ्यविवरण को अन्तिम रूप देना			
9.	पुस्तक-I (कक्षा 6 और 9 एल-2) के लिए विषयवस्तु और भाषा विषयक क्षेत्रों का निर्धारण करने के लिए विशेषज्ञ समिति की बैठक	12 से 18 जून 1990	हैदराबाद	16
10.	योग में अनुदेशी सामग्री का विकास (पहली बैठक)	28 से 30 मई, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	12
11.	रीडिंग टू लर्न के अन्तर्गत लेखकों की कार्यशाला (छः पाण्डुलिपियों पर विचार-विमर्श किया गया इनमें से तीन पाण्डुलिपियों को अन्तिम रूप दिया गया	4 से 8 जून, 1990	शिमला	10
12.	मेडिवेल इण्डिया पाठ्यपुस्तक की पाण्डुलिपि की समीक्षा के लिए कार्यशाला	25 से 28 जून, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	8
13.	एल-2 और एल-3 के लिए उर्दू पाठ्यपुस्तक तैयार करने के लिए कार्यशाला कक्षा-6 (एल-2) कक्षा-7 (एल-3) और कक्षा -9 (एल-2 और एल-3) के लिए पाठ्यपुस्तकों की रूपरेखा तैयार की गई।	20 से 22 जून, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	10
14.	डा. एस. राधाकृष्णन की जन्मशती से संबंधित निबन्ध प्रतियोगिता के लिए राष्ट्रीय अभिनिर्णायकों की बैठक	16 जून, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	6
15.	वायुसेना विद्यालय के अध्यापकों के लिए मार्गदर्शन कार्यक्रम	25 से 27 जून, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	41

1990-91

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
16.	के.मा.शि.बो. से संबद्ध विद्यालयों की कक्षा-7 के लिए तीसरी भाषा के रूप में हिन्दी शिक्षण हेतु पाठ्य पुस्तक तैयार करना	6 से 12 जुलाई, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	13
17.	कक्षा-6 हिन्दी एल-2 के लिए पाठ्यपुस्तक तैयार करना	10 से 17 जुलाई, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	17
18.	विद्यार्थी संस्कृत शब्दकोष तैयार करना	16 से 20 जुलाई, 1990	इन्दौर	15
19.	वाणिज्य/लेखाशास्त्र में पाठ्यपुस्तक तैयार करना	18 से 20 जुलाई, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	11
20.	हिन्दी एल-2 में मूलपाठ विषयक सामग्री तैयार करना	24 से 31 जुलाई, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	16
21.	कक्षा 9-10 के लिए सात अतिरिक्त पाठ्य पुस्तकें तैयार करना	30 जुलाई से 1 अगस्त, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	8
22.	सामाजिक विज्ञान में पाठ्यपुस्तक तैयार करना : कक्षा 9 और 10 के लिए नई अर्थशास्त्र पुस्तक की समीक्षा	21 जुलाई से 3 अगस्त, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	16
23.	अहिन्दी भाषी राज्यों के नवोदय विद्यालयों की कक्षा 6 के लिए दो हिन्दी पूरक पुस्तकों को तैयार करना	28 जुलाई से 3 अगस्त, 1990	हैदराबाद	17
24.	मूल्योंन्मुख शिक्षा कार्यशाला	6 से 7 अगस्त, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	9
25.	हिन्दी व्याकरण और रचना का एक सैट तैयार करना	8 अगस्त, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	3
26.	कक्षा 7 और 8 के लिए संस्कृत पाठ्यपुस्तक का संशाधन	16 से 20 अगस्त, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	11

1990-91

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
27.	कक्षा 6 के लिए हिन्दी एल-2 में मूल विषयक सामग्री तैयार करना	16 से 23 अगस्त, 1990	लखनऊ	20
28.	विज्ञान परियोजना "रीडिंग टू लर्न" के अन्तर्गत लेखकों की बैठक	18 अगस्त, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	10
29.	के.मा.शि.बो. से संबद्ध विद्यालयों की कक्षा 7 में तीसरी भाषा के रूप में हिन्दी शिक्षण के लिए पाठ्यपुस्तक तैयार करना	18 से 20 अगस्त, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	9
30.	विद्यालयों में दूसरी और तीसरी भाषा के रूप में उर्दू शिक्षण के लिए पाठ्यपुस्तक तैयार करना	3 से 7 सितंबर, 1990	जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय नई दिल्ली	13
31.	अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए सामग्री तथा उच्च-प्राथमिक विद्यालयों के लिए हिन्दी साधन सामग्री तैयार करना	11 से 18 सितंबर, 1990	लखनऊ	11
32.	के.मा.शि.बो. के विद्यालयों की कक्षा-9 में तीसरी भाषा के रूप में हिन्दी शिक्षण के लिए पाठ्यपुस्तक तैयार करना	15 से 21 सितम्बर, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	11
33.	कक्षा 12 के लिए कार्यालय प्रशासन में पाठ्यपुस्तक के विकास के लिए प्रथम समीक्षा बैठक	21 से 26 सितंबर, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	5
34.	लागत आकलन में पाठ्यपुस्तक के विकास के लिए प्रथम समीक्षा बैठक	21 से 26 सितंबर, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	9
35.	प्राथमिक कक्षाओं के लिए हिन्दी में पूरक सामग्री तैयार करना	24 से 27 सितंबर, 1990	मथुरा	7
36.	सामान्य अध्ययन में सामग्री के एक सेट की समीक्षा के लिए कार्यशाला	26 से 29 दिसम्बर, 1990	कलकत्ता	18
37.	प्राथमिक कक्षाओं (कक्षा-4) के लिए अध्यापक संदर्शिका का विकास	26 से 30 नवम्बर, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	16

1990-91

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
38.	किशोर भारती भाग-1 का मूल्यांकन करने के लिए कार्यशाला	26 से 28 नवम्बर, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	11
39.	हिन्दी व्याकरण और रचना के मूल्यांकन के लिए कार्यशाला	10 से 14 दिसम्बर, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	9
40.	कक्षा-9 की हिन्दी एल-2 पाठ्यपुस्तक को अन्तिम रूप देने के लिए कार्यशाला	22 से 26 अक्टूबर, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	12
41.	कक्षा 9 की विषयवस्तु एवं भाषायी संदर्भ निर्धारण के लिए कार्यशाला	5 से 10 दिसम्बर, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	16
42.	कक्षा 9-10 के लिए हिन्दी व्याकरण की पाण्डुलिपि के कुछ अध्यायों को अन्तिम रूप देने के लिए कार्यशाला	5 से 9 नवम्बर, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	9
43.	प्रेमचन्द्र साहित्य की कहानियों को अन्तिम रूप देने के लिए कार्यशाला	10 से 14 दिसम्बर, 1990	दिल्ली	10
44.	तीसरी भाषा के रूप में हिन्दी शिक्षण के लिए कक्षा 9 के पाठों को अन्तिम रूप देना	19 से 22 अक्टूबर, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	9
45.	अंग्रेजी विषय में "रीडिंग टू लर्न" के अन्तर्गत सामग्री तैयार करने के लिए कार्यशाला	13 दिसम्बर 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	4
46.	संस्कृत श्लोकों के पूरक पाठ "सूक्ति सौरभम" की पाण्डुलिपि की समीक्षा और अन्तिम रूप देने के लिए कार्यशाला	9 से 14 नवम्बर, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	12
47.	कक्षा 9-10 के संस्कृत अध्यापकों के लिए संदर्शिका की मसौदा पाण्डुलिरि तैयार करने के लिए कार्यशाला	17 से 21 दिसम्बर, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	8
48.	योग अध्यापकों की पुस्तिका की योजना बनाने के लिए कार्यशाला	26 से 28 नवम्बर, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	12
49.	विद्यालयों में संगोष्ठी पठन नवाचारों के अन्तर्गत वार्षिक विजेताओं की बैठक	22 से 24 अक्टूबर, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	34

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
50.	कक्षा 12 के लिए लागत-आकलन में पाठ्यपुस्तक की समीक्षा के लिए द्वितीय समीक्षा समिति की बैठक	8 से 11 नवम्बर, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	9
51.	कक्षा 12 के लिए कार्यालयी प्रशासन में पाठ्यपुस्तक की समीक्षा के लिए द्वितीय समीक्षा समिति की बैठक	19 से 21 नवम्बर, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	6
52.	एल-3 के रूप में हिन्दी शिक्षण के लिए कक्षा-9 में हिन्दी पाठ्यपुस्तक की पूरक पुस्तक तैयार करना	28 नवम्बर, से 3 दिसम्बर, 1990	त्रिवेन्द्रम	14
53.	दृश्यकला पर मार्ग दर्शन के लिए कला अध्यापक शिविर	17 से 24 दिसम्बर, 1990	हैदराबाद	19
54.	कक्षा-6 के लिए सामाजिक विज्ञान में पाठ्यचर्या संदर्शिका तैयार करना	19 से 21 दिसम्बर, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	13
55.	सा.वि.म.शि.वि. के सलाहकार बोर्ड की बैठक	29 नवम्बर, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	38
56.	राष्ट्रीय एकता की दृष्टि से पाठ्यपुस्तकों का मूल्यांकन	18 से 22 फरवरी	राज्य शै.अ.प्र.प. मद्रास	17
57.	उच्च प्राथमिक स्तर के लिए सामाजिक विज्ञान में चार्टों का मूल्यांकन	2 से 4 जनवरी, 1991	रा.शैअ.प्र.प. नई दिल्ली	6
58.	+2 स्तर के लिए राजनीतिशास्त्र में शब्दावली और संकल्पनाओं को अन्तिम रूप देना	28 फरवरी से 1 मार्च,	क्षे.शि.म. मैसूर	9
59.	कक्षा 9-10 के अर्थशास्त्र के अध्यापकों के लिए पुस्तिका	28 जनवरी से 1 फरवरी 1991	रा.शैअ.प्र.प. नई दिल्ली	22
60.	कक्षा-11 के लिए समाजशास्त्र में परीक्षा मदों को अन्तिम रूप देना	3 से 7 जनवरी, 1991	क्षे.शि.म. मैसूर	12
61.	हिन्दी शिक्षण में प्रमुख व्यक्तियों के लिए मार्गदर्शन कार्यक्रम	11 से 17 मार्च 1991	राज्य शिक्षा संस्थान सिक्किम	41
62.	किशोर भारती भाग-1 के लिए अध्यापक-संदर्शिका तैयार करना	3 से 10 जनवरी, 1991	लखनऊ	10

1990-91

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
63.	अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए सामग्री तैयार करना	12 से 26 फरवरी, 1991	वाराणसी	10
64.	हिन्दी एल-2 (कक्षा 6 और 9) के लिए अनुदेशी सामग्री तैयार करना कक्षा 9 के लिए पूरक पाठ तैयार करने के लिए कार्यशाला	31 मार्च से 5 अप्रैल 1991	आगरा	25
65.	हिन्दी व्याकरण पुस्तक का एक सेट तैयार करना	6 से 9 फरवरी, 1991	रा.शैअ.प्र.प. नई दिल्ली	15
66.	विद्यार्थी हिन्दी साहित्य कोश तैयार करना।	11 से 16 फरवरी, 1991	कलकत्ता	25
67.	अरूणाचल प्रदेश के प्राथमिक हिन्दी अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	19 से 24 फरवरी, 1991	राज्य शिक्षा संस्थान चांगलंग अरूणाचल प्रदेश	26
68.	अरूणाचल प्रदेश की कक्षा 3 से 5 के लिए अंग्रेजी में पाठ्यपुस्तकें और अन्य अनुदेशी सामग्री का विकास	20 से 22 मार्च, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	13
69.	विद्यार्थी संस्कृत शब्दकोश तैयार करना	25 फरवरी से 2 मार्च, 1991	कांचीपुरम	14
70.	कक्षा 8-10 के लिए अनिवार्य संस्कृत पर पाठ्यपुस्तक तैयार करना	18 मार्च से 22 मार्च, 1991	दिल्ली	8
71.	संस्कृत शिक्षण की समस्याओं और पद्धतियों पर मार्गदर्शन कार्यक्रम	30 मार्च से 4 अप्रैल, 1991	केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, नई दिल्ली	12
72.	"रीडिंग टू लर्न" (पाण्डुलिपि को अन्तिम रूप देना)	29 से 30 मार्च, 1991	जयपुर	8
73.	बाल साहित्य के लिए 25 वीं राष्ट्रीय पुरस्कार प्रतियोगिता	अप्रैल 1990 से मार्च 1991		
74.	कक्षा-12 के लिए लागत लेखा में पाठ्यपुस्तक का विकास कक्षा-12 के लिए कार्यालय प्रशासन में पाठ्यपुस्तक तैयार करना	21 से 26 सितम्बर, 1990 (23.9.90 को छोड़कर)	रा.शैअ.प्र.प. नई दिल्ली	9

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
–	कक्षा 12 के लिए लागत लेखा और कार्यालयी प्रशासन में पाण्डुलिपि के सम्पादन और अन्तिम रूप देने के लिए बैठक		रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	5
75.	सृजनात्मक कला के विभिन्न क्षेत्रों में अनुदेशी सामग्री और अन्य संसाधनों को तैयार करना	25 से 28 मार्च, 1991 29 मार्च 1991 से 5 अप्रैल 1991	भारत भवन भोपाल और रा.शै.अ.प्र.प. परिसर	22
76.	प्राथमिक स्तर (उड़ीसा) के उर्दू अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	21 से 25 जनवरी 1991	कटक	50

राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना (एन.पी.ई.पी.)

दूसरे कार्यक्रम चक्र की समाप्ति एवं तीसरे कार्यक्रम चक्र को आरंभ करने के लिए सामान्य तौर पर जनसंख्या शिक्षा की कला की स्थिति और विशेष रूप से दूसरे कार्यक्रम चक्र के दौरान किए गए परियोजना कार्य का निर्धारण करने की अति आवश्यकता महसूस की गई। इस संदर्भ में 24 से 27 जुलाई, 1991 तक रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली में जनसंख्या शिक्षा की अवश्यकता निर्धारण पर एक संगोष्ठी-सह-कार्यशाला आयोजित की गई। आवश्यकता निर्धारण 1990 की रिपोर्ट तदनन्तर प्रकाशित करके संबंधित संस्थानों/संगठनों में परिचालित की गई।

सा.वि.मा.शि. विभाग में राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा एकक (एच.पी.ई.यू) ने 1990-91 के दौरान अनेक कार्यक्रम और कार्य आयोजित किए। ये कार्यक्रम और कार्य निम्नलिखित हैं:

1. *जनसंख्या शिक्षा पर कोर पैकेज*

एन.पी.ई.यू. ने विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों की सहायता से विभिन्न क्षेत्रों में कोर पैकेज विकसित किए, जैसे पाठ्यचर्या सामग्री, प्रशिक्षण और अनुदेशी सामग्री, मूल्यांकन और अनुसंधान, सह-पाठ्यचर्या कार्यकलाप और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया आदि। इन पैकजों को क्षेत्रीय भाषाओं में भी अनूदित किया था।

2. *जनसंख्या शिक्षा के कोर विषयों पर वीडियो कार्यक्रम*

"जनसंख्यावृद्धि और पर्यावरण" पर एक वीडियो फिल्म बनाई गई तथा "विकास की प्रक्रिया" फिल्म को पूरा किया गया।

3. *अनौपचारिक शिक्षा के लिए जनसंख्या शिक्षा*

अनौपचारिक शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए पृष्ठभूमि सामग्री तैयार करने हेतु एक राष्ट्रीय आधारित सर्वेक्षण किया गया। सर्वेक्षण रिपोर्ट पर रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में विचार-विमर्श किया गया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी की सिफारिशों के अनुवर्तन के रूप में अनौपचारिक शिक्षा क्षेत्रों में जनसंख्या शिक्षा पर गहन कार्य करने और उनके पूर्ण विस्तार के लिए प्रत्येक राज्य में 10 अनौपचारिक शिक्षा केन्द्रों को चुना गया।

1990-91

राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत सम्मिलित किए गए अन्य कार्यक्रम और कार्य इस प्रकार हैं: जनसंख्या शिक्षा पर राष्ट्रीय साधन पुस्तक का विकास, जनसंख्या शिक्षा बुलिटेन तैयार करना, नये नियुक्त परियोजना कार्मिकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, अध्यापक प्रशिक्षण महाविद्यालय, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन, जनसंख्या शिक्षा पखवाड़ा मनाना।

राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना में कार्यरत संकाय ने जनसंख्या शिक्षा से संबंधित विभिन्न यूनेस्को प्रायोजित कार्यक्रमों और कार्यकलापों में भाग लिया।

ये इस प्रकार हैं:

1. जनसंख्या शिक्षा की भावी योजना की रूपरेखा तैयार करने के लिए यूनेस्को, पी.आर.ओ.ए.पी., बैंकॉक में 21 से 28 मई, 1990 तक आयोजित क्षेत्रीय परामर्शक संगोष्ठी।
2. इस्लाबाद (पाकिस्तान) में 8 सितम्बर से 7 अक्टूबर, 1990 तक आयोजित दक्षिण एशिया उप-क्षेत्र में जनसंख्या शिक्षा में सामूहिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम।
3. काठमाण्डु, नेपाल में 3 से 7 दिसम्बर 1990 तक आयोजित विशेषज्ञ समूह बैठक।
4. विभिन्न देशों में जनसंख्या शिक्षा के कार्यान्वियन की पद्धति से भारतीय शिक्षकों को परिचित कराने हेतु वियतनाम, फिलीपीन्स और थाईलैंड में अंतर्राष्ट्रीय दौरे।

परियोजना का मूल्यांकन

अन्तर्राष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान, मुँबई द्वारा राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना का एक स्वतन्त्र मूल्यांकन अध्ययन किया गया। अध्ययन की रिपोर्ट में दी गई उपलब्धियों और सिफारिशों पर रा.शै.अ.प्र.प. ने अपनी टिप्पणियाँ दीं। 19 अप्रैल 1990 को आयोजित बैठक में इन पर विचार-विमर्श किया गया।

राज्य जनसंख्या शिक्षा प्रकोष्ठ द्वारा किए गए कार्य की प्रगति की समीक्षा राज्य शै.अ.प्र.प. मद्रास में 5 से 9 नवंबर 1990 तक हुई परियोजना प्रगति समीक्षा (पी पी आर) बैठक में और उसके बाद 15 से 19 नवंबर 1990 तक रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली, परिसर में की गई। कार्यों की प्रगीत की समीक्षा के साथ-साथ 1990-91 के कार्यों की योजना भी बनाई गई।

राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना (विद्यालय-शिक्षा और अनौपचारिक शिक्षा) की एक त्रिपक्षीय परियोजना समीक्षा बैठक (टी.पी.आर.) मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली में आयोजित की गई। इस बैठक में यू.एन.एफ.पी.ए. यूनेस्को क्षेत्रीय कार्यालय बैकाँक मा.सं.वि.मं और रा.शै.अ.प्र.प. के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

राट्रीय जनसंख्यां शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत आयोजित कार्यशालाओं, बैठकों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और संगोष्ठियों का विस्तृत विवरण तालिका 5.4 में दिया गया है।

तालिका 5.4

सा.वि.मा.शि. विभाग द्वारा राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत आयोजित कार्यशालाएं/ बैठकें/संगोष्ठियाँ/सम्मेलन/प्रशिक्षण/मार्गदर्शन कार्यक्रम

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
1.	आई.आई.पी.एस. मुंबई द्वारा एन.पी.ई.पी. की मूल्यांकन रिपार्ट पर विचार-विमर्श के लिए बैठक	19 अप्रैल, 1990	नई दिल्ली	25

1990-91

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
2.	पूरक पठन सामग्री की समीक्षा (योजना समूह बैठक)	11 मई, 1990	नई दिल्ली	8
3.	एन.पी.ई.पी. के परियोजना कार्मिकों का मार्गदर्शन	25 से 30 मई, 1990	नई दिल्ली	30
4.	आवश्यकताएं निर्धारण अध्ययन पर बैठक	24 से 27 जूलाई, 1990	नई दिल्ली	45
5.	जनसंख्या शिक्षा में नये नियुक्त कार्मिकों के लिए गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम	6 से 14 अगस्त, 1990	नई दिल्ली	28
6.	जनसंख्या शिक्षा पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता	16 अगस्त 1990	नई दिल्ली	20
7.	जनसंख्या शिक्षा पर कौर-पैकेज का विकास (अध्यापक पुस्तिका)	27 से 29 अगस्त, 1990	नई दिल्ली	6
8.	जनसंख्या शिक्षा बैठक (औपचारिक, प्रौढ़, उच्च-शिक्षा क्षेत्र)	17 सितम्बर, 1990	नई दिल्ली	10
9.	प्रशिक्षण और अनुदेशी सामग्री में कोर पैकेज का विकास	23 से 26 अक्टूबर, 1990	नई दिल्ली	6
10.	दक्षिण एशिया के देशों के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधि मण्डल के साथ बैठक	16 से 17 अक्टूबर, 1990	नई दिल्ली	6
11.	परियोजना प्रगति समीक्षा बैठक	5 से 9 नवम्बर, 1990	मद्रास	40
12.	परियोजना प्रगति समीक्षा बैठक	15 से 19 नवम्बर, 1990	नई दिल्ली	35
13.	त्रिपक्षीय परियोजना समीक्षा बैठक	27 नवम्बर, 1990	मा.सं.वि.मं. नई दिल्ली	15
14.	जनसंख्या शिक्षा में कोर पैकेज तैयार करना (सेवा-पूर्वा और सेवाकालीन)	29 नवम्बर से 1 दिसम्बर, 1990	नई दिल्ली	6
15.	ए.वी.पैकेज के निर्माण के लिए कार्यकारी समूह की बैठक	18 से 20 दिसम्बर, 1990	नई दिल्ली	8

1990-91

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
16.	जनसंख्या शिक्षा में अल्पकालीन पाठ्यक्रम पर कार्यकारी समूह की बैठक	19 से 21 दिसम्बर, 1990	नई दिल्ली	6
17.	पूरक पठन सामग्री की समीक्षा और अंतिम रूप देना	21 दिसम्बर, 1990	नई दिल्ली	5
18.	जनसंख्या शिक्षा के मालदीव के तीन सदस्यों के लिए 4 सप्ताह का एक संयोजन कार्यक्रम	10 दिसम्बर से 4 जनवरी, 1990	नई दिल्ली	3
19.	पाठ्यचर्या कार्यकलापों से संबद्ध जनसंख्या शिक्षा पर ए.वी. कार्यक्रम के निर्माण पर सलाहकार समिति की बैठक	21 जनवरी, 1991	नई दिल्ली	5
20.	जनसंख्या शिक्षा पखवाड़ा मनाने के लिए दिशानिर्देशों को तैयार करने हेतु कार्यकारी समूह की बैठक	6 से 7 फरवरी, 1990	नई दिल्ली	8

प्रकाशन :

1. अनौपचारिक शिक्षा क्षेत्र के लिए जनसंख्या शिक्षा पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी की रिपोर्ट
2. आवश्यकताएँ/निर्धारण पर रिपोर्ट 1990
3. परियोजना प्रगति समीक्षा बैठकों की रिपोर्ट
4. जनसंख्या शिक्षा पर अध्यायों का सार-संग्रह (द्वितीय खण्ड)
5. जनसंख्या शिक्षा समाचार पत्रिका

छ : विज्ञान एवं गणित की शिक्षा में सुधार

विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर विज्ञान और गणित की शिक्षा में सुधार लाना रा. शै.अ.प्र.प. का मुख्य कार्य रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान के विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग ने विज्ञान और गणित की शिक्षण सामग्री का विकास, अध्यापक प्रशिक्षण तथा विद्यालय स्तर पर गणित और विज्ञान की शिक्षा में सुधार के लिए विस्तार एवं अनुसंधान कार्य किए। विभाग राष्ट्रीय स्तर पर विद्यालयों में कम्प्यूटर साक्षरता और अध्ययन (क्लास) में सुधार के लिए "नोडल" अभिकरण के रुप में भी कार्य करता रहा।

शिक्षा के प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्तरों पर विज्ञान शिक्षण को बल प्रदान करने के लिए रा.शै.अ.प्र.प. ने विज्ञान उपकरणों के प्रोटोटाइप के विकास तथा निर्माण का एक अन्य महत्वपूर्ण कार्य किया। राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान का कर्मशाला विभाग प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यालयों के उपयोग हेतु विज्ञान उपकरणों के, डिजाइन, विकास और निर्माण के क्षेत्र में नेतृत्व करता रहा है।

विज्ञान और गणित की शिक्षण सामग्री का विकास

अंग्रेजी में विज्ञान और गणित में पाठ्यपुस्तकें तैयार करने के उपरान्त वि.ग.शि.वि. ने सहायक सामग्री के निर्माण और पाठ्यपुस्तकों के हिन्दी रुपान्तरण के कार्य पर ध्यान केन्द्रित किया। 1990-91 में वि.ग.शि.वि. ने कक्षा 6 से 12 के लिए विज्ञान और गणित में विभिन्न अनुदेशी पैकेजों और पूरक पुस्तकों के विकास के लिए कई कार्यशालाएँ और बैठकें आयोजित कीं। इन कार्यशालाओं, बैठकों में विश्वविद्यालयों के प्रोफेसरों, कक्षा अध्यापकों, अध्यापक-शिक्षकों, पाठ्यचर्या विशेषज्ञों और शैक्षिक प्रशासकों ने भाग लिया। 1990-91 में विज्ञान और गणित में विकसित की गई पाठ्यपुस्तकों और अन्य पुस्तकों को तालिका 6.1 में दर्शाया गया है। इन पुस्तकों के विकास पर आयोजित की गई कार्यशालायों/बैठकों का ब्यौरा तालिका 6.2 में दिया गया है।

तालिका 6.1

1990 – 91 में प्रकाशित की गई विज्ञान और गणित की पाठ्यपुस्तकें

क्रमांक	*पुस्तक का नाम*	*कक्षा*
1.	गणित की पाठ्यपुस्तक भाग-1 और भाग-2 (हिन्दी पाठ्यपुस्तक)	10 वीं.

1990-91

क्रमांक	पुस्तक का नाम	कक्षा
2.	गणित की पाठ्यपुस्तक भाग-1 (हिन्दी पाठ्यपुस्तक)	11 वीं.
3.	गणित की पाठ्यपुस्तक भाग-1 (हिन्दी पाठयपुस्तक)	12 वीं.
4.	जीवविज्ञान की पाठ्यपुस्तक भाग-1 (हिन्दी पाठ्यपुस्तक)	11 वीं.
5.	रसायनशास्त्र की पाठ्यपुस्तक भाग - 1 (हिन्दी पाठ्यपुस्तक)	11 वीं.
6.	गणित की प्रश्न पुस्तक	6 वीं.
7.	प्रारम्भिक गतिविज्ञान (गणित में पूरक पुस्तक)	
8.	जीव विज्ञान की पाठ्यपुस्तक भाग-2 (हिन्दी रुपान्तर प्रेस में).	11 वीं.
9.	जीव विज्ञान की पाठ्यपुस्तक भाग-1 (हिन्दी रुपान्तर प्रेस में)	12 वीं.
10.	भौतिक में पाठ्यपुस्तक भाग-1 (हिन्दी रुपान्तर)	11 वीं.
11.	भौतिक में पाठ्यपुस्तक भाग-2 (हिन्दी रुपान्तर)	11 वीं.
12.	विज्ञान पाठ्यपुस्तक (हिन्दी रुपान्तर)	11 वीं.
13.	विज्ञान पाठ्यपुस्तक (हिन्दी रुपान्तर)	10 वीं.

तालिका 6.2

वि.ग.शि.वि. द्वारा विज्ञान और गणित की शिक्षण साम्रगी तैयार करने के लिए आयोजित कार्यशालएँ/बैठकें

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
1.	उच्चतर माध्यमिक स्तर के लिए रसायन-शास्त्र में मूल्यांकन साम्रगी (परीक्षण मदें) का विकास	30 अप्रैल से 4 मई, 1990	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	12
2.	माध्यमिक स्तर (9-10) के लिए विज्ञान में अध्यापक संदर्शिका का विकास	14 से 21 मई, 1990	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	18
3.	माध्यमिक स्तर (कक्षा 10) के लिए अध्यापक संदर्शिका का विकास	20 जून से 29 जून 1990	तिरुपति (आ. प्र.)	15
4.	प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए दिशानिर्देश साम्रगी का विकास	11 से 13 जून, 1990	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	4
5.	उच्चतर माध्यमिक स्तर (कक्षा-11) के लिए गणित में अध्यापक संदर्शिका का विकास	2 से 11 जुलाई 1990	करसीयाँग, दार्जिलिंग	12
6.	शीघ्र प्रतिपुष्टि की दृष्टि से +2 स्तर के लिए भौतिक शास्त्र की समीक्षा के लिए कार्यशाला	7 से 11 जुलाई, 1990	क्षे.शि.म. मैसूर	27
7.	गणित में उच्च प्राथमिक स्तर के संसाधन व्यक्तियों के लिए सेवाकालीन प्रशिक्षण का आयोजन	9 से 12 जुलाई, 1990	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	5
8.	कक्षा-12 (अध्याय 5-15) की भौतिकशास्त्र की पाठ्यपुस्तक वाल्यूम-2 (भाग-2) के हिन्दी रुपान्तर की पांडुलिपि की समीक्षा	26 से 30 जुलाई, 1990	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	7
9.	कक्षा - 8 की विज्ञान पाठ्यपुस्तक के हिन्दी रुपान्तर की समीक्षा और उसे अन्तिम रूप देना	23 से 27 जुलाई, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	6
10.	उच्चतर माध्यमिक स्तर के लिए रसायनशास्त्र की अभ्यास पुस्तिका के विकास के लिए कार्यशाला	27 से 31 अगस्त, 1990	कलकत्ता	18

1990-91

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
11.	कक्षा-10 के लिए परीक्षण मदों का विकास	17 से 21 सितम्बर 1990	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	15
12.	माध्यमिक स्तर के लिए विज्ञान में प्रशिक्षण साम्रगी का विकास	20 से 21 अगस्त, 1990	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	14
13.	भौतिक शास्त्र में कम्पयूटर मैथमेटिकल ग्राफिंग	11 से 12 सितम्बर, 1990	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	5
14.	उच्च प्राथमिक स्तर के संसाधन व्यक्तियों के प्रशिक्षण के लिए सेवाकालीन कार्यक्रम का आयोजन (चरण-2)	17 से 21 सितम्बर 1990	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	17
15.	उच्चतर माध्यमिक स्तर के लिए रसायनशास्त्र में मूल्यांकन (परीक्षण मदों) का विकास	17 से 21 सितम्बर, 1990	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	21
16.	रसायनशास्त्र के लिए आँकड़ानुसार प्रश्न बैंक का का विकास	6 से 7 सितम्बर, 1990	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	9
17.	उच्चतर माध्यमिक स्तर पर गणित के नये महत्वपूर्ण क्षेत्रों में प्रशिक्षण सामग्रियों का विकास	17 से 21 सितम्बर, 1990	कलकत्ता	18
18.	माध्यमिक स्तर पर विज्ञान प्रयोगशाला का प्रभावी उपयोग	27 से 31 अक्टूबर, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	12
19.	माध्यमिक स्तर पर रसायन शास्त्र में संसाधन व्यक्तियों को प्रशिक्षण	1 से 8 नवम्बर, 1990	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	13
20.	उच्चतर माध्यमिक स्तर के लिए गणित में अध्यापक संदर्शिका को अन्तिम रूप देना चरण - 2 (कक्षा - 12)	17 से 22 दिसम्बर 1990	एम.एम.एम. इन्जीनियरिंग कालेज, गोरखपुर (उ. प्र.)	13
21.	कक्षा 8 के लिए विज्ञान में अभ्यास पुस्तिका के विकास पर कार्यशाला	7 से 11 जनवरी, 1991	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	14

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
22.	विद्यालयों में विज्ञान शिक्षा में सुधार	17 जनवरी, 1991	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	12
23.	माध्यमिक स्तर पर रसायन प्रयोगशाला का प्रभावी उपयोग	21 से 25 जनवरी, 1991	कानपुर (उ. प्र.)	24
24.	उच्चतर माध्यमिक स्तर के लिए गणित में प्रश्न पुस्तक का विकास	21 से 25 जनवरी, 1991	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	4
25.	माध्यमिक स्तर के लिए गणित में प्रश्न पुस्तक का विकास	24 से 29 जनवरी, 1991	पुणे	16
26.	+2 स्तर के लिए रसायन शास्त्र में संसाधन व्यक्तियों के लिए प्रशिक्षण सामग्री (मुद्रित और अमुद्रित) का विकास	28 से 30 जनवरी, 1991	रा.शै.अ.प्र. परिषद नई दिल्ली	11
27.	उच्चतर माध्यमिक स्तर के संभावित उपयोग के लिए भविष्य विज्ञान के विषयों से संबंधित पाठ्यचर्या विकास के सहयोग के लिए डिजाइनिंग/प्रशिक्षण सह-उत्पादन/दिशानिर्देश/मैनुअल	28 जनवरी से 1 फरवरी, 1991	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	27
28.	उच्चतर माध्यमिक स्तर पर रसायनशास्त्र में संसाधन व्यक्तियों का प्रशिक्षण	4 से 12 फरवरी, 1991	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	13
29.	उच्चतर माध्यमिक जीव विज्ञान पाठ्यचर्या महत्वपूर्ण क्षेत्रों का चयन और अध्यापक प्रशिक्षण की युक्तिरचना और कार्यपद्धतियों के लिए दिशानिर्देश की रुपरेखा बनाना	14 से 19 फरवरी, 1991	रा. शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	9
30.	एकलव्य, भोपाल द्वारा आयोजित होशंगाबाद विज्ञान शिक्षण कार्यक्रम के कार्यान्वयन के मूल्यांकन के लिए मूल्यांकन समिति की बैठक	2 से 6 फरवरी, 1991	भोपाल	5
31.	+2 स्तर (कक्षा-12) के लिए भौतिक शास्त्र में संवर्द्धन व मार्गदर्शन कार्यक्रम (मुख्यतः पूर्वी और उत्तरी-पूर्वी क्षेत्रों के लिए)	2 से 11 मार्च, 1991	आई.आई.टी.खड़गपुर	11

1990-91

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
32.	विज्ञान शिक्षण के लिए उच्च प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों को प्रदान की जाने वाली न्यूनतम प्रारम्भिक सुविधाओं के लिए मानदण्ड तैयार करना	11 से 15, मार्च, 1991	त्रिवेन्द्रम	17
33.	माध्यमिक स्तर के लिए गणित में संसाधन व्यक्तियों का प्रशिक्षण	18 से 22 मार्च, 1991	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	35
34.	उच्च प्राथमिक स्तर के लिए विज्ञान में सेवाकालीन अध्यापक प्रशिक्षण सामग्रियों के विकास पर कार्यशाला	18 से 22 मार्च, 1991	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	12
35.	उच्च प्राथमिक स्तर के लिए गणित में अध्यापक प्रशिक्षण सामग्री का विकास	18 से 27 मार्च, 1991	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	14
36.	मार्गदर्शन/प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रयोगार्थ +2 स्तर के लिए भौतिकशास्त्र में अनुदेशी सामग्री का विकास	19 से 25 मार्च, 1991	डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल कैलाश कालोनी नई दिल्ली	15
37.	गणित में प्रतिभावान विद्यार्थियों की पहचान और उन्हें विशेषरूप से पढ़ाने के लिए विशेष योजना	25 से 27 मार्च, 1991	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	12
38.	+2 स्तर के लिए रसायनशास्त्र पाठ्यचर्या (पाठ्यपुस्तकों सहित) का गहन अध्ययन	25 से 28 मार्च, 1991	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	26
39.	माध्यमिक स्तर (कक्षा 10) के लिए गणित में अध्यापक संदर्शिका का विकास	27 मार्च से 4 अप्रैल 1991	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	10
40.	+2 स्तर के लिए रसायनशास्त्र में प्रमुख व्यक्तियों, संसाधन व्यक्तियों के लिए प्रशिक्षण सामग्री (मुद्रित और अमुद्रित) का विकास	31 मार्च से 5 अप्रैल, 1991	गोआ	17
41.	विज्ञान में विद्यालयेतर कार्यकलाप-कर्नाटक में द्वितीय मूल्यांकन कार्यशाला	30 मार्च से 3 अप्रैल, 1991	बैंगलूर	25

अपनी सामग्रियों के विकास के अतिरिक्त, वि.ग.शि.वि. ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 1986 के अनुरुप विज्ञान और गणित शिक्षा की विषय वस्तु और प्रक्रिया में सुधार करने के लिए विभिन्न राज्यों तथा संघ शासित क्षेत्रों को अपनी विशेषज्ञता प्रदान की।

विज्ञान और गणित शिक्षा में सुधार

विज्ञान और गणित शिक्षा के सुधार कार्यक्रम के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्यकलापों के सैटों को लिया गया।

1. चारों क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों के सहयोग से वि.ग.शि.वि. ने विद्यालय में विज्ञान शिक्षा के सुधार के लिए म.सं.वि.म. की योजना के अन्तर्गत कार्य किए। 17 जनवरी, 1991 को आयोजित समीक्षा बैठक में विभिन्न परियोजनाओं का चयन किया गया और सुधार के लिए सुझाव दिए गए।

2. द्वितीय वर्ग के कार्यों के अन्तर्गत अध्यापकों और विभिन्न कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण का संचालन करना था। इस प्रयोजन के लिए वि.ग. शि.वि ने प्रशिक्षण सामग्रियों का विकास किया और विभिन्न प्रकार के कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया। प्रत्येक प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रतिभागियों द्वारा व्यक्त आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए आयोजित किए जाते हैं, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ शिक्षण साधन के प्रयोग, प्रयोगशाला संगठन, प्रयोगशाला कार्यकलाप, प्रश्न बैंक तैयार करना, विज्ञान परियोजनाओं आदि का विकास भी सम्मिलित है। वि.ग.शि.वि. द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम संबंधी सूचना तालिका 6.3 में दी गई है।

तालिका 6.3

1990-91 के दौरान वि.ग.शि.वि. के सहयोग से राज्य स्तर की संस्थाओं/अभिकरणों/विद्यालयों द्वारा विज्ञान और गणित के अध्यापकों/छात्रों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्रमांक	*कार्यक्रम का नाम*	*दिनांक*	*स्थान*
1.	माध्यमिक स्तर के गणित के अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	21 मई से 4 जून, 1990	दिल्ली के विभिन्न विद्यालयों में
2.	प्राथमिक, माध्यमिक, उच्चतर माध्यमिक स्तर के अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	2 जून से 8 जून, 1990	लारेन्स स्कूल लवडाले, तमिल नाडू
3.	उच्चतर माध्यमिक स्तर पर भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र, जीव विज्ञान और गणित में अरब देशों के भारतीय अध्यापकों के लिए सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम	20 से 28 जून, 1990	दुबई, यू.ए.ई.
4.	उच्चतर माध्यमिक स्तर पर दिल्ली के गणित के अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	24 से 28 मई, 1990	डी.आई.ई.टी राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली

1990-91

क्रमांक	कार्यक्रम का नाम	दिनांक	स्थान
5.	उच्चतर माध्यमिक स्तर पर गणित में केन्द्रीय विद्यालयों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	5 से 7 जून, 1990	केन्द्रीय विद्यालय एन्ड्रयूज गंज, नई दिल्ली
6.	उच्चतर माध्यमिक स्तर पर गणित में सैनिक विद्यालयों के अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	10 से 29 जून, 1990	सैनिक विद्यालय रींवा म.प्र.
7.	उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अरुणाचल प्रदेश के अध्यापकों के लिए गणित में प्रशिक्षण कार्यक्रम	10 से 17 जनवरी, 1991	राज्य शि.सं. चांगलंग अरूणाचल प्रदेश
8.	उच्चतर माध्यमिक स्तर पर गणित में उत्तर प्रदेश के अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	4 से 6 दिसम्बर, 1991	सरकारी विद्यालय कोटद्वार उ. प्र.
9.	माध्यमिक स्तर पर विज्ञान और गणित के औटोमिक एनर्जी केन्द्रीय विद्यालय के अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	10 से 30 मई, 1990	औटोमिक एनर्जी जूनियर कालेज, मुंबई
10.	प्राथमिक और माध्यमिक स्तर पर गणित में डी.ए.बी. अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	जुलाई, 1990	डी.ए.बी. पब्लिक स्कूल, गुडगाँवा
11.	माध्यमिक स्तर पर गणित में दिल्ली के विद्यालयों के अध्यापकों को प्रशिक्षण	21 मई से जून, 1990	राज्य शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली
12.	उच्चतर माध्यमिक स्तर पर गणित में दिल्ली के विद्यालयों के अध्यापकों का प्रशिक्षण	29 जून से 13 जुलाई, 1990	राज्य शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली
13.	माध्यमिक स्तर पर गणित में दिल्ली के अध्यापकों को प्रशिक्षण	26 दिसम्बर, 6 जनवरी, 1990	राज्य शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली
14.	उच्चतर माध्यमिक स्तर पर रसायनशास्त्र में दिल्ली के अध्यापकों को प्रशिक्षण	10 से 23 नवम्बर, 1990	राज्य शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली
15.	रसायनशास्त्र में महाविद्यालय अध्यापकों के लिए मार्ग-कार्यक्रम	27-28 अप्रैल, 1990 8 जून, 1990 7 सितम्बर, 1990 और 25 मार्च, 1990	आर. डी. विश्वविद्यालय

क्रमांक	कार्यक्रम का नाम	दिनांक	स्थान
16.	ए.एस.सी. केरल विश्वविद्यालय द्वारा महाविद्यालयों के अध्यापकों के लिए आयोजित प्रशिक्षण और पुनश्चर्या कार्यक्रम	1-2 फरवरी, 1991	केरल विश्वविद्यालय
17.	माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तर पर रसायन शास्त्र में प्रमुख व्यक्तियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	1-8 नवम्बर, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली

शिक्षा में कम्प्यूटर

वर्ष 1990-91 के दौरान वि.ग.शि.वि. के कम्प्यूटर संसाधन केन्द्र का एक महत्वपूर्ण कार्य कम्प्यूटर साक्षरता और विद्यालय अध्ययन (क्लास) परियोजना कार्यक्रम के अन्तर्गत कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर पैकेज तैयार करना तथा कम्प्यूटर के उपयोग के लिए अध्यापकों को प्रशिक्षण देना था। संसाधक केन्द्र ने विभिन्न विद्यायों विषयों में कम्पूटर के प्रभाव को प्रदर्शित करने के लिए अनेक विकास कार्यक्रमों को आरम्भ किया। वर्ष 1990-91 में केन्द्र ने विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों और महत्वपूर्ण कार्यकलापों का आयोजन किया इन्हें तालिका 6.4 में सूचीबद्ध किया है।

तालिका 6.4

वि.ग.शि.वि. द्वारा कम्पयूटर में शिक्षा के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का विवरण

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	दिनांक	स्थान
1.	नये संसाधन केन्द्रों के प्रमुख व्यक्तियों एवं विकलांगो के संस्थानों के अध्यापकों के लिए दो सप्ताह का अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम	21 मई से 3 जून, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली
2.	क्लास परियोजना के अन्तर्गत दिल्ली के अध्यापकों के लिए तीन-सप्ताह का अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम	11 जून से 3 जुलाई, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली
3.	दिल्ली और राज्य शै.अ.प्र.प. के कार्मिकों द्वारा क्लास परियोजना के अन्तर्गत अध्यापकों के लिए तीन-सप्ताह का अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम	6 से 31 अगस्त, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली
4.	क्लास परियोजना के अन्तर्गत दिल्ली के अध्यापकों और बाहरी अध्यापकों के लिए उच्चस्तर का अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम	24 सितम्बर से 12 अक्तूबर, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली

1990-91

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	दिनांक	स्थान
5.	विद्यालयों में जीव-विज्ञान और जीव-प्रौद्योगिकी शिक्षण में कम्प्यूटर के प्रयोग पर दो प्रशिक्षण कार्यक्रम	18 दिसम्बर से 1 जनवरी और 3 जनवरी से 17 जनवरी, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली
6.	भोतिक शास्त्र में कम्प्यूटर गणितीय आलेख	11 से 12 सितम्बर, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली
7.	रसायनविज्ञान में प्रश्नकोष ड्डुटाडिस्क को अन्तिम रूप देने के लिए कार्यशाला	6 से 7 सितम्बर, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली
8.	विद्यालय विज्ञान प्रयोगशालाओं के लिए बी.बी.सी. माइकों पर प्रोटोटाइप इंटरफेसेज का विकास	14 से 17 जनवरी, 1990	रा.शै.अ.प्र. परिषद नई दिल्ली
9.	+स्तर पर गणित के पाठ्य विवरणों में परिकलन के लिए पूरक सामग्री का विकास	18 से 22 मार्च, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली
10.	माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तर पर रसायन विज्ञान से संबद्ध मार्च विषयों के प्रभावशाली शिक्षा के लिए सॉफ्टवेयर की रुपरेखा पर समीक्षा कार्यशाला	11 से 15 मार्च, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली
11.	कम्प्यूटर द्वारा महत्तम समापवर्तक और लघुत्तम समापवर्तक सीखना कार्यक्रम पर सॉफ्टवेयर का रुप तैयार करने के लिए समीक्षा कार्यशाला	20 से 22 मार्च, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली
12.	भोजन और पोषण आवश्यकताओं पर सूक्ष्म आँकड़ा आधार का विकास	21 से 22 मार्च, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली

राज्य स्तर पर विज्ञान प्रदर्शनी

वि.ग.शि.वि. सभी राज्यों और संघशासित क्षेत्रों में हर वर्ष राज्य स्तर पर विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन करने के लिए शैक्षणिक मार्गदर्शन और वित्तीय सहायता प्रदान करता है। 1990-91 में राज्य स्तर पर विज्ञान प्रदर्शनी के लिए 28 राज्यों/सं.शा.क्षे. को 7.685 लाख रुपये की राशि दी गई।

1990-91 के लिए राज्य स्तर पर विज्ञान प्रदर्शनी का मुख्य विषय "विज्ञान और गाँव" था।। राज्य स्तर पर विज्ञान प्रदर्शनी के छः उप-विषय थे। (1) भोजन उत्पादन (2) देशी प्रौद्योगिकी और कुटीर उद्योग (3) स्वास्थ्य, पोषण और सफाई (4) पर्यावरणीय प्रबन्ध (5) परिवहन और संचार तथा (6) नवाचार शिक्षण साधन। वि.ग.शि.वि. ने प्रत्येक प्रदर्शित वस्तु का उप-विषय क्षेत्र एवं उसके प्रकार के सुझाव का औचित्य बताते हुए जिन्हें विद्यार्थी विकसित कर सकते हैं, एक विस्तृत आलेख तैयार किया और विद्यार्थियों को दिया।

राष्ट्रीय बाल विज्ञान प्रदर्शनी

परिषद् ने बिहार सरकार के सहयोग से 13 से 21 दिसम्बर, 1990 तक गाँधी। मैदान पटना में 19 वीं. नेहरु बाल विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित की। भारत के राष्ट्रपति ने इस प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

प्रदर्शनी का मूल विषय "नेहरु और विज्ञान" था। इस प्रदर्शनी में छः उप-विषयों (1) कृषि (2) ऊर्जा (3) भोजन, स्वास्थ्य और पोषण (4) विज्ञान, प्रौद्योगिकी और उद्योग (5) परिवहन और संचार और (6) शिक्षण साधन और नवाचार पर 30 राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों, नवोदय विद्यालयों और स्थानीय विद्यालयों के 135 विद्यालयों से 147 प्रदर्शों को चयनित किया गया और प्रदर्शित किया गया। वि.ग.शि.वि. के कुछ अन्य कार्यक्रमों और कायकलापों के संबंध में संक्षिप्त सूचना नीचे दी गई है।

— वि.ग.शि.वि. के संकाय ने राज्य सरकारों, विश्वविद्यालयों और भारत सरकार के अन्य विभागों द्वारा आयोजित कुछ अन्य कार्यक्रमों में भाग लिया। संकाय ने कुछ राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों में भी सक्रिय रुप से भाग लिया जैसे भारतीय विज्ञान काँग्रेस और गणित शिक्षा में सुधार के लिए भारत-रुस समिति। कुछ संकाय सदस्यों को शैक्षिक स्टॉफ महाविद्यालयों, विज्ञान शिक्षा केन्द्रों और विभिन्न विश्वविद्यालयों में व्याख्यान के लिए निमन्त्रित किया गया। वि.ग.शि.वि. जीव-प्रौद्योगिकी विभाग, नवोदय विद्यालयों, केन्द्रीय विद्यालयों और क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों के सहयोग से जीव-प्रौद्योगिकी शिक्षण पर दो प्रयोगात्मक परियोजनाएँ चला रहा है।

— वि.ग.शि.वि. ने दो यूनेस्को प्रायोजित कार्यक्रमों को आयोजित करने की जिम्मेवारी ली।

— वि.ग.शि.वि. ने कुछ अन्य राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों में भी भाग लिया।

विज्ञान उपकरणों का विकास और निर्माण

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् ने विज्ञान उपकरणों के प्रोटोटाइप के डिजाइन बनाने, विकास और उत्पादन तथा विद्यालयों में विज्ञान अध्ययन-अध्यापन को सुदृढ बनाने संबंधी अपने कार्यकलापों को जारी रखा। रा.शि.सं. का कर्मशाला विभाग विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न स्तरों के लिए विज्ञान किट् और उपकरण के नमूने बनाने और विकास संबंधी कार्य में लगा रहा। विभाग 1986 से भारतीय - जर्मन परियोजना "मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में विज्ञान शिक्षा में सुधार" के कार्यान्वयन में रत है। इस परियोजना के अन्तर्गत एक नई प्राथमिक किट संशोधित सुधारों, गुणवत्ता, टिकाऊ और मदों के बहुप्रयोगों सहित विकसित की गई। विज्ञान किटों के निर्माण की क्षमताओं को विकसित करने के लिए कर्मशाला विभाग विज्ञान किट् निर्माणशाला इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश) और विज्ञान किट कर्मशाला भोपाल (मध्य प्रदेश) को विशेषज्ञ तकनीकी सहायता प्रदान करता रहा।

1990-91 में कर्मशाला विभाग ने मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के प्रमुख संसाधन व्यक्तियों, संसाधन व्यक्तियों और प्राथमिक विद्यालय अध्यापकों के लिए पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। ये राज्य भारत जर्मन परियोजना के कार्यान्वियन से जुड़े हुए हैं। इन पुनश्चर्या कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य इन कार्मिकों को कार्य आधारित प्राथमिक विज्ञान किट के विभिन्न मदों को इस्तेमाल करने के प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करना था। जिसमें कक्षा 3, 4 तथा 5 के लिए पर्यावरण अध्ययन (विज्ञान) की अध्यापक पुस्तिका, प्राथमिक विज्ञान किट का मैनुअल एवं प्राथमिक स्तर पर पर्यावरण अध्ययन, विज्ञान के पठन-पाठन में प्रशिक्षु-केन्द्रित, कार्य आधारित एवं पर्यावरणीय तथा समस्या समाधान परक दृष्टि प्रदान करने के लिए 70 चार्ट कार्डो का सेट भी शामिल है। इन पुनश्चर्या कार्यक्रमों में प्रतिभागियों को किट की कुछ मदों में संशोधित करने संबंधी अपने विचार प्रदान करने का भी अवसर मिला।

कर्मशाला विभाग द्वारा तैयार की गई प्राथमिक विज्ञान किट्

1990-91

और टूल किट् केन्द्र प्रायोजित आपरेशन ब्लैक बोर्ड योजना के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालयों को प्रदान की जाने वाली अनिवार्य सुविधाओं का अंग है। रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा विकसित समाकलित विज्ञान किट् केन्द्र द्वारा प्रायोजित "उच्च प्राथमिक विद्यालयों में विज्ञान शिक्षा का सुधार" योजना के अन्तर्गत उच्च प्राथमिक विद्यालयों को दी जाने वाली सामग्री के पैकेज का महत्वपूर्ण अंग है।

इस वर्ष 2, 151 प्राथमिक विज्ञान किट् 209 समाकलित विज्ञान किट् और 253 मिनी टूल किटों का निर्माण किया गया और राज्यों को भेजा गया। इसके अतिरिक्त, आपरेशन ब्लैक बोर्ड की किटों के 9 सैट, प्रत्येक में प्राथमिक विज्ञान किट् मिनी टूल किट् और गणित किट् हैं, दिल्ली, असम, आन्ध्र-प्रदेश, उत्तर प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, मध्य-प्रदेश, तमिल नाडू और अरुणाचल प्रदेश के डी.आई.ईटी. को भेजे गए।

कर्मशाला विभाग ने कुछ विशेष किटों के नमूने बनाने और विकसित करने का कार्य आरम्भ किया है, जैसे माध्यमिक स्तर पर रसायनशास्त्र में मौलिक्यूलर किट और भौतिक शास्त्र में ऑपटिकल किट तथा +2 स्तर पर बेसिक इलैक्ट्रॉनिक सर्किट। 1990-91 में विभाग ने रा.शि.सं. के अन्य विभागों के सहयोग से विशेष शिक्षा के लिए उपकरण और +2 स्तर पर भौतिकशास्त्र में कम लागत के नवीनतम उपकरणों के नमूने बनाने और विकसित करने का कार्य किया।

"प्रदर्शनी के माध्यम से विज्ञान और प्रौद्योगिकी शिक्षा पुस्तक के प्रारूप को अन्तिम रुप दिया गया। कर्मशाला विभाग ने विश्वभर के कम लागत के उपकरणों पर किए गए कार्य की रिपोर्ट को प्राप्त करके अपने प्रलेखन कार्य को बढ़ाया। 6 आई.टी.आई. शिक्षार्थियों और एक उपाधिधारक को विभिन्न व्यापारों में प्रशिक्षित किया गया।

वर्ष 1990-91 में कर्मशाला विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं बैठकों पुनश्चर्या प्रशिक्षण और मार्गदर्शन कार्यक्रमों का विस्तृत विवरण तालिका 6.5 में दिया गया है।

तालिका 6.5

1990-91 में कर्मशाला विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाएं/बैठकें/प्रशिक्षण/मार्गदर्शन कार्यक्रम

क्रम. सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
1.	प्राथमिक विज्ञान किट् और चार्ट कार्डों के मैनुअल का संशोधन	4 से 7 जून 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	10
2.	भारत जर्मन परियोजना के कार्यान्वियन के संबंध में उ. प्र. के शिक्षा सचिवों के साथ बैठक	25 से 26 जुलाई, 1990	लखनऊ	5
3.	भारत-जर्मन परियोजना पर एस.के.डबल्यू. भोपाल के अधिकारियों और मध्य प्रदेश के शिक्षा सचिवों के साथ बैठक	20 से 21 अगस्त, 1990	भोपाल	6
4.	भारत-जर्मन परियोजना के अन्तर्गत उ.प्र. के शीर्षस्थ व्यक्तियों का पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम	28 से 30 अगस्त, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	13

क्रम. सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
5.	भारत-जर्मन परियोजना के अन्तर्गत उ.प्र. के शीर्षस्थ व्यक्तियों और संसाधन व्यक्तियों का पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम	4 से 6 सितम्बर, 1990	एस.आई.एस.ई. इलाहाबाद	शीर्षस्थ = 11 संसाधन = 27
6.	भारत-जर्मन परियोजना के अन्तर्गत उ.प्र. के प्राथमिक विद्यालय अध्यापकों का पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम	17 से 22 सितम्बर, 1990 8 से 13 अक्टूबर, 1990	एस.आई.एस.ई. इलाहाबाद सी.पी. आई. सामान्य विद्यालय शिवकूटी, और फतेहपुर	शीर्षस्थ = 11 संसाधन = 21 अध्यापक = 21
7.	भारत-जर्मन परियोजना पर श्री रीनाल्ट विटलर (तनजानिया गणराज्य) की निदेशक, मा.सं.वि.म. और निदेशक, रा.शै.अ.प्र. प. के साथ बैठक	20 से 21 सितम्बर, 1990	मा.सं.वि.म.	4 प्रत्येक
8.	भारत-जर्मन परियोजना के अन्तर्गत म.प्र. और उ.प्र. के शीर्षस्थ व्यक्तियों और संसाधन व्यक्तियों को पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम	12 से 16 नवम्बर 1990	राजकीय सुभाष उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शिवाजी नगर, भोपाल	26
9.	भारत-जर्मन परियोजना के अन्तर्गत म.प्र. के प्राथमिक विद्यालय अध्यापकों का पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम	3 से 8 दिसम्बर, 1990	राजकीय सुभाष उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शिवाजी नगर, भोपाल	
10.	रा.शि.सं. के विभागों के साथ सहयोगात्मक विकास के लिए बैठक	27 फरवरी, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	

1990-91

सात

शिक्षा का व्यावसायीकरण

विद्यालय शिक्षा के सभी स्तरों पर कार्य शिक्षा में सुधार करना रा.शै.अ.प्र.प. का मुख्य कार्य रहा है। रा.शि.सं. के शिक्षा व्यावसायीकरण विभाग का एक महत्वपूर्ण कार्य उच्चतर माध्यमिक शिक्षा के व्यावसायीकरण से संबद्ध कार्यक्रमों और कार्यकलापों का विकास और कार्यान्वयन करना है। शि.व्या.वि. सामान्य शिक्षा के एक अभिन्न अंग के रूप में कार्य अनुभव कार्यक्रम के माध्यम से देश के कार्य शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने के कार्य में भी लगा हुआ है।

उच्चतर माध्यमिक स्तर पर शिक्षा का व्यावसायीकरण

शिक्षा, व्यावसायीकरण विभाग ने माध्यमिक शिक्षा के व्यावसायीकरण की केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजना के प्रभावी कार्यान्वियन को सरल बनाने के लिए अनेक कार्यक्रम और कार्य किए। इन कार्यों को शिक्षा के व्यावसायीकरण से संबंधित कार्यों में लगे हुए व्यावसायिक, निजी, स्वैच्छिक और प्रशिक्षण संस्थानों सहित विभिन्न अभिकरणों के सहयोग से क्रियान्वित किया गया। वर्ष के दौरान शि.व्या.वि. द्वारा किए गए कुछ महत्वपूर्ण कार्यकलाप इस प्रकार हैं— पाठ्यचर्या, अनुदेशी सामग्री, दिशानिर्देशों का विकास,+2 स्तर पर व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रमों के कार्यान्वियन में सेवारत व्यावसायिक अध्यापक शिक्षकों, समन्वयकों और कार्मिकों को प्रशिक्षण देना, राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों के स्तर के अभिकरणों और संस्थानों के सहयोग से शिक्षा व्यावसायीकरण संबंधी कार्यकलापों के विस्तार और प्रचार-प्रसार संबंधी कार्यकलापों का आयोजन करना, केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजना के कार्यान्वियन संबंधी अध्ययन, सेवा-पूर्व व्यावसायिक अध्यापक-प्रशिक्षण को आगे बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर संगोष्ठियों और बैठकों का आयोजन करना और उच्चतर माध्यमिक स्तर के व्यावसायीकरण कार्यक्रम की रूपरेखा बनाना और कार्यान्वियन करना।

पाठ्यचर्याओं और अनुदेशी सामग्री का विकास

शि.व्या.वि. ने वर्ष 1990-91 में विपणन, बागवानी, रेशम उत्पादन, अन्तर्देशीय मछली-पालन, वैद्युत मोटर मरम्मत और देखभाल, इलैक्ट्रॉनिकी के क्षेत्रों में तथा आशुलिपि में नमूना प्रश्न-पत्र पर आठ कार्यशालाएं आयोजित कीं।

विभाग ने कृषि और ग्रामीण आधारित पाठ्यक्रमों (1) कृषि आधारित खाद्य उद्योग (पशु आधारित) (2) कृषि आधारित खाद्य उद्योग (फसल आधारित) (3) कृषि आधारित खाद्य उद्योग (चारा आधारित), (4) भेड़-बकरी पालन (5) उपज के बाद की प्रौद्योगिकी

(6) पुष्पोत्पादन, (बागवानी) और मक्खी पालन (7) दवाई और सुगन्धि बनाने वाले संयंत्र उद्योग (8) सब्जी-बीज उत्पादन (9) मछली बीज उत्पादन (10) मछली पकड़ने की प्रौद्योगिकी (11) पशु चिकित्सा भेषज एवं कृत्रिम गर्भाधान सहायक (12) ग्रामीण निर्माण प्रौद्योगिकी (13) पॉवर ड्राइवन फार्म, मशीन की मरम्मत और देखभाल पर दो कार्यशालाएं आयोजित कीं।

इसके अतिरिक्त, शि.व्याव. वि. ने कथक, तबला और हिन्दी आशुलिपि में सक्षमता आधारित पाठ्यचर्या के विकास और स्वास्थ्य एवं पैरा-चिकित्सा पाठ्यचर्या के संशोधन एवं पुनर्गठन के लिए भी कार्यशालाएँ आयोजित कीं।

रिपोर्ट की अवधि के दौरान पाठ्यचर्या और अनुदेशी सामग्रियों के विकास के लिए आयोजित कार्यशालाएँ/बैठकों के विवरण तालिका 7.1 में दिए गए हैं।

तालिका 7.1

व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की पाठ्यचर्याओं के विकास और संशोधन के लिए शि.व्या.वि. द्वारा 1990-91 में आयोजित कार्यशालाएं

क्रमांक	कार्यक्रमों के शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
1.	विपणन के क्षेत्र में पाठ्यपुस्तक का विकास	16 से 21मई 1990	हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला	11
2.	बागवानी व्यावसायिक पाठ्यक्रम पर दो संदर्भ पुस्तकों का विकास	प्रथम चरण 12 से 17 जून 1990 द्वितीय चरण 20 से 22 जून,1990	एन.ए.ए.आर.एम. हैदराबाद	12 2
3.	रेशम उत्पादन पर संदर्भ पुस्तक का विकास	5 से 10 जुलाई, 1990	कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय जी. के. वी. के. बेंगलूर-560065	12
4.	अन्तर्देशीय मछली पालन पर पुस्तक विकसित करने के लिए व्यावसायिक अध्यापकों/विद्यार्थियों के लिए कार्यशाला	23 से 28 जुलाई, 1990	केन्द्रीय मछली पालन संस्थान मुंबई	12

1990-91

क्रमांक	कार्यक्रमों के शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
5.	कक्षा 12 के लिए आशुलिपि नमूना प्रश्न-पत्र बनाने के लिए कार्यशाला	6 से 10 अगस्त, 1990	एम.ई.एस. उच्चतर माध्यमिक विद्यालय वास्कोडिगामा गोआ-403802	12
6.	वैद्युत मोटर की मरम्मत, रखरखाव और रिवाइंडिंग के लिए अनुदेशी एवं प्रयोगात्मक मैनुअल (3) के विकास के लिए कार्यशाला (कक्षा-12)	21 से 27 अगस्त, 1990	अभियान्त्रिकी और ग्रामीण प्रौद्योगिकी संस्थान 26, चथम लाइन्स (प्रयाग) इलाहाबाद, उ.प्र.	17
7.	व्यावसायिक विद्यार्थियों के लिए इलैक्ट्रॉनिकी पर प्रयोगात्मक मैनुअल का विकास चरण-1	3 से 7 सितंबर, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	5
8.	+2 स्तर के व्यावसायिक विद्यार्थियों के लिए) इलैक्ट्रानिकी पर प्रयोगात्मक मैनुअल का विकास चरण-2	7 से 11जनवरी, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	7
9.	शास्त्रीय नृत्य-कथक (10+2 कक्षाओं के लिए) में न्यूनतम सक्षमता आधारित पाठ्यचर्या	27 से 31 अगस्त, 1990	कथक और नृत्यकला संस्थान नाट्य संस्थान गांधीनगर बेंगूलर-560009	10
10.	शास्त्रीय नृत्य कथक में न्यूनतम सक्षमता आधारित पाठ्यचर्या (10+2 कक्षाओं के लिए) चरण-2	23 से 26 अक्तूबर, 1990	कथक केन्द्र नई दिल्ली	5
11.	शिक्षा व्यावसायीकरण पर कृषि आधारित पाठ्यक्रमों के विकास पर कार्यशाला चरण-1	10 से 14 दिसम्बर, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	18
12.	अनुदेशी संगीत— "तबला" पर न्यूनतम सक्षमता आधारित पाठ्यचर्या का विकास चरण-2	17 से 21 दिसम्बर, 1990	विद्या-भवन विश्वभारती शान्ति निकेतन पश्चिम बंगाल	10

1990-91

क्रमांक	कार्यक्रमों के शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
13.	शिक्षा व्यावसायीकरण पर 12 कृषि आधारित पाठ्यक्रमों के विकास के लिए कार्यशाला	7 से 11 जनवरी, 1991	औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान औंधा, पुणे	32
14.	व्यावसायिक पाठ्यक्रम-हिन्दी आशुलिपि के लिए सक्षमता आधारित पाठ्यचर्या की रूपरेखा बनाना	4 से 8 फरवरी, 1991	राज्य शै.अ.प्र.पंत उदयपुर, राजस्थान	10
15.	अनुदेशी संगीत-तबला पर न्यूनतम सक्षमता आधारित पाठ्यचर्या का विकास चरण-2	11 से 13 फरवरी, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	8
16.	स्वास्थ्य और परा चिकित्सा पाठ्यचर्या का संशोधन और पुनर्गठन के लिए कार्यशाला	14 से 19 फरवरी, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	17

यह विभाग राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों से शीर्षस्थ व्यक्तियों के लिए उच्चतर माध्यमिक स्तर के व्यावसायीकरण पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करता आ रहा है। इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों (राज्य के अधिकारियों/प्रधानाचार्यों/शिक्षा अधिकारियों) को शिक्षा व्यावसायीकरण संबंधी जानकारी देना और माध्यमिक शिक्षा के व्यावसायीकरण की केन्द्र द्वारा प्रायोजन योजना का प्रभावी कार्यान्वयन करना है।

शि. व्या. वि. द्वारा 1990-91 में आयोजित मार्गदर्शन कार्यक्रम निम्नलिखित है :

– शिक्षा व्यावसायीकरण पर चार सामान्य मार्गदर्शन कार्यक्रम
– अनुदेशी सामग्री के विशेषज्ञ-लेखकों के लिए दो मार्गदर्शन कार्यक्रम
– राज्य स्तर के शीर्ष कार्यकर्ताओं के लिए शिक्षा व्यावसायीकरण में अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम
– व्यावसायिक अध्यापकों के लिए सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने हेतु समन्वयकों के लिए एक मार्गदर्शन कार्यक्रम

1990-91 में आयोजित मार्गदर्शन कार्यक्रमों के विवरण तालिका 7.2 मे दिए गए हैं।

तालिका 7.2

1990-91 में शि.व्या.वि. द्वारा आयोजित/प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्रमांक	कार्यक्रमों के शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
1.	शिक्षा व्यावसायीकरण में राज्य अधिकारियों/प्रधानाचार्यों/ शिक्षा अधिकारियों और अन्य के लिए मार्गदर्शन कार्यक्रम	8 से 11 जनवरी, 1991	त्रिचूर, केरल	42
2.	शिक्षा व्यावसायीकरण में राज्य अधिकारियों/प्रधानाचार्यों/ शिक्षा अधिकारियों और अन्य के लिए मार्गदर्शन कार्यक्रम	28 से 31जनवरी, 1991	शिक्षा निदेशालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश	50
3.	शिक्षा व्यावसायीकरण में राज्य अधिकारियों/प्रधानाचार्यों/ शिक्षा अधिकारियों और अन्य के लिए मार्गदर्शन कार्यक्रम	12 से 15 फरवरी, 1991	इन्टरमीडियट शिक्षा बोर्ड विद्या भवानी नामपल्ली हैदराबाद	39
4.	शिक्षा व्यावसायीकरण में राज्य अधिकारियों/प्रधानाचार्यों/ शिक्षा अधिकारियों और अन्य के लिए मार्गदर्शन कार्यक्रम	4 से 7 मार्च, 1991	औद्योगिक प्रशिक्षण औंधा पुणे संस्थान,	48
5.	व्यावसायीकरण पाठ्यक्रमों के लिए अनुदेशी सामग्री के विकास में विषय-विशेषज्ञों के लिए अभिविन्यास कार्यशाला	17 से 21 दिसम्बर, 1990	क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, मैसूर	24
6.	व्यावसायीकरण पाठ्यक्रमों के लिए अनुदेशी सामग्री के विकास में विषय-विशेषज्ञों के लिए अभिविन्यास कार्यशाला	4 से 8 फरवरी, 1990	क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय भुवनेश्वर	27
7.	शिक्षा व्यावसायीकरण में राज्य स्तर के प्रमुख व्यक्तियों के लिए अल्पकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	27 नवम्बर से 17 दिसम्बर, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	24
8.	शिक्षा व्यावसायीकरण में राज्य स्तर के प्रमुख व्यक्तियों के लिए अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम	13 से 27 फरवरी, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	17
9.	व्यावसायिक अध्यापकों के लिए सेवाकालीन प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए समन्वयकों को प्रशिक्षण	5 से 8 मार्च, 1991	इलाहाबाद उत्तर प्रदेश	38

1990-91

बैठकें और संगोष्ठियाँ

रा. शै. अ. प्र. प. की 25वीं वार्षिक बैठक की महासभा की बैठक में सुझाव दिया गया कि विशेषज्ञों के दो पैनल तैयार किए जाएं, एक उच्चतर माध्यमिक स्तर पर शिक्षा के व्यावसायीकरण के कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वियन के लिए कार्य-नीतियाँ तैयार करने के लिए तथा दूसरा चरित्र निर्माण और मूल्यों को हृदयग्राही करने तथा विद्यालय स्तर पर कार्यानुभव के पाठ्यचर्या क्षेत्र के एक अभिन्न अंग के रूप में समाज आधारित सेवा कार्यक्रम के कार्यान्वियन हेतु कार्यक्रमों की देखभाल करने के लिए।

परिषद् की महासभा की सिफारिशों के आधार पर प्रो. वी. सी. कुलन्दास्वामी (उप-कुलपति, इन्दिरागांधी मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली) की अध्यक्षता में 15 प्रमुख शिक्षाविदों का शिक्षा व्यावसायीकरण का एक पैनल बनाया गया। शि. व्या. वि. ने शिक्षा के व्यावसायीकरण के लिए कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वियन करने के लिए कार्यनीतियाँ तैयार करने के लिए पैनल की बैठकों का आयोजन किया। देश में व्यावसायिक शिक्षा में सेवारत अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण आरम्भ करने के लिए एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का भी आयोजन किया। इन बैठकों और संगोष्ठियों के विवरण तालिका 7.3 में दिये गए हैं।

तालिका 7.3

1990-91 में शि. व्या. वि. द्वारा आयोजित बैठकें/संगोष्ठियाँ

क्रमांक	कार्यक्रमों के शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
1.	शिक्षा व्यावसायीकरण में कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वियन के लिए कार्यनीति तैयार करने हेतु पैनल की दूसरी बैठक	5 जून, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	11
2.	शिक्षा व्यावसायीकरण के पैनल द्वारा शिक्षा व्यावसायीकरण के सुझावों पर पर विभिन्न विषय प्रलेखन तैयार करने के लिए का कार्यशाला	16 से 18 जुलाई, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	8
3.	देश में सेवा-पूर्व व्यावसायिक अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण आरम्भ करने के लिए राष्ट्रीय संगोष्ठी	28 से 30 अगस्त, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	21
4.	शिक्षा व्यावसायीकरण के कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वियन के लिए कार्यनीति तैयार करने के लिए पैनल की तीसरी बैठक	3 सितम्बर, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	11

1990-91

कार्यानुभव

रा.शै.अ.प्र.प की 25वीं महासभा (उपरोक्त) की सिफारिशों पर परिषद् के चरित्र निर्माण, मूल्यों को हृदयग्राही बनाने और समाज सेवाओं के लिए विद्यालय स्तर पर कार्यानुभव कार्यक्रम की संरचना तैयार करने के लिए 15 विशेषज्ञों का एक अन्य पैनल बनाया। विशेषज्ञों के इस पैनल की बैठक में विद्यालयों में कार्यानुभव के कार्यान्वियन के लिए कुछ महत्वपूर्ण सिफारिशें की गई।

शि. व्या. वि. द्वारा आयोजित कुछ अन्य कार्यक्रम निम्नलिखित हैं:

- नवोदय विद्यालय के शीर्ष व्यक्तियों के लिए मार्गदर्शन कार्यक्रम
- कार्यानुभव पर नमूना पठन-पाठन योजना तैयार करने के लिए कार्यशाला

1990-91 में शि.व्या. वि. द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की विवरण तालिका 7.4 में दिया गया है।

तालिका 7.4

1990-91 में शि. व्या. वि. द्वारा कार्यानुभव के कार्यक्रम

क्रमांक	कार्यक्रमों के शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
1.	कार्यानुभव पर विशेषज्ञों के पैनल की पहली बैठक	23 अप्रैल, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	12
2.	कार्यानुभव में नवोदय विद्यालय के शीर्ष व्यक्तियों के लिए मार्गदर्शन कार्यक्रम	18 से 22 जून, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	53
3.	कार्यानुभव पर नमूना पठन-पाठन योजना का विकास	10 से 14 सितम्बर, 1990	क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, अजमेर	20
4.	कार्यानुभव के क्षेत्र में स्वैच्छिक संगठनों के सहयोग से किए गए कार्य का मूल्यांकन अध्ययन	13 से 17 नवम्बर, 1990	मदुराय	21
5.	कार्यानुभव में शीर्ष व्यक्तियों के लिए मार्गदर्शन कार्यक्रम	22 से 25 जनवरी, 1990	शिक्षा निदेशालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश	45

परामर्श सेवाएं

देश में शिक्षा व्यावसायीकरण और कार्यानुभव को मज़बूत करने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों में शि.व्या.वि. के पास उपलब्ध विशेषज्ञता का उपयोग के.शै.मा.बो. खुला विद्यालय, नवोदय विद्यालय, स्वैच्छिक संगठनों आदि द्वारा अक्सर किया जाता है। इनमें कुछ इस प्रकार हैं :

— जिला व्यावसायिक सर्वेक्षण आयोजित करने के लिए राज्य शै.अ.प्र.प. राजस्थान, उदयपुर, शिक्षा निदेशालय,उत्तर प्रदेश को मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

— रेलवे व्यावसायिक पाठ्यक्रम की पाठ्यचर्या के विकास में रेल मंत्रालय और के. मा. शि.बो. को सहायता प्रदान की तथा सामान्य आधार पाठ्यक्रम (कक्षा-12) और रेलवे व्यावसायिक पाठ्यक्रम (कक्षा-12) की पाठ्यपुस्तकों के विकास संबंधी कार्य में सहयोग दिया।

— सी.ई.ई.आर.आई. पिलानी, राजस्थान द्वारा संचालित प्रौढ़ साक्षरता और व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के मूल्यांकन में राष्ट्रीय साक्षरता मिशन की सहायता की और इसके संबंध में रिपोर्ट प्रस्तुत की।

— व्यावसायिक कार्यक्रमों के मूल्यांकन और ग्रामीण औद्योगीकरण संघ (एस.आई.आई.) राँची द्वारा प्राप्त वित्तीय सहायता के उपयोग के मूल्यांकन में मा.सं.वि.मं. को सहयोग दिया और रिपोर्ट प्रस्तुत की।

मूल्यांकन अध्ययन

शि.व्या.वि. पहले से ही कई राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों द्वारा आरम्भ किए जा रहे शिक्षा व्यावसायीकरण कार्यक्रमों की संख्या और त्रुटियों का पता लगाने के लिए तत्काल-अध्ययन का कार्य कर रहा है। इस कार्यकलाप के क्रम में विभाग ने माध्यमिक शिक्षा के व्यावसायीकरण की केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजना के कार्यान्वियन का महाराष्ट्र राज्य में 13 नवम्बर से 3 दिसम्बर, 1990 और कर्नाटक राज्य में 3 से 9 दिसम्बर, 1990 तक तत्काल गहन अध्ययन किया।

विभाग ने 1990-91 में उड़ीसा और तमिलनाडु राज्यों में केन्द्र द्वारा प्रायोजित माध्यमिक शिक्षा के व्यावसायीकरण योजना के कार्यान्वियन में तुरन्त मूल्यांकन भी किया।

शि.व्या.वि. ने पहले राजस्थान,उत्तर-प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, गोआ, गुजरात, हरियाणा राज्यों और दिल्ली संघ शासित क्षेत्र में किए गए तुरन्त मूल्यांकन की रिपोर्ट को प्रकाशित करवाया। इस रिपोर्ट को संबंधित सरकारों, योजना आयोग और मा.स.वि.म. के विभागों को उनके अवलोकन तथा शिक्षा व्यावसायीकरण के कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वियन के लिए उचित उपाय करने हेतु भेजा गया।

प्रकाशन

निम्नलिखित सामग्री प्रकाशित की गई :

1. वोकेशनलाइजेशन ऑफ एजूकेशन एचिवमेन्ट इन दी सेवेन्थ फाइव इयर प्लॉन—ए रिपोर्ट ऑफ नेशनल सेमिनार ऑन वोकेशनलाइजेशन ऑफ एजूकेशन, एन.सी.ई.आर.टी. न्यू दिल्ली
2. गाईडलाइंस फॉर दा इस्टेब्लिशमेंट ऑफ करीक्यलूम डेवेलपमेंट सेंटर एण्ड डेवलपमेंटऑफ करीकूलम एण्ड इन्सट्रक्शनल मैटीरियल—वोकेशनल एजूकेशन प्रोग्राम
3. गाइडलाइंस फॉर इवैल्यूएटिंग दी इम्पलिमेन्टेशन ऑफ वोकेशनल करीक्यूलम।
4. एप्रोजल ऑफ दी इम्पलीमेन्टेशन ऑफ सेन्ट्रलीस्पोन्सर स्कीम ऑफ वोकेशनलाइजेशन ऑफ सैकेण्डरी एजूकेशन-गोआ
5. क्विक एप्रेजल ऑफ दी इम्पलीमेन्टेशन ऑफ सेन्ट्रली स्पोंसर्ड स्कीम ऑफ दी वोकेशनलाइजेशन ऑफ सैकेण्डरी एजूकेशन-गुजरात
6. क्विक एप्रेजल ऑफ दी इम्पलीमेन्टेशन ऑफ सेन्ट्रली स्पोंसर्ड स्कीम ऑफ दी वोकेशनलाइजेशन ऑफ सैकेण्डरी एजूकेशन-हरियाणा
7. क्विक एप्रेजल ऑफ दी इम्पलीमेन्टेशन ऑफ सेन्ट्रली स्पोंसर्ड स्कीम ऑफ दी वोकेशनलाइजेशन ऑफ सैकेण्डरी एजूकेशन-राजस्थान
8. क्विक एप्रेजल ऑफ दी इंम्पलीमेन्टेशन ऑफ सेन्ट्रली स्पोंसर्ड स्कीम ऑफ दी वोकेशनलाइजेशन ऑफ सैकेण्डरी एजूकेशन-उत्तर प्रदेश
9. क्विक एप्रेजल ऑफ दी इम्पलीमेन्टेशन ऑफ सेन्ट्रली स्पोंसर्ड स्कीम ऑफ दी वोकेशनलाइजेशन ऑफ सैकेण्डरी एजूकेशन-हिमाचल प्रदेश
10. क्विक एप्रेजल ऑफ दी इम्पलीमेन्टेशन ऑफ सेन्ट्रली स्पोंसर्ड स्कीम ऑफ दी वोकेशनलाइजेशन ऑफ सैकेण्डरी एजूकेशन-दिल्ली

1990-91

आठ

शैक्षिक प्रौद्योगिकी

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् का एक प्रमुख कार्य शिक्षा की वैकल्पिक-पद्धतियों के विकास तथा देश में शिक्षा के सुधार और प्रसार के लिए शैक्षिक प्रौद्योगिकी, विशेष रूप से जनसंचार के प्रयोग को बढ़ावा देना है। केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी, संस्थान (के.शै.प्रौ.स.) मुख्यतः शैक्षिक आवश्यकताओं के अनुरूप साफटवेयर का विकास करता है, शैक्षिक प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कार्य करने वाले कार्मिकों को प्रशिक्षण देता है तथा शैक्षिक प्रौद्योगिकी में शोध, पद्धतियों तथा सामग्री का मूल्यांकन आदि कार्यक्रम आयोजित करता है। यह शैक्षिक, माध्यम और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रसार परामर्श एवं सूचना प्रदान करता है।

के.शै.प्रौ.सं. राज्य शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (रा.शै.प्रौ.स) के कार्यकलापों में भी सहयोग देता है और उन्हें कार्यक्रम एवं तकनीकी सहायता प्रदान करता है।

वर्ष के दौरान के शै.प्रौ.सं. का प्रमुख कार्य विकलांग बच्चों और बालिकाओं के लिए सामग्री निर्मित करना, नवोदय विद्यालयों की विशेष आवश्यकताओं को पूरा करना और आपरेशन ब्लैकबोर्ड को मीडिया सहायता प्रदान करना रहा है।

संयुक्त निदेशक के.शै.प्रौ.सं. अध्यक्ष हैं, सात प्रभागों: शैक्षिक दूरदर्शन प्रभाग, (शै.दू.प्र.) दूरस्थ शिक्षा योजना, योजनासमन्वयन, अनुसंधान और मूल्यांकन, आलेखन एवं प्रशिक्षण प्रभाग, शैक्षिक रेडियो प्रभाग, आलेखिकी, प्रदर्शनी, फोटो और फिल्म प्रभाग, सूचना और प्रलेखन प्रभाग तकनीकी प्रयोजन, प्रचालन तथा अनुरक्षण प्रभाग और प्रशासन तथा लेखा प्रभाग इत्यादि के माध्यम से कार्य करता है।

1990-91 में शैक्षिक दूरदर्शन प्रभाग ने आपरेशन ब्लैकबोर्ड के अन्तर्गत अध्यापक प्रशिक्षण के क्षेत्र में शैक्षिक दूरदर्शन सॉफटवेयर के निमार्ण और योग अध्यापन में नवोदय विद्यालय को मीडिया सहयोग प्रदान करने पर विशेष बल दिया। दूरस्थ शिक्षा योजना, समन्वयन, अनुसंधान और मूल्यांकन, आलेख एवं प्रशिक्षण प्रभाग ने जिला शै.प्रौ.सं. के कार्मिकों को प्रशिक्षण देने, इन्सेट राज्यों में शैक्षिक दूरदर्शन के उपयोग की जाँच करने और शैक्षिक दूरदर्शन और रेडियो प्रयोगकर्ता अध्यापकों के लिए स्वयं अनुदेशी मैनुअल के विकास में विशेष ध्यान दिया। शैक्षिक रेडियो प्रभाग ने सामान्यतः "लिंग समानता" और "विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों विशेषकर शिक्षा योग्य मानसिक रूप से विकलांग बच्चों" के क्षेत्र के कार्यक्रमों पर कार्य किया। आलेखिकी, प्रदर्शनी, फोटो एवं फिल्म प्रभाग ने "लैंड एण्ड पीपल्स" श्रृंखला के अन्तर्गत दो फिल्में पूरी कीं। सूचना और प्रलेखन विभाग ने शैक्षिक मीडिया के संस्थानों का एककोश तैयार करने के लिए देश भर के संस्थानों से बड़ी संख्या में संस्थानों से मूल सूचना एकत्रित करने पर कार्य किया। तकनीकी प्रयोजन,

प्रचालन और अनुरक्षण विभाग में दूसरा दूरदर्शन स्टूडियो चलाया गया (जिसमें कंप्यूटर नियंत्रित दूरदर्शन स्टूडियो कैमरा तथा संबंधित उपस्कर एवं मोटरकृत दूरस्थ नियंत्रत परिष्कृत प्रकाश व्यवस्था है) हाई बैंड एवं लो-बैंड वीडियो टेप की यू-मैटिका रिकार्डिंग सुविधा और स्टूडियो की सर्विसिंग भी चालू रखी गई।

अनुसंधान/मूल्यांकन कार्यकलाप

वर्ष के दौरान निम्नलिखित अध्ययन किए गए :

1. *उड़ीसा में शैक्षिक दूरदर्शन के उपयोग के बारे में अध्ययन*

उड़ीसा के चार इन्सेट जिलों बोलंगीर, धैनकानल और सम्बलपुर में फैले 11 चयनित जिलों के 235 दूरदर्शन विद्यालयों में किए गए एक अध्ययन से पता लगा है कि बच्चे और उनके अध्यापक शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रमों को बड़े उत्साह से ग्रहण करते थे परन्तु शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रम केवल 57% दूरदर्शन विद्यालयों के बच्चे ही देख पाते थे। टी.वी.सेटों के उपयोग न होने के दो मुख्य कारण हैं:

— टी. वी. सेटों का खराब होना
— असंयोजन एवं बिजली की अनियमित आपूर्ति

एक अन्य अध्ययन से पता चला है कि प्रसारण-समय की जानकारी न होने के कारण बड़ी संख्या में विद्यालयों में टी.वी. माध्यम का उपयोग नहीं हो पाता।

2. *बिहार में शैक्षिक दूरदर्शन के बारे में अध्ययन*

इस अध्ययन से पता तला है कि केवल एक तिहाई टी.वी. सेट सही चल रहे हैं। बड़ी संख्या में टी.वी. सेटों (59%) को किसी न किसी कारण से विद्यालय परिसर से हटा दिया गया। बिहार में दूरदर्शन विद्यालयों को टी.वी. सेट की सुरक्षा और बिजली की आपूर्ति की अनियमितता जैसी दो मुख्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

3. *आन्ध्र प्रदेश में शैक्षिक दूरदर्शन के उपयोग पर एक अध्ययन*

आन्ध्र प्रदेश के इन्सैट जिलों में किए गए सर्वेक्षण से पता चला है कि शैक्षिक दूरदर्शन विद्यालयों में बिजली की आपूर्ति की स्थिति संतोषजनक नहीं है। तथापि 65% दूरदर्शन विद्यालयों को एन्टीना उपलब्ध न होने के कारण मीडिया के उपयोग में बड़ी बाधा पड़ रही है।

4. *बच्चों की सामान्य जानकारी का अध्ययन*

के.शै.प्रौ.सं. ने कुछ विशेष विषयों जिन पर शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रम प्रसारित हो चुका है, के संबंध में बच्चों की सामान्य जानकारी के स्तर का पता लगाने के लिए एक अध्ययन किया। नौ परीक्षणों की एक श्रृंखला को मध्यप्रदेश के होशंगाबाद जिले के सात गाँवों के 150 ग्रामीण बच्चों पर नमूने के तौर पर जाँच की गई। इन जाँचों से पता लगा है कि बच्चों में कुछ चयनित क्षेत्रों जैसे पशु-पक्षियों, राष्ट्रीय नेताओं आदि को पहचानने की क्षमता है। आलेखों के पढ़ने में बच्चों की दक्षता से पता लगा है कि निम्न स्तर पर बच्चे शीर्षकों और अन्य दृश्य सामग्री को पढ़ने में असमर्थ हैं, परन्तु अनुभव होने पर वर्ग-5 पर वे शीर्षकों को अच्छी तरह पढ़ते एवं समझते हैं।

5. *कॉमिक्स और कॉमिक दूरदर्शन धारावाहिकों के प्रभावों पर एक अध्ययन*

इस अध्ययन से पता लगा है कि बच्चों को चित्रात्मक और सजीव प्रस्तुतीकरण की वजह से कॉमिक्स पुस्तकें और कार्टून दूरदर्शन श्रृंखला बहुत प्रिय हैं। बच्चे उन जासूसी कॉमिक्स को पढ़ना/देखना बहुत पसन्द करते हैं, जिनमें शास्त्रीय, ऐतिहासिक लोक कथाएं हों। बड़ी उम्र के व्यक्तियों का विचार है कि कॉमिक्स मनोरंजन के

साथ-साथ बच्चों के लिए ज्ञानवर्द्धक और संदेशप्रद है।

6. *भारत की सर्वसामान्य सांस्कृतिक परम्पराओं पर श्रव्य श्रृंखला का मूल्यांकन*

भारत की सर्वसामान्य सांस्कृतिक परम्पराओं पर श्रृंखलाओं के मूल्यांकन पर एक अध्ययन के.शै.प्रौ.सं. ने आरम्भ किया। दिसम्बर 1990 में एक दिवसीय कार्यशाला में प्रश्नावली के मूल्यांकन और आँकड़ों को एकत्रित करनें की कार्यनीति बनाई गई। दिल्ली के तीन विद्यालयों को प्रश्नावली सहित 24 श्रव्य कार्यक्रम मूल्यांकन के लिए दिए गए। अध्ययन का कार्य अन्तिम स्तर पर है।

शैक्षिक सामग्री का मूल्यांकन

के.शै.प्रौ.सं. ने शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रमों सहित शैक्षिक सॉफटवेयर, श्रव्य कार्यक्रमों, फिल्मों, चार्टों और स्लाइडों और अन्य सामग्री का विकास करना निरन्तर जारी रखा।

बच्चों और अध्यापकों के लिए शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रम

इस वर्ष सैटेलाइट, इन्सेट-1 के लिए प्राथमिक स्तर के बच्चों और अध्यापकों को सम्बोधित 105 नये शैक्षिक दूरदर्शन कार्य निर्मित किए गए। इसमें नवोदय विद्यालय के सहयोग से योग में 20 कार्यक्रमों की एक श्रृंखला और ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड योजना के अन्तर्गत विभिन्न शीर्षकों पर अध्यापकों के लिए 15 कार्यक्रमों को सम्मिलित किया गया है।

हिन्दी में 65 शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रमों को उड़ीसा में प्रसारण के लिए डब किया गया था इस प्रकार से 1984-85 से लेकर अब तक के.शै.प्रौ.सं. द्वारा निर्मित शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रमों की कुल संख्या 613 और अन्य भाषाओं में रूपान्तरण की संख्या 869 हो गई।

के.शै.प्रौ.सं. और राज्य शै.प्रौ.सं. द्वारा निर्मित कार्यक्रमों को पाँच विभिन्न भाषाओं में इन्सैट-राज्यों: आन्ध्रप्रदेश, बिहार, गुजरात, महाराष्ट्र, उड़ीसा और उत्तरप्रदेश में सभी विद्यालय दिवसों को सोमवार से शनिवार तथा ग्रीष्मकालीन अवकाश में 3 घण्टे के लिए प्रसारित किया गया। इसके अतिरिक्त के.शै.प्रौ.सं. एवं राज्य शै.प्रौ.सं. लखनऊ और पटना द्वारा निर्मित शैक्षिक दूरदर्शन के हिन्दी रूपान्तरण को अन्य हिन्दी भाषी राज्यों जैसे हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, मध्यप्रदेश, पंजाब, राजस्थान और संघ शासित क्षेत्र चण्डीगढ़ में सभी उच्च पावर के ट्रांसमिशनों और निम्न पावर के ट्रांसमिशनों द्वारा पुनः प्रसारित किया गया। के.शै.प्रौ.सं. द्वारा निर्मित चयनित कार्यक्रमों को दिल्ली दूरदर्शन और दूरदर्शन के 150 ट्राँसमीटरों से नेटवर्क द्वारा प्रसारित किया गया। इन कार्यक्रमों को शाम की सभा में बच्चों के कार्यक्रम में दिखाया गया।

के.शै.प्रौ.सं. ने सैटेलाइट द्वारा ट्राँसमिशनों के लिए हिन्दी में 650 कैप्सूल और उड़िसा में 400 कैप्सूल तैयार किए।

के.शै.प्रौ.सं. ने रा.शि.सं. के सामाजिक विज्ञान और मानविकी शिक्षा विभाग, शिक्षा व्यावसायीकरण विभाग और विद्यालय-पूर्व एवं प्रारम्भिक शिक्षा विभाग के अनुरोध पर बाहरी निर्माताओं से आठ शीर्षकों पर वीडियो कार्यक्रम का निर्माण करवाया। इस अवधि में तीन शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रमों को पूरा किया गया।

श्रव्य कार्यक्रम

1990-91 में, पाँच विभिन्न शैक्षिक श्रृंखलाओं को सम्मिलित करके 84 नये श्रव्य कार्यक्रमों को निम्नानुसार निर्मित किया गया (लगभग 18 घंटे के कार्यक्रम)

1990-91

क्रमांक	श्रृंखला का शीर्षक	लक्ष्य समूह	निर्मित शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रमों की संख्या
1.	पण्डित जवाहर लाल नेहरू के पत्र-उनकी पुत्री के नाम	उच्चतर प्राथमिक	28
2.	लिंगों की समानता	उच्चतर प्राथमिक	20
3.	नवोदय विद्यालय और अन्य विद्यालयों की कक्षा-6 के बच्चों के लिए सामाजिक अध्ययन	उच्चतर प्राथमिक	16
4.	विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चे	प्राथमिक	20

विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के लिए 10 श्रव्य कार्यक्रमों को मानसिक रूप से विकलांग बच्चों के तीन संस्थानों में क्षेत्र परीक्षण किया गया। सामाजिक अध्ययन पर कक्षा 6 के बच्चों के लिए 8 श्रव्य कार्यक्रमों को नवोदय विद्यालयों में क्षेत्र परीक्षण के लिए भेजा गया।

शैक्षिक फिल्में

वेस्ट कौस्ट भाग-6 पर 16 मि.मी. की दो फिल्में (1) ग्रीन गोल्ड गुजरात कौस्ट और (11) प्राऊड सैन्टीनेल-कोन्कण पूरी की गई, भूगोल विषय पर "लैंड एण्ड पीपल" श्रृंखला को पूरा किया गया।

के.शै.प्रौ.सं. ने विभिन्न विषयों में 61 शैक्षिक फिल्में निर्मित कीं।

"लैंड एण्ड पीपल" श्रृंखला पर अनौपचारिक शिक्षा और फोटोग्राफी की तकनीकी पर निर्मित छः फिल्में पूर्णता के विभिन्न स्तरों पर हैं।

शैक्षिक चार्ट

1990-91 में कक्षा 11 और 12 की पाठ्यचर्या से संबंधित जीव-विज्ञान चार्ट विकसित करने के लिए कार्यकारी-दल की कई बैठकें आयोजित की गई। चार्ट तैयार करने का काम किया जा रहा है।

इससे पहले कक्षा 9 और 10 के लिए जीव विज्ञान के 22, भौतिक शास्त्र के 20 और भूगोल के 20 चार्टों का एक सेट तैयार किया गया। नवोदय विद्यालय समिति ने कक्षा 9 और 10 के लिए जीवविज्ञान के चार्टों को स्वीकार किया है। सभी नवोदय विद्यालयों को 2 सेंट, प्रत्येक में 22 जीवविज्ञान चार्ट भेजे गए।

रंगीन स्लाइड

"लैंड, पीपल एंड मानूमेन्ट्स" श्रृंखला के अन्तर्गत राजस्थान, कूर्ग (कर्नाटक), नीलगिरी और अन्नामलाई पर्वत-श्रृंखला (तमिलनाडु) पर 1000 रंगीन स्लाइडें तैयार की गई। प्रत्येक वर्ग की स्लाइडों पर एक लेख भी तैयार किया गया। के.शै.प्रौ.सं. में विभिन्न राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों के लोगों, वेशभूषा, भोजन की आदतों, भूखण्ड, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्मारकों पर एक दृश्य-बैंक विकसित करने का विचार है। कुछ जिला शैक्षिक प्रौद्योगिक संस्थानों ने इन फिल्मों को लेने में रुचि दिखाई है।

मुद्रित सामग्री

प्राथमिक स्तर के प्रयोगकर्ता अध्यापकों के लिए दो मैनुअल : एक कक्षा में टेलीविजन के प्रयोग के लिए और दूसरा रेडियो-एवं-कैसेट

1990-91

रिकार्डर और प्लेयर के लिए हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में विकसित किए गए। मा. सं.वि.मं. ने सुझाव दिया है कि इन मैनुअलों को देश के उन सभी विद्यालयों को वितरित किया जाए जहाँ शैक्षणिक प्रयोजन के लिए रंगीन टी.वी. सेट और आर.सी.सी. पी. उपलब्ध हैं।

कार्यशालाएँ/बैठकें

शैक्षिक दूरदर्शन के पाठ्यक्रम तैयार करने, शीर्षकों का विकास करने और विभिन्न क्षेत्रों में श्रव्य कार्यक्रमों को अन्तिम रूप देने, चार्ट तैयार करने, विभिन्न क्षेत्रों में कम लागत के शिक्षण साधनों के निर्माण, बी. एड और एम. एड. स्तर पर मॉडल पाठ्य विवरण तैयार करने जैसे विभिन्न विकासात्मक कार्यक्रमों के संबंध में पन्द्रह कार्यशालाएं/कार्यकारी समूह की बैठकें आयोजित की गई। इनका विवरण तालिका 8.1 में दिया गया है।

तालिका 8.1

1990-91 में के.शै.प्रौ.सं. द्वारा आयोजित कार्यशालाएँ/कार्यकारी समूह की बैठकें

क्रमांक	कार्यक्रमों के नाम	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
1.	के. शै.प्रौ. सं. रा. शै. प्रौ. सं. की समन्वयन समिति की बैठक	3 से 4 मई, 1990	के.शै.प्रौ.सं., नई दिल्ली	26
2.	ऑपरेशन ब्लैक बोर्ड कार्यक्रम के लिए शैक्षिक दूरदर्शन आलेखों के विकास के लिए कार्यशाला	8 मई, 1990	के.शै.प्रौ.सं., नई दिल्ली	26
3.	कक्षा में टी.वी. और रेडियो के प्रयोग के लिए मैनुअल के हिन्दी रूपान्तर को प्रमाणिक बनाने के लिए कार्यशाला	6 जून, 1990	के.शै.प्रौ.सं., नई दिल्ली	10
4.	शिक्षा योग्य मानसिक रूप से विकलांग बच्चों के लिए कार्यक्रम के विकास पर परामर्श समिति की बैठक	8 जून, 1990	के.शै.प्रौ.सं., नई दिल्ली	12
5.	नवोदय विद्यालय और अन्य विद्यालयों के कक्षा-6 के बच्चों के लिए सामजिक अध्ययन पर आडियो कार्यक्रम के विकास पर बैठक	28 जून, 1990	के.शै.प्रौ.सं., नई दिल्ली	16
6.	शैक्षिक प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा पाठ्यक्रम के विकास के लिए कार्यकारी समूह की 10 बैठकें-प्रत्येक बैठक 2-3 दिन की।	जून, 1990 से नवम्बर, 1990	के.शै.प्रौ.सं., नई दिल्ली	प्रत्येक बैठक में 5-10

क्रमांक	कार्यक्रमों के नाम	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
7.	लिंगों में समानता के क्षेत्र में कोर पाठ्यचर्या में ओडियो कार्यक्रमों के विकास पर कार्यशाला	18 से 20 जुलाई	के.शै.प्रौ.सं., नई दिल्ली	12
8.	शिक्षा योग्य मानसिक रूप से विकलांग बच्चों के लिए कार्यक्रम के विकास पर कार्यशाला	22 से 24 अगस्त 1990	के.शै.प्रौ.सं., नई दिल्ली	19
9.	कक्षा 11 और 12 की पाठ्यचर्या से संबंधित जीव विज्ञान चार्टों के विकास के लिए कार्यकारी समूह की 7 बैठकें-प्रत्येक बैठक एक दिन की	अगस्त 1990 से मार्च, 1991	के.शै.प्रौ.सं., नई दिल्ली	प्रत्येक बैठक में 7-10
10.	कम लागत के शिक्षण साधनों के विकास पर कार्यशाला	11 से 15 सितम्बर 1990	राजघाट जे कृष्णामूर्ति शैक्षिक केन्द्र वाराणसी उ.प्र.	35
11.	बी.एड. और एम. एड. पाठ्यक्रमों के लिए शैक्षिक प्रौद्योगिकी में मॉडल पाठ्यविवरणों के विकास पर कार्यशाला	18 से 22 सितम्बर 1990	के.शै.प्रौ.सं., नई दिल्ली	17
12.	के.शै. प्रौ. सं. -रा. शै.प्रौ. सं. समन्वयन समिति की बैठक	23 से 24 अक्तूबर 1990	के.शै.प्रौ.सं., नई दिल्ली	24
13.	सामाजिक अध्ययन में प्राथमिक स्तर के अध्यापकों के लिए शैक्षिक दूरदर्शन आलेख के विकास के लिए कार्यशाला-2 बैठकें पाँच दिन की एक बैठक	18 से 22 दिसम्बर, 1990 20 से 26 मार्च, 1990	क्षे.शि.म. अजमेर, के.शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	9-10 प्रत्येक बैठक में
14.	शैक्षिक दूरदर्शन निर्माण करने के लिए कार्यक्रम को उन्नत करने के लिए राष्ट्रीय कार्यशाला	28 जनवरी से 2 फरवरी 1991	के.शै.प्रौ.सं., नई दिल्ली	35
15.	गणित में कम-लागत के शिक्षण साधनों पर मैनुअल को अन्तिम रूप देने के लिए कार्यकारी समूह की बैठक	28 जनवरी से 2 फरवरी, 1991 4-15 मार्च 1991	के.शै.प्रौ.सं., नई दिल्ली के.शै.प्रौ.सं., नई दिल्ली	35 9

1990-91

प्रशिक्षण कार्यक्रम

के.शै.प्रौ.संस्थान ने रा.शै.प्रौ.सं., जि.शै.प्रौ.सं. के कार्मिकों, अध्यापक-शिक्षकों और अन्यों के लिए तकनीकी प्रचालन और अनुरक्षण, आलेख-लेखन, अनुसंधान विधियों और शैक्षिक प्रौद्योगिकी के नवीनीकरण तथा प्रयोग पर ग्यारह मार्गदर्शन/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। कार्यक्रमों का विवरण तालिका 8.2 में दिया गया है।

तालिका 8.2

1990-91 में के.शै.प्रौ.सं. द्वारा आयोजित प्रशिक्षण / मार्गदर्शन कार्यक्रम

क्रमांक	कार्यक्रमों के नाम	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
1.	जि.शै.प्रौ.सं. के प्राध्यापकों (शै.प्रौ.) के लिए शैक्षिक प्रौद्योगिकी में मार्गदर्शन कार्यक्रम	11 से 12 जून, 1990	के.शै.प्रौ.सं., नई दिल्ली	14
2.	बी.ई.एल. बेंगलूर द्वारा भेजे गए वीडियो उपकरण (कैमरा चेन) के अनुरक्षण पर प्ररिक्षण पाठ्यक्रम	4से 3 जुलाई 1990	बी.ई.एल., बेंगलूर	8
3.	जि.शै.प्रौ.सं. के प्राध्यापकों (शै.प्रौ.) के लिए शैक्षिक प्रौद्योगिकी में मार्गदर्शन कार्यक्रम	30 जुलाई से 10 अगस्त 1990	के.शै.प्रौ.सं., नई दिल्ली	25
4.	ओडियो उपकरणों के अनुरक्षण पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	20 से 27 अगस्त, 1990	जी.सी.ई., बम्बई	5
5.	जी.सी.ई.एल. बडोदरा द्वारा भेजे गए वीडियो उपकरणों (ई.एन.जी., कैमरा और निम्न बैंड डी.टी.बी.सी.बी.सी. आर. आदि) के अनुरक्षण पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	15 से 27 सितम्बर, 1990	जी.सी.ई.एल., बडोदरा	5
6.	जी.सी.ई.एल. बडोदरा द्वारा भेजे गए वीडियो उपकरणों (ई.एन.जी., कैमरा और निम्न बैंड डी.टी.बी.सी.बी.सी.आर आदि) के अनुरक्षण पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	15 से 22 सितम्बर, 1990	जी.सी.ई.एल., बडोदरा	9
7.	बी.ई.एल. बेंगलूर द्वारा भेजे गए वीडियो उपकरण (विजन मिक्चर) पर तकनीकी प्रशिक्षण/अनुरक्षण पाठ्यक्रम	20 से 26 नवम्बर, 1990	बी.ई.एल., बेंगलूर	8

क्रमांक	कार्यक्रमों का शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
8.	विश्वविद्यालयों, प्रशिक्षण महाविद्यालयों और राज्य शै.अ.प्र. प. के अध्यापकों के लिए शैक्षिक प्रौद्योगिकी में मार्गदर्शन कार्यक्रम	3 से 28 दिसम्बर, 1990	के.शै.प्रौ.सं., नई दिल्ली	17
9.	शैक्षिक आलेख लेखन और ओडियो/रेडियो कार्यक्रमों के निर्माण के लिए समेकित प्रशिक्षण कार्यक्रम	21 जनवरी से 15 फरवरी 1991	के.शै.प्रौ.सं., नई दिल्ली	32
10.	राज्य शै.प्रौ. संस्थान के अनुसंधान स्टाफ के लिए मीडिया में अनुसंधान और मूल्यांकन पर प्रशिक्षण	21 से 25 जनवरी 1991	के.शै.प्रौ.सं., नई दिल्ली	11
11.	जिला शै. प्रौ. संस्थान के प्राध्यापक (शै. दू.) के लिए शैक्षिक दूरदर्शन में मार्गदर्शन पाठ्यक्रम	28 जनवरी से 15 फरवरी 1991	के.शै.प्रौ.सं., नई दिल्ली	28

विस्तार कार्यकलाप

इस वर्ष के.शै.प्रौ.सं. ने निम्नलिखित विस्तार कार्यक्रमों को आयोजन किया :

1. *गैर-प्रसारण विधि द्वारा भाषा शिक्षण*

के.शै.प्रौ.सं. ने जिला होशंगाबाद (मध्यप्रदेश) के 450 विद्यालयों में ओडियो टेप प्रयोग द्वारा प्राथमिक स्तर पर प्रथम भाषा के रूप में हिन्दी की अध्यापन परियोजना के विस्तार के लिए सहायता जारी रखी। यह परियोजना 1986-87 से आरम्भ की गई थी। विद्यालयों को रेडियो एवं कैसेट रिकार्डर और प्लेयर सहित 77 ओडियो कैसेटों का एक सेट दिया गया। 308 कार्यक्रमों वाले इस सेट को कक्षा-1 से आरम्भ करके तीन चरणों में विद्यालयों को वितरित किया गया । इस अवधि में जो इस परियोजना का अंतिम समय या इस परियोजना के कार्यान्वयन एवं प्रबंध पर एक सर्वेक्षण किया गया। बच्चों तथा अभिभावकों, दोनों में इसके प्रति उत्साहवर्द्धक रवैया नज़र आया।

2. *शैक्षिक फिल्में*

स्थानीय प्राधिकारियों के सहयोग से शैक्षिक फिल्मों की जाँच के दो कार्यक्रम 14 से 17 दिसम्बर, 1990 और 15 से 18 मार्च 1991 तक क्रमशः कावारत्ती (लक्षद्वीप) और शिलांग (मेघालय) में आयोजित किए गए। गहन पर्यवेक्षण सत्र में तीन हज़ार विद्यार्थियों और अध्यापको ने भाग लिया। इसका उद्देश्य अध्ययन-अध्यापन प्रक्रिया में संवर्द्धन सामग्री के साधन के रूप में शैक्षिक फिल्मों के प्रयोग को उन्नत करना और लोक प्रिय बनाना है।

3. *शैक्षिक प्रदर्शनी*

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् के कार्यकलापों पर

1990-91

23 से 28 फरवरी, 1990 तक बच्चों के लिए एक राष्ट्रीय प्रदर्शनी लगाई गई। के.शै.प्रौ.सं. ने विभिन्न अवसरों पर इसी प्रकार की दो अन्य प्रदर्शनियाँ लगाईं।

4. *अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिभागिता*

के.शै.प्रौ.सं. ने 11 से 14 नवम्बर, 1990 तक अमृतसर (पंजाब) में आयोजित विश्व पाठ्यक्रम अनुदेश परिषद् के तीसरे सम्मेलन (डब्ल्यू.सी.सी. आई.) में भाग लिया और "शैक्षिक दूरदर्शन के उपयोग-कुछ मूल समस्याएं" पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

प्रचार-प्रसार

के.शै.प्रौ.सं. ने शैक्षिक दूरदर्शन, शैक्षिक रेडियो और शैक्षिक फिल्मों पर अपनी सामग्री का प्रचार-प्रसार निरन्तर जारी रखा।

इसके अतिरिक्त, शैक्षिक प्रौद्योगिकी के नवीनतम विकास और कार्यकलापों के संबंध में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए "एजूकेशनल मीडिया न्यूजलेटर" के दो अंक निकाले गए।

के.शै.प्रौ.सं. द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट/प्रतिवेदन

1. ए स्टडी ऑन ई.टी.वी. यूटिलाइजेशन इन उड़ीसा
2. ऑरिएन्टेशन कोर्स इन मीडिया रिसर्च-ए रिपोर्ट
3. ए स्टडी ऑन इफैक्टिव ऑफ कॉमिक्स टेलीविजन सीरियल ऑन चिल्ड्रन
4. ए मैनुअल ऑन मैथमेटिक्स टीचिंग ऐड
5. ए केटालॉग विद समरिज ऑफ ऑडियो प्रोग्राम
6. ए डायेरेक्ट्री ऑफ दी इन्स्टीटयूट्स ऑफ एजूकेशनल मीडिया इन इण्डिया (ड्राफ्ट)
   यह सी.आई.ई.टी., ई.टी.सेलों, टी.टी.आई., ए.वी.आर.सी.,ई.एम.आर.सी. और अन्य द्वारा एकत्र सूचना पर आधारित है।
7. ए मैनुअल ऑन यूजिंग टेलीविजन इन दी क्लासरूम (हिन्दी एण्ड इंगलिश)
8. ए मैनुअल ऑन यूजिंग रेडियो-कम-कैसेट रिकार्डर एण्ड प्लेयर इन क्लासरूम (हिन्दी एण्ड इंगलिश)

1990-91

नौ अध्यापक शिक्षा, विशेष शिक्षा और विस्तार सेवाएँ

सेवा-पूर्व और सेवाकालीन अध्यापक शिक्षा कार्यक्रमों में गुणात्मक सुधार करना रा.शै.अ.प्र.प. का मुख्य कार्य रहा है। 1990-91 में प्रारम्भिक और माध्यमिक अध्यापकों के शिक्षा कार्यक्रमों में सुधार लाने के लिए अनुसंधान और विकास कार्य करना, अध्यापक शिक्षा पाठ्यचर्या का विकास करना, अध्यापक-शिक्षकों, अध्यापक प्रशिक्षणार्थियों, और सेवारत अध्यापकों के प्रयोग के लिए अनुदेशी सामग्री का विकास करना, अध्यापक शिक्षा की पुनर्संरचना और पुनर्गठन की केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजना के कार्यान्वियन के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करना और विकलांग बच्चों की संघटित शिक्षा को शैक्षणिक सहयोग शिक्षक-प्रशिक्षकों और सेवारत अध्यापकों को प्रशिक्षण/मार्गदर्शन, अध्यापक शिक्षा, विशेष शिक्षा और विस्तार सेवा विभाग के कुछ मुख्य कार्यकलाप रहे। अ.शि.वि.शि.से. विभाग ने राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् को उनके कार्यकलापों के लिए शैक्षिक और प्रशासनिक समर्थन जारी रखा।

अनुसंधान और विकास कार्यक्रम

अ.शि.वि.शि.वि.से. विभाग "राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा संस्थान द्वारा तैयार की गई प्रारम्भिक और माध्यमिक अध्यापक शिक्षा-पाठ्यचर्या की रूपरेखा पर आधारित मार्गदर्शी सिद्धान्तों और पाठ्यविवरणों का विकास" परियोजना पर कार्य कर रहा है।

विभाग ने प्रारम्भिक और माध्यमिक स्तर के लिए अध्यापक शिक्षा पाठ्यचर्या के विभिन्न घटकों में मार्गदर्शी सिद्धान्तों और पाठ्यविवरणों को पूरा कर लिया है। इस प्रयोजन के लिए अध्यापक प्रशिक्षण महाविद्यालयों/संस्थानों, राज्य शै.अ.प्र.प. और जिला शै.अ.प्र.प. के संकाय सदस्यों को शामिल करके विभिन्न क्षेत्रों में कार्यशालाएं आयोजित की गई। अध्ययन के जिन पाठ्यक्रमों के लिए पाठ्यचर्या मार्गदर्शी सिद्धान्त/पाठ्यक्रम रूपरेखा विकसित की गई उनमें निम्नलिखित पाठ्यक्रम सम्मिलित हैं :

1. बढ़ते भारत में शिक्षा
2. शैक्षिक मनोविज्ञान
3. स्तर-संगत विशेषज्ञता-अध्यापक कार्य
4. प्रथम भाषा के रूप में हिन्दी शिक्षण
5. अंग्रेजी शिक्षण
6. गणित शिक्षण
7. पर्यावरण अध्ययन शिक्षण (विज्ञान)
8. पर्यावरण अध्ययन शिक्षण, (समाजिक विज्ञान)
9. कार्य-अनुभव शिक्षण
10. कला शिक्षा शिक्षण
11. क्रियात्मक/क्षेत्रीय कार्य

1990-91

इन मार्गदर्शी सिद्धान्तों का सुझाव दिया गया है, अभी इन्हें निर्धारित नही किया गया। प्रतिपुष्टि प्राप्त होने के पश्चात् पाठ्यक्रम पाठ्यचर्या मार्गदर्शी सिद्धान्त और पाठ्य विवरणों के दस्तावेजों को मुद्रण के लिए अन्तिम रूप दिया जा रहा है।

अ.शि.वि.शि.वि.से. विभाग ने "माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विधालयो अध्यापकों के लिए सेवाकालीन शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए शिक्षण-क्षेत्र में पाठ्यक्रम रूपरेखा और मार्गदर्शी सिद्धान्तों का विकास" परियोजना आरंभ की है। राज्य शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली के सहयोग से माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अध्यापकों के लिए पाँच सेवाकालीन शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

विभाग ने राज्य शै.अ.प्र.प. के संवर्द्धन पर एक उपागम-पत्र तैयार किया है। यह पत्र मुख्यतः राज्य शै.अ.प्र.प. के सर्वेक्षणों और राज्य शै. अ. प्र. प. के निदेशकों के बीच विचार-विमर्श पर आधारित है।

13 से 14 नवम्बर 1990 तक अ.शि.वि.शि.वि.से. विभाग ने "अध्यापक शिक्षा में अनुसंधान के क्षेत्रों की पहचान" पर एक दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

भारतीय शिक्षा पर विश्वकोष तैयार करना

रा.शै.अ.प्र.प. ने भारतीय शिक्षा पर विश्वकोष तैयार करने के संबंध में 27 से 29 अगस्त 1990 तक रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली में सलाहकार समिति की तीसरी बैठक का आयोजन किया। समिति ने संकल्पनात्मक लेखकों के लिए रूपरेखा वाले ड्राफ्ट, ब्लूप्रिंट, रचनाओं के शीर्षकों और मार्गदर्शन को अन्तिम रूप दिया। परियोजना के प्रभावी संचालन के लिए कुछ प्रचालन कार्य-पद्धतियों पर भी विचार-विमर्श किया।

अध्यापक-शिक्षा की पुनः संरचना और पुनर्गठन पर केन्द्रीय प्रायोजित योजना को शैक्षिक सहायता

रा.शै.अ.प्र.प. केन्द्रीय प्रायोजित अध्यापक शिक्षा की पुनः संरचना और पुनर्गठन योजना के कार्यन्वयन में मा.सं.वि.म. और राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों को तकनीकी सहायता देती आ रही है। विधालय-अध्यापकों का सामूहिक अभिविन्यास कार्यक्रम (पी.एम.ओ.एस.टी.) के प्रभाव का एक राष्ट्रीय मूल्यांकन अध्ययन विश्वभारती (शान्ति निकेतन), एन.ई.एच.यू. मिजोरम, क्षे.शि.म. भुवनेश्वर, क्षे.शि.म. मैसूर और पांडिचेरी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया गया। मूल्यांकन अध्ययनों की रिपोर्ट तैयार की जा रही है।

जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थानों की प्रगति रिपोर्ट

जि.शि.प्र.सं. के प्राचार्यों के लिए प्रस्तावित प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम की कार्यपद्धतियों और कार्यनीतियों पर विचार-विमर्श करने के लिए 3 से 5 सितम्बर 1990 तक रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली में एक बैठक का आयोजन किया। इस बैठक में रा.शि.सं., क्षे.शि.म. और नीपा के संकाय सदस्यों और प्रौढ़ शिक्षा निदेशालय के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसमें माड्यूल लिखने, उनकी संख्या, शीर्षक और कार्यनीतियों पर विस्तार पूर्वक विचार-विमर्श किया गया। इन माड्यूलों को जि.शि.प्र.सं. के प्राचार्यों के लिए प्रस्तावित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रयोग किया जाएगा।

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (एन.सी.टी.ई.)

रा.शै.अ.प्र.प., अन्य बातों के साथ-साथ, राष्ट्रीय अध्ययन परिषद् के लिए एक सचिवालय के रूप में भी कार्य करती है। अ.शि.वि.शि.वि.से. विभाग ने अध्यापक - शिक्षकों के लिए मूल्य शिक्षा पर पुस्तिका के विकास के लिए एक कार्यशाला 6 से 11 अगस्त 1990 तक आयोजित की। इसके अतिरिक्त, रा. अ. शि. प. की समितियों की विभिन्न बैठकें की गई। रा.अ.शि.सं. की माध्यमिक और महाविद्यालय अध्यापक शिक्षा समिति की 24 वीं बैठक 4 फरवरी, 1991 को और विद्यालय-पूर्व और प्रारम्भिक अध्यापक शिक्षा समिति की 12 वीं बैठक 7 फरवरी 1991 को हुई।

रा.अ.शि.स. की विशेष अध्यापक शिक्षा की 11 वीं बैठक 6 अप्रैल, 1991 को हुई।

अ.शि.वि.शि.वि.से. विभाग ने रा.अ.शि. बुलेटिन के प्रकाशन का कार्य जारी रखा। यह अध्यापक शिक्षा में लगे व्यावसायिकों और संस्थानों के बीच संप्रेषण का एक माध्यम स्थापित करने के लिए आन्तरिक त्रैमासिक पत्रिका है।

अ.शि.वि.शि.वि.से. विभाग द्वारा 1990-91 में की गई कार्यशालाओं/बैठकों का विवरण तालिका 9.1 में दिया गया है।

तालिका 9.1

1990-91 के दौरान अ.शि.वि.शि.वि.से. विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला/प्रशिक्षण कार्यक्रम और संगोष्ठियाँ

क्रमांक	कार्यक्रमों के शीर्षक	दिनांक	स्थान
1.	भारतीय शिक्षा में विश्व कोष तैयार करना	20 से 22 अप्रैल, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली
2.	केरल में शैक्षिक नवाचारों की योजना बनाने पर कार्यशाला	27 से 29 अगस्त, 1990 और 18 से 20 मार्च, 1991	मित्रानिकेतन (केरल)
3.	राज्य शै.अ.प्र.प./राज्य शैक्षिक संस्थान के निदेशकों का वार्षिक सम्मेलन	7 से 9 मई, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली
4.	सैनिक विद्यालयों के अध्यापकों के लिए सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम	30 अप्रैल से 19 मई, 1990	क्षे.शि.म. अजमेर
5.	भारतीय रेलवे के विद्यालय अध्यापकों के मार्गदर्शन के लिए संसाधन व्यक्तियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम	4 से 10 जून, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली
6.	प्रारम्भिक अध्यापक शिक्षा पाठ्यचर्या कार्यशाला	10 से 14 सितम्बर 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली
7.	जि.शि.प्र.सं. के प्राचार्यों के लिए प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम-पाठ्यक्रम रूपरेखा का विकास	3 से 5 सितम्बर 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली
8.	माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तर के सेवाकालीन अध्यापक शिक्षा पाठ्यक्रमों के शिक्षण- क्षेत्र में पाठ्यक्रम रूपरेखा और मार्गदर्शी सिद्धान्त तैयार करने पर उत्पादन कार्यशाला	9 से 13 अक्तूबर 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली

1990-91

क्रमांक	कार्यक्रमों के शीर्षक	दिनांक	स्थान
9.	अध्यापक शिक्षा में अनुसंधान के क्षेत्रों का चयन पर संगोष्ठी	14 नवम्बर, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली
10.	माध्यमिक अध्यापक शिक्षा पाठ्यचर्या कार्यशाला	15 से 16 नवम्बर 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली
11.	चारों क्षे.शि.म. में जिला शि.प्र.सं. के संकाय सदस्यों के लिए प्रवेश-प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	नवम्बर, 1990 से जनवरी, 1991	क्षे.शि.म. अजमेर क्षे.शि.म. भुवनेश्वर क्षे.शि.म. भोपाल क्षे.शि.म. मैसूर
12.	जिला शि.प्र.सं. के प्राचार्यों के लिए प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम	21 जनवरी से 9 फरवरी, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली
13.	प्राथमिक स्तर पर पाठ्यविवरण के अध्यापन के लिए बाल केन्द्रित उपागम को स्पष्ट करने के लिए शिक्षण मॉडलों का अनुकूलन	6 से 8 अक्तूबर 1991	इन्दौर
14.	अध्यापक शिक्षकों के लिए मूल्य शिक्षा में पुस्तिका का विकास	6 से 11 अगस्त, 1990	क्षे. शि.म. मैसूर
15.	रा.अ.शि.प. की माध्यमिक विद्यालय और महाविद्यालय अध्यापक शिक्षा समिति की 15 वीं बैठक	4 फरवरी, 1991 नई दिल्ली	रा.शै.अ.प्र.प.
16.	रा.अ.शि.प. की विशेष शिक्षा समिति की 11 वीं बैठक	6 फरवरी, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली
17.	रा.अ.शि.प. की विद्यालय-पूर्व और प्रारम्भिक अध्यापक शिक्षा समिति की 12 वीं बैठक	7 फरवरी, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली

विकलांगों के लिए शिक्षा

"सभी के लिए शिक्षा" का लक्ष्य रखकर सुविधाओं से वंचित विशेष समूह को शैक्षिक सुविधाऐं उपलब्ध कराने के लिए रा.शै.अ.प्र.प. ने प्राथमिकता दी। अ.शि.वि.शि.वि.से. विभाग ने सामान्य शिक्षा प्रणाली में विकलांग बच्चों को उनके समकक्ष गैर-विकलांग बच्चों के साथ शिक्षा देने के विशेष प्रयत्न किए हैं। कार्यक्रमों और कार्यकलापों का मुख्य केन्द बिन्दु संगठनात्मक सहयोग प्रदान करके विशेष कक्षा में बच्चों की विशेष आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सामान्य शिक्षकों की क्षमता में वृद्धि करना, पाठ्यविवरण का अनुकूलन और समायोजन तथा विशेष आवश्यकताओं के शिक्षण के लिए अनुदेशी सामग्री का विकास करना, विकलांग बच्चों को विद्यालय में लाने और वहाँ उनकी शिक्षा को जारी रखने के लिए समुदाय और अभिभावकों से संपर्क स्थापित करना और विकलांग बच्चों की शिक्षा के लिए योजनाओं के नीति-निरूपण और कार्यन्वयन में मा.सं.वि.मं. और भारत सरकार के संबंधित विभागों को सहयोग देकर सामान्य विद्यालयों में विकलांग बच्चों को संगठित करने के लिए विशेष कार्यपद्धतियों का विकास करना रहा है। राज्य सरकारों को भी इस क्षेत्र में योजना बनाने और कार्यक्रमों का प्रबन्ध करने में सहायता दी गई। अ.शि.वि.शि.से.वि. ने यूनिसेफ जैसे अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ भी सहयोगात्मक परियोजनाओं और कार्यकलापों को आरंभ किया।

अनुसंधान और विकास

रिपोर्ट की अवधि के दौरान निम्नलिखित अनुसंधान कार्य किए गए:

विकलांग बच्चों की संघटित शिक्षा परियोजना के कार्यान्वियन का मूल्यांकन

मा.सं.वि.मं. के अनुरोध पर 1990 के दौरान विकलांग बच्चों की शिक्षा योजना के कार्यान्यवयन का मूल्यांकन किया गया और सभी प्रकार की उपलब्धियों पर एक प्रारम्भिक रिपोर्ट तैयार की गई। बिहार, हरियाणा, केरल, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, मिज़ोरम, नागालैण्ड, उड़ीसा, उत्तर-प्रदेश और राजस्थान पर सूक्ष्म विश्लेषण किया गया और रिर्पोट तैयार की गई। सूक्ष्म विश्लेषण में विकलांग बच्चों की शिक्षा योजना के कार्यान्वियन में सामाजिक एकता एवं सांस्थानिक ढांचे को भी सम्मिलित किया गया है।

प्रारम्भिक पहचान और मध्यस्थता कार्यक्रमों के लिए आँगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण की व्यवहार्यता

मिजोरम में विकलांगों की प्रारम्भिक पहचान और मध्यस्थता के लिए आँगनबाड़ी के कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देने और इस कार्य में उन्हें लगाने की व्यवहार्यता के निर्धारण के लिए एक अध्ययन किया गया। प्रशिक्षण की रूपरेखा तैयार करके प्रभाव का अध्ययन किया गया।

कक्षा में विशेष आवश्यकताओं के लिए अध्यापक शिक्षा संसाधन पैक की सार्थकता

कक्षा में विशेष आवश्यकताओं के लिए अध्यापक शिक्षा संसाधन पैक की जांच अध्यापक प्रशिक्षकों, सेवा-पूर्व और सेवारत अध्यापकों के साथ मिलकर की गई। गुणवत्ता और गुणवत्ता विश्लेषण दोनों से पता लगा है कि इससे समान्य विद्यालयों में विकलांग बच्चों की शिक्षा के प्रति प्रतिभागियों की अभिवृत्ति में बदलाव आएगा। अध्यापकों पर प्रशिक्षण का सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। कुछ नीतिगत और संसाधन बाध्यताएं होने के बावजूद सेवारत अध्यापकों में बच्चों की व्यक्तिगत आवश्यकताओं (विकलांग सहित) को समझने की कुशलता होनी चाहिए।

कम दृष्टि वाले बच्चों के लिए पुस्तिका का विकास

कम दृष्टि वाले बच्चों की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु अध्यापकों के लिए एक पुस्तिका तैयार की गई। इस पुस्तक में कम दृष्टि वाले बच्चों की कार्य क्षमता का निर्धारण, दृष्टि दक्षता

1990-91

प्रशिक्षण, विशेष साधन, उनके अनुदेश के लिए उपकरण और सामग्री और कक्षा प्रबन्ध दिए गए हैं। इस पुस्तिका में गैर-तकनीकी भाषा का प्रयोग किया गया है अतः इस प्रकार के बच्चों को सहायता देने के लिए अभिभावक भी इसका प्रयोग कर सकते हैं।

सीखने में असमर्थ विकलांग बच्चों की प्रारम्भिक पहचान के लिए दिशानिर्देशों का विकास

पाँच कार्यरत अध्यापकों सहित 19 प्रतिभागियों की एक कार्यशाला में सीखने में असमर्थ विकलांग बच्चों की प्रारम्भिक पहचान की सम्भावना पर विचार किया गया और अध्यापकों के लिए दिशानिर्देश तैयार किए गए। इन दिशानिर्देशों पर एक पुस्तिका तैयार की जा रही है।

कम्प्यूटर की सहायता से पठन-पाठन के लिए विशेष आवश्यकता कार्यक्रमों का विकास (कॉल्ट)

इलेक्ट्रॉनिकी विभाग द्वारा वित्तपोषित प्रौद्योगिकी विकास परियोजना के अन्तर्गत विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के लिए 12 कार्यक्रम आलेख तैयार किए गए। इन कार्यक्रमों की अंतर्शास्त्रीय विशेषज्ञ समूह द्वारा समीक्षा करवाई गई। इन कार्यक्रमों पर अब सॉफ्टवेयर तैयार किए जा रहे हैं।

विशेष आवश्यकताओं पर वीडियो कार्यक्रमों का विकास

टेली-विद्यालय परियोजना और पी.आई.ई.डी. परियोजना के लिए "लर्निंग टूगेदर", "कोपरेटिव लर्निंग बेस्ड एप्रोच", "साथ-साथ" और "शुरू से शुरूआत" शीर्षकों पर कार्यक्रम के लिए आलेख तैयार किए गए।

संसाधन कक्ष के संगठन के लिए पुस्तिका का विकास

विकलांग बच्चों की संघटित शिक्षा योजना के अन्तर्गत संसाधन कक्ष की व्यवस्था करने के लिए संस्थान के अध्यक्षों और संसाधन अध्यापकों के लिए पुस्तिका तैयार की गई। इस पुस्तिका में सामान्य विद्यालयों में विकलांग बच्चों की शिक्षा को प्रभावी सहायता प्रदान करने के लिए विभिन्न संगठनात्मक योजनाओं, संसाधन अध्यापकों की भूमिका और कार्य तथा संसाधन कक्ष के लिए आवश्यक साधनों और उपकरणओं का संक्षिप्त वर्णन दिया गया है।

पाठ्य विवरण आधारित मूल्यांकन सामग्री का विकास

रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा पिछले वर्ष आयोजित कार्यशाला में तैयार किया गया प्रोटोटाइप पाठ्यविवरण आधारित मूल्यांकन सामग्री, क्षेत्रीय भाषा में पाठ्यचर्या आधारित मूल्यांकन सामग्री विकसित करने के लिए एक मॉडल बनाया गया जिसे तमिलनाडु, हरियाणा, महाराष्ट्र और उड़ीसा के राज्य शै.अ.प्र.प. के सहयोग से विकिसित किया गया। यह सामग्री भाषा, विज्ञान, गणित और सामाजिक अध्ययन के पाठ्यविवरण में विकसित की गई। नागालैंड राज्य ने अंगामिस में आई.ई.डी. के लिए दिशानिर्देश तैयार किए। मिजोरम राज्य ने बच्चों को उनके समकक्ष बच्चों के साथ-साथ सीखने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए क्रियात्मक गीत तैयार किए।

विकलांगों के लिए कम लागत के खिलौनों की रूपरेखा

विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के लिए नवाचार खिलौनों के डिज़ाइन बनाने के लिए रा.शै.अ.प्र.प. की एक प्रदर्शनी एवं कार्यशाला राजस्थान और हरियाणा में लगाई गई। इसमें सीखने में असमर्थ विकलांग, दृष्टि दोषग्रस्त और श्रवण विकार ग्रस्त बच्चों के लिए अनेक खिलौने बनाए गए और रा.शै.अ.प्र.प. के कर्मशाला विभाग को इनके आद्यरूप विकसित करने के लिए भेजा गया।

अ.शि.वि.शि.वि.से. विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं का विस्तृत विवरण तालिक 9.2 में दिया गया है:

तालिका 9.2

1990-91 के दौरान अ.शि.वि.शि.वि.स. विभाग द्वारा विकलांगों की शिक्षा से संबद्ध आयोजित की गई कार्यशालाएं :

कार्यक्रमों का शीर्षक	*अवधि*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
मुख्यालय			
सीखने में असमर्थ विकलांगों की प्रारम्भिक पहचान पर कार्यकारी समूह का बैठक	2 दिन	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	12
कम दृष्टि के बच्चों की शिक्षा पर पुस्तिका का विकास	2 दिन	एन.आई.वी.एच. देहरादून	5
कार्यात्मक निर्धारण पर वीडियो कार्यक्रम का विकास	1 दिन	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	12
राज्य			
पाठ्यचर्या आधारित परीक्षा मदों के विकास के लिए कार्यशाला (हरियाणा, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, उड़ीसा)	3 दिन	राज्य शै.अ.प्र.प.	216
विकलांग बच्चों के लिए कम लागत के खिलौने के विकास के लिए कार्यशाला (हरियाणा और राजस्थान)	3 दिन	राज्य शै.अ.प्र.प.	26
समर्थन सामग्री के विकास के लिए कार्यशाला मध्यप्रदेश और राजस्थान)	5 दिन	क्षेत्र संसाधन केन्द्र	42
अभिनय गीत तैयार करने के लिए कार्यशाला (मिजोरम)	4 दिन	राज्य शै.अ.प्र.प. एजॉल	126
स्थानीय भाषा में दिशानिर्देश तैयार करने के लिए कार्यशाला (नागालैंड)	2 दिन	क्षेत्र संसाधन केन्द्र	67
कक्षा 3, 4 और 5 के लिए सभी विषयों में तमिल भाषा में दिशानिर्देशों के विकास के लिए कार्यशाला (तमिलनाडु)	4 दिन	क्षेत्र संसाधन	36

1990-91

विकलांगों के लिए संघटित शिक्षा परियोजना (पी.आई.ई.डी.) पर परिवीक्षण और प्रतिपुष्ट

पिछले दो वर्षों से चल रही इस यूनिसेफ-सहायता प्राप्त परियोजना का उद्देश्य विकलांग बच्चों की प्राथमिक शिक्षा के व्यापीकरण के लिए संदर्भित विशेष सामग्रियों का विकास करना है। विभिन्न राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों में परियोजना की प्रगति की जांच के लिए मुख्यालय में दो समीक्षा एवं योजना समितियाँ आयोजित की गई। इसके अतिरिक्त, राज्य स्तर पर एक समन्वयन समिति की बैठक की गई और खण्ड स्तर पर त्रैमासिक समीक्षा की गई। इस प्रकार यूनिसेफ योजना 1990-95 के लिए सूक्ष्म स्तर पर योजना बनाई गई, इसे केन्द्र स्तर से खण्ड और राज्य स्तरों के माध्यम से उप क्षेत्र में आरम्भ किया गया।

समीक्षा और योजना बैठक (मुख्यालय)

विकलांगों के लिए संघटित शिक्षा परियोजना की मध्य-वर्षीय समीक्षा बैठक 12 और 13 जून 1990 को रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली में आयोजित की गई, इसमें 30 परियोजना कार्मिकों (प्रत्येक राज्य से कम से कम दो) ने भाग लिया। मा.सं.वि.म., यूनिसेफ, कल्याण मंत्रालय और रा.शै.अ.प्र.प. ने भी इस बैठक में भाग लिया। राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों की उपलब्धियों की समीक्षा की गई। परियोजना के कार्यान्वियन के दौरान किन-किन समस्याओं का सामना करना पड़ा और संबंधित अभिकरण/संगठनों ने क्या कार्रवाई की, उसका विवरण दिया गया। परिणाम स्वरूप अनुवर्ती कार्रवाईयों से कार्यान्वियन की गति को बढ़ाने में सहायता मिली। दूसरी समीक्षा और योजना बैठक दिनांक 7 से 9 जनवरी, 1991 को रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली में आयोजित की गई। इस बैठक में प्रत्येक राज्य में परियोजना की प्रगति को 1987 के इसके प्रारम्भ से प्रलेखित किया गया। 1991 के लिए और 1990-95 की अवधि के लिए कार्रवाई योजना तैयार की गई।

राज्य समन्वयन समिति की बैठकें हरियाणा, महाराष्ट्र, मिजोरम, उड़ीसा और राजस्थान में आयोजित हुई। त्रैमासिक समीक्षा बैठकें हरियाणा, मध्य-प्रदेश, महाराष्ट्र, मिजोरम, नागालैंड, उड़ीसा, राजस्थान और तमिलनाडु में आयोजित की गई।

प्रशिक्षण/मार्गदर्शन/विस्तार कार्यक्रम

विशेष शिक्षा में प्रशिक्षण कार्यक्रम रा.शै.अ.प्र.प. मुख्यालय, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों, राज्य शै.अ.प्र.प. और परियोजना क्षेत्रों में आयोजित किए गए। मुख्यालय के संकाय ने सभी स्तरों पर अभिकल्पना और शिक्षण सहायता प्रदान की। प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए लक्ष्य समूह विशेष शिक्षा विभाग/एकक के विश्वविद्यालय संकाय, राज्य शै.अ.प्र.प., गैर-सरकारी संगठन और अध्यापक थे। विकलांग बच्चों की प्रारम्भिक पहचान और प्रारम्भिक मध्यस्थता के माध्यम से परियोजना के समर्थन में आँगनबाड़ी के कार्यकर्ता के लिए प्रायोगिक आधार पर प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। समुदाय सदस्यों के लिए संवर्द्धन कार्यक्रमों और अभिभावकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा बनाने का अनुभव प्राप्त करने के लिए परियोजना के क्षेत्र में अभिभावकों को सम्मिलित करने के लिए भी कार्यक्रम किए गए। इन कार्यक्रमों के संबंध में विशेष सूचना तालिका 9.3 में दी गई है।

तालिका 9.3

वर्ष 1990-91 के दौरान विकलांगों के लिए संगठित शिक्षा परियोजना के अंतर्गत प्रशिक्षण/अभिविन्यास कार्यक्रम

शीर्षक	*अवधि*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
मुख्यालय			
मिज़ोरम में स्थानीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	एक सप्ताह	खाझावल खण्ड	9
पी.आई.ई.डी. के अन्तर्गत आँगनबाड़ी के कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण	चार सप्ताह	राज्य शै.अ.प्र.प. मिजोरम	41
विशेष शिक्षा में उभरती प्रकृतियों पर विश्वविद्यालयों संकाय के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	दो सप्ताह	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	29
पी.आई.ई.डी. के अन्तर्गत परियोजना दल का प्रशिक्षण	दो सप्ताह	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	14
सूक्ष्म कम्प्यूटर के प्रयोग और विशेष शिक्षा विशेष शिक्षा में इसके उपयोग में विशेष अध्यापकों को प्रशिक्षण	दो सप्ताह	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	15
विशेष शिक्षा में बहुवर्गीय प्रशिक्षण	दस सप्ताह	क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय	50
राज्य			
स्तर-I अध्यापकों को प्रशिक्षण (हरियाणा, महाराष्ट्र नागालैंड, उड़ीसा, दिल्ली)	एक सप्ताह	क्षेत्र संसाधन केन्द्र	1003
स्तर-II अध्यापकों को प्रशिक्षण का मार्गदर्शन (तमिलनाडु, दिल्ली)	छह सप्ताह	राज्य शै..अ.प्र.प.	101
संस्थानों के अध्यक्षों और पर्यवेक्षकों का मार्गदर्शन (तमिलनाडु, दिल्ली)	तीन दिन	राज्य शै.अ.प्र.प. और सेवाकालीन प्रशिक्षण संस्थान	101

1990-91

शीर्षक	अवधि	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
अभिभावक संपर्क कार्यक्रम (हरियाणा मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, मिजोरम, उड़ीसा राजस्थान, तमिलनाडु)	एक दिन	क्षेत्र और उप-क्षेत्र संसाधन केन्द्र	3271
समुदाय संपर्क कार्यक्रम (हरियाणा, मध्यप्रदेश, मिजोरम, नागालैंड, राजस्थान)	एक दिन	क्षेत्र और उप-क्षेत्र संसाधन केन्द्र	4494

स्थानीय अध्ययन कार्यक्रम

विकलांगों के लिए संघटित शिक्षा कार्यक्रम परियोजना के क्षेत्र के विशिष्ट संदर्भ हैं और इसके प्रत्येक प्रतिभागी राज्य ने परियोजना के कार्यान्वियन की कार्यनीति को स्थान विशेष की परिस्थितियों के अनुरूप तैयार किया है। परियोजना दल को मौके पर प्रदर्शन और विकलांग बच्चों के संघटन के पर्यवेक्षण द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में पी.आई.ई.डी. के कार्यान्वियन का अध्ययन करने का अवसर दिया जाता है। इस संदर्भ में महाराष्ट्र, राजस्थान, हरियाणा, उड़ीसा और नागालैंड के दलों को मिज़ोरम के मौके पर अनुभव प्राप्त करने का अवसर दिया गया।

विश्वविद्यालय संकाय और प्रमुख व्यक्तियों को प्रशिक्षण

14 विश्वविद्यालयों में विशेष शिक्षा विभाग/एकक स्थापित किए गए। अनेक विश्वविद्यालयों में सामान्य अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशेष शिक्षा पर पाठ्यक्रम प्रारम्भ किए गए हैं। केन्द्र द्वारा प्रायोजित अध्यापक शिक्षा योजना के अन्तर्गत उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थानों और अध्यापक शिक्षा महाविद्यालयों को भी विशेष शिक्षा पाठ्यक्रम आरम्भ करने चाहिए। रा.शै.अ.प्र.प. में इन संस्थानों के संकाय, राज्य शै.अ.प्र.प. और गैर-सरकारी संगठनों के लिए दो सप्ताह का एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 29 अध्यापकों ने भाग लिया।

सूक्ष्म कम्प्यूटर के प्रयोग में विशेष अध्यापकों को प्रशिक्षण

क्लास परियोजना और कुछ अन्य परियोजनाओं के अन्तर्गत सामान्य और विशेष संस्थानों को सूक्ष्म कम्प्यूटर और पी.सी. उपलब्ध करवाए गए। विकलांग बच्चों को कम्प्यूटर सुविधाओं के प्रयोग का अवसर देने के लिए, जहाँ उपलब्ध हैं, विशेष विद्यालयों में कार्यरत विशेष अध्यापकों और सामान्य विद्यालयों के संसाधन अध्यापकों के लिए दो सप्ताह का एक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में पंद्रह अध्यापकों ने भाग लिया।

विशेष शिक्षा में बहुवर्गीय प्रशिक्षण

परियोजना क्षेत्र में प्राथमिक विद्यालयों के उप क्षेत्रीय संसाधन केन्द्र के अध्यापकों के लिए बहुवर्गीय प्रशिक्षण की आवश्यकता है। ये अध्यापक विशेष कौशलों जैसे ब्रेल पठन, लेखन, अभिविन्यास और गतिशीलता, भाषा और भाषण तथा बच्चों के दैनिक जीवन की कुशलता में प्रशिक्षण देते हैं। वे सामान्य अध्यापकों और अभिभावकों को उनके क्षेत्र में सहायता भी प्रदान करते हैं। एक-एक वर्षीय बहुवर्गीय प्रशिक्षण कार्यक्रम क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय अजमेर, भोपाल और भुवनेश्वर में आयोजित किया गया।

मानसिक रूप से विकलांग बच्चों के अभिभावकों के लिए टेली-विद्यालय

"मानसिक विकलांगों का राष्ट्रीय संस्थान" (एन.आई.एम.एच.) के

सहयोग और कल्याण मंत्रालय के "विकलांगों के लिए प्रौद्योगिकी मिशन" की सहायता से मार्च 1990 में विश्व विकलांग दिवस के अवसर पर विकलांगों के अभिभावकों के लिए टेली-विद्यालय आरम्भ किया गया। 15-20 मिनट के इस टेली-विद्यालय कार्यक्रम को हिन्दी, मराठी, गुजराती, उड़िया और तेलुगू में प्रत्येक पंद्रह दिन पर प्रसारित किया जाता है। रा.शै.अ.प्र.प. के केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान क्रियात्मक पहलुओं पर कार्यक्रम का निर्माण करता है और उन्हें विभिन्न भाषाओं में डब करता है। अन्य संगठनों द्वारा निर्मित टेली-विद्यालय कार्यक्रम का प्रसारण और समन्वयन रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा किया जाता है। एन.आई.एम.एच. दर्शकों को प्रोत्साहन प्रदान करता है। रा.शै.अ.प्र.प. में टेली-विद्यालय के लिए दो योजना बैठकें और वीडियो कार्यक्रमों के निर्माण की कार्य पद्धतियों पर कार्य करने के लिए दो बैठकों का आयोजन किया, जिसमें 35 विशेषज्ञों ने भाग लिया।

प्रचार-प्रसार

विशेष शिक्षा के क्षेत्र में रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा विकसित अनुदेशी सामग्री राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों के सभी विकलांगों के लिए संघटित शिक्षा प्रकोष्ठों जैसे राष्ट्रीय विकलांग संस्थान और उनके क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्रों, अध्यापक शिक्षा और प्रशिक्षण महाविद्यालयों, गैर-सरकारी संगठनों और एक हजार से अधिक विद्यालयों को प्रदान की गई। अभिभावकों और समुदाय सदस्यों को समर्थन सामग्री भी प्रदान की गई। राज्य शै.अ.प्र.प., क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों, और विकलांग बच्चों के लिए कार्य करने वाले चयनित गैर-सरकारी संगठनों को प्रशिक्षण और समर्थन कार्यक्रमों में प्रयोगार्थ संघटित शिक्षा पर वीडियो कार्यक्रमों की प्रतियाँ तथा "विकलांगों के लिए सृजनात्मक कला" पर एक टेप-स्लाइड दी गई। यूनेस्को, यूनिसेफ, विश्व स्वास्थ्य संगठन जैसे अन्तर्राष्ट्रीय अभिकरणों और अन्य गैर सरकारी संगठों को भी यह सामग्री दी गई। इस सामग्री को मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के माध्यम से सार्क देशों को भी भेजा गया।

समर्थन और परामर्श

रा.शै.अ.प्र.प. राष्ट्रीय स्तर के सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों को समर्थन और परामर्श प्रदान करती है। वर्ष 1990-91 के दौरान अ.शि.वि.शि.वि.से. विभाग ने निम्नलिखित को समर्थन और परामर्श दियाः

— मा.सं.वि.म. को विकलांग बच्चों के लिए संघटित शिक्षा योजना की जाँच मूल्यांकन और समीक्षा में।
— कल्याण मंत्रालय को विशेष विद्यालयों की पुनःसंरचना के लिए योजना विकसित करने में।
— इलेक्ट्रॉनिकी विभाग को बी.एड. और एम.एड. के लिए कम्प्यूटर प्रयोग पाठ्यक्रम विकास और विशेष शिक्षा में इसके उपयोग में।
— विशेष शिक्षा के महत्व के विकास के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) के कार्यान्वियन की समीक्षा के लिए भारत सरकार द्वारा स्थापित आचार्य राममूर्ति समिति।
— विशेष शिक्षा में पाठ्यचर्या तैयार करने तथा उसे मान्यता प्रदान करवाने के लिए पुनर्वास परिषद्।
— राष्ट्रीय विकलांग संस्थानों को प्रशिक्षण कार्यक्रम और अनुदेशी सामग्री के विकास पर परामर्श।
— कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, जामिया मिलिया इस्लामिया और एम.एस. विश्वविद्यालय बड़ौदा के शिक्षा विभागों में विशेष शिक्षा एकक स्थापित करने और पाठ्यचर्या के विकास में।
— लक्ष्मीबाई शिक्षा महाविद्यालय, ग्वालियर को मानसिक रूप से विकलांग बच्चों के अध्यापकों के लिए बच्चों को खेलकूद सिखाने के लिए एक पाठ्यक्रम की रूपरेखा बनाने में।
— नीपा और एन.आई.पी.सी.सी.ओ. को इस क्षेत्र में प्रशिक्षण और विकास कार्यक्रमों में।

1990-91

— पश्चिमी बंगाल, पंजाब, राजस्थान, बिहार, मध्य प्रदेश, हरियाणा, गोआ, उत्तर-प्रदेश, मिज़ोरम और नागालैंड राज्यों के शिक्षा विभागों को विकलांग बच्चों के लिए संघटित शिक्षा के कार्यान्वियन में योजनाएं विकसित करने के लिए। गैर सरकारी संगठनों—जैसे नेशनल एसोसिएशन फॉर दी ब्लाईन्ड, "सेवा" इन एक्शन, नेशनल सोसाइटी फॉर दी प्रीवेनशन ऑफ ब्लाईडनेस, दि रामा कृष्णा मिशन, नरेन्द्रपुर, दि ब्लाईन्ड रिलीफ एसोसिएशन, दिल्ली, दि रॉयल कॉमनवेल्थ सोसाइटी फॉर दि ब्लाईड, नेशनल एसोसिएशन फॉर इक्वल एजुकेशन ऑपरच्यूनिटी फौर दि हैंडिकेपड को शिक्षा के विकास और विकलांग बच्चों के लिए पुर्नवास कार्यक्रमों में परामर्श प्रदान किया गया।

अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर यूनेस्कों को कक्षा में आवश्यकताओं पर अध्यापक शिक्षा संसाधन पैक के विकास के लिए तकनीकी सहायता प्रदान की गई। यूनिसेफ को विकलांगता पर मिलकर कार्य करने पर बैंगलूर में आयोजित कार्यशाला में तकनीकी सहायता दी गई। नेशनल काउंसिल ऑफ एक्सेपशनल चिल्ड्रन (यू.के.) को विकासशील देशों में सभी विकलांग बच्चों की शिक्षा के लिए कार्यक्रम के कार्यान्वियन के लिए एक डिजाइन मॉडल प्रदान किया गया जिसे इन्टरनेशनल स्पेशल एजूकेशन कॉंग्रेस कार्डिफ (यू.के.) में मूल विचार के रूप में प्रस्तुत किया गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन को विकलांगता पर अनुदेशी सामग्री के विकास पर हैदराबाद में आयोजित कार्यशाला में संसाधन सहायता दी गई। इन्टरनेशनल लीग ऑफ सोसाइटीज फॉर मेन्टली हैण्डीकेपड (यू.के.) को मानसिक रूप से विकलांग बच्चों के एकीकरण के लिए सहायता दी गई।

प्रकाशन

मुद्रित सामग्री

1. फंक्शनल असेसमेन्ट गाइड, 1990 (अंग्रेजी)
2. चिल्ड्रन विद सीइंग प्रोबलम्स, फोकस ऑन रिमेइनिंग साइट (अंग्रेजी)
3. कार्यात्मक निर्धारण संदर्शिका (हिन्दी) (मुद्रणालय में)
4. दृष्टि की समस्या वाले बच्चे : शेष दृष्टि पर केन्द्रबिन्दु (हिन्दी) (मुद्रणालय में)
5. ऑर्गनाइजेशन ऑफ रिसोर्स रूम (अंग्रेजी)

गैर मुद्रित सामग्री (वीडियो कार्यक्रम)

1. लर्निंग टुगेदर : कोऑपरेटिव लर्निंग बेसड एप्रोच (अंग्रेजी)
2. साथ-साथ (हिन्दी, मराठी, गुजराती, तेलुगू और उड़िया)
3. शुरू से शुरुआत (हिन्दी, मराठी, गुजराती, तेलुगू और उड़िया)

1990-91

दस

क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय

सेवा-पूर्व अध्यापक-शिक्षा के नवाचार कार्यक्रमों को विकसित करना रा.शै.अ.प्र.प. का एक मुख्य कार्य है। क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (क्षे.शि.म.) विद्यालय-शिक्षा और अध्यापक-शिक्षा के विभिन्न पहलुओं से संबंधित अनुसंधान अध्ययन, अध्यापक-शिक्षकों, अध्यापकों और प्रशिक्षु-अध्यापकों के प्रयोग के लिए अनुदेशात्मक सामग्री के विकास, और विद्यालय-शिक्षा और अध्यापक-शिक्षा के गुणात्मक विकास के लिए प्रशिक्षण और विस्तार कार्यकलाप करने में लगे हैं।

प्रत्येक क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय अपने अधिकार-क्षेत्र में आने वाले राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों की शिक्षा संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। अजमेर का क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, पंजाब, राजस्थान और उत्तर प्रदेश राज्यों, तथा दिल्ली एवं चण्डीगढ़ संघशासित क्षेत्रों की आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। भोपाल का क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय गोआ, गुजरात, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र राज्यों, तथा दादर व नागर हवेली और दमन और दीव संघ शासित क्षेत्रों की शिक्षा संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, मणिपुर, मिजोरम, मेघालय, नागालैण्ड, उड़ीसा, सिक्किम, त्रिपुरा राज्य, और अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह संघ शासित क्षेत्र, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय भुवनेश्वर के अन्तर्गत आते हैं, जबकि आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु राज्यों तथा लक्षद्वीप और पाण्डिचेरी संघ शासित क्षेत्रों की आवश्यकताओं की पूर्ति क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, मैसूर द्वारा की जाती है।

क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, अजमेर

क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, अजमेर बी.एस.सी. (आनर्स/पास) बी.एड. डिग्री के लिए विज्ञान शिक्षा में चार वर्षीय समेकित पाठ्यक्रम, विज्ञान/कृषि/वाणिज्य/भाषा (अंग्रेजी/हिन्दी/उर्दू) में विशेषज्ञता सहित बी.एड. डिग्री के लिए एक वर्षीय पाठ्यक्रम, और विज्ञान/वाणिज्य/भाषा में विशेषज्ञता सहित एक वर्षीय एम.एड. पाठ्यक्रम चलाता है।

नामांकन

क्षे.शि.म., अजमेर द्वारा वर्ष 1990-91 में विभिन्न पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों के नामांकन का ब्यौरा तालिका 10.1 में दिया गया है।

परीक्षाफल

क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, अजमेर द्वारा चलाए गए विभिन्न पाठ्यक्रमों के परीक्षाफल तालिका 10.2 और 10.3 में दिए गए हैं

तालिका 10.1

1990-91 में क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, अजमेर में सेवा-पूर्व पाठ्यक्रमों का राज्यवार नामांकन

क्रमांक	पाठ्यक्रम	राजस्थान		उत्तर प्रदेश		हरियाणा		हिमाचल प्रदेश		पंजाब		दिल्ली		चंडीगढ़		जम्मू और कश्मीर		अ.जा.		अ.ज.जा.		सामान्य		कुल
		छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं	छा
	एक वर्षीय बी. एड																							
1.	विज्ञान	12	6	24	4	2	1	—	1	4	1	—	5	2	—	2	1	16	1	1	—	29	18	65
2.	कृषि	4	-	25	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	6	-	-	-	23		29
3.	वाणिज्य	4	2	10	2	-	1	2	-	2	-	1	4	-	1	-	-	3	-	-	-	15	10	28
4.	हिन्दी	4	2	12	3	1	3	1	1	-	1	2	3	-	1	-	1	7	-	1	-	12	15	35
5.	अंग्रेजी	4	3	6	2	-	2	2	3	-	-	1	3	-	1	1	-	5	-	-	-	9	14	28
6.	उर्दू	12	3	5	8	-	-	-	-	-	-	1	1	-	-	-	-	-	-	-	-	18	12	30
	बी. एस. सी (आनर्स/पास) बी. एड. प्रथम वर्ष	21	8	14	8	2	3	2	2	3	3	5	2	3	1	1	-	7	3	2	-	42	24	78
	बी. एस. सी. (आनर्स/पास) बी. एड. द्वितीय वर्ष	30	37	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	1	-	2	-	27	37	67
	बी. एस. सी. (आर्नस/पास) बी. एड. तृतीय वर्ष	32	24	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	24	32	56
	बी. एस. सी. (आनर्स/पास) बी. एड. चतुर्थ वर्ष	32	16	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	2	-	-	-	30	16	48
	एम. एड.	9	3	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	9	3	12
		164	104	96	27	5	10	7	7	9	5	9	18	5	4	4	2	47	4	6	-	238	181	476

* छात्र — छात्र

* छात्राएं — छात्राएं

तालिका 10.2

1990 में क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों के परीक्षाफल

क्रमांक	पाठ्यक्रम	परीक्षा में बैठे विद्यार्थियों की कुल संख्या		उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या		आर. डब्लू		उत्तीर्ण प्रतिशत		कुल उत्तीर्ण प्रतिशत
		छात्र	छात्राएँ	छात्र	छात्राएँ	छात्र	छात्राएँ	छात्र	छात्राएँ	
1.	बी. एड. (विज्ञान)	43	27	43	26	—	01	100	96.30	98.57
2.	बी. एड. (कृषि)	26	—	26	—	—	—	100	—	100
3.	बी. एड. (वाणिज्य)	20	10	19	10	—	—	95	100	96.66
4.	बी. एड. (अंग्रेजी)	17	09	17	09	—	—	100	100	100
5.	बी. एड. (हिन्दी)	27	11	27	11	—	—	100	100	100
6.	बी. एड. (उर्दू)	21	10	20	09	01	01	95.24	90	93.56
7.	एम. एड.	05	08	05	08	—	—	100	100	100
8.	बी. एम. सी. (आ./पा.) बी. एड. प्रथम वर्ष	40	42	28	39	—	—	70	92.86	81.71
9.	बी. एस. सी. (आ./पा.) बी. एड. द्वितीय वर्ष	34	27	33	26	—	—	97.06	96.30	96.72
10.	बी. एस. सी. (आ./पा.) बी. एड. तृतीय वर्ष	31	17	31	17	—	—	100	100	100
11.	बी. एस. सी. (आ.पा.) बी. एड. चतुर्थ वर्ष	44	14	44	14	—	—	100	100	100

तालिका 10.3

1990 सत्र में क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, अजमेर में सेवा-पूर्व पाठ्क्रमों में अ.जा./अ.ज.जा. विद्यार्थियों का परीक्षाफल

क्रमांक	पाठ्यक्रम	परीक्षा में बैठे अ.जा./अ.ज.जा. के विद्यार्थियों की संख्या		परीक्षा में उत्तीर्ण अ.जा./अ.जजा. के विद्यार्थियों की संख्या	
		अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.जा.	अ.ज.जा.
1.	बी.एड. (विज्ञान)	10	—	10	—
2.	बी. एड. (कृषि)	03	—	03	—
3.	बी. एड. (वाणिज्य)	07	01	07	01
4.	बी. एड. (अंग्रेजी)	05	—	05	—
5.	बी.एड. (हिन्दी)	07	01	07	01
6.	बी. एड. (उर्दू)	—	—	—	—
7.	एम. एड.	02	—	02	—
8.	बी. एस. सी. (आ./पा.) बी. एड. प्रथम वर्ष	03	02	02	02
9.	बी. एस. सी. (आ./पा.) बी. एड. द्वितीय वर्ष	—	—	—	—
10.	बी. एस. सी. (आ./पा.) बी. एड. तृतीय वर्ष	02	—	02	—
11.	बी. एस. सी. (आ./पा.) बी. एड. चतुर्थ वर्ष	01	01	01	01

1990-91

प्रशिक्षण/अभिविन्यास/विस्तार कार्यक्रम

क्षे.शि.म. अजमेर ने अपने अन्तर्गत आने वाले राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों की आवश्यकताओं और माँगों को ध्यान में रखते हुए विद्यालय-शिक्षा और अध्यापक-शिक्षा से संबंधित विभिन्न विषयों पर 21 कार्यशालाएं/बैठकें/संगोष्ठियाँ और प्रशिक्षण/अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए। क्षे.शि.म., अजमेर द्वारा वर्ष 1990-91 में आयोजित कार्यक्रमों का ब्यौरा तालिका 10.4 में दिया गया है।

तालिका 10.4

वर्ष 1990-91 में क्षे.शि.म., अजमेर द्वारा आयोजित कार्यशालाएं/बैठकें/संगोष्ठियां/सम्मेलन प्रशिक्षण/अभिविन्यास कार्यक्रम

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
1.	गणित उपकरणों के लिए निदानात्मक परीक्षण तैयार करना	4 से 11 अप्रैल, 1990	डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल विलासपुर, हिमाचल प्रदेश	8
2.	हिन्दी और सामजिक अध्ययन अध्यापकों के लिए सेवाकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	30 अप्रैल से 19 मई 1990	चित्तौड़गढ	31
3.	उत्तरी क्षेत्र के क्षेत्रीय सलाहकारों की क्षेत्रीय समन्वय समिति की बैठक	6 से 7 जुलाई, 1990	म्यूनिसिपल कमेटी हरिद्वार	7
4.	उत्तरी क्षेत्र के आश्रम टाइप विद्यालयों की आवश्यकताओं और समस्याओं और समस्याओं की पहचान	24 से 27 जुलाई, 1990	गवर्नमेंट कंस्ट्रक्टिव ट्रेनिंग कालेज, लखनऊ	15
5.	नवाचार प्रणालियों पर आधारित (प्ररूप) फारमेट और (पाठ योजना) लेसन प्लान का विकास	29 अगस्त से 2 सितंबर 1990	जी.एस.अध्यापक महाविद्यालय विद्या भवन, उदयपुर	25
6.	शिक्षण योजनाएं और कक्षा पर्यावरण (शिक्षण पर्यावरण और सामाजिक वातावरण)	3 से 6 सितम्बर, 1990	क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय अमजैर	11
7.	बाँसवाड़ा जिले के लिए कक्षा 6 के छात्रों की गणित की संकल्पनाओं को समझने संबंधी समस्याओं का पता लगाने तथा अ.जा./अ.ज.जा. बस्तियों/मोहल्लों में प्रारंभिक विद्यालयों में प्रयोग के लिए सहायतार्थ सामग्री और प्रणाली का विकास	30 सितंबर से 9 अक्तूबर 1990	भारतीय विद्या मन्दिर टी.टी. कालेज बाँसवाड़ा	26

1990-91

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
8.	माध्यमिक विद्यालयों के लिए मूल्यों और कार्यवाई योजना का अन्तर्निवेशन	25 अक्तूबर से 3 नवंबर, 1990	भारतीय विद्या मंदिर गुलाबपुर, जिला भीलवाड़ा	16
9.	सहयोगी विद्यालयों के प्राचार्यों/मुख्याध्यापकों और सहयोगी अध्यापकों का सम्मेलन	3 से 4 जनवरी, 1991	क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय अजमेर	24
10.	सी.टी.ई.एवं आई.ए.एस.ई. के संकायों के लिए क्षेत्र निर्धारित कार्यक्रम पर प्रारंभिक बैठक	4 से 5 जनवरी, 1991	शाह गोवर्धन लाल काबरा अध्यापक महाविद्यालय जोधपुर-12	12
11.	अध्यापक प्रशिक्षण महाविद्यालय/राज्य शै.अ.प्र.प. में कार्यक्रम अनुसंधान परियोजना	8 से 11 जनवरी, 1991	क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय अजमेर	7
12.	क्षे.शि.म. अजमेर की प्रबन्धक समिति की 25 वीं बैठक	30 जनवरी, 1991	क्षे.शि.म. अजमेर	16
13.	+2 स्तर (कें.मा.शि.बो.) पर रसायनशास्त्र में समस्याओं के समाधान के लिए गणितीय कौशल का विकास	18 से 23 फरवरी, 1991	क्षे.शि.म. अजमेर	16
14.	मुर्गी पालन पर अध्यापक संदर्शिका के लिए पाण्डुलिपि को अन्तिम रूप देना	11 से 20 मार्च, 1991	राजस्थान कृषि महाविद्यालय, उदयपुर	15
15.	हिन्दी टंकण के क्षेत्र में अध्यापक संदर्शिका के लिए पाण्डुलिपि को अन्तिम रूप देना।	21 से 25 मार्च, 1991	क्षे.शि.म., अजमेर	30
16.	क्लास परियोजना के अन्तर्गत अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम	24 सितम्बर से 13 अक्तूबर, 1990	क्षे.शि.म., अजमेर	30
17.	क्लास परियोजना वाले विद्यालयों के लिए प्राचार्यों का सम्मलेन	7 से 8 सितंबर, 1990	क्षे.शि.म., अजमेर	70
18.	क्लास परियोजना के अन्तर्गत पहले से प्रशिक्षित अध्यापकों के लिए अभिविन्यास पाठ्यक्रम	13 से 15 अक्तूबर 1990	क्षे.शि.म., अजमेर	50

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
19.	बी.एड.के वाणिज्य विषय के अध्यापकों के लिए जानकारी पाठ्यक्रम	18 जनवरी, 1991	क्षे.शि.म., अजमेर	35
20.	शिक्षण अभ्यास विद्यार्थियों के प्राचार्यों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	दिसम्बर, 1990	क्षे.शि.म., अजमेर	10
21.	बी.एस.सी.बी.एड. के चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थियों के लिए एक वर्षीय कम्प्यूटर शिक्षा पाठ्यक्रम	जुलाई 1990 से जुलाई, 1991	क्षे.शि.म., अजमेर	26

क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भोपाल

क्षेत्रीय शि.म., भोपाल ने निम्नलिखित पाठ्यक्रमों को जारी रखा:

1. बी.एस.सी. बी.एड.—चार वर्षीय समेकित पाठ्यक्रम
2. बी.ए.बी.एड.—चार वर्षीय समेकित पाठ्यक्रम
3. बी.एड.—विज्ञान और वाणिज्य में एक वर्षीय पाठ्यक्रम
4. बी.एड.—(प्रारंभिक) प्रारंभिक शिक्षा में एक वर्षीय पाठ्यक्रम
5. एम.एड.—विज्ञान शिक्षा, अध्यापक-शिक्षा, मार्गदर्शन एवं परामर्श और प्रारंभिक शिक्षा

नामांकन शैक्षिक सत्र 1990 के दौरान विभिन्न पाठ्यक्रमों में नामांकन को तालिका 10.5 में दिया गया है।

तालिका 10.5

वर्ष 1990-91 में क्षे.शि.म. भोपाल में **सेवापूर्व** पाठ्यक्रमों में नामांकन

क्रमांक	पाठ्यक्रम	मध्य प्रदेश अनुसूचित जाति जन जाति सामान्य							महाराष्ट्र अनुसूचित जाति जन जाति सामान्य				
		बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका
1.	बी.एस.सी. बी.एड. प्रथम वर्ष	3	—	—	1	10	33	2	3	—	—	4	18
2.	बी. एस. सी. बी. एड. द्वितीय वर्ष	1	—	—	1	5	40	2	1	—	—	6	13
3.	बी. एस. सी. बी. एड. तृतीय वर्ष	—	1	—	1	8	48	—	—	—	—	2	3
4.	बी. एस. सी. बी. एड. चतुर्थ वर्ष	1	1	—	—	9	28	—	—	—	—	1	3
5.	बी. ए. बी. ड. प्रथम वर्ष	1	1	—	1	3	9	1	—	—	—	1	9
6.	बी. ए. बी. एड. द्वितीय वर्ष	—	1	1	—	—	10	—	—	—	—	1	9
7.	बी. ए. बी. एड. तृतीय वर्ष	—	—	—	—	—	19	—	1	—	—	1	1
8.	बी. ए. बी. एड. चतुर्थ वर्ष	1	—	—	—	1	16	—	—	—	—	3	—
9.	बी. एड. (विज्ञान)	1	—	—	—	3	15	5	—	2	1	10	3
10.	बी. एड. (वाणिज्य)	1	—	—	—	3	13	4	—	2	—	6	1
11.	बी. एड. (प्रारम्भिक शिक्षा)	—	—	1	—	1	11	3	1	2	—	9	—
12.	एम. एड.	1	—	—	—	6	13	—	—	—	—	—	1
	कुल	10	4	2	3	49	255	17	6	6	1	44	6

गुजरात और दादर नगर हवेली						गोआ, दमन और दीव						अन्य राज्य						विदेशी	कुल
अनुसूचित जाति		जन जाति		सामान्य		अ. जा.		ज.जा.		सामान्य		अ. जा.		ज. जा.		सामान्य			
बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालिका	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका		
1	-	-	-	-	9	-	-	-	-	1	4	-	-	-	-	-	-	-	91
-	-	-	-	3	7	-	-	-	-	-	3	-	-	-	-	-	-	-	82
-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	1	-	-	-	-	-	-	-	63
-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	1	-	-	-	-	-	-	-	44
-	1	-	-	1	8	-	-	-	-	4	4	-	-	-	-	3	6	-	50
-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	1	-	1	-	-	1	5	-	30
-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	1	-	-	-	-	2	6	0	31
-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	3	-	24
-	-	-	-	6	-	-	-	-	-	3	2	-	-	-	-	-	-	-	51
1	2	1	-	4	-	1	-	-	-	1	-	-	-	-	-	-	-	-	14
2	-	1	-	5	8	1	-	-	-	4	3	-	-	-	-	-	-	1	48
-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	21
14	3	2	-	21	27	2	-	-	-	10	20	-	1	-	-	6	20	1	575

1990-91

परीक्षाफल

1990-91 के शैक्षिक सत्र में क्षे.शि.म., भोपाल के विभिन्न पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों का परीक्षाफल तालिका 10.6 में दिया गया है।

तालिका 10.6

क्षे.शि.म., भोपाल के विभिन्न पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों का परीक्षाफल (1990)

कक्षा	*नामांक*	*परीक्षा में बैठे*	*उत्तीर्ण*	*उत्तीर्ण प्रतिशत*
बी.ए.बी.एड. प्रथम	36	31	29	94
बी.ए.बी.एड. द्वितीय वर्ष	31	31	28	.90
बी.ए. बी.एड. तृतीय वर्ष	24	25	21	84
बी.ए. बी.एड. चतुर्थ वर्ष	26	25	25	96
बी.एस.सी. बी.एड. प्रथम वर्ष	104	97	70	82
बी.एस.सी. बी. एड. द्वितीय वर्ष	64	64	60	94
बी.एस.बी. बी.एड तृतीय वर्ष	43	45	41	93
बी.एस.सी. बी.एड. चतुर्थ वर्ष	62	62	46	74
बी.एड (विज्ञान)	58	54	49	91
बी.एड. (वाणिज्य)	35	31	39	94
बी.एड. (प्रारंभिक शिक्षा)	35	31	39	94
एम. एड. (क्षे.शि.म.)	09	07	07	100
एम. एड. (प्रारंभिक शिक्षा)	10	09	08	89

कार्यशालाएं, बैठकें, अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रम

1990-91 में क्षे.शि.म., भोपाल ने विद्यालय शिक्षा और अध्यापक शिक्षा से संबंधित 19 कार्यशालाओं, बैठकों, अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। कार्यक्रमों का विस्तृत विवरण तालिका 10.7 में दिया गया है।

तालिका 10.7

1990-91 में क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भोपाल द्वारा आयोजित कार्यशालाएं, बैठकें/अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्रमांक	*शीर्षक*	*दिनांक*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1.	क्षेत्रीय समन्वयन समिति की बैठक	25 से 26 अप्रैल, 1990	भोपाल	14
2.	वाणिज्य में अभ्यास पुस्तिका (अंतिम रूप देने के लिए बैठक)	16 से 18 अप्रैल, 1990	भोपाल	5

क्रमांक	शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
3.	व्यावसायिक शिक्षा (कृषि) में अभिविन्यास कार्यक्रम	9 से 14 जुलाई, 1990	भोपाल	5
4.	गुजरात में अनौ. शिक्षा. और आंगनबाड़ी शिक्षा के पर्यवेक्षकों का अभिवन्यास	16 से 21 जुलाई 1990	अम्बाजी	35
5.	प्रारंभिक स्तर पर शिक्षण की नवाचार पद्धतियों में शीर्ष व्यक्तियों का अभिविन्यास	16 से 21 अगस्त, 1990	भोपाल	25
6.	अनुसंधान परियोजना के शीर्ष व्यक्तियों का व्यक्तियों का अभिविन्यास	29 अगस्त, 1990 3 से 5 सितंबर, 1990	पूणे	18
7.	क्षेत्रीय समन्वयन समिति की बैठक	1 से 2 सितंबर, 1990	भोपाल	14
8.	कम्प्यूटर शिक्षा में अभिविन्यास	3 से 8 सितंबर, 1990	भोपाल	17
9.	विज्ञान और सामाजिक अध्ययनों में शैक्षिक कार्यकलापों के विकास में शीर्ष व्यक्तियों का अभिविन्यास	10 से 12 सितंबर, 1990	भोपाल	16
10.	व्यावसायिक धारा में बिक्रीकारी पर अभ्यास पुस्तिका के विकास के लिए कार्यशाला	10 से 15 सितंबर, 1990	भोपाल	15
11.	जि.शि.प्र.सं. स्टाफ के लिए प्रबन्ध और पर्यवेक्षण में अभिविन्यास	19 से 25 सितंबर, 1990	भोपाल	28
12.	जनजातीय विद्यालयों में माध्यमिक स्तर पर रचना लेखन पर अभिविन्यास एवं कार्यशाला	29 सितंबर से 3 नवंबर, 1990	रायपुर	5
13.	घरेलू बिजली के कार्यानुभव में अध्यापकों को को प्रशिक्षण	24 से 29 नवंबर, 1990	भोपाल	17
14.	दमन संघ शासित क्षेत्र के विज्ञान अध्यापकों का अभिविन्यास	3 से 12 दिसम्बर, 1990	भोपाल	13
15.	जनजातीय खण्ड के विद्यालय अध्यापकों की बैठक	10 से 12 दिसम्बर, 1990	केसला	18

1990-91

क्रमांक	शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
16.	रसायनशास्त्र में मापदण्ड संदर्भित परीक्षा का विकास	7 से 12 जनवरी, 1991	भोपाल	17
17.	कक्षा अनुदेशों के लिए विज्ञान और गणित के अध्यापकों का अभिविन्यास	16 से 22 जनवरी, 1991	कोडागाँव	21
18.	घरेलू गजट में मध्य प्रदेश के जि.शि.प्र.सं. के अध्यापकों को प्रशिक्षण	28 जनवरी से 2 फरवरी, 1991		19
19.	महाराष्ट्रों के विद्यालय परिसर में प्रशासनिकों का अभिविन्यास	21 से 25 फरवरी, 1991	औरंगाबाद	28

कुछ कार्यक्रमों और कार्यकलापों की प्रमुख विशेषताएं

क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भोपाल द्वारा आयोजित कार्यक्रमों और कार्यकलापों को सामान्यतया तालिका 10.7 में दर्शाया गया है। तथापि कुछ कार्यक्रमों और कार्यकलापों की मुख्य विशेषताएं नीचे दी गई हैं:

— क्षे.शि.म., भोपाल ने दिनांक 25 से 26 सितंबर, 1990 तक मध्य प्रदेश के जि.शि.प्र.सं. के अध्यापक शिक्षकों के लिए जनसंख्या शिक्षा विषय पर 2 दिन का अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया इस अभिविन्यास कार्यक्रम में राज्यों के जि.शि.प्र.सं. में जनसंख्या शिक्षा की स्थिति पर चर्चा की गयी तथा मध्य प्रदेश में जनसंख्या शिक्षा के संवर्द्धन के लिए भावी रूपरेखा तैयार की गई।

— +2 स्तर पर व्यावसायिक शिक्षा के अन्तर्गत क्षे.शि.म., भोपाल ने विपणन और बिक्रीकारी की पद्धतियों पर अभ्यास-पुस्तिका तैयार की।

— एम.एड. विद्यार्थियों के लिए इन्टर्नशिप कार्यक्रम के अन्तर्गत होशंगाबाद जिले के कसेला ब्लॉक के अ.ज.जा. बच्चों की शिक्षा के स्तर और समस्याओं के अध्ययन के लिए एक छः दिवसीय कार्यक्रम 8 से 13 दिसम्बर, 1990 तक आयोजित किया गया।

— संघटित विद्यालयों में विभिन्न वर्गों के विकलांग बच्चों को शिक्षित करने के लिए संबंधित शिक्षक तैयार करने के लिए यूनिसेफ से सहायता प्राप्त पी.आई.ई.डी. बहु श्रेणी अध्यापक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम 22 जनवरी, 1990 को आयोजित किया गया। यह पाठ्यक्रम 13 मई, 1991 को पूरा हुआ। इस पाठ्यक्रम में मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात से 28 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया।

— क्षे.शि.म., भोपाल में वर्ष 1986 में कम्प्यूटर प्रकोष्ठ की स्थापना की गई। इस प्रकोष्ठ ने सी.बी.एल. (कम्प्यूटर आधारित अदिगम) पैकेज के प्रयोग के लिए गुजरात और मध्यप्रदेश के माध्यमिक स्तर के अध्यापकों के लिए आयोजित कार्यक्रम पर

एक पुस्तिका प्रकाशित की है। इस प्रकार का एक कार्यक्रम महाराष्ट्र, गोआ, दमन और दीव और दादर व नगर हवेली के अध्यापकों के लिए 3-9 सितंबर, 1990 तक आयोजित किया गया। कम्प्यूटर प्रकोष्ठ ने बी.एड. (विज्ञान) पाठ्यक्रम में कार्यानुभव के अन्तर्गत कम्प्यूटर शिक्षा विषय भी आरम्भ किया है। प्रकोष्ठ द्वारा बी.ए./बी.एस.सी.बी.ए. द्वितीय वर्ष की कक्षाओं के लिए ऐसा एक पाठ्यक्रम पहले से ही चलाया जा रहा है। क्षे.शि.म., भोपाल के कम्प्यूटर संसाधन केन्द्र ने भौतिकशास्त्र में एक सॉफ्टवेयर विकसित किया है। कम्प्यूटर प्रकोष्ठ ने जि.शि.प्र.सं. के कार्मिकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन हेतु पाठ्यक्रम भी तैयार किया है।

– क्षे.शि.म., भोपाल द्वारा नवोदय विद्यालय, सैनिक स्कूल बोर्ड, बोर्ड ऑफ आर्डिनेंस फैक्ट्री और भारतीय रिजर्व बैंक जैसे विभिन्न विद्यालयों/संगठनों के अध्यापकों/कार्मिकों के लिए विभिन्न सेवाकालीन पाठ्यक्रम आयोजित किए गए। इन पाठ्यक्रमों का इन संगठनों के अध्यापकों/कर्मचारियों ने बहुत स्वागत किया है।

प्रकाशन

1990-91 के दौरान शिक्षा महाविद्यालय भोपाल ने निम्नलिखित रिपोर्टें/पुस्तकें प्रकाशित कीं:

1. ऑरिएन्टेशन प्रोग्राम फॉर स्कूल लाइब्रेरिज ऑफ नवोदय विद्यालय—एक रिपोर्ट
2. दि घोटूल एण्ड इट्ज डायनेमिजम
3. वर्क-बुक इन जोगरफी
4. प्रोग्राम ड्यूरिंग सेवन्थ फाइव इयर प्लान (1985-90)
5. वर्कशाप फॉर दि डेवलपमेंट एण्ड प्रीपरेशन ऑफ टीचिंग एड्स इन फिजिक्स
6. ऑरिएन्टेशन प्रोग्रामज फॉर एजूकेशनली डिसएडवान्टेज
7. इन सर्विस एजूकेशन
8. एक्सपेरिमेंट एडीशन थ्योरी इन टू प्रेक्टिस एडवान्स ऑर्गेनाइजर मॉडल एण्ड कन्सेप्ट एटेनमेंट मॉडल इन टीचिंग ऑफ केमिस्ट्री
9. वर्कबुक इन ऑर्गेनाइजेशन ऑफ कॉमर्स फॉर क्लास-12
10. कम्प्यूटर बेसड लर्निंग पैकेज
11. एन ऑरिएंटेशन प्रोग्राम ऑफ वोकेशनल टीचर्स इन एग्रीकलचर (हार्टिकलचर) +2 स्टेज ऑफ वेसटर्न रीजन: 2 से 17 सितंबर, 1988

क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भुवनेश्वर

क्षे.शि.म., भुवनेश्वर जो उत्कल विश्वविद्यालय से संबद्ध है, द्वारा निम्नलिखित सेवा-पूर्व पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं और निम्नलिखित परीक्षाओं के लिए उम्मीदवार तैयार किए जाते हैं:

1. बी.ए. बी.एड. (4 वर्षीय समेकित पाठ्यक्रम) पास और ऑनर्स
2. बी.एस.सी. बी.एड. (4 वर्षीय समेकित पाठ्यक्रम) पास और ऑनर्स
3. बी.एड. (माध्यमिक) कला और विज्ञान (एक वर्षीय पाठ्यक्रम)
4. बी.एड. (वाणिज्य) (एक वर्षीय पाठ्यक्रम)
5. एम.एड. (एक वर्षीय पाठ्यक्रम)
6. एम.एस.सी. (जीव विज्ञान) शिक्षा (दो वर्षीय पाठ्यक्रम)
7. बी.एड. (प्रारंभिक) कला और विज्ञान (एक वर्षीय पाठ्यक्रम)
8. अध्यापकों के लिए बहुवर्गीय प्रशिक्षण (यूनिसेफ से सहायता प्राप्त आई.ई.डी. परियोजना)

नामांकन

1990-91 के शैक्षिक सत्र में विभिन्न सेवा-पूर्व पाठ्यक्रमों में हुए नामांकन का ब्यौरा तालिका 10.8 में दिया है:

1990-91

तालिका 10.8

क्षे.शि.म., भुवनेश्वर के 1990-91 के शैक्षिक सत्र में विभिन्न पाठ्यक्रमों का राज्यवार नामांकन

क्रमांक	पाठ्यक्रम	कुल	उड़ीसा	बिहार	पश्चिम बंगाल	असम	अन्य राज्य/ संघशासित क्षेत्र
1.	बी.एड. माध्यमिक विज्ञान	100	40	39	21	—	—
2.	बी.एड. माध्यमिक कला	60	27	22	8	1	2
3.	बी.एड. वाणिज्य	20	10	7	3	—	—
4.	बी.एड. प्रारम्भिक कला	10	5	4	1	—	—
5.	बी.एड प्रारंभिक विज्ञान	11	8	3	—	—	—
6.	बी.ए.बी.एड. भाग-1	57	15	11	11	2	18
7.	बी.ए.बी.एड. भाग-2	60	21	11	11	3	14
8.	बी.ए.बी.एड. भाग-3	64	27	08	13	4	12
9.	बी.ए.बी.एड. भाग-4	58	19	11	14	3	11
10.	बी.एस.सी.बी. एड. भाग-1	81	23	19	27	2	10
11.	बी.एस.सी.बी. एड. भाग-2	67	23	12	15	3	14
12.	बी.एस.सी.बी. एड. भाग-3	73	24	19	17	3	10
13.	बी.एस.सी.बी. एड. भाग-4	67	14	18	16	3	16
14.	एम.एस.सी. (प्राणी विज्ञान) एड भाग-1	19	5	1	—	—	13
15.	एम.एस.सी. (प्राणी विज्ञान) एड भाग-2	23	4	3	1	—	15
16.	एम.एड.	19	11	4	3	1	—
	कुल	789	276	192	161	25	135

परीक्षाफलः क्षे.शि.म., भुवनेश्वर द्वारा चलाए गए विभिन्न पाठयक्रमों में विद्यार्थियों का नामांकन तालिका 10.9 में दिया गया है।

तालिका 10.9

क्षे.शि.म., भुवनेश्वर द्वारा चलाए विभिन्न पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों का परीक्षाफल (1990)

क्रमांक	पाठ्यक्रम		परीक्षा में बैठे		उत्तीर्ण		उत्तीर्ण प्रतिशत		कुल उत्तीर्ण प्रतिशत	परीक्षा में बैठे अ.जा./अ.ज.जा.		उत्तीर्ण अ.जा./अ.ज.जा.	
			बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका		अ.जा.	ज.जा.	अ.जा.	ज.जा
1.	बी.ए.बी.एड.	भाग-1	11	48	11	46	100	95.83	96.61	4	2	4	2
		भाग-2	20	43	19	43	95	100	98.41	8	4	7	4
		भाग-3	31	28	30	27	96.77	96.42	96.61	4	5	4	4
		भाग-4	19	38	19	38	100		100	2	–	2	–
2.	बी.एस.सी.बी.एड.	भाग-1	29	46	26	35	.65	76.08	81.33	8	1	6	1
		भाग-2	24	49	19	45	.83	91.83	87.67	7	1	5	1
		भाग-3	34	33	28	33	100	100	91	7	1	6	
		भाग-4	30	41	30	41	100	100	100	9	–	9	–
3.	एम.एस.सी. (जीवविज्ञान)												
	एड.	भाग-1	5	18	5	18	100	100	100	3	–	3	–
		भाग-2	4	14	4	14	100	100	100	1	–	1	–
4.	एम.एड.		7	12	7	12	100	100	1	1	–	1	–
5.	बी.एड. एक वर्षीय		परीक्षाफल अभी प्रकाशित नहीं हुआ।										

1990-91

कार्यशालाएं, प्रशिक्षण/अभिविन्यास कार्यक्रम

क्षे.शि.म., भुवनेश्वर द्वारा विद्यालयी शिक्षा और अध्यापक शिक्षा संबंधी विभिन्न विषयों पर अनेक कार्यशालाएं और अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। वर्ष 1990-91 के दौरान महाविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रमों का विस्तृत विवरण तालिका 10.10 में दिया गया है।

तालिका 10.10

क्षे.शि.म., भुवनेश्वर द्वारा 1990-91 के दौरान आयोजित कार्यशालाएँ, प्रशिक्षण/अभिविन्यास कार्यक्रम।

क्रमांक	कार्यक्रमों का शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
1.	सामाजिक अध्ययन में केन्द्रीय तिब्बती विद्यालय के विद्यालय के अध्यापकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम (सी.टी.एस.ए. ने कार्यक्रम का आतिथ्य किया)	31 मार्च से 9 अप्रैल, 1990	क्षे.शि.म. भुवनेश्वर	33
2.	जीव विज्ञान में सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम (सैनिक स्कूल सोसाइटी, रक्षा मंत्रालय ने आतिथ्य किया)	30 अप्रैल से 19 मई, 1990	क्षे.शि.म.	31
3.	अंग्रेजी में सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम (सैनिक स्कूल सोसाइटी, रक्षा मंत्रालय ने आतिथ्य किया)	30 अप्रैल से 19 मई, 1990	क्षे.शि.म. भुवनेश्वर	39
4.	निदर्शन बहुउद्देशीय विद्यालयों के स्नातकोत्तर/स्नातक अध्यापकों के लिए प्रौद्योगिकी शिक्षा पर सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम (द्वितीय चरण)	28 मई से 16 जून, 1990	क्षे.शि.म.	10
5.	निदर्शन बहुउद्देशीय विद्यालयों के स्नातकोत्तर/स्नातक अध्यापकों के लिए शारीरिक शिक्षा पर सेवाकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (द्वितीय चरण)	28 मई से 16 जून, 1990	क्षे.शि.म. भुवनेश्वर	4
6.	एकीकृत शिक्षा पर अध्यापकों के अभिविन्यास	21 से 30 जून, 1990	क्षे.शि.म. भुवनेश्वर	35
7.	उड़ीसा के माध्यमिक विद्यालय के अध्यापकों के लिए शिक्षण-अधिगम कार्यकलापों में गुणात्मक सुधार के लिए गणित में संवर्धन कार्यक्रम।	26 फरवरी से 4 मार्च, 1991	क्षे.शि.म. भुवनेश्वर	21
8.	माध्यमिक स्तर पर भौतिक विज्ञान के शिक्षण पर शीर्ष व्यक्तियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम।	7 से 15 मार्च, 1991	बी.टी.सी. मिर्जा (असम)	20

1990-91

क्रमांक	कार्यक्रमों के शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
9.	योजना और प्रबन्धन प्रविधियों में माध्यमिक स्तर के प्रधानाध्यापकों के लिए प्रशिक्षण पैकेज के विकास पर कार्यशाला	7 से 13 सितंबर, 1990	सामान्य विद्यालय सिलचर (असम)	27
10.	योजना और प्रबन्धक प्रविधियों में बोर्ड/राज्य शै.अ.प्र.प. के कार्मिकों/शिक्षा निदेशकों के लिए प्रशिक्षण पैकेज के विकास पर कार्यशाला	7 से 13 सितंबर, 1990	क्षे.शि.म. भुवनेश्वर	10
11.	माध्यमिक विद्यालयों में मूल्याभिमुख शिक्षा के आयोजन के लिए दिशा निर्देशों के विकास पर कार्यशाला	17 से 23 दिसंबर, 1990	क्षे.शि.म. भुवनेश्वर	11
12.	जीव प्रौद्योगिक विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रयोजित, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा प्रायोजित अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्तियों का अभिविन्यास	18 से 22 फरवरी, 1991	क्षे.शि.म. भुवनेश्वर	6
13.	+2 जीवविज्ञान अध्यापकों के लिए अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम (जीव प्रौद्योगिकी विभाग, म.सं.वि.म. भारत सरकार द्वारा प्रायोजित रा.शै.अ.प्र.प. ने आतिथ्य किया)	27 मार्च से 16 अप्रैल, 1991	क्षे.शि.म. भुवनेश्वर	11
14.	पूर्वी क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक/+2 अध्यापकों के लिए गणित में संर्वधन कार्यक्रम	21 से 31 दिसम्बर, 1990	डेविड हारे ट्रेनिंग कालेज कलकत्ता	10
15.	प्रारम्भिक स्तर के अ.जा./अ.जा.बच्चों की भाषा समस्याओं को पहचानने के लिए पश्चिमी बंगाल के अ.जा./ज.जा. अध्यापकों के लिए कार्यशाला	10 से 14 जनवरी, 1991	शिक्षा चर्चा जूनियर बेसिक ट्रेनिंग इंस्टीच्यूट	22
16.	विद्यालयों के विकास कार्यक्रम में प्रतिभागिता हेतु उड़ीसा के अ.ज.ा/ज.जा. अध्यापकों के लिए कार्यशाला	21 से 28 जनवरी, 1991	राजकीय उच्च विद्यालय मोहाना (उड़ीसा)	37
17.	प्रारंभिक स्तर पर अ.जा/अ.ज.जा. के बच्चों की भाषा समस्या को पहचानने हेतु मेघालय के अ.जा./अ.ज.जा. के अध्यापकों के लिए कार्यशाला	26 फरवरी से 2 मार्च, 1991	पी.जी.टी. कालेज शिलांग	13
18.	म.सं.वि.म. द्वारा अनौ.शि. अनुदान पाने वाले स्वैच्छिक संगठनों में प्रशिक्षुओं के लिए अभिविन्यास।।	25 से 29 मार्च, 1991	क्षे.शि.म., भुवनेश्वर	23

1990-91

क्रमांक	कार्यक्रमों का शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
19.	उड़ीसा के अध्यापक शिक्षकों के लिए जनसंख्या शिक्षा में प्रशिक्षण कार्यक्रम	12 नवंबर से 13 नवंबर 1990	क्षे.शि.म., भुवनेश्वर	21
20.	समाजवाद, धर्मनिर्पेक्षता, राष्ट्रीय एकता जैसी संकल्पनाओं के अन्तर्भाव को मद्दे नजर रखते हुए उत्तर पूर्वी क्षेत्रों के माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा के 18 बोर्डों के कक्षा 10 और 12 सार्वजनिक परीक्षा, 1990 के इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, अंग्रेजी, भाषा आदि विषय-क्षेत्रों के प्रश्न पत्रों का मूल्यांकन	जनवरी से मार्च, 1991	क्षे.शि.म., भुवनेश्वर	

कुछ कार्यक्रमों और कार्यकलापों की मुख्य विशेषताएं

क्षे.शि.म., भुवनेश्वर द्वारा आयोजित कार्यक्रमों और कार्यकलापों को सामान्यतः तालिका 10.10 में दर्शाया गया है तथापि, कुछ कार्यक्रमों और कार्यकलापों की मुख्य विशेषताएं नीचे दी गयी हैं:

— शैक्षिक सत्र 1990-91 के लिए एक वर्षीय बहुवर्गीय अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन उड़ीसा, नागालैंड और मिज़ोरम राज्यों के सेवाकालीन अध्यापकों के लिए क्षे.शि.म., भुवनेश्वर द्वारा किया गया। कार्यक्रम में 14 उम्मीदवारों (उड़ीसा से 10, नागालैंड से 3 और मिज़ोरम से 1) ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में सात सैद्धान्तिक-पत्र थे जिनमें विकलांगता के 5 क्षेत्रों, अर्थात, मन्द बुद्धि, सीखने में असमर्थता, दृष्टिहीनता, बधिरता और शारीरिक विकलांगता और दो पत्रों व्यावहारिक कौशल और अभ्यास-शिक्षण को शामिल किया गया।

— बी.ए. और बी.एड. के लिए वाणिज्य के व्यावसायिक क्षेत्रों में प्रशिक्षण सहित कलाओं में अध्यापक शिक्षा के चार-वर्षीय समेकित कार्यक्रम में अंग्रेजी में आनर्स का प्रावधान है। विद्यार्थी इतिहास, राजनीति शास्त्र, भूगोल, अर्थशास्त्र, उड़िया/हिन्दी/बंगाली में से पास विषय के रूप में कोई दो विषय ले सकते हैं। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों को अंग्रेजी आधुनिक भारतीय भाषा (उड़िया/हिन्दी/बंगाली, वैकल्पिक अंग्रेजी) और शिक्षा को अनिवार्य विषय के रूप में लेना होगा।

— क्षे.शि.म., भुवनेश्वर के वक्तागण पूर्वी क्षेत्र में स्थिति संस्थानों/संगठनों को परामर्श सेवाएं प्रदान करते हैं।

क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, मैसूर

क्षे.शि.म., मैसूर द्वारा बी.एस.सी.एड. डिग्री के लिए विज्ञान शिक्षा में 4 वर्षीय समेकित पाठ्यक्रम, बी.ए.एड. डिग्री के लिए अंग्रेजी शिक्षा में चार वर्षीय समेकित पाठ्यक्रम, एक वर्षीय बी.एड. पाठ्यक्रम, एक वर्षीय एम.एड. पाठ्यक्रम और रसायनशास्त्र, गणित और भौतिकशास्त्र में दो वर्षीय एम.एस.सी.एड. पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं।

नामांकन

क्षे.शि.म., मैसूर द्वारा चलाए गए शैक्षिक सत्र 1990-91 के दौरान सेवापूर्ण पाठ्यक्रमों को तालिका 10.11 में दिखाया गया है।

तालिका 10.11

वर्ष 1990-91 में क्षेत्रीय महाविद्यालय, मैसूर में सेवा-पूर्व पाठ्यक्रमों में नामांकन

क्रमांक	पाठ्यक्रम	आ. प्र.		त.ना.		केरल		कर्नाटक		स.शा.क्षे.		उड़ीसा		अ.जा.		अ.ज.जा.		सामान्य		कुल		कुल योग
		बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	
1.	बी.एस.सी.शि.																					
	प्रथम वर्ष	9	11	6	12	5	4	3	12	-	-	-	-	1	4	1	-	21	35	23	39	62
	द्वितीय वर्ष	19	9	-	10	2	10	4	11	1	-	-	-	-	2	-	-	17	47	17	49	66
	तृतीय वर्ष	8	7	2	10	1	6	1	12	3	2	-	-	1	-	-	-	11	35	15	37	52
	चतुर्थ वर्ष	8	11	2	23	3	8	1	9	1	-	-	-	1	-	-	-	14	50	15	51	66
2.	बी. ए. शि.																					
	प्रथम वर्ष	2	8	-	9	1	3	1	6	-	1	-	-	1	2	1	4	02	21	04	27	31
	द्वितीय वर्ष	3	8	11	2	5	2	7	-	-	-	-	-	1	5	-	-	06	26	07	31	38
	तृतीय वर्ष	5	6	2	10	1	6	2	6	-	1	-	-	2	3	1	1	07	25	10	29	39
	चतुर्थ वर्ष	1	3	-	10	3	3	2	4	-	-	-	-	1	2	-	-	06	18	07	20	27
3.	बी. एड. एक वर्षीय	13	7	10	9	3	6	5	9	1	-	-	-	4	2	1	1	27	28	32	31	63
4.	एम. एड. प्रथम वर्ष	3	2	1	-	1	1	7	6	-	1	-	-	1	1	-	-	11	09	12	10	22
5.	एम. एस. सी. शि.																					
	भौतिक शास्त्र																					
	प्रथम वर्ष	4	-	5	3	1	2	12	-	-	3	1	-	-	-	-	-	14	08	14	08	22
	द्वितीय वर्ष	4	-	1	2	1	4	1	-	-	-	1	-	-	-	-	-	08	06	08	06	14
	रसायन शास्त्र																					
	प्रथम वर्ष	8	2	2	3	-	-	3	1	-	-	2	2	-	-	-	-	15	08	15	06	23
	द्वितीय वर्ष	2	2	5	4	-	2	-	-	-	-	1	3	2	-	-	-	06	11	08	11	19
	गणित																					
	प्रथम वर्ष	3	6	1	3	1	2	3	1	-	-	-	-	1	-	-	-	07	12	08	12	20
	द्वितीय वर्ष	6	8	1	1	-	2	-	1	-	-	-	-	-	-	-	-	07	12	07	12	19
	कुल	98	90	39	120	25	64	36	87	6	5	6	7	16	21	8	8	179	351	202	381	583

1990 के दौरान क्षे.शि.म. मैसूर द्वारा चलाए गए विभिन्न पाठ्यक्रमों का परीक्षाफल

तालिका 10.12

क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय मैसूर द्वारा चलाए गए विभिन्न पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों का परीक्षाफल

पाठ्यक्रम	परीक्षा में बैठे विद्यार्थियों की संख्या			कुल उत्तीर्ण			उत्तीर्ण प्रतिशत		उत्तीर्ण प्रतिशत	परीक्षा में बैठे अ.जा./ ज.जा. विद्यार्थियों की संख्या		परीक्षा में बैठे अ.जा./ज.जा. के उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या	
	बालक	बालिका	कुल	बालक	बालिका	कुल	बालक	बालिका		अ.जा.	ज.जा.	अ.ज.	ज.जा.
बी.एस.सी. शि.	18	41	59	13	31	44	72	76	74.5	3	—	1	—
बी. ए. शि.	07	21	28	06	21	27	87	100	96.5	-	2	—	2
बी. एड.	36	33	69	31	33	64	86	100	92.6	6	—	5	—
एम. एस. सी. शि.													
भौतिक शास्त्र	07	09	16	04	04	08	57	44	50.0	—	—	—	—
रसायनशास्त्र	06	18	24	05	15	20	83	83	87.5	1	—	1	—
गणित	06	10	16	05	10	15	83	100	93.7	—	—	—	—

कार्यशालाएं/बैठकें/अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्षे.शि.म., मैसूर द्वारा विद्यालय शिक्षा और अध्यापक शिक्षा संबंधी विभिन्न विषयों पर कई अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं/बैठकें आयोजित कीं। कार्यक्रमों का विस्तृत विवरण तालिका 10.13 में दिया गया है।

तालिका 10.13

वर्ष 1990-91 में क्षे.शि.म., मैसूर द्वारा आयोजित कार्यशालाएं, बैठकें अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
1.	प्रारंभिक अध्यापक प्रशिक्षण संस्थान (जि.शि.प्र.सं.) का शीर्ष व्यक्तियों के लिए सतत् और व्यापक मूल्यांकन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	18 से 25 मार्च, 1991	क्षे.शि.म., मैसूर	33
2.	चार क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों के निदर्शन बहुउद्देशीय विद्यालयों और केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अन्य विद्यालयों में कार्यरत विज्ञान के टी.जी.टी. के लिए सेवाकालीन प्रशिक्षण	14 मई से 2 जून, 1990	क्षे.शि.म., मैसूर	12
3.	चार क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यलयों के निदर्शन बहुद्देशीय विद्यालयों और केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अन्य विद्यालयों में कार्यरत टी.जी.टी. के लिए गणित में सेवाकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	14 मई से 2 जून, 1990	क्षे.शि.म., मैसूर	12
4.	समस्या समाधान प्रविधियों में "लोगो" पर भारत में कम्प्यूटर शिक्षा में कार्यशाला	2 से 13 जुलाई, 1990	क्षे.शि.म., मैसूर	11
5.	सैनिक विद्यालों और चार क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों के निदर्शन बहुउद्देशीय विद्यालयों के +2 अध्यापकों के लिए रसायनशास्त्र में सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम	21 मई से 9 जून, 1990	सैनिक विद्यालय त्रिवेन्द्रम	36
6.	सैनिक विद्यालयों और चार क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों के निदर्शन बहुउद्देशीय विद्यालयों के +2 अध्यापकों के लिए भौतिकशास्त्र में सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम	11 से 30 जून, 1990	क्षे.शि.म., मैसूर	29

1990-91

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
7.	अंग्रेजी टेक्सट बुक के प्रयोग में केरल के के.मा.शि. बो. अंग्रेजी के अध्यापकों (+2) के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	19 से 24 नवंबर, 1990	क्षे.शि.म., मैसूर	18
8.	माध्यमिक विद्यालयों के लिए रसायनशास्त्र में प्रयोगों पर पुस्तिका तैयार करने के लिए कार्यशाला	27 दिसंबर से 5 जनवरी 1991	क्षे.शि.म., मैसूर	11
9.	केरल राज्य के +2 अध्यापकों के लिए भौतिकशास्त्र, रसायनशास्त्र और जीव-विज्ञान में अभिविन्यास कार्यक्रम	7 से 10 जून, 1991	क्षे.शि.म., मैसूर	60
10.	+2 स्तर पर गणित में रा.शै.अ.प्र.प. की नई पुस्तिकों के शिक्षण के लिए के.मा.शि. बोर्ड के संबंध विद्यालयों के उच्चतर माध्यमिक अध्यापकों के लिए विशेष अभिविन्यास कार्यक्रम	21 जनवरी से 2 फरवरी, 1991	क्षे.शि.म., मैसूर	12
11.	राष्ट्रीय एकता की दृष्टि से माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक (+2) शिक्षा बोर्डों के प्रश्नपत्रों के विश्लेषण पर कार्यशाला	25 से 29 मार्च, 1991	क्षे.शि.म., मैसूर	50
12.	कर्नाटक के टी.टीआई. के अध्यापक शिक्षणों को ऑडियो आधारित सामग्री के विकास के लिए प्रशिक्षण हेतु कार्यशाला	14 से 19 जनवरी, 1991	क्षे.शि.म., मैसूर	9
13.	कथा सुनाने की कला से संबंधित ऑडियो सामग्री विकसित करने के लिए कार्यशाला	11 से 16 फरवरी, 1991	क्षे.शि.म., मैसूर	34
14.	माध्यमिक स्तर पर विज्ञान शिक्षकों के लिए वैज्ञानिकों के आलेख (ऑडियो) विकसित करने के लिए कार्यशाला	28 से 30 मार्च, 1991	क्षे.शि.म., मैसूर	11
15.	अध्यापक-शिक्षकों के लिए मूल्य-शिक्षा पर पुस्तिका का विकास के लिए कार्यशाला	6 से 11 अगस्त, 1990	क्षे.शि.म., मैसूर	33
16.	दक्षिणी क्षेत्र के जि.शि.प्र.सं. के आई.एफ.आई.सी. शाखा से संबधित संकाय के लिए प्रारंभिक स्तर का प्रशिक्षण कार्यक्रम	27 नवंबर से 10 दिसंबर, 1990	क्षे.शि.म., मैसूर	36

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
17.	बी.एस.सी./बी.ए.एड. के चतुर्थ वर्ष के विद्यालयों के इन्टर्न-शिप कार्यक्रम से संबंधित प्री-इन्टर्नशिप सम्मेलन	11 से 13 जुलाई, 1990	क्षे.शि.म., मैसूर	39
18.	एक वर्षीय बी.एड. के विद्यार्थियों के इन्टर्नशिप कार्यक्रम से संबद्ध प्रधानध्यापकों और अध्यापकों का प्री. इन्टर्नशिप सम्मेलन	24 से 26 दिसंबर, 1990	क्षे.शि.म., मैसूर	15
19.	राज्य स्तर की शैक्षिक आवश्यकताओं पर विचार करने के लिए दक्षिणी क्षेत्र के क्षेत्रीय सलाहकारों की क्षेत्रीय समन्वयन सीमित की बैठक	8 जून, 1990	क्षे.शि.म., मैसूर	13
20.	क्लास परियोजना के अन्तर्गत बंबई और कटक के संबंधित विद्वानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	11 से 30 जून, 1990	क्षे.शि.म., मैसूर	4

कुछ कार्यक्रमों और कार्यकलापों की मुख्य विशेषताएं

क्षे.शि.म., मैसूर द्वारा आयोजित कार्यक्रमों और कार्यकलापों को सामान्यतया तालिका 10.13 में दर्शाया जाता है, तथापि कुछ कार्यक्रमों और कार्यकलापों की मुख्य विशेषताओं को नीचे दिया गया है।

- क्षे.शि.म., मैसूर के शैक्षिक प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ ने दक्षिणी क्षेत्र में हाल ही में स्थापित जि.शि.प्र.सं. को लक्ष्य समूह के रूप में रखते हुए प्राथमिक अध्यापक प्रशिक्षण स्तर पर शिक्षण में सुधार को अपने कार्यक्रमों और कार्यकलापों का केन्द्र मानकर शैक्षिक प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपने कार्य को तेजी से जारी रखा। प्रकोष्ठ ने क्षे.शि.म., मैसूर द्वारा आयोजित विभिन्न सेवाकालीन और सेवा-पूर्व कार्यक्रमों को शैक्षिक दूरदर्शन की सुविधाएं भी प्रदान कीं।
- क्षे.शि.म., मैसूर ने क्लास परियोजना के अन्तर्गत संबंधित विद्वानों के लिए कम्प्यूटर साक्षरता में तीन सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का कार्य जारी रखा। अध्यापकों और अध्यापक-शिक्षकों के लिए 2-13 जुलाई 1990 को समस्या समाधान प्रविधि में लोगों पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। क्षे.शि.म., मैसूर के कम्प्यूटर शिक्षा केन्द्र द्वारा विकसित दो कम्प्यूटर सॉफ्टवेयरों, शीर्षक (क) मैट्रीसिज पर बैकेज और (ख) मापन यंत्र, को क्लास परियोजना विद्यालयों में भेजने के लिए चुना गया।
- क्षे.शि.म., मैसूर ने अपने कुछ कार्यों विशेषकर लेखा और प्रवेश संबंधी कार्यों के कम्प्यूटरीकरण में भी सराहनीय कार्य किया है। समसामयिक पत्रिकाओं और विभिन्न पत्रिकाओं के उपलब्ध खण्डों संबंधी कार्य के कम्प्यूटरीकरण के लिए महाविद्यालय के पुस्तकालय में पी.सी.-एक्स.टी. कम्प्यूटर की व्यवस्था है।
- क्षे.शि.म., मैसूर ने "रसायनशास्त्रीय प्रयोगों पर पुस्तिका" तैयार करने और माध्यमिक विद्यालयों में इसकी प्रभावशीलता परखने

के लिए एक विकासात्मक कार्य प्रारंभ किया है। साधारण तथा स्थानीय रूप से उपलब्ध संसाधनों का प्रयोग करते हुए प्रयोगों का एक सेट विकसित किया गया और इनका परीक्षण किया गया। इसके परिणामस्वरूप "रसायनशास्त्री प्रयोगों पर पुस्तिका" तैयार की गई है।

– क्षे.शि.म., मैसूर को राष्ट्रीय अखण्डता और समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता और लोकतन्त्र की संवैधानिक प्रतिभा को मद्देनज़र रखते हुए चार दक्षिणी राज्यों के माध्यमिक परीक्षा बोर्डों के प्रश्न-पत्रों के विश्लेषण संबंधी एक परियोजना भी दी गई। प्रश्न पत्रों के विश्लेषण का कार्य 25 से 29 मार्च 1991 तक आयोजित एक कार्यशाला में किया गया और विश्लेषण-रिपोर्ट तैयार की गई।

– क्षे.शि.म., मैसूर द्वारा भौतिकी, रसायनशास्त्र और चिकित्सा के क्षेत्र में नोबल पुरस्कार पाने वाले कुछ सुप्रसिद्ध वैज्ञानिकों के जीवन और कार्य पर श्रव्य आलेख विकसित किए गए। इन श्रव्य आलेखों का माध्यमिक स्तर पर विज्ञान-शिक्षण में प्रयोग किए जाने वाले श्रव्य कार्यक्रमों के रूप में विकसित किया जाएगा।

– अध्यापक शिक्षकों के लिए "मूल्य शिक्षा पर पुस्तिका" को अन्तिम रूप दिया जा रहा है। क्षे.शि.म. के संकाय ने दक्षिणी क्षेत्र में हाल ही में स्थापित जि.शि.प्र.सं. की विभिन्न शाखाओं में कार्य कर रहे संकाय के लिए प्रारंभिक स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया। जि.शि.प्र.सं. के आई.एफ.आई.सी. संकाय के लिए प्रारंभिक स्तर के प्रशिक्षण के लिए 8 पाठविधियों का एक प्रशिक्षण पैकेज भी विकसित किया और कार्यक्रम के प्रतिभागियों को दिया गया।

– सेवाकालीन और विस्तार-प्रशिक्षण की राज्य स्तरीय शैक्षिक आवश्यकताओं पर विचार करने के लिए जून 1990 को फील्ड सलाहकारों की क्षेत्रीय समन्वयन समिति की एक दिवसीय बैठक आयोजित की गई।

सेवाकालीन अध्यापक-प्रशिक्षण के आयोजन के अतिरिक्त, क्षे.शि.म., मैसूर इस क्षेत्र के चुने हुए माध्यमिक विद्यालयों के साथ मिलकर कार्य करता है। ये विद्यालय, महाविद्यालय के सेवा-पूर्व पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों के इन्टर्नशिप संयोजन के लिए सहयोगी विद्यालयों के रूप में सम्बद्ध हैं। सहयोगी विद्यालयों को सुदृढ बनाने की योजना के अन्तर्गत, महाविद्यालय प्रत्येक विद्यालय को हर वर्ष 1000 रू. मूल्य के रा.शै.अ.प्र.प. के अद्यतन प्रकाशन प्रदान करता है।

निदर्शन बहुउद्देशीय विद्यालय

प्रत्येक क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय के साथ एक निदर्शन बहुउद्देशीय विद्यालय संबद्ध है। क्षे.शि.म. विद्यालय द्वारा चलाए जाने वाले विभिन्न अध्यापक-शिक्षा पाठ्यक्रमों में पंजीकृत अध्यापक प्रशिक्षुक क्षे.शि.म. के निदर्शन बहुउद्देशीय विद्यालयों में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। विद्यालयी शिक्षा और अध्यापक शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार प्रयोगों के परीक्षण के लिए, ये विद्यालय प्रयोगशालाओं के रूप में काम करते हैं।

नामांकन

1990-91 में विभिन्न निदर्शन बहुद्देशीय विद्यालयों में हुए नामांकन का विवरण तालिका 10.14 से 10.17 में दिया गया है।

तालिका 10.14

क्षे.शि.म. अजमेर के निदर्शन बहु उद्देशीय विद्यालयों में 1990-91 सत्र के दौरान नामांकन (कक्षावार)

कक्षा	नामांकन						
	अ. जा.		अ. ज. जा.		सामान्य		कुल
	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	
पहली	5	1	2	–	28	9	37
दूसरी	4	–	–	–	31	7	38
तीसरी	–	–	1	1	23	14	37
चौथी	5	1	–	–	37	11	48
पाँचवीं	3	2	–	–	32	12	44
छठी	5	1	1	–	66	20	86
सातवीं	3	–	–	–	89	17	106
आठवीं	–	–	–	–	67	11	78
नौवीं	6	–	–	–	100	15	115
दसवीं	4	–	1	–	101	18	119
ग्यारहवीं	1	–	–	–	78	23	101
बारहवीं	–	–	–	–	77	21	98
कुल	36	5	5	1	729	178	907

तालिका 10.15

क्षे.शि.म., भोपाल के निदर्शन बहु उद्देशीय विद्यालयों में 1990-91 सत्र के दौरान नामांकन (कक्षावार)

कक्षा	नामांकन		
	कुल	अ. जा.	अ. ज. जा.
पहली	77	14	09
दूसरी	84	13	06
तीसरी	76	11	06
चौथी	76	14	03
पाँचवीं	73	06	02

1990-91

कक्षा	नामांकन		
	कुल	अ. जा.	अ. ज. जा.
छठी	104	15	13
सातवी	75	19	02
आठवीं	77	10	05
नौवीं	74	08	01
दसवीं	77	01	01
ग्यारहवीं	62	01	01
बारहवीं	41	01	01
ग्यारहवीं आशुलिपि	15	01	00
इलैक्ट्रानिक्स	11	—	—
बारहवी आशुलिपि	14	—	—
इलैक्ट्रानिक्स	04	—	—
कुल	940	114	51

तालिका 10.16

क्षे.शि.म., भुवनेश्वर से संबद्ध बहु उद्देशीय विद्यालयों में 1990-91 के दौरान विद्यार्थियों का नामांकन (कक्षावार)

कक्षा	नामांकन						
	अ. जा.		अ. ज. जा.		सामान्य		कुल
	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	
पहली	9	4	5	2	30	21	71
दूसरी	8	4	5	2	230	21	71
तीसरी	3	2	2	—	50	31	88
चौथी	3	3	2	1	40	35	84
पाँचवां	8	6	3	1	70	40	128
छठी	4	3	2	1	70	57	137
सातवीं	3	4	2	—	68	50	127
आठवी	5	4	2	1	80	42	134
नौवीं	2	1	—	—	70	42	115
दसवीं	4	2	—	—	70	45	121
ग्यारहवीं	3	2	1	—	60	34	100
बारहवी	3	1	1	—	60	36	101
कुल	55	37	23	7	703	463	1288

तालिका 10.17

क्षे.शि.म., मैसूर के बहु उद्देशीय विद्यालयों में 1990-91 के दौरान नामांकन (कक्षावार)

कक्षा	नामांकन						
	अ. जा.		अ. ज. जा.		सामान्य		कुल
	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	
पहली	5	4	2	–	45	32	88
दूसरी	4	6	–	–	38	35	83
तीसरी	2	6	1	1	45	37	92
चौथी	9	10	2	1	40	31	93
पाँचवीं	4	6	–	1	40	39	90
छठी	9	–	–	–	38	44	91
सातवीं	14	3	–	–	33	36	86
आठवीं	5	1	–	–	53	20	79
नौवीं	3	2	1	–	46	31	83
दसवीं	2	2	3	2	43	38	90
ग्यारहवीं विज्ञान	1	–	–	–	18	07	26
ग्यारहवीं ओ.एम.एस.पी.	–	1	–	1	08	10	20
ग्यारहवीं मानविकी	2	–	–	–	10	11	23
ग्यारहवीं बी. ई. टी.	–	–	–	–	–	07	07
बारहवीं विज्ञान	–	1	–	–	11	08	20
बारहवीं ओ. एम. एस. पी.	–	1	–	–	04	07	12
बारहवीं मानविकी	–	–	–	–	06	07	13
कुल	60	43	09	06	478	400	996

1990-91

परीक्षाफल: शैक्षिक सत्र 1990-91 के बोर्ड के परीक्षाफल को तालिका 10.18 से 10.21 मे दिए गए.

तालिका 10.18

1990 का परीक्षाफल (नि.ब.वि. अजमेर)

कक्षा	*परीक्षा में बैठे कुल छात्र*	*उत्तीर्ण*	*पूरक*	*उत्तीर्ण प्रतिशत*
दसवीं	99	85	6 और 5 कम्पार्टमेंट परीक्षा 1990 में उत्तीर्ण	91
बारहवीं (विज्ञान)	41	30	4 और 3 कम्पार्टमेंट परीक्षा 1990 में उत्तीर्ण	85
बारहवीं (मानविकी)	82	31	1 और 1 कम्पार्टमेंट परीक्षा 1990 में उत्तीर्ण	100
बारहवीं (वाणिज्य)	17	15	2 और 2 कम्पार्टमेंट परीक्षा 1990 में उत्तीर्ण	100
बारहवीं (व्यवसाय)	7	2	4 और 4 कम्पार्टमेंट परीक्षा 1990 में उत्तीर्ण	86

तालिका 10.19

1990 का परीक्षाफल (नि.ब.वि., भोपाल)

कक्षा	*परीक्षा में बैठे कुल छात्र*	*उत्तीर्ण*	*उत्तीर्ण प्रतिशत*
दस	79	73	92.4
बारह	64	62	97

तालिका 10.20

1990 का परीक्षाफल (नि.ब.वि., भुवनेश्वर)

कक्षा	परीक्षा में बैठे कुल छात्र	उत्तीर्ण	पूरक	उत्तीर्ण प्रतिशत
बारहवीं (विज्ञान)	41	28	08	68.2
बारहवीं (मानविकी)	14	12	1	85.7
बारहवीं (वाणिज्य)	17	13	3	76.4
बारहवीं (व्यवसाय)	17	8	4	47

तालिका 10.21

1990 का परीक्षाफल (नि.ब.वि., मैसूर)

कक्षा	परीक्षा में बैठे छात्र	उत्तीर्ण	पूरक	उत्तीर्ण प्रतिशत
दसवीं	85	80	5	94
बारहवीं (विज्ञान)	20	20	—	100
बारहवीं (मानविकी)	14	12	2	85
बारहवीं (ओ. एस. एस. पी.), व्यवसाय	14	13	1 (अनुपस्थित)	93
बारहवीं (बी. ई. टी.)	18	के. मा. शि. बो. से परीक्षाफल की प्रतीक्षा है।		

1990-91

ग्यारह

परीक्षा सुधार, प्रतिभा खोज, शैक्षिक सर्वेक्षण और आंकड़ा प्रक्रियन

रा.शै.अ.प्र.प. मापन, मूल्यांकन, प्रतिभा खोज, शैक्षिक सर्वेक्षण और आंकड़ा प्रक्रियन संबंधी विभिन्न कार्यकलाप करती है। 1990-91 में राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान के मापन, मूल्यांकन, सर्वेक्षण और आंकड़ा प्रक्रियन विभाग (डी.एम.ई.एस.डी.पी.) के कुछ मुख्य कार्यकलाप ये थे—शैक्षिक मूल्यांकन के लिए नवाचार कार्यनीतियों का विकास, शिक्षा के विद्यालयी स्तर पर परीक्षा में सुधार के लिए अनुसंधान और विकास कार्य राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन, जवाहर नवोदय विद्यालयों में प्रवेश हेतु विद्यार्थियों का चयन, शैक्षिक नियोजन और कंप्यूटरीकरण के लिए आंकड़ा आधार प्रदान करने हेतु शैक्षिक सर्वेक्षण करना तथा विभिन्न शोध परियोजनाओं और शैक्षिक सर्वेक्षणों से सम्बन्धित आंकड़ों का प्रक्रियन। विभाग अपने क्रियाकलाप राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों के माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा विभागों/निदेशालयों और परिषदों के सहयोग से चलाते आ रहे हैं।

इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि अध्ययन-अध्यापन के विकास के लिए मूल्यांकन एक सुदृढ़ तंत्र है तथा शिक्षार्थियों, अध्यापकों एवं अभिभावकों के हित में प्रभावशाली प्रतिपुष्टि व्यवस्था है। आलोच्य वर्ष में मा.मू.स.आ.प्र. विभाग ने परीक्षा सुधार और मूल्यांकन पद्धतियों के उन्नयन संबंधी विभिन्न कार्यकलाप किए।

1990-91 में मा.मू.स.आ.प्र. विभाग द्वारा किए गए कार्यकलापों की कुछ विशिष्टताएँ निम्नलिखित हैं:

- 21 से 23 अगस्त, 1990 तक रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली में माध्यमिक तथा उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष तथा सचिवों के सम्मेलन का आयोजन। अन्य बातों के साथ-साथ, सम्मेलन में परीक्षा की विश्वसनीयता एवं वैधता में सुधार करने के लिए प्रश्नों, प्रश्नपत्रों एवं प्रश्न का उत्तर देने की पद्धति आदि में और सुधार लाने के उपायों पर चर्चा की गई। श्रेणीकरण एवं क्रम देने की शुरुआत करना एवं व्यापक तथा निरन्तर मूल्यांकन की शुरुआत, परीक्षा परिणामों के कंप्यूटरीकरण संबंधी मुद्दे तथा परीक्षाओं में प्रतिपुष्टि अभ्यासों के लिए कंप्यूटर आधारित विश्लेषण तथा परीक्षाओं में भ्रष्टाचार का उन्मूलन।
- विद्यालय स्तर पर विभिन्न पाठ्यचर्या क्षेत्रों से संबंधित शिक्षण

परिणामों के मूल्यांकन के लिए यूनिट-परीक्षणों तथा अन्य साधनों का विकास तथा परीक्षण।

– आने वाली मूल्यांकन पद्धतियों जैसे—खुली पुस्तक परीक्षा, मौखिक परीक्षा तथा परियोजना कार्य जो वर्तमान परीक्षाओं के विकल्प बन सकते हैं, में गणित तथा विज्ञान के लिए मूल्यांकन सामग्री का विकास।

प्रशिक्षण/ विस्तार कार्यक्रम

मा.मू.स.आं.प्र. विभाग ने माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्डों के कार्मिकों के लिए निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम किए:

– माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, मध्य प्रदेश ने रा.शै.अ.प्र.प. की पाठ्यपुस्तकों के आधार पर कक्षा नौ के लिए संशोधित पाठयपुस्तकों का विकास किया। ये पाठ्यपुस्तकें वर्ष 1990-91 से निर्धारित की गई। कक्षा 9 के लिए यूनिट परीक्षण का एक नमूना तैयार किया गया।

इसी संदर्भ में धारा में 26 से 31 जुलाई, 1990 तक माध्यमिक शिक्षा बोर्ड मध्य प्रदेश के सहयोग से शैक्षिक मूल्यांकन में एक छः दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

– परीक्षा में वैकल्पिक मूल्यांकन पद्धति पर अध्यापकों तथा अध्यापक-प्रशिक्षकों के लिए रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली में 29 अक्तूबर से 7 दिसम्बर, 1990 तक एक दस-दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, आन्ध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, हरियाणा, त्रिपुरा, उड़ीसा तथा दिल्ली के अध्यापकों तथा अध्यापक-प्रशिक्षकों ने भाग लिया। इसमें मूल्यांकन पद्धतियों जैसे-बन्द पुस्तक परीक्षा, खुली पुस्तक परीक्षा, मौखिक परीक्षा तथा परियोजना कार्य पर विचार-विमर्श करने के अतिरिक्त अर्थशास्त्र में पत्रों पर आधारित मूल्यांकन सामग्री के विकास पर प्रशिक्षण दिया गया। इसके अलावा परीक्षाओं से संबंधित अनुसंधान के क्षेत्रों, परीक्षा-प्रबन्ध तथा मापदंड तथा श्रेणीकरण जैसे-परीक्षा-सुधार की वैकल्पिक कार्यनीतियों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

– पुरी में 12 से 18 दिसम्बर, 1991 तक प्रश्न-पत्र तैयार करने वालों के लिए आयोजित माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, उड़ीसा की 7 दिवसीय कार्यशाला में अंग्रेजी, उड़िया, भौतिकी, रसायन, जीव-विज्ञान, गणित, इतिहास, भूगोल, नागरिक शास्त्र तथा अर्थशास्त्र में प्रश्नपत्रों का स्वरूप तैयार किया गया। इसके अतिरिक्त मा.मू.स.आं.प्र. विभाग ने 24 से 26 अक्तूबर, 1990 तक पुरी में हुई बैठक में मापदंड तथा श्रेणीकरण के संदर्भ में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, उड़ीसा को सहायता प्रदान की।

अन्य कार्यशालाओं/बैठकों/अभिविन्यास कार्यक्रमों का विवरण तालिका 11.1 में दिया गया है।

तालिका 11.1

1990-91 में मा.मू.स.आं.प्र. विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाएँ, बैठकें, प्रशिक्षण/अभिविन्यास कार्यक्रम

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
1.	शैक्षिक मूल्यांकन में तकनीकी शब्दों की शब्दावली का विकास	17 से 21 सितम्बर, 1990	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	5

1990-91

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
2.	कक्षा आठ के लिए अंग्रेजी में मौखिक अभ्यासों का विकास	3 से 10 अक्तूबर, 1990	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	9
3.	कक्षा ग्यारह के लिए राजनीति-विज्ञान में यूनिट-परीक्षणों का विकास	12 से 16 नवम्बर, 1990	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	14
4.	विज्ञान में माध्यमिक कक्षाओं के लिए व्यापक शैक्षिक मूल्यांकन पैकेज का विकास	7 से 11 जनवरी, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	25
5.	विज्ञान में रचनात्मक मूल्यांकन की योजना (कक्षा आठ)	4 से 8 फरवरी, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	13
6.	कक्षा सात के लिए भूगोल में श्रेणीकृत मैप अभ्यासों का विकास	6 से 8 फरवरी, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	6
7.	गणित में वैकल्पिक मूल्यांकन पद्धतियों के लिए सामग्री का विकास	18 से 26 फरवरी, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	8
8.	कक्षा बारह के लिए रसायन-शास्त्र में यूनिट-परीक्षणों का विकास	11 से 15 मार्च, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	15
9.	कक्षा ग्यारह के लिए राजनीति विज्ञान में विकसित यूनिट-परीक्षणों की जाँच हेतु कार्यशाला	11 से 15 मार्च, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	7
10.	"विज्ञान में माध्यमिक कक्षाओं के लिए व्यापक शैक्षिक मूल्यांकन पैकेज का विकास" शीर्षक कार्यक्रम में विकसित सामग्री की जाँच हेतु कार्यशाला	18 से 22 मार्च, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	11
11.	हाई-स्कूल तथा इन्टरमीडिएट शिक्षा बोर्ड, उत्तर प्रदेश के लिए शैक्षिक मूल्यांकन में प्रशिक्षण कार्यशाला	24 मई से 4 जून, 1991	गोचर (उत्तर प्रदेश)	44
12.	माध्यमिक शिक्षा बोर्ड मध्य प्रदेश के लिए शैक्षिक मूल्यांकन में प्रशिक्षण कार्यशाला	26 से 31 जुलाई, 1990	धार (मध्य प्रदेश)	46
13.	शिक्षा निदेशालय (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह प्रशासन) के लिए शैक्षिक मूल्यांकन में प्रशिक्षण कार्यशाला	15 से 19 नवम्बर, 1990	पोर्ट ब्लेयर, (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह)	22

क्रमांक	कार्यक्रम का शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
14.	माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, उड़ीसा के लिए शैक्षिक मूल्यांकन में प्रशिक्षण कार्यशाला	12 से 18 दिसम्बर, 1990	पुरी (उड़ीसा)	49
15.	माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, गोआ के लिए शैक्षिक मूल्यांकन में प्रशिक्षण कार्यशाला	16 से 22 जनवरी, 1991	मपूसा (गोआ)	77
16.	अर्थशास्त्र की परीक्षाओं में वैकल्पिक मूल्यांकन पद्धतियों पर प्रमुख व्यक्तियों का प्रशिक्षण	29 अक्तूबर से 7 नवम्बर, 1990	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	13
17.	इतिहास में मूल्यांकन का अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	21 से 27 नवम्बर, 1990	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	22
18.	राज्य माध्यमिक शिक्षा बोर्डों के सचिवों तथा अध्यक्षों की वार्षिक बैठक	21 से 23 अगस्त, 1990	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	36

अनुसंधान कार्य

आलोच्य वर्ष में निम्नलिखित अनुसंधान कार्य किए गए—

देश के विभिन्न राज्यों में प्राथमिक विद्यालय के बच्चों की उपलब्धि

इस परियोजना के अन्तर्गत, मा.मू.स.आ.प्र. विभाग ने भाषा और गणित में विशेषज्ञों की तीन बैठकें आयोजित कीं। इस विशेषज्ञ समूह ने परीक्षण तथा मद विश्लेषण के आधार पर उपकरणों तथा प्रश्नावलियों को अन्तिम रूप दिया। अधिकांश राज्यों ने इन परीक्षणों को आयोजित कर प्रश्नावलियाँ पूरी कीं।

कक्षा दस तथा बारह स्तर के विद्यार्थियों की उपलब्धियों का अध्ययन

केन्द्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड (सी.ए.बी.ई.) के पर्यवेक्षण के अनुपालन में, कक्षा 10 तथा 12 स्तरों पर शैक्षिक उपलब्धियों का पूरे भारत में सर्वेक्षण किया गया। परीक्षण पूरे देश में 21 जनवरी, 1990 को किया गया। परीक्षण में कक्षा 10 स्तर के 2,47,933 तथा कक्षा 12 स्तर के 1,58,919 विद्यार्थियों ने भाग लिया। आलोच्य अवधि में उत्तर पुस्तिकाओं के अंकन तथा परीक्षाफल विश्लेषण का कार्य भी पूरा किया गया। यह कहा जा सकता है कि विद्यालय के स्थान या प्रबंध में अंतर, विद्यार्थियों के लिंग या सामाजिक वर्ग में अंतर, तथा अभिभावकों में अंतर जैसे शैक्षिक एवं आय के स्तरों में अंतरों को विद्यार्थियों की उपलब्धि के स्तर का अध्ययन करते समय ध्यान में रखा गया।

राष्ट्रीय प्रतिभा खोज

रा.शै.अ.प्र.प. की राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना (एन.टी.एस.) के कार्यान्वयन का मुख्य उद्देश्य कक्षा दस के बाद प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की पहचान करना और उन्हें उत्तम शिक्षा प्रदान करने

1990-91

के लिए वित्तीय सहायता देना है ताकि उनकी प्रतिभा का विकास हो सके और वे अपने चयनित विषय में अपनी गुणवत्ता बढ़ाकर देश की बेहतर सेवा कर सकें। राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना के अन्तर्गत, प्रति वर्ष 750 छात्रवृत्तियाँ दी जाती हैं जिनमें से 70 छात्रवृत्तियाँ अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के विद्यार्थियों को दी जाती हैं।

राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना के अन्तर्गत छात्रवृत्तियाँ देने के लिए विद्यार्थियों का चयन दो स्तरों पर किया जाता है। प्रथम स्तर पर चयन राज्यों एवं संघ शासित क्षेत्रों द्वारा अक्तूबर, 1989 तथा जनवरी, 1990 में लिखित परीक्षा के माध्यम से किया गया। राज्य स्तरीय परीक्षा में विद्यार्थियों की योग्यता-प्रदर्शन के आधार पर दूसरे स्तर की परीक्षा के लिए अभ्यार्थियों की निर्धारित संख्या की सिफारिश की गई। यह राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा अभ्यार्थियों का अपेक्षित संख्या में चयन करने के लिए रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा 32 केन्द्रों पर 13 मई, 1990 को आयोजित की गई। रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा में कुछ ऐसे भी अभ्यार्थी सम्मिलित हुए जो भारतीय नागरिक हैं तथा विदेशों में दसवीं कक्षा में पढ़ रहे हैं।

वर्ष 1990-91 में दूसरे स्तर की परीक्षा में 3,066 विद्यार्थी शामिल हुए। 750 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति के लिए चुना गया जिनमें 70 अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के थे। दूसरे स्तर की परीक्षा में बैठे विद्यार्थियों और छात्रवृत्ति प्राप्त करने वालों की संख्या का विवरण तालिका 11.2 में दिया जा रहा है।

तालिका 11.2

1990 में दी गई राष्ट्रीय प्रतिभा खोज छात्रवृत्तियाँ

	राज्य/संघ शासित क्षेत्र	*आवंटित कोटा*	*दूसरे स्तर पर परीक्षा में बैठे छात्रों की संख्या*	*दी गई छात्रवृत्तियों की संख्या (सामान्य श्रेणी)*	*अ.जा./जन जाति के लिए आरक्षित छात्रवृत्तियाँ*	*योग*
1.	आन्ध्र प्रदेश	225	207	25	5	30
2.	अरुणाचल प्रदेश	25	23	—	—	—
3.	असम	75	75	5	2	7
4.	बिहार	190	185	43	7	50
5.	गोआ	25	24	2	—	2
6.	गुजरात	150	138	6	2	8
7.	हरियाणा	65	65	14	—	14
8.	हिमाचल प्रदेश	30	29	3	1	4
9.	जम्मू और कश्मीर	45	22	—	—	—
10.	कर्नाटक	150	149	51	5	56
11.	केरल	180	173	42	2	46
12.	मध्य प्रदेश	175	172	24	7	31
13.	महाराष्ट्र	315	314	126	13	139

राज्य/संघ शासित क्षेत्र	आवंटित कोटा	दूसरे स्तर पर परीक्षा में बैठे छात्रों की संख्या	दी गई छात्रवृत्तियों की संख्या (सामान्य श्रेणी)	अ.जा./जन जाति के लिए आरक्षित छात्रवृत्तियाँ	योग
14. मणिपुर	25	14	—	1	1
15. मेघालय	25	24	—	—	—
16. मिजोरम	25	11	—	—	—
17. नागालैंड	25	21	—	1	1
18. उड़ीसा	140	132	34	2	36
19. पंजाब	80	80	15	—	15
20. राजस्थान	140	139	42	3	45
21. सिक्किम	25	8	—	—	—
22. तमिलनाडु	215	208	55	2	57
23. त्रिपुरा	25	24	4	—	4
24. उत्तर प्रदेश	500	493	85	4	89
25. पश्चिमी बंगाल	245	237	57	13	70
26. अंडमान, निकोबार दीव समूह	10	9	—	—	—
27. चंडीगढ़	10	10	6	—	6
28. दादर तथा नागर हवेली	10	2	—	—	—
29. दिल्ली	50	50	40	—	40
30. दमन तथा दीव	10	5	—	—	—
31. लक्षद्वीप	10	2	—	—	—
32. पांडिचेरी	10	10	1	—	1
33. कुवैत	18	3	—	—	—
34. नेपाल	2	2	—	—	—
35. मस्कट	17	6	—	—	—
योग	3267	3066	680	70	750

1990-91 में राष्ट्रीय प्रतिभा खोज छात्रवृत्तियाँ पाने वाले छात्रों की स्थिति तालिका 11.3 में दी जा रही है।

तालिका 11.3

1990-91 में राष्ट्रीय प्रतिभा खोज छात्रवृत्तियाँ पाने वाले छात्रों की कुळ संख्या

क्रमांक	शिक्षा का स्तर	राष्ट्रीय प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति पाने वालों की संख्या
1.	+2 स्तर	1500
2.	स्नातक स्तर के अन्तर्गत	
	मौलिक विभान/सामाजिक विज्ञान	280
	इंजीनियरिंग	1895
	आयुर्विज्ञान	
3.	स्नातकोत्तर स्तर	
	मौलिक विज्ञान	30
	आयुर्विज्ञान	176
	इंजीनियरिंग	16
	एम.बी.ए.	61
	पी.एच.डी.	17
	योग	4747

वर्ष 1990-91 में रु. 79,00,260 की धनराशि राष्ट्रीय प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ताओं को छात्रवृत्ति के रूप में दी गई।

शैक्षिक सर्वेक्षण

निर्णय करने के लिए अपेक्षित सूचना के तत्वों में सांख्यिकीय आंकड़े भी एक हैं। वस्तुतः यह उस समस्या के निदान स्वरूप पहला कदम है, जिसका सामना हमें करना पड़ता है। इससे हम अपने कार्यक्रमों में कितना निवेश कर सकते थे, इसके योगदान के प्रत्युत्तर में हमने क्या प्रगति की है, इसकी जाँच में भी सहायता मिलती है। अन्त में हम कह सकते है कि यह उन स्थलों की पहचान करने में सहायता करती है जिन्हें फिर से मजबूत किए जाने या जिनकी परिचालन कार्यनीति में बदलाव अथवा हमारे निवेशों के प्रकार तथा मात्रा में परिवर्तन की जरूरत है।

पिछले वर्षों में मा.मू.स.आ.प्र. विभाग ने 30 सितम्बर, 1986 को पाँचवा अखिल भारतीय शैक्षिक सर्वेक्षण आयोजित किया।

विभाग ने पाँचवें अखिल भारतीय शैक्षिक सर्वेक्षण पर "चुनिंदा आंकड़े" तथा "एक संक्षिप्त रिपोर्ट" पहले ही प्रकाशित कर दी हैं। प्रमुख विस्तृत सर्वेक्षण रिपोर्ट मुद्रण में है। सर्वेक्षण में बहुत मनोरंजक तथ्य सामने आए। यह कई ऐसी समस्याओं पर हमारा ध्यान आकर्षित करता है जिन पर शीघ्र कार्यवाही की जानी है। अन्य बातों के साथ-साथ सर्वेक्षण की उपलब्धियों में प्राथमिक शिक्षा, उच्च प्राथमिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, उच्चतर माध्यमिक शिक्षा, विज्ञान-प्रयोगशालाओं, व्यावसायिक पाठ्यक्रमों, अध्यापकों, शिक्षा के अन्य प्रकारों जैसे पूर्व-प्राथमिक शिक्षा, अनौपचारिक शिक्षा तथा प्रौढ़ शिक्षा; विकलांगों की शिक्षा; भौतिक सुविधाओं जैसे विद्यालय भवनों, पीने का पानी, पेशाबघर तथा प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों, ब्लैकबोर्डों, खेलने के मैदानों तथा खेलों की सामग्री तथा विद्यार्थियों की प्रतिभागिता, चिकित्सा सुविधाओं, प्रोत्साहनों जैसे निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें, निःशुल्क वर्दी, बालिकाओं के लिए उपस्थिति छात्रवृत्तियाँ; तथा शिक्षा के माध्यम आदि पर सूचनाएँ हैं।

पाँचवें अखिल भारतीय शैक्षिक सर्वेक्षण की अन्तिम रिपोर्ट को पूरा करने से संबंधित कार्य के अतिरिक्त मा.मू.स.आ.प्र. विभाग ने निम्नलिखित कार्यक्रम तथा कार्य किए:

— डी.आई.ई.टी. संकाय (तालिका 11.4) के लिए शिक्षा में प्रतिदर्श सर्वेक्षण पद्धतियों पर एक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम।
— मा.मू.स.आ.प्र. विभाग ने प्रतिदर्श सर्वेक्षणों में विभिन्न अनुसंधान संस्थानों तथा विभागों को परामर्श सेवाएं प्रदान कीं।

तालिका 11.4

1990-91 में मा.मू.स.आ.प्र. विभाग द्वारा आयोजित प्रशिक्षण/अभिविन्यास कार्यक्रम

क्रम सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
1.	डी.आई.ई.टी. के लिए शिक्षा में प्रतिदर्श सर्वेक्षण पद्धतियों पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	30 जनवरी से 6 फरवरी, 1991	क्षे.शि.म. मैसूर	28

आंकड़ा प्रक्रियन

रा.शै.अ.प्र.प. में 1987-88 में केन्द्रीय सुविधा के रूप में एक कंप्यूटर केन्द्र की स्थापना हुई जिसका उपयोग रा.शि.सं. के विभिन्न विभाग और एकक करते हैं। मा.मू.स.आ.प्र. विभाग के कंप्यूटर केन्द्र के मुख्य कार्य निम्नलिखित हैं:

— ऑफ-लाइन डेटा एन्ट्री प्रणाली की सहायता से कंप्यूटर मीडिया पर आंकड़ों का अंतरण जैसे चुम्बकीय टेप/फ्लॉपीज।
— विभिन्न प्रकार के सांख्यिकीय विश्लेषण करने के लिए सॉफ्टवेयर के प्रयोग का विकास/परिवर्तन करना।
— रा.शै.अ.प्र.प. के विभिन्न विभागों द्वारा प्रारम्भ की गई विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं के आंकड़ों का प्रक्रियन।

1990-91 में निम्नलिखित कार्य किए गए:

— कंप्यूटर पर पाँचवीं अखिल भारतीय शैक्षिक सर्वेक्षण संबंधी राष्ट्रीय तालिका तैयार की गई तथा सर्वेक्षण की मुख्य रिपोर्ट शब्द संसाधन पैकेज के प्रयोग द्वारा तैयार की गई।

1990-91

– राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा 1991, के संदर्भ में, कंप्यूटर केन्द्र ने उत्तर-पुस्तिकाओं के अंकन, साक्षात्कार के लिए बुलाये गये अभ्यार्थियों की योग्यता-सूची बनाने, साक्षात्कार के अंकों के मापन तथा परिणाम घोषित करने के लिए तैयार की गई अन्तिम योग्यता सूची बनाने में सहायता प्रदान की।

– राष्ट्रीय प्रतिभा खोज-1989 का मद विश्लेषण, सह-संबंध विश्लेषण, बारम्बारता वितरण, मैट तथा सैट अंकों के विश्वसनीयता गुणांक आदि से संबंधित विभिन्न रिपोर्टों को प्रकाशित करने के लिए किया गया। इसी तरह का एक विश्लेषण रा.प्र. खोज परीक्षा 1990 के लिए किया गया।

– अपनी पी.एच.डी. परियोजनाओं के लिए संकाय सदस्यों को कम्प्यूटर सुविधाएँ उपलब्ध कराना।

– कम्प्यूटर केन्द्र के संकाय सदस्यों ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को कम्प्यूटर के प्रयोग में सहायता दी तथा बाहरी एजेन्सियों को, जो आंकड़ों के कम्प्यूटरीकरण का कार्य करते हैं, कार्य समनुदेशित किया। संकाय ने नए कम्प्यूटरों के क्रय करने के संबंध में विभिन्न विभागों को सहायता तथा मार्गदर्शन भी दिया।

– कम्प्यूटर केन्द्र ने सांख्यिकीय तकनीकों के प्रयोग तथा कम्प्यूटर के परिणामों की व्याख्या में अनुसंधानकर्ताओं को मार्गदर्शन दिया।

उपरोक्त के अतिरिक्त, 1990-91 में कम्प्यूटर केन्द्र द्वारा निम्नलिखित परियोजनाएँ तथा कार्यक्रम भी किए गए:

(1) कक्षा दस तथा कक्षा बारह स्तर पर शैक्षिक उपलब्धि का एक अध्ययन:

इस परियोजना का कम्प्यूटर से संबंधित कार्य बाहरी एजैन्सी को सौंपा गया। कम्प्यूटर केन्द्र ने इस परियोजना के अन्तर्गत पर्यवेक्षण, समन्वयन तथा कम्प्यूटरीकरण से संबंधित कुछ कार्य जैसे—विश्लेषण योजना का विकास, आंकड़ों और परिणाम की परिशुद्धता की जाँच तथा परिणाम का निरीक्षण तथा समन्वयन किया। शब्द प्रक्रमण पैकेज का प्रयोग कर अध्ययन की रिपोर्ट का पहला ड्राफ्ट भी तैयार किया गया।

(2) प्राथमिक विद्यालय के बच्चों की उपलब्धि: इस अध्ययन से संबंधित विविध उपकरण संशोधित किए गए तथा कम्प्यूटरीकरण के लिए आंकड़ों की कोडिंग को शामिल किए बिना उन्हें प्रभावी ढंग से इस्तेमाल करने के लिए उनकी संरचना तैयार की गई।

(3) विशेष, सूचना प्रबन्ध पद्धति (रा.शै.अ.प्र.प. के शैक्षिक कर्मचारियों के संबंध में) तथा रा.शै.अ.प्र.प. के शैक्षिक कर्मचारियों के बारे में सूचना के कम्प्यूटरीकरण हेतु एक प्रश्नावली विकसित की गई।

(4) शिक्षा में कम्प्यूटर—अन्तर्राष्ट्रीय शैक्षिक उपलब्धि (आई.ई.ए.) अध्ययन: संसार के 20 अन्य देशों के साथ-साथ भारत भी इस अध्ययन में भाग ले रहा है। अध्ययन का स्तर-1 पूरा हो चुका है। अध्ययन के स्तर-2 से संबंधित उपकरण स्वीकार किए जा रहे हैं तथा पथ-प्रदर्शन हेतु उनका अनुवाद हो रहा है। स्तर-1 के लिए राष्ट्रीय रिपोर्ट की तैयारी हेतु नमूना तालिकाएँ भी विकसित की गई हैं।

1990-91

बारह शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और मार्गदर्शन

शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और मार्गदर्शन के सिद्धान्तों की सहायता से विद्यालयी शिक्षा में गुणात्मक सुधार लाना रा. शै.अ.प्र.प. का एक मुख्य कार्य है। वर्ष 1990-91 में रा.शि.सं. के शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और मार्गदर्शन (शै.म.परा.और.मा.) विभाग ने परामर्श व मार्गदर्शन, प्रारम्भिक स्तर के बच्चों में सृजनात्मक शक्ति की पहचान तथा व्यवहार प्रौद्योगिकी, मनोविज्ञान में कक्षा 11 तथा 12 के लिए अनुदेशी सामग्री का विकास और अध्यापकों तथा अध्यापक शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण सामग्री तैयार करने के क्षेत्रों में अनुसंधान, विकास तथा प्रशिक्षण से संबंधित कार्य किए।

अनुसंधान कार्यकलाप

शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और मार्गदर्शन विभाग ने शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और मार्गदर्शन में विभिन्न अनुसंधान कार्यकलाप किए। विभाग द्वारा जो मुख्य अनुसंधान कार्यकलाप किए गए वे निम्नलिखित हैं:

1. सृजनशील लड़कियों के व्यावसायिक व्यवहार का एक अध्ययन: इस अनुमोदित एरिक परियोजना का उद्देश्य भारतीय व्यवस्था में सृजनशील युवाओं के विशेष समूह को जीवन-वृत्ति की शिक्षा प्रदान करना है। 1990-91 के दौरान, विभिन्न विद्यालयों के आंकड़ों के एकत्रीकरण के अतिरिक्त, परियोजना के प्रथम चरण में प्रयोग किए गए परीक्षणों का संमकन किया गया।

2. व्यावसायिक विद्यार्थियों के जीवन-वृत्ति व्यवहार तथा +2 स्तर पर विद्यालय में उनका सामंजस्य : इस अनुमोदित एरिक परियोजना में स्थानीय विद्यार्थियों के एक नमूने पर तीन अध्ययन संचालित किए गए: (1) व्यावसायिक विद्यार्थियों का एक अन्वेषणात्मक अध्ययन (2) शैक्षिक तथा व्यावसायिक विद्यार्थियों का एक तुलनात्मक अध्ययन और (3) व्यावसायिक विद्यार्थियों का प्रयोगात्मक अध्ययन। इन अध्ययनों का उद्देश्य शिक्षा मार्गदर्शन कार्यकर्ताओं के इस्तेमाल के लिए अनुसंधान आधार प्रदान करना तथा शिक्षा व्यावसायीकरण योजना के अंतर्गत नीति नियोजन एवं पाठ्यचर्या विकास के स्तर पर जिन क्षेत्रों पर नाम अपेक्षित हैं उनका पता लगाना है। अध्ययनों की उपलब्धियाँ संबंधित विभागों तथा अभिकरणों को दे दी गईं।

3. कक्षा तथा कक्षा-व्यवस्था में विद्यार्थियों के व्यावहारिक प्रबंन्ध के कार्यों पर प्राथमिक अध्यापकों का एक प्रारम्भिक अध्ययन: प्राथमिक विद्यालय अध्यापकों द्वारा प्रतिदिन कक्षा तथा विद्यालय

1990-91

के परस्पर कार्य के प्रबन्ध हेतु अपनाई गई प्रचलित प्रणाली में वर्तमान स्थिति तथा उनमें परिवर्तन का अध्ययन करना इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य है। अध्ययन में विद्यालय तथा कक्षा-व्यवस्था में बच्चों की प्रतिस्पर्द्धा का प्रबंध, सहयोग तथा बच्चों के कुछ अन्य सामाजिक तथा भावात्मक समायोजन व्यवहारों को केन्द्र बिन्दु बनाया गया। इस अध्ययन के अन्तर्गत 65 मदों की बनाई गई प्रश्नावली को अन्तिम रूप दिया गया।

4. नवयुवकों के विकास पर देशान्तरीय अध्ययनः इस आई.सी.एम.आर. प्रायोजित अध्ययन का उद्देश्य युवाओं की सामाजिक मानसिक विकास की जाँच करना है। उनकी बुद्धि समायोजन एवं जिजीविषा से संबंधित विकासात्मक मानदंडों का विकास किया जा रहा है। पूरे भारत में छः केन्द्रों द्वारा लगभग, 3,000 युवाओं के आंकड़े इकट्ठे किये जा चुके हैं। उपरोक्त तीन पहलुओं के लिए मानदंड विकसित करने हेतु प्रारम्भिक विश्लेषण किया जा रहा है।

विकासात्मक कार्यकलाप

1990-91 के दौरान शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और मार्गदर्शन विभाग ने निम्नलिखित विकासात्मक कार्य किए:

1. शैक्षिक एवं मनोवैज्ञानिक परीक्षणों का राष्ट्रीय पुस्तकालय (एन.एल.ई.पी.टी.) वर्ष के दौरान बुद्धि तथा योग्यता परीक्षणों की समीक्षा पर दो बुलेटिन प्रकाशित किए गए। इसके अतिरिक्त, एन.एल.ई.पी.टी. की केन्द्रीय सलाहकार समिति, मनोवैज्ञानिक परीक्षणों की समीक्षा हेतु समीक्षा-समिति तथा सम्पादकीय बोर्ड की बैठकें भी आयोजित की गईं। व्यक्तित्व के क्षेत्र में कुल 87 परीक्षणों की समीक्षा तथा सम्पादन कार्य किया गया। ये परीक्षण भारतीय मानसिक मापन पुस्तिका में प्रकाशित किए जाएंगे।

2. मार्गदर्शन के क्षेत्र में दूरस्थ शिक्षा : विभाग ने इ.गाँ.-रा.मु.वि.वि. के सहयोग से मार्गदर्शन में प्रमाण-पत्र/डिप्लोमा/स्नातकोत्तर डिप्लोमा चलाने का सुझाव दिया। मार्गदर्शन में प्रस्तावित प्रमाणपत्र कार्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम सामग्री के विकास हेतु तीन कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। बच्चे की वृद्धि एवं विकास तथा सीखने में मार्गदर्शन से संबंधित समस्याओं पर पाठ्यक्रमों की 12 यूनिटों के मसौदे तैयार किए गए।

3. सक्षमता आधारित मार्गदर्शन कार्यक्रम को विकसित करने के लिए माध्यमिक विद्यालयों के परामर्शदाताओं की भूमिका और कार्यो का एक मूल्यांकनात्मक अध्ययनः अध्ययन के दौरान, मार्गदर्शन के सिद्धांत एवं मार्गदर्शन के शैक्षिक, व्यावसायिक, सामाजिक/व्यक्तिगत क्षेत्रों में विद्यार्थियों के बीच विकसित की जाने वाली क्षमताओं को ध्यान में रखते हुए मार्गदर्शन कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। विद्यालयों में विभिन्न मार्गदर्शन कार्यक्रम करने हेतु परामर्शदाताओं में क्षमताओं का विकास करने के लिए पाठ्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा बनाने हेतु प्रारम्भिक कार्य भी आरम्भ किए गए।

4. उपलब्धि अनुसंधान में कक्षा अध्यापकों के प्रति विचार : 28 जनवरी से 1 फरवरी 1991 तक क्षे.शि.म., मैसूर में आयोजित कार्यशालाओं पुस्तिका का मसौदा तैयार किया गया।

5. 1990-91 के दौरान कक्षा-11 के लिए "मानव-व्यवहार के मनोविज्ञान की समझ" नामक शीर्षक पर पाठ्यपुस्तक की पाण्डुलिपि को अन्तिम रूप दिया गया। इस पाठ्यपुस्तक के लिए अध्यापक पुस्तिका की पाण्डुलिपि भी तैयार की गई।

6. कक्षा-12 के लिए "बेहतर जीवन के मनोविज्ञान" नामक शीर्षक पर पाठ्य-पुस्तक की पाण्डुलिपि को अन्तिम रूप दिया गया। इस पाठ्यपुस्तक के लिए अध्यापक पुस्तिका की पाण्डुलिपि भी तैयार की गई।

7. माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के स्वतः मार्गदर्शन हेतु नमूनों का विकास : शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और मार्गदर्शन विभाग

ने छात्रों के स्वतः मार्गदर्शन हेतु शैक्षिक सामाजिक तथा वैयक्तिक क्षेत्रों में विभिन्न विषयों पर 14 नमूने तैयार किए।

8. व्यवहार परिवर्तन का अध्ययन : इस कार्यक्रम का उद्देश्य परिवर्तन के क्षेत्र में योग्यता प्राप्त करने के लिए प्रारम्भिक अध्यापक प्रशिक्षकों की सहायता हेतु एक स्रोत पुस्तक के रूप में अनुदेशात्मक सामग्री का विकास करना है। शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और मार्गदर्शन विभाग ने लेखकों द्वारा विकसित सामग्री के पुनरीक्षण हेतु रा. शै. अ. प्र. प., नई दिल्ली में 18 मार्च, 1991 तक एक कार्यशाला आयोशाला आयोजित की।

9. मार्गदर्शन में सूचना सेवा-अनुदेशात्मक सामग्री तैयार करना : इस कार्य के अन्तर्गत पाठ्यक्रम की रूपरेखा/विषयवस्तु तथा अनुदेशात्मक सामग्री के प्रारूप को अन्तिम रूप देने हेतु एक कार्यशाला आयोजित की गई।

10. जीवनवृत्ति अध्यापकों के प्रशिक्षण हेतु बहुमाध्यम पैकेज का विकासः 1990-91 के दौरान विकासात्मक तथा जीवनवृत्ति मार्गदर्शन पर 10 ऑडियो कार्यक्रम निर्मित किए गए। 3 अभिभावकों के लिए तथा 7 अध्यापकों एवं अध्यापक प्रशिक्षकों के लिए इसके अतिरिक्त, प्रारम्भिक विद्यालय के अध्यापकों को विद्यालयी शिक्षा मे प्रभावशाली एवं ज्ञानवर्धक जानकारी देने के लिए जो विद्यार्थियों के व्यक्तिगत, सामाजिक एवं जीवनवृत्ति के विकास से संबंधित है। एक पुस्तक शीर्षक "एवत् : का विकास तथा जीवनवृत्ति मार्गदर्शन, जागरूकता" तैयार की गई।

11. मार्गदर्शन सिद्धान्त और पद्धतियाँ : प्ररियोजना के प्रारम्भिक कार्य के रूप में मार्गदर्शन पर इस पाठ्यपुस्तक की विषयवस्तु तथा कार्यप्रणाली को अन्तिम रूप देने हेतु विशेषज्ञों की एक कार्यशाला आयोजित की गई।

12. प्राथमिक विद्यालय के बच्चों के बीच सृजनात्मक संभावना के पोषण पर पुस्तिका : बच्चों के बीच सृजनात्मक संभावनाओं के पोषण हेतु अध्यापकों को सक्षम बनाने में सहायता करने हेतु प्राथमिक-अध्यापक प्रशिक्षण संस्थानों के अध्यापक-प्रशिक्षकों के लिए स्रोत सामग्री के रूप में देने के लिए पुस्तिका को तैयार किया जा रहा है।

13. प्राथमिक अध्यापक-प्रशिक्षकों हेतु शिक्षण एवं विकास पर पुस्तिका तैयार करना : इस पुस्तिका की विषय-वस्तु पर दो कार्यशालाओं में विचार-विमर्श किया गया। इस पुस्तिका के लगभग सभी अध्यायों को अन्तिम रूप दिया जा चुका है।

14. कक्षा तथा विद्यालय व्यवस्था में प्राथमिक अध्यापक-प्रशिक्षकों तथा अध्यापकों हेतु व्यवहार परिवर्तन की पुस्तिका : इस पुस्तिका को तैयार करने का ध्येय प्राथमिक विद्यालय स्तर पर शिक्षकों को कक्षा में पठन-पाठन में व्यवहार परिवर्तन के सिद्धान्तों एवं तकनीकों को लागू करने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस पुस्तिका की पाण्डुलिपि को अन्तिम रूप दिया जा रहा है।

15. विद्यार्थियों में अधिकतम स्वतः पोषण तथा कार्योन्मुखता उत्पन्न करने के लिए प्राथमिक विद्यालय के अध्यापकों को मार्गदर्शन देनाः इस परियोजना का उद्देश्य उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के अध्यापकों द्वारा स्वतः विकास, शैक्षिक एवं व्यावसायिक सूचना, निर्णय करने की क्षमता, योग्यता एवं प्रशंसा, जीने की शैली तथा अनुकरण-व्यवहार आदि से संबंधित प्रयोग में लाई जाने वाली मार्गदर्शन सामग्री तैयार करना है। प्राथमिक विद्यालय-अध्यापकों के लिए मार्गदर्शन निवेशों को अन्तिम रूप दिया गया।

16. विद्यालयी विद्यार्थियों को समकक्षी परामर्शदाता के रूप में प्रशिक्षित करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का विकास तथा उनका परीक्षण : 1990-91 के दौरान विद्यालयी विद्यार्थियों को समकक्षी परामर्शदाता के रूप में प्रशिक्षित करने के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम विकसित किया गया। प्रशिक्षण हेतु पाठ्यक्रम तैयार किया गया और कार्यशाला में इस पर चर्चा की गई। इस पाठ्यक्रम की तीन विद्यालयों में परीक्षण भी किया गया।

1990-91

प्रशिक्षण कार्यक्रम

1990-91 के दौरान शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और मार्गदर्शन विभाग द्वारा निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए:

1. शैक्षिक और व्यावसायिक मार्गदर्शन में डिप्लोमा पाठ्यक्रमः शैक्षिक और व्यावसायिक मार्गदर्शन में 30 वां डिप्लोमा पाठ्यक्रम 1 अगस्त, 1990 से प्रारम्भ किया गया तथा 30 अप्रैल 1991 को समाप्त हुआ। इस पाठ्यक्रम में बिहार, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उड़ीसा, उत्तर प्रदेश राज्यों तथा संघ शासित क्षेत्र दिल्ली और चण्डीगढ़ से 26 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।

2. प्राथमिक, विद्यालय के बच्चों का मार्गदर्शन तथा समझ पर जि. शि. प्रौ. सं. के कार्मिकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम : इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के विकास में तात्कालिक प्रमुख मुद्दों की समझ का विकास तथा बच्चों के निर्माण एवं सृजनात्मकता को बढ़ावा देने वाली विधियाँ तैयार करना था। शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और मार्गदर्शन विभाग ने 27 अगस्त से 18 सितम्बर, 1990 तक एक तीन सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें आन्ध्र प्रदेश, हरियाणा, जम्मू तथा कश्मीर, मध्यप्रदेश, पंजाब, तमिलनाडु राज्यों तथा संघ शासित क्षेत्र दिल्ली से जि. शि. प्रौ. सं. के 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को अन्य बातों के साथ-साथ कक्षा में प्रभावशाली पठन-पाठन कार्यनीतियों एवं व्यवहार परिवर्तन तकनीकों के बारे में मार्गदर्शन दिया गया। उन्हें मार्गदर्शन एवं परामर्श की तकनीकों एवं सिद्धान्तों से भी परिचित कराया गया।

विस्तार कार्यकलाप

1. 19 से 21 सितम्बर, 1990 तक रा. शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली में "बाल एवं किशोर मनोवृत्ति में अनुसंधानों पर एक तीन-दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन" आयोजित किया गया। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य बाल एवं किशोर मनोवृत्ति के क्षेत्र में किए गए अनुसंधानों को अद्यतन बनाना तथा इनके बीच अन्तर का पता लगाना एवं बाल तथा किशोर विकास के अध्ययन हेतु भविष्य की योजना तैयार करना था।

2. शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और मार्गदर्शन विभाग ने 20 से 22 मार्च, 1990 तक पुणे विश्वविद्यालय में एक अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें महाराष्ट्र, गोआ, कर्नाटक तथा तमिलनाडु के 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस सम्मेलन का उद्देश्य देश के विभिन्न राज्यों के अभिभावक-शिक्षक संघ के कार्यकर्ताओं में विद्यालयों की कार्यान्वयन कार्यनीतियों में मार्गदर्शन सेवाओं की जरूरत एवं महत्ता के बारे में जागरुकता पैदा करना था, तो अभिभावकों एवं शिक्षकों के लिए विभिन्न मार्गदर्शन सेवाएं आयोजित करने में अपनाई जा सकती हैं।

उपरोक्त कार्यक्रमों/कार्यकलापों के अतिरिक्त, शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और मार्गदर्शन विभाग के संकाय ने राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों, बैठकों आदि में भाग लिया तथा विभिन्न संस्थाओं/संगठनों को परामर्श सेवाएं प्रदान की विभिन्न अनुसंधान तथा विकास कार्यकलापों एवं प्रशिक्षण/विस्तार कार्यक्रमों से संबंधित कार्य के एक भाग के रूप में, शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और मार्गदर्शन विभाग ने अनेक कार्यशालाएं बैठकें, सम्मेलन आदि आयोजित किया। इन कार्यक्रमों का विवरण तालिका 12.1 में किया जा रहा है:

तालिका 12.1

शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श, और मार्गदर्शन विभाग द्वारा 1990-91 के दौरान संचालित कार्यशालाएं, बैठकें, संगोष्ठियाँ, सम्मेलन, प्रशिक्षण/अभिविन्यास कार्यक्रम

क्रम संख्या	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*दिनांक*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1.	शैक्षिक तथा मनोवैज्ञानिक परीक्षणों का राष्ट्रीय पुस्तकालय (एन. एल. ई. एंड पी. टी.) की केन्द्रीय सलाहकार समिति की बैठका	26 अक्तूबर 1990	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	9
2.	एन. एल. ई. एंड. पी. टी. की पुनरीक्षण समिति की बैठक	27 से 29 अगस्त, 1990	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	5
3.	एन, एल. ई. एंड. पी. टी. के सम्पादकीय बोर्ड की बैठक	4 से 8 मार्च, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	4
4.	मार्गदर्शन के क्षेत्र में दूरस्थ शिक्षा (सलाहकार सतिति की बैठक)	5 जून, 1990	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	2
5.	मार्गदर्शन के क्षेत्र के दूरस्थ शिक्षा (सलाहकार सतिति की बैठक)	31 अगक्त, 1990	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	13
6.	मार्गदर्शन के क्षेत्र में दूरस्थ शिक्षा के लिए पाठ्यक्रम सामग्री के विकास हेतु कार्यशाला	7 से 12 जूलाई, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	9
7.	मार्गदर्शन के क्षेत्र में दूरस्थ शिक्षा के लिए पाठ्यक्रम सामग्री के विकास हेतु कार्यशाला	21 से 30 जनवरी, 1991	क्षे.शि.म., मैसूर	17
8.	मार्गदर्शन के क्षेत्र में दूरस्थ शिक्षा के लिए पाठ्यक्रम सामग्री के विकास हेतु कार्यशाला	8 से 16 मार्च, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	7
9.	मार्गदर्शन में पाठ्यपुस्तकों पर कार्यशाला	28 से 30 अगस्त, 1990	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	7
10.	सक्षमता आधारित मार्गदर्शन कार्यक्रम के विकास हेतु कार्यशाला	25 से 30 मार्च, 1990	पुणे	16
11.	माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के स्वतः मार्गदर्शन हेतु विकसित विकसित नमूनों के लिए कार्यशाला	24 से 26 सितम्बर, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	7
12.	माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के स्वतः मार्गदर्शन हेतु विकसित नमूनों के लिए कार्यशाला	11 से 16 मार्च 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	12

1990-91

क्रम संख्या	कार्यक्रम की शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
13.	विद्यार्थियों में अधिकतम स्वतः पोषण एवं कार्योन्मुखता पैदा करने के लिए प्राथमिक विद्यालय के अध्यापकों में मार्गदर्शन निवेश विकसित करना	22 से 23 अक्तूबर, 1990	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	6
14.	अनुदेशात्मक सामग्री तैयार करने हेतु कार्यशाला : "मार्गदर्शन में सूचना सेवा"	25 से 27 मार्च 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	13
15.	कक्षा 12 के लिए नई मनोविज्ञान पाठ्यपुस्तक तैयार करने कार्यशाला	9 से 12 अक्तूबर, 1990	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	9
16.	व्यवहार परिवर्तन में पठन हेतु अध्यायों का पुनरीक्षण करने के लिए कार्यशाला	18 से 22 फरवरी, 1990	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	4
17.	कक्षा 12 के लिए नई मनोविज्ञान पाठ्यपुस्तक हेतु अध्यापक पुस्तिका के विकास पर कार्यशाला	19 से 22 मार्च, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	23
18.	प्राथमिक अध्यापक शिक्षकों के लिए शिक्षण एवं विकास पर परीक्षा नियम पुस्तिका हेतु कार्यशाला	26 से 28 मार्च, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	9
19.	प्राथमिक अध्यापक शिक्षकों के लिए शिक्षण एवं विकास पर परीक्षा नियम पुस्तिका हेतु कार्यशाला	12 से 15 मार्च, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	4
20.	पुस्तिका तैयार करने के लिए कार्यशाला : शैक्षिक उपलब्धि कक्षा अध्यापक हेतु अनुसंधान में विचार	28 फरवरी से 1 फरवरी,	क्षे.शि.म. मैसूर	5
21.	विद्यार्थियों के व्यवहारात्मक प्रबन्ध के कुछ कार्यों पर प्राथमिक अध्यापकों के सर्वेक्षक हेतु साधन विकसित करने के लिए कार्यशाला	19 से 21 दिसम्बर, 1990	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	7
22.	जि.शि.प्र.सं. में कार्यकर्ताओं हेतु शैक्षिक मनोविज्ञान तथा मार्गदर्शन में प्रशिक्षण कार्यक्रम	27 अगस्त से 18 सितंबर, 1990	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	20
23.	विद्यालयों में मार्गदर्शन सेवाएं विकसित करने के लिए पी.टी.ए. कार्मिकों हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम	20 से 22 मार्च, 1991	पुणे	30
24.	बाल एवं किशोर मनोविज्ञान में अनुसंधानों पर संगोष्ठी	19 से 21 सितंबर, 1990	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	31

तेरह
महिला समानता के लिए शिक्षा

रा.शै.अ.प्र.प. ने बालिका शिक्षा की प्रोन्नति तथा लड़के-लड़की में भेद को मिटाने के लिए पाठ्यचर्या एवं अध्यापक शिक्षा में उपयुक्त रूप से हस्तक्षेप करके और लड़कियों की शिक्षा के लिए विकास-नीतियों एवं विशेष कार्यक्रमों के कार्यान्वियन में केन्द्र, राज्य एवं अन्य संस्थाओं/संगठनों को सहायता देकर अपनी वचनबद्धता को नवीकृत किया। रा.शि.सं. के महिला अध्ययन विभाग ने मानव संसाधन की मूल्यवान संभावना के रूप में बालिका शिक्षा की आवश्यकता के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के अतिरिक्त बालिका शिक्षा से संबंधित पॉलिसियों एवं कार्यक्रमों के निर्माण में मानव संसाधन विकास मंत्रालय को तकनीकी विशेषज्ञता एवं आंकड़ा विश्लेषण प्रदान किया।

महिला अध्ययन विभाग बालिका शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान अध्ययन तथा विकासात्मक कार्यकलाप संचालित करता है:

1. अ. जाति/जन जाति के साथ-साथ ग्रामीण-शहरी क्षेत्र में नीति बनाने वालों के लिए शैक्षिक तथा समवर्गी सांख्यिकी तथा अन्य सामाजिक साक्ष्य का संग्रह, मिलान तथा विश्लेषण करना।
2. यौन समानता के आनुपातिक मूल्यों तथा स्त्री की सकारात्मक छवि की पहचान तथा इन्हें पाठ्यचर्या, पाठयपुस्तकों एवं अध्यापक-शिक्षा में शामिल करना।
3. कार्य आधारित अनुसंधान एवं कार्य परियोजना को विकसित तथा प्रोत्साहित करना।
4. महिला शिक्षा तथा विकास के क्षेत्र में सलाह देना।
5. बालिका-शिक्षा के प्रति महिलाओं को प्रेरित करना तथा जन सामान्य को सहयोग प्रदान करना।

अनुसंधान और विकासात्मक कार्यक्रम

वर्ष 1990-91 में निम्नलिखित कार्यक्रम तथा कार्य किए गए:

1. व्यावसायिक, तकनीकी एवं वृत्तिक शिक्षा में बालिकाओं एवं महिलाओं के प्रवेश में वृद्धि के उपाय पर राष्ट्रमंडल प्रायोजित अध्ययन।
2. प्रारम्भिक शिक्षा में बालिकाओं की निरन्तरता तथा अनिरन्तरता पर एक राष्ट्रीय अध्ययन।
3. आधार-सामग्री कोष कार्यकलापों को बढ़ाया गया तथा नीति-निर्माताओं, अध्यापकों, शिक्षकों तथा अनुसंधानकर्ताओं के प्रयोग हेतु (शिशु बालिका शिक्षा-1990) पर एक तथ्य-पत्र प्रकाशित किया गया।

4. पाठ्यचर्या तथा पाठ्यपुस्तकों से लिंग संबंधी भेदभाव दूर करने तथा यौन-समानता के आनुपातिक मूल्यों के समावेशन से संबंधित कार्यकलाप किए।

5. पाठ्यचर्या विकास को, पाठ्यपुस्तकों के लेखकों तथा नीति-निर्माताओं के लिए पाठ्यपुस्तकों के संशोधन, उदाहरणात्मक सामग्री के विकास तथा मार्गदर्शी सिद्धान्तों के विकास के अभ्यास।

6. नवाचारी कार्यवाही अनुसंधान परियोजनाओं अर्थात् महाराष्ट्र की मातृ प्रबोधन, योजना, दिल्ली के विद्यालयों में विद्यालय-आधारित कार्यक्रम तथा दिल्ली के मैदानगढ़ी गाँव में क्षेत्र-आधारित कार्य पर अध्ययन।

7. मातृभाषा (हिन्दी) में उदाहराणात्मक सामग्री के विकास पर एक परियोजना चलाई गई तथा "समानता की दिशा में" नामक विषय पर तीन पूरक पाठ्मालाएं तैयार की गई। पूरक पाठ्यमाला के शीर्षक हैं : 1. बेगम हजरत महल, 2. दहेज दावानाल तथा 3. एनीबेसेन्ट।

8. "मानसी परिचय माला" शीर्षक परियोजना के एक भाग के रूप में 14 से 18 वर्ष की आयु वर्ग के लिए पूरक पाठमाला के विकास हेतु राष्ट्रीय तथा क्षेत्रीय भाषाओं के साहित्य में महिलाओं के चित्रण के विश्लेषण हेतु लेखकों के लिए मार्गदर्शी सिद्धान्तों का विकास किया गया।

9. लिंग समानता तथा पाठ्य सामग्री में महिलाओं की शक्ति के नए मूल्यों को शामिल करने के लिए अध्यापकों के प्रयोग हेतु सामग्री कोष निर्माण के लिए राज्य शिक्षा संस्थान, इलाहाबाद तथा दुर्गावती विद्यालय जबलपुर में दो कार्यशालाएं आयोजित की गई।

प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा अन्य कार्यकलाप

विभाग ने महिला शिक्षा की प्रावधि तथा विकास पर एक सात सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम ने बालिका शिक्षा के कार्यों में लगे आधारिक स्तर के गैर-सरकारी संगठनों तथा राज्यों में शीर्ष स्तर के शैक्षिक कर्मचारियों, शिक्षाशास्त्रियों, सामाजिक वैज्ञानिकों के बीच बालिका शिक्षा के क्षेत्र में विचारों और अनुभवों के आदान-प्रदान के लिए सम्भावित मंच प्रदान किया।

देश में प्रारम्भिक तथा माध्यमिक सेवा-पूर्व प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का विश्लेषण किया गया। हिमाचल प्रदेश ने जे.बी.टी. पाठ्यक्रम में बालिका/महिला शिक्षा पर केन्द्रिक पत्र आरम्भ किया है। इस संदर्भ में विभाग ने उदाहरणात्मक सामग्रियों के विकास में राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, हिमाचल प्रदेश की सहायता की। इसके अतिरिक्त, मदर टेरेसा महिला विश्वविद्यालय में एक क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न विश्वविद्यालयों के शिक्षा तथा सामाजिक विज्ञान विभागों ने भाग लिया। उन्होंने महिला शिक्षा को विशेष/वैकल्पिक पत्र तथा उनसे संबंधित विषयों के अपने पाठ्यक्रम तथा अनुसंधान कार्य-सूचियों में सम्मिलित किया।

महिला अध्ययन विभाग का एक अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्र महिलाओं को बालिका शिक्षा के प्रति प्रेरित करना और जन-सामान्य को सहयोग प्रदान करना रहा है। राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, सोलन में महिला शिक्षा पर आयोजित कार्यशाला में विभाग को हिमाचल प्रदेश के विभिन्न जिलों के दूरस्थ प्रदेशों से आई 16 महिला मंडलों के कार्यकर्ताओं से आशाप्रद प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुई। बालिका शिक्षा की प्रगति हेतु लोगों में जागरूकता उत्पन्न करने तथा इसका प्रचार करने के लिए अध्यापक शिक्षकों तथा संचार माध्यम के कार्यकर्ताओं की दूसरी कार्यशाला भारतीदासन विश्वविद्यालयन, शैक्षिक प्रौद्योगिकी विभाग, तमिलनाडु में आयोजित की गई। लगभग 5000 विद्यार्थियों ने बालिका शिक्षा की विषय-वस्तु पर पोस्टर, बैनर, दृश्य-श्रव्य कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक, नारे, श्लोक तथा कविता प्रतियोगिता में भाग लिया।

महिला अध्ययन विभाग ने रा.शि.सं. तथा सी.आई.ई.टी. के अन्य विभागों के सहयोग से शिशु बालिका के "सार्क" दशक के लिए एक कार्य योजना भी तैयार की। उपरोक्त दर्शाये गए

1990-91

कार्यकलापों के अतिरिक्त विभाग ने महिला शिक्षा के विकास तथा विस्तार के क्षेत्र में विभिन्न राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय बैठकों तथा सम्मेलनों में भाग लिया तथा कई राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों आदि को अपनी विशेषज्ञता प्रदान की। इन बैठकों में प्रमुख हैं, महिला शिक्षा पर अन्तर-शासकीय सार्क सम्मेलन, जो माले, मालद्वीव में हुई, यूनीसेफ अधिकारियों के लिए गंगचो, चीन में प्रशिक्षण कार्यशाला, यूनस्को शिक्षा संस्थान, हैमबर्ग में औपचारिक तथा अनौपचारिक प्राथमिक शिक्षा के बीच अनुपूरकता पर गोल मेज परिषद्, प्राथमिक विद्यालय पाठ्यपुस्तकों में लिंग रूढ़िबद्धता के निष्कासन पर राष्ट्रमंडल विशेषज्ञ समूह की बैठक दिल्ली, एशियन अध्ययन पर बारहवीं अन्तर्राष्ट्रीय विचार-गोष्ठी, हाँगकाँगः शिशु बालिका पर दक्षिण एशिया कार्यशालाएं महिला तथा एड्स पर विश्व स्वास्थ्य संगठन की बैठक।

वर्ष 1990-91 में विभाग द्वारा 19 कार्यशालाएं, अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों का विवरण तालिका 13.1 में दिया जा रहा है।

तालिका 13.1

म.अ.वि. द्वारा 1990-91 में आयोजित कार्यशालाएं, बैठकें, सेमिनार, सम्मेलन, प्रशिक्षण/अभिविन्यास कार्यक्रम

क्रम सं.	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*दिनांक*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1.	प्रारम्भिक शिक्षा में बालिकाओं की निरन्तरता अथवा अनिरन्तरता के कारणों का अध्ययन (मा.स.वि. मंत्रालय द्वारा निर्दिष्ट)	16 से 19 अप्रैल, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	9
2.	शहरी क्षेत्रों में शैक्षिक संस्थाओं द्वारा बालिकाओं के नामांकन, उन्हें बनाए रखने तथा विकास हेतु किए गए उपायों का स्थैतिक अध्ययन (एक सूक्ष्म अध्यन)	11 मई, 1990	फरीदाबाद	30
3.	शहरी क्षेत्रों में शैक्षिक संस्थाओं द्वारा बालिकाओं के नामांकन, बालिकाओं के नामांकन उन्हें बनाए रखने तथा 1990 विकास हेतु किए गए उपायों का स्थैतिक अध्ययन (एक सूक्ष्म अध्ययन)	14 से 15 जून, 1990	फरीदाबाद	30
4.	रा.शै.अ.प्र.प. पाठ्यपुस्तकों से लिंग संबंधी भेदभाव दूर करने पर कार्यशाला	16 से 17 अगस्त, 1990	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	17
5.	भारतीय साहित्य में महिलाओं के चित्रण के विषय पर पूरक पाठमाला का विकास	19 से 20 सितम्बर, 1990	मोदीपुरम्	12
6.	उदाहरणात्मक सामग्री का विकास तथा अध्यापक शिक्षा में निवेश	29 अक्तूबर से 2 नवम्बर, 1990	सोलान	60
7.	मातृ-भाषा (हिन्दी) पर उदाहरणात्मक सामग्री का विकास	27 से 31 दिसम्बर, 1990	जबलपुर	15

क्रम सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
8.	रा.शै.अ.प्र.प. पाठ्यपुस्तकों से लिंग संबंधी भेदभाव दूर करना	4 से 5 मार्च, 1991	रा.शैअ.प्र.प. नई दिल्ली	15
9.	भारत में ग्रामीण बालिकाओं की प्राथमिक शिक्षा के व्यापकीकरण पर उच्च स्तरीय सलाहकार पैनल की बैठक (यूनेस्को एक अध्ययन)			
10.	पाठ्यपुस्तकों में लिंग रुढ़िबद्धता के बारे में अध्यापकों तथा अध्यापक शिक्षकों को सुग्राही बनाना।	20 से 21 अप्रैल, 1990	मदर टरेसा महिला विश्वविद्यालय कोडईकेनाल	46
11.	राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों में महिला समानता-सहयोगी कार्यक्रम हेतु शिक्षा	9 से 13 जुलाई, 1990	फरीदाबाद	36
12.	बालिकाओं तथा महिलाओं के लिए शैक्षिक विकास योजनाओं को चलाने हेतु प्रेरणा के रूप में संस्थानाध्यक्षों हेतु कार्यशाला	19 से 20 जुलाई, 1990	मुजफ्फर नगर	48
13.	मातृ-भाषा में उदाहरणात्मक सामग्री की तैयारी हेतु प्रमुख व्यक्तियों का अभिविन्यास	27 से 31 अगस्त, 1990	मद्रास	32
14.	जन-संचार के माध्यम से बालिकाओं की शिक्षा तथा विकास हेतु संदेश तैयार करने के लिए कार्यशाला	7 से 8 अगस्त, 1990	तिरुचिरापल्ली	20
15.	हिमाचल प्रदेश, पंजाब, मध्य प्रदेश, हरियाणा आदि राज्यों में अध्यापक-शिक्षा में निवेश	4 से 5 सितम्बंर, 1990	क्षे.शि.म., भोपाल	38
16.	महिला शिक्षा तथा विकास की प्रविधि पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	20 अगस्त से 9 अक्तूबर, 1990.	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	16

1990-91

क्रम सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
17.	प्रारम्भिक स्तर पर महिलाओं की शिक्षा के लिए महिला मंडलों को शामिल करने के लिए प्रमुख व्यक्तियों को तैयार करना	29 से 31 अक्तूबर, 1990	सोलान	60
18.	मातृ-प्रबोधन परियोजना का मूल्यांकन तथा प्रलेखन	11 से 14 दिसम्बर, 1990	पुणे	35
19.	महिला शिक्षा तथा विकास में अध्ययनों की प्रविधि	20 दिसम्बर, 1990	मैदानगढ़ी दिल्ली	50

1990-91

चौदह

शैक्षिक अनुसंधान और नवाचार का विकास

विद्यालयी शिक्षा और अध्यापक शिक्षा की सभी शाखाओं में अनुसंधान की प्रोन्नति एवं समन्वयन करना परिषद् की प्रमुख गतिविधियाँ हैं। परिषद् अपने विभिन्न घटकों के अतिरिक्त, बाहरी संगठनों को भी वित्तीय सहायता देकर शैक्षिक अनुसंधान को सहायता देती रही है। यह कनिष्ठ अनुसंधान शिक्षा वृत्ति भी प्रदान करती है और अनुसंधान कार्य-प्रणाली पाठ्यक्रम आयोजित करती है, जिससे देश के विभिन्न भागों में सक्षम अनुसंधान कार्यकर्ताओं का एक दल स्थापित हो सके।

अनुसंधान और नवाचार

1974 में स्थापित परिषद् की शैक्षिक अनुसंधान और नवाचार समिति (एरिक) अनुसंधान को सहायता प्रदान करने वाली मुख्य इकाई है। विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा अनुसंधान संस्थानों तथा सम्बद्ध विधाओं के प्रतिष्ठित अनुसंधानकर्ता, एस. आई. ई./एस. सी. ई. आर. टी. के प्रतिनिधि, रा. शि. सं. के सभी विभागों/एककों के अध्यक्ष, रा.शै.अ.प्र.प. के सी.आई.ई.टी. तथा क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (आर.सी.ई.) इस समिति के सदस्य हैं। इसके अतिरिक्त रा.शि.सं., सी. आई.ई.टी. और आर.सी.ई. के कुछ चुने हुए प्रोफेसर, इस समिति के स्थायी आमंत्रित सदस्य हैं।

शैक्षिक अनुसंधान और नवाचार समिति (एरिक) शैक्षिक अनुसंधान के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों का पता लगाने में सहायता करती है और शिक्षा एवं सम्बद्ध विधाओं में अनुसंधान अध्ययन तथा नवाचार परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता देती है। शैक्षिक अनुसंधान और नवाचार समिति (एरिक) रा. शै. अ. प्र. प. संकाय के सह-निर्देशन में किए जा रहे पी. एच. डी. कार्य के लिए शिक्षावृत्ति देने के अतिरिक्त पी. एच. डी. शोध प्रबन्ध, शोध-पत्र और मोनोग्राफ की छपाई के लिए भी अनुदान देती है। समय-समय पर शैक्षिक अनुसंधान पर सूचनाओं और विचारों के प्रचार-प्रसार के अतिरिक्त यह समिति शैक्षिक अनुसंधान पर सम्मेलन/बैठकें/संगोष्ठियाँ भी आयोजित करती है।

पूरी की गई अनुसंधान परियोजनाएँ

वर्ष 1990-91 के दौरान शैक्षिक अनुसंधान और नवाचार समिति (एरिक) द्वारा समर्थित 20 अनुसंधान परियोजनाएं पूरी की गईं। इनमें सम्मिलित 15 परियोजनाओं पर परिषद् के विभिन्न घटकों ने तथा 5 परियोजनाओं पर बाहरी अनुसंधान संस्थानों ने कार्य किया। इस वर्ष पूरी की गई अनुसंधान परियोजनाओं का ब्यौरा तालिका 14.1 में दिया गया है:

तालिका 14.1

1990-91 में पूरी की गई अनुसंधान परियोजनाएं

क्रमांक	परियोजना का शीर्षक	अवधि	मुख्य अन्वेषक
1.	नमूने के तौर पर हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, मध्यप्रदेश तथा उड़ीसा राज्यों में माध्यमिक तथा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के भवनों का गहन अध्ययन	2 वर्ष	श्री एस. सी. मित्तल, मा.मू.स. और आ. प्र. वि. रा. शै. अ. प्र. प.
2.	चार चुनिंदा राज्यों के माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में पुस्तकालय सुविधाओं तथा उनके उपयोग का नमूना-अध्ययन	2 वर्ष	डा. सी. एल. कौल, मा.मू.स. और आ. प्र. वि. रा. शै. अ. प्र.प.
3.	विद्यालयों के माध्यमिक तथा उच्च माध्यमिक स्तरों पर अध्यापन सहायता का गहन अध्ययन	2 वर्ष	डा. सतबीर सिंह, मा. मू. स. और आ. प्र. वि. रा. शै. अ. प्र. प
4.	सिद्धान्त, अनुसंधान और यंत्रीकरण का विद्यार्थी अभिगम शैली विश्लेषण	1 वर्ष 6 माह	प्रोफेसर एम. के. रैना, अ. शि. वि. शि. और वि. से. वि. रा. शै. अ. प्र. प.
5.	चुनिंदा माध्यमिक विद्यालयों में विज्ञान प्रयोगशालाओं का अध्ययन	1 वर्ष 10 माह	डा. के. एन. राव, श्री एम. के. गुप्ता मा. मू. स. और आ. प्र. वि. रा. शै. अ. प्र. प.
6.	डायकैलकलीस में तंत्रिका मनोविज्ञान प्रक्रियाओं तथा तार्किक गणित संरचना का अध्ययन	1 वर्ष	डा. श्रीमती (एस. राम, क्षे. शि. म. मैसूर
7.	सर्जनात्मकता और विचारों का विकास तथा उसे प्रभावी बनाने के लिए अनुदेशी सामग्री का विकास	2 वर्ष	प्रोफेसर एस. एन. त्रिपाठी, क्षे. शि. म. भोपाल
8.	अनुदेशी कार्यक्रमों के लिए एन. एफ. ई., पाठ्यचर्या का अर्थ	1 वर्ष	डा. (कु.) पी. दास गुप्ता, रा. शै. अ. प्र. प.
9.	राजस्थान में इतिहास शिक्षण का आलोचनात्मक सर्वेक्षण	2 वर्ष	डा. वी. के. रैना, क्षे. से. वि. स. वि. रा. शै. अ. प्र. प.
10.	उ. प्र. में विभिन्न व्यवस्थाओं के अन्तर्गत अध्यापक प्रशिक्षण संस्थाओं में अध्यापकों की तैयारी के व्यक्तिगत मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन	1 वर्ष 6 माह	डा. एस. एल. गुप्ता, शै. मनो. प्र. और मा. वि. (एरिक) रा. शै. अ. प्र. प.

1990-91

क्रमांक	परियोजना का शीर्षक	अवधि	मुख्य अन्वेषक
11.	+ 2 स्तर पर पाठ्यक्रमों में व्यावसायिक विद्यार्थियों, कैरियर-व्यवहार तथा उनका समायोजन	3 वर्ष	डा. (श्रीमती) स्वदेश मोहन, डा. (श्रीमती) निर्मल गुप्ता, नी. अनु. नियो. ओर कार्य विभाग
12.	हि. प्र. के घूमने वाले जनजाति समूह के लिए आवश्यकता आधारित परिस्थिति के अनुसार निर्धारित तथा परिवर्तन अभिमुख शिक्षा- प्रणाली	3 वर्ष	डा. (कु.) (एस. बिसारिया सेवानिवृत्त प्रोफसर महिला अध्ययन विभाग रा.शै.अ.प्र.प.
13.	उच्चतर माध्यमिक अध्यापकों की गतिशीलता पैटर्न तथा व्यावसायिक वचन बद्धता—एक मार्गदर्शी अध्ययन	2 वर्ष	डा. (कु.) एस. बिसारिया सेवानिवृत्त प्रोफेसर महिला अध्ययन विभाग, रा.शै.अ.प्र.प.
14.	बालिकाओं की शिक्षा का आवश्यकता आधारित व्यावसायीकरण	2 वर्ष	डा. (कु.) एस. बिसारिया, सेवानिवृत्त प्रोफेसर महिला अध्ययन विभाग, रा.शै.अ.प्र.प.
15.	पर्यावरण और स्थानीय संसाधनों का इस्तेमाल करने वाले माध्यमिक तथा उच्चतर माध्यमिक स्तरों के लिए वनस्पति आधारित प्रयोगों का विकास	2 वर्ष	प्रोफेसर एस. भट्टाचार्य, क्षे.शि.म. भुवनेश्वर
बाहरी परियोजनाएं			
1.	अनौपचारिक विज्ञान शिक्षा का अन्वेषण, सस्ती संसाधन सामग्री का विकास	2 वर्ष	प्रोफेसर ए. एम. घोष कलकत्ता
2.	प्रवेश-स्तर की विशिष्टताएं, अभिगम आवश्यकताएं तथा अनौपचारिक शिक्षार्थियों के व्यावसायिक हित का अध्ययन	2 वर्ष	श्री अच्युतानंद प्रवक्ता, उड़ीसा
3.	सामाजिक आर्थिक स्तर तथा समाज के कमजोर तबके से संबंधित धर्म में व्यवसाय पर बल देना	2 वर्ष	डा. कु. आभा रानी विष्ट, अल्मोड़ा
4.	हिन्दी में भाषा सर्जकता के विकास पर शिक्षण की साइनेक्टिक्स पद्धति का प्रभाव	6 माह	डा. एस. पी. मल्होत्रा, रीडर, कुरूक्षेत्र
5.	विभिन्न प्रेरक स्थितियों में उत्सुकता के रूप में सीखने का कार्यक्रम	2 वर्ष	डा. देवेन्द्र श्री वास्तव, उन्नाव

चालू परियोजनाएं

इस वर्ष राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् के विभिन्न घटकों ने छः तथा बाहरी अनुसंधान संस्थानों ने सत्रह अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य जारी रखा। इन चालू अनुसंधान परियोजनाओं का ब्यौरा तालिका 14.2 में दिया गया है।

तालिका 14.2

1990-91 में चालू अनुसंधान परियोजनाएं

क्रमांक	*परियोजना का शीर्षक*	*मुख्य अन्वेषक*
विभागीय परियोजनाएं		
1.	विज्ञान में छात्र उपलब्धि को बढ़ाने हेतु शिक्षण कार्यनीति का विकास	प्रोफेसर एन. बैद्य, शै. मनो. परा. और मा. रा. शै.म.प्र.प.
2.	प्राथमिक विद्यालय के बच्चों (उ. प्र.) के शैक्षिक विकास पर शैक्षिक टेलीविजन कार्यक्रम के प्रभाव का अध्ययन	श्री एस. के. बत्रा, शै. मनो. परा. और मा. रा. शै. अ. प्र. प.
3.	विद्यालय तथा कक्षा के वातावरण में विद्यार्थियों के व्यावहारिक प्रबन्ध को कुछ कार्यों पर अध्यापकों का प्रारम्भिक सर्वेक्षण	डा.एस.पी. सिन्हा नी.अनु.नि.और. का. विभाग, रा.शै.अ.प्र.प.
4.	निजी तथा सार्वजनिक विद्यालयों में अंतर तथा विद्यालय उपलब्धि पर उनके प्राभाव का विश्लेषण	डा.एम.ए.खादर, क्षे.शि.म. मैसूर
5.	विज्ञान की सार्वजनिक समझ का एक अन्वेषण	प्रोफेसर जे.के. स्टूड, क्षे.शि.म.मैसूर
6.	संघटित व्यवस्था में अपंगों को सीखने की संकल्पना के लिए तैयार की गई और अपनाई गई अनुदेशी सामग्री के प्रभाव का प्रयोगात्मक अध्ययन	डा. (श्री मती) पी.एल. शर्मा क्षे.शि.म., मैसूर
बाहरी परियोजाएं		
1.	असमानता : बिहार में महिलाओं के पिछड़ेपन के कारण, प्रकृति तथा संख्या	प्रोफेसर आर.पी. सिंह, पटना

1990-91

क्रमांक	परियोजना का शीर्षक	मुख्य अन्वेषक
2.	विद्यालयी छात्रों के लिए स्वायत्त सृंजनात्मकता संवर्धन कार्यक्रम तैयार करने तथा कार्यक्रम के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन	प्रोफेसर जे.एम. मंडल, कलकत्ता
3.	केरल त्रिवेन्द्रम में लागू की गई नवोदय विद्यालय योजना का समीक्षात्मक मूल्यांकन	डा. हरी दास
4.	अध्यापन शिक्षण प्रणाली के विकास में नाटक का प्रयोग	डा. (श्रीमती) प्रभजोत कुलकर्णी, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
5.	भाषा प्रवीणता तथा व्यावहारिक सूचना प्रक्रिया पर एक विकासात्मक दृष्टि	श्रीमती, मेघमाला राजगुरू, पुणे
6.	विद्यालय जाने वाले छात्रों में अवसर की संकल्पना का विकास	डा.बी.के. शर्मा, गोरखपुर, विश्वविद्यालय, गोरखपुर
7.	तमिलनाडु में प्राथमिक स्तरों पर देखने में असमर्थ बच्चों के विकास की संकल्पना का अध्ययन	डा. एम.एन.जी. मणि, कोयम्बटूर
8.	ग्रामीण महिलाओं के सोचने की प्रक्रिया एवं उनके सृजनात्मकता का मूल्यांकन	डा.डी.वाई. पूर्णेकर पुणे
9.	विकलांग बच्चों के पाठ्यक्रम का विकास तथा मूल्याकन	डा. (श्रीमती) प्रेरणा मोहित, महाराष्ट्र विश्वविद्यालय बड़ोदरा
10.	कनिष्ठ माध्यमिक तथा उच्च माध्यमिक विद्यालयों के लिए शिक्षण के आधार रूप में पायनेट का सिद्धान्त–एक प्रयोगत्मक अध्ययन	डा. (श्रीमती) अनूपुनिया उदयपुर (राजस्थान)
11.	विद्यालय अध्यापकों के साधन स्रातों प्रतिक्रियाओं तथा अनुकरण संसाधनों पर जोर दिए जाने के लिए इनका अध्ययन	डा. एस. उषा श्री त्रिपुटी
12.	मानसिक रूप से विकलांग बच्चों की शिक्षा तथा प्रबन्ध अनेक अभिभावकों के योगदान का स्तर तथा इसका विद्यार्थियों की कुछ मूलभूत दक्षताएं प्राप्त करने में कितना हाथ है इसका अध्ययन	डा.मर्सी. अब्राहम त्रिवेन्द्रम

क्रमांक	परियोजना का शीर्षक	मुख्य अन्वेषक
13.	गणित में वस्तु परक प्रश्न सीखने के परिणाम का अध्ययन	डा.जे.पी. श्रीवास्तव, मेरठ
14.	समाज में शैक्षिक तथा सामाजिक तौर पर सुविधाविहीन बच्चों की पहचान मे अध्ययन की तैयार	डा. सरोज सक्सैना, रीडर, आगरा
15.	प्रथम पीढ़ी में शिक्षुओं में शिक्षण के लिए स्वतः संकल्पना, आकांक्षा तथा तत्परता के स्तर का अध्ययन	डा.एन.एस. डोंगा राजकोट
16.	प्राथमिक स्तर की (मातृ भाषा मराठी) भाषा पाठ्यपुस्तकों में बहरे बच्चों की शिक्षण समस्याओं को समझने तथा उनमें भाषा के प्रयोग की पूरक व्याख्यात्मक अनुदेशात्मक सामग्री के विकास का अध्ययन	श्रीमती वैजयन्ती डी. लिली. नासिक
17.	विद्यालय-पूर्व बच्चों के लिए निर्धारण जांच बिन्दु का मानकीकरण	श्रीमती वीणा मिस्त्री

रा.शि.सं. व्याख्यान माला

शैक्षिक अनुसंधान को प्रोत्साहन देने, प्रसारित करने और शैक्षिक अनुसंधान पर विचारों का आदान-प्रदान करने के प्रयास के रूप में परिषद् अनुसंधान और शिक्षा में रुचि रखने वालों के लाभ के लिए विदेश और भारत के विख्यात शिक्षाविदों और अनुसंधानकर्ताओं की वार्ता/व्याख्यान को रा.शि.सं. व्याख्यान माला के अन्तर्गत आयोजित करती रही है। रा.शि.सं. व्याख्यान माला के अन्तर्गत विभिन्न विषयों पर वार्ता देने के लिए दो श्रेष्ठ शिक्षाविदों को आमंत्रित किया गया, जैसाकि तालिका 14.3 में दर्शाया गया है।

तालिका 14.3

1990-91 में रा.शि.सं. व्याख्यान माला के अन्तर्गत दी गई वार्ता

क्रम सं.	वक्ता का नाम	विषय	तारीख
1.	प्रोफेसर जीव कॉक सिनक्लेयर, कम्युनिटी कॉलेज यू.एस.ए.	मानव जांच तथा अनुसंधान विधियाँ	18 जनवरी, 1991
2.	प्रोफेसर हरोल्ट ई. विथम, पैनीसिलवेनिया राज्य विश्वविद्यालय	छात्रों के विकास में संस्थागत तथा मनोवैज्ञानिक व्यावसायिकों की भूमिका	8 फरवरी, 1991

1990-91

एरिक की बैठकें

अनुसंधान के जो प्रस्ताव परिषद् अपने घटकों और अन्य संस्थानों से प्राप्त करती है, उनका मूल्यांकन और जांच श्रेष्ठ शिक्षाविदों की एरिक की एक उप-समिति द्वारा किया जाता है। इस वर्ष प्राप्त परियोजनाओं की जांच परख के लिए एरिक उप-समिति की दो बैठकें हुई। इन बैठकों के अतिरिक्त, जुलाई, 1990 तथा मार्च, 1991 में उप समिति की बैठक की सिफारिशों तथा एरिक के अन्य कार्यों पर विचार करने के लिए एरिक की बैठकें हुई।

अनुसंधान कार्यविधि पाठ्यक्रम/ कार्यशालाएं

एरिक अनुसंधान कार्यविधि के नए नमूने पर आधारित शैक्षिक अनुसंधान की कार्यविधि में एक अल्पकालिक नियमित पाठ्यक्रम चलाती है। अनुसंधान कार्यविधि पाठ्यक्रम स्तर-1 उन एम.फिल/ पी.एच.डी. छात्रों के लिए है, जो विभिन्न भारतीय विश्वविद्यालयों तथा सम्बद्ध शैक्षिक संस्थानों में पंजीकृत हैं, तथा प्रशिक्षण महाविद्यालयों/एन.सी.ई.आर.टी./ एस.आई.ई. के उन अध्यापक प्रशिक्षकों के लिए भी है जो शैक्षिक अनुसंधान कार्यों में लगे हो।

अनुसंधान कार्यविधि पाठ्यक्रम स्तर-2 अनुसंधान निर्देशकों तथा उन अन्य लोगों के लिए है जिन्होंने शैक्षिक अनुसंधान के संचालन में सक्षमता का एक निश्चित स्तर स्थापित कर लिया है।

अनुसंधान कार्यविधि पाठ्यक्रम तथा एरिक द्वारा आयोजित संगोष्ठी के संबंध में संक्षिप्त सूचना तालिका 14.4 में दी जा रही हैः

तालिका 14.4

क्रम सं.	*आयोजित पाठ्यक्रम*	*तारीख*	*स्थान*
1.	अनुसंधान कार्यविधि पाठ्यक्रम स्तर-1	9 से 16 जून, 1990	उत्तर-पूर्व हिल, विश्वविद्यालय, शिलांग
2.	अनुसंधान कार्यविधि पाठ्यक्रम स्तर-2	24 सितम्बर से 5 अक्टूबर, 1990	टी.टीटी.आई. मद्रास
3.	अनुसंधान कार्यविधि पाठ्यक्रम स्तर-3	19 से 24 नवम्बर, 1991	क्षे.शि.म. भुवनेश्वर
4.	शिक्षा में अनुसंधान कार्यविधि पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	25 से 28 फरवरी, 1991	शिक्षा विभाग, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट, गुजरात

शैक्षिक अनुसंधान और नवाचारों का पाँचवाँ सर्वेक्षण

शैक्षिक अनुसंधान और नवाचारों के पाँचवें सर्वेक्षण की परियोजना की स्थापना एन.सी.ई.आर.टी. में की गई तथा एरिक के अनुसंधान और नवाचारों पर सूचना के एकत्रीकरण तथा संकलन तथा बाद में निरन्तर एवं नियमित गतिविधियों के रूप में सर्वेक्षणों के प्रकाशन की जिम्मेदारी ली।

सर्वेक्षण में जनवरी, 1988 से दिसम्बर 1992 तक पाँच वर्षों

का समय दिया गया है। इस सर्वेक्षण में शिक्षा एवं संबद्ध/समकक्ष क्षेत्रों तथा मनोविज्ञान, समाज विज्ञान, अर्थशास्त्र, संचार, जन-संचार आदि के क्षेत्र में किए गए विभिन्न स्तरों पर शैक्षिक प्रक्रिया से संबंधित देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों द्वारा किए गए स्वतंत्र अनुसंधानों पी.एच.डी. शोध प्रबंध एवं नवाचारों के सारांश को शामिल किया जाएगा।

सर्वेक्षण के लिए 28 अगस्त, 1990 को हुई सम्पादकीय बोर्ड की प्रथम बैठक में कुछ मुद्दों जैसे सामान्य सम्पादकत्व, विषय-वस्तु, प्रारूप-शैली, तथा परिचालन कार्यपद्धति पर निर्णय लिया गया।

विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं संस्थाओं द्वारा किए गए अनुसंधानों के सारांश कुछ चुने हुए विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों एवं रीडरों जो संस्थागत स्तर पर संपर्क व्यक्ति के रूप में कार्य करते हैं, द्वारा एकत्र किया जा रहा है। इसी बीच एक प्रबंध शीर्षक "शैक्षिक अनुसंधान और नवाचारों का पाँचवाँ सर्वेक्षण : एक विस्तृत रूप रेखा" जिसमें परियोजना का ब्यौरा दिया गया है, प्रकाशित किया जा रहा है।

कनिष्ठ अनुसंधान शिक्षावृत्ति

रा.शै.अ.प्र.प. में डॉक्टरेट हेतु अनुसंधान कार्य करने के लिए कनिष्ठ अनुसंधान शिक्षावृत्ति का कार्यक्रम है इस समय राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान (एन.आई.ई.) नई दिल्ली में एक अनुसंधान कर्ता अपने पी.एच.डी. कार्यक्रम के लिए कार्य कर रहा है।

विश्वविद्यालयों को ज्यादा से ज्यादा सक्रिय रूप से शामिल करने के लिए रा.शै.अ.प्र.प. ने भारतीय विश्वविद्यालयों एवं नामित विश्वविद्यालयों से अनुरोध किया है, कि वे अपने यू.जी.सी, सी.एस.आई.आर. और राष्ट्रीय परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यार्थियों को रा.शै.अ.प्र.प. के संकाय सदस्यों के अधीन पी.एच.डी. पंजीकरण एवं सह-निर्देशन की सुविधाओं के आश्वासन के साथ उनकी सिफारिश करें।

शैक्षिक अनुसंधान पर इन-हाउस ग्रुप की बैठक

रा.शि.सं. संकाय की इन-हाउस ग्रुप की दो बैठकें वर्ष 1990-91 में आयोजित की गईं। इन बैठकों में रा.शै.अ.प्र.प. में शैक्षिक अनुसंधान की प्रगति में आने वाली कुछ समस्याओं पर विचार-विमर्श हुआ तथा उनके समाधान एवं स्थिति को सुधारने के उपाय सुझाये गये।

प्रचार

एरिक, अनुसंधान मोनोग्राफ श्रृंखला शीर्षक "व्हाट रिसर्च सेज टु टीचर्स" प्रकाशित करता है। इसी संदर्भ में, सितम्बर तथा अक्तूबर, 1990 में मैसूर विश्वविद्यालय तथा क्षे.शि.म., मैसूर के सहयोग से अनेक कार्यशालाएं तथा कार्यसमूह की बैठकें आयोजित की गई। प्रबन्ध की हस्तलिपि "कोगनीटिव प्रोसेस इन लर्निंग" शीर्षक से तैयार की गई।

भारत रत्न बाबा साहब अम्बेडकर एवं भारतीय समाज में असमानता को विशेष रूप से शिक्षा के क्षेत्र में, को दूर करने के लिए कार्यनीतियों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग) भारत सरकार के अनुरोध पर बाबा साहब अम्बेडकर के शताब्दी समारोह के एक भाग के रूप में रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली में 18 तथा 19 दिसम्बर, 1990 को बाबा साहब अम्बेडकर एवं "भारतीय समाज में असमानता, विशेष रूप से शिक्षा के क्षेत्र में, को दूर करने की कार्यनीतियों" पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई।

संगोष्ठी में भारतीय समाज में असमानता को विशेष रूप से शिक्षा के क्षेत्र में, को दूर करने के लिए महत्त्वपूर्ण संस्तुतियों की गई। संगोष्ठी की रिपोर्ट मुद्रित हो रही है।

पी.एच.डी. शोध प्रबन्ध/मोनोग्राफ का प्रकाशन

एरिक की सहायता से 1990-91 के दौरान प्रकाशित पी.एच.डी शोध प्रबंध/प्रबंध का ब्यौरा तालिका 14.5 में दिया जा रहा है।

1990-91

तालिका 14.5

क्रम सं.	शोध प्रवंध का शीर्षक	लेखक का नाम
1.	सैल्फ-लर्निंग इन बायलोजी	डा. नजमा सिद्दीकी, दिल्ली
2.	सेंटर-स्टेट रिलेशन्स इन दा फील्ड ऑफ एजुकेशन इन इंडिया	डा. एन.राय डी.एम. स्कूल, क्षे.शि.म., भुवनेश्वर
3.	नॉन-फॉमर्स एजूकेशन इन गढ़वाल रीजन	डा.प्रेम लाल भट्ट, गढ़वाल
4.	क्रिएटिविटी एंड एडजस्टमैन्ट ऑफ एडोलेसेन्ट्स	डा. उमेश चन्द, अग्रवाल
5.	साईटिफिक टैम्पर एंड एजूकेशन	डा.हेम लता सिंह कानपुर
6.	आर.सी.ई.बी. टूल्स फॉर सेकेन्ड्री क्लास स्टूडेन्ट्स	डा.बी.पी. आनन्द, भुवनेश्वर
7.	इफेक्टिवनेस ऑफ मॉडल ऑफ टीचिंग	डा. श्रीनिवास पांडे जौनपुर, उ.प्र.
8.	त्रुशियन विश्लेषण और सुधार	डा. राजेश कुमार, दिल्ली
9.	रीजनिंग एबिलिटीज एंड एचीवमैन्ट्स इन मैथेमेटिक्स	डा. ए.डी. तिवारी. भुवनेश्वर
10.	मेथड्स ऑफ टीचिंग पापुलेशन एजूकेशन	डा.आर.पी. कथूरिया, भोपाल
11.	सैल्फ-लर्निन इन बायलाजी	डा. नजमा नसीम सिद्दीकी दिल्ली
12.	क्रिएटिविटी एंड रोशाक इन इंडियन कॉनटैक्सट	डा. जनक वर्मा एन.सी.ई.आर.टी.

1990-91

1990-91 में पी.एच.डी. शोध प्रबन्ध/मोनोग्राफ के प्रकाशन 14.6 में दिया गया है।
में सहायता के लिए अनुमोदन किया गया इनका विवरण तालिका

तालिका 14.6

क्रम.सं.	शोध प्रबन्ध/मोनोग्राफ का शीर्षक	लेखक का नाम
1.	ए फैक्टोरल स्टडी ऑफ रीजनिंग एबिलिटी ऐट द ऐज ऑफ 14+	डा.के.पी.गर्ग, एन.सी.ई.आर.टी
2.	ए स्टडी ऑफ टीचर्स इफेक्टिवनेस एंड इट्स कोरीलेट्स ऐट हायर सेकेन्डरी स्टेज इन इस्टर्न यू.पी.	डा. राम सेवक सिंह जौनपुर, उ.प्र.
3.	डेवलपमैन्ट ऑफ ए सैल्फ लर्निंग मैटीरियल फॉर सीनियर सेकेन्डरी बायलोजी एंड अनेलेसिस ऑफ इट्स इफेक्टिवनेस	डा.नजमा नसीम सिद्दीकी, दिल्ली
4.	डेवलपमैन्ट ऑफ मैमोरी एंड कैटेगराइजेशन स्किलस इन स्कूल एंड अनस्कूल्ड चिल्ड्रेन्स	डा.बी.एस पाधी सम्बलपुर, उड़ीसा
5.	द इफेक्ट ऑफ टीचर लेड, सैल्फ लर्निंग पीयर ग्रुप डिसकशन एंड मास मीडिया एप्रोचेस ऑफ टीचिंग पॉपुलेशन एजूकेशन टू क्लासेस 9 ऐंड 10 आन नॉलिज, एटीट्यू ड्स एंड बिलीफ्स ऑफ द स्टूडैन्टस अबाउट पॉपुलेशन एक्सप्लोशन इन इंडिया	डा.आर.पी. कथूरिया भोपाल
6.	फैक्टर्स रिलेटस टू क्रिएटिविटी	डा. (कु.) कुसुम शर्मा
7.	ए कमपैरेटिव स्टडी ऑफ द वफेक्टिवनेस ऑफ थ्री एप्रोचेस ऑफ इन्सट्रक्शन, कन्वैंशनल रेडियो, विजन एंड माडयूलर एप्रोच आन द एचीवमेन्ट आफ स्टूडैन्ट्स इन सोशल स्टडीज	डा. नीलम धमीजा अम्बाला कैन्ट हरियाणा
8.	ए काम्प्रीहैन्सिव रिसर्च प्रोजेक्ट ऑन आइडैन्टिफिकेशन ऑफ स्पेसिफिक टीचिंग स्किलसः डेवल मैन्ट ऑफ इन्सट्रक्शनल मैटीरियल रिलेटेड टू हिन्दी टीचिंग	डा.डी.एल. शर्मा सरदार शहर, राजस्थान

1990-91

क्रम. सं.	शोध प्रबन्ध/मोनोग्राफ का शीर्षक	लेखक का नाम
9.	शंकराचार्य व समकालीन भारतीय शिक्षण दार्शनिकों की शैक्षिक विचारधारा का तुलनात्मक अध्ययन	डा. कुसुम लता, राठौर, सीतापुर, उ.प्र.
10.	ए स्टडी ऑफ डेवलपिंग परफौरमेन्स क्राइटेरिया एंड टेस्टिंग देयर एफीकेसी इन ट्रेनिंग स्टूडेन्टस टीचर्स इन ए टीचिंग स्किल्स क्लस्टर	डा. ए.एन.जोशी कोल्हापुर
11.	लर्निंग प्रोबलम्स ऑफ आउट - ऑफ स्कूल चिल्ड्रन द एज ग्रुप 9-14 इयर्स	डा. आर.के. गुप्ता, एन.सी.ई.आर.टी.
12.	सम वेम्पामेन्टल कोरीलेट्स ऑफ मैथमैटिक्स लर्निंग	डा. (श्री मती) वीणा देशमुख, बम्बई
13.	माध्यमिक विद्यालयों छात्रों में नैतिक मूल्यों के विकासहेतु प्रयुक्त विभिन्न समूहों की प्रभावोत्मपादकता तुल्नात्मक अध्ययन	डा. श्रीमती शकुन्तला पाडें, उदयुपर
14.	इम्पैक्ट ऑफ अडॉप्वेबिलिटी टू होम एंड स्कूल एनवायरमेन्ट्स आन लिटरेसी क्रिएटिविटी अमौंग अडोलेसेन्ट्स	डा. (श्री मती) सुषमा तलेसरा, उदयपुर

पन्द्रह नवोदय विद्यालयों को तकनीकी सहायता

वर्ष 1986-87 से देश में जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रवेश के लिए छात्रों का चयन करना रा.शै.अ.प्र.प. का एक महत्वपूर्ण कार्य रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान (एन.आई.ई.) का नवोदय विद्यालय प्रकोष्ठ (एन.वी.सी.) वर्तमान में मापन, मूल्यांकन, सर्वेक्षण और आंकड़ा प्रक्रियन विभाग (डी.एम.ई.एस.डी.पी.) का एक भाग है, जो नवोदय विद्यालय में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों के चयन संबंधी सभी कार्यों का समन्वयन करता है।

वर्ष 1990-91 के दौरान विभाग द्वारा किए गए प्रमुख कार्यों में विवरणिका व आवेदन-प्रपत्र तैयार करना और वितरित करना, चयन परीक्षा के आयोजन से जुड़े नवोदय विद्यालयों के प्राचार्यों, राज्यों के जिला शिक्षा अधिकारियों और अन्य अधिकारियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित करना, चयन परीक्षाओं के लिए प्रश्न-पत्रों को बनवाना, मुद्रित करवाना, 1990-91 तथा 1991-92 की नवोदय विद्यालय की चयन परीक्षाएं आयोजित करना, 261 नवोदय विद्यालयों में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों का चयन एवं नवोदय विद्यालयों में चयन परीक्षा की तकनीकी रिपोर्ट तैयार करना सम्मिलित है।

विवरणिका व आवेदन-प्रपत्र को तैयार तथा वितरित करना

नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 1991-92 के लिए विवरणिका व आवदेन-पत्रों को 18 क्षेत्रीय भाषाओं (असमी, बंगाली, अंग्रेजी, गारो, गुजराती, हिन्दी, कन्नड़, खासी, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, मिजो, उड़िया, पंजाबी, सिन्धी, तमिल, तेलुगु, और उर्दू) में तैयार कर मुद्रित करवाया गया। इन्हें रा.शै.अ.प्र.प. के क्षेत्रीय सलाहकारों के कार्यालयों, जिला शिक्षा अधिकारियों, खण्ड शिक्षा अधिकारियों आदि के माध्यम से बड़ी संख्या में वितरित करवाया गया। अभ्यार्थियों द्वारा पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन-पत्र जिला शिक्षा अधिकारियों के कार्यालयों में प्राप्त किए गए। नवोदय विद्यालय के प्राचार्यों के कार्यालयों में आवेदन प्रपत्रों की जांच की गई और उपयुक्त अभ्यार्थियों को जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा (जे.एन.वी.एस.टी.) के लिए प्रवेश जारी किए गए।

चयन परीक्षा की तैयारी

नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा की तैयार करने और उसे अन्तिम रूप देने के लिए कई बैठकें आयोजित की गई। परीक्षा के तीन प्रपत्र 18 क्षेत्रीय भाषाओं में तैयार करवाकर मुद्रित करवाए गए। परीक्षा में मानसिक योग्यता परीक्षा, भाषा परीक्षा और गणित परीक्षाएं सम्मिलित हैं। मानसिक योग्यता परीक्षा में 60 प्रश्न और भाषा परीक्षा तथा गणित परीक्षा में से प्रत्येक में 20-20 प्रश्न थे। मानसिक योग्यता परीक्षा में केवल गैर-मौखिक परीक्षण मदें थीं।

1990-91

ऐसा परीक्षण प्रक्रिया को यथा संभव संस्कृति-तटस्थ और पर्यावरणीय कारणों से होने वाले भेदभाव को न्यूनतम बनाए रखने के लिए किया गया। प्रत्येक परीक्षा की सभी मदें वस्तुनिष्ठ थीं। परीक्षा-पत्रों को विशेषज्ञों ने क्षेत्रीय भाषाओं में तैयार और अनुदित किया।

नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 1990-91

239 जिलों में जवाहर नवोदय विद्यालयों (जे.एन.वी.) के लिए चयन परीक्षा 18 मार्च, 1990 को आयोजित की गई। 15 हिमबाधित जिलों (जम्मू तथा कश्मीर में 7, हिमाचल प्रदेश तथा उत्तर प्रदेश में 4-4) में जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 1990, 27 मई, 1990 को आयोजित की गई। किन्हीं कारणों से जम्मू तथा कश्मीर के 6 जिलों में चयन परीक्षा 12 अगस्त, 1990 को आयोजित की गई तथा जम्मू तथा कश्मीर के कारगिल जिले के लिए चयन परीक्षा (पुनः परीक्षा) 24 नवम्बर, 1990 को आयोजित की गई। प्रत्येक सामुदायिक विकास खंड में परीक्षा केन्द्र बनायें गए। जिला स्तरीय प्रेक्षकों (डी. एल. ओ.) और केन्द्र स्तरीय प्रेक्षकों (सी.एल.ओ.) की नियुक्ति परीक्षाओं के संचालन की निगरानी करने के लिए की गई। परीक्षा की संचालन विधियों से अवगत कराने के लिए नवोदय विद्यालय के प्राचार्यों, जिला स्तरीय प्रेक्षकों, केन्द्र स्तरीय प्रेक्षकों और केन्द्र अधीक्षकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। परीक्षा संचालन के कार्य में लगे सभी कार्मिकों को आवश्यक मार्ग-निर्देश प्रदान किए गए। जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 1990, 22 राज्यों तथा 7 संघ शासित क्षेत्रों के 261 जिलों के 3039 खंडों में स्थित 3,254 केन्द्रों पर आयोजित की गई।

जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 1990 के लिए लगभग 3,43,107 अभ्यर्थी पंजीकृत हुए, परीक्षा में 3,14,762 (91.74%) अभ्यार्थी शामिल हुए। 261 जवाहर नवोदय विद्यालयों में प्रवेश के लिए कुल 17,445 विद्यार्थियों का चयन किया गया। नवोदय विद्यालय योजना के अनुसार चयनित अभ्यार्थियों में कम से कम 75% सीटें प्रत्येक जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के चुने हुए अभ्यार्थियों से भरी जाएंगी। वर्ष (1990-91 में 13,252) (75.96%) अभ्यार्थी ग्रामीण क्षेत्रों से तथा 4,193 (24.04%) अभ्यार्थी शहरी क्षेत्रों से चुने गए। चयनित अभ्यार्थियों का 67.47% (11,771) लड़के थे तथा 32.53% (5,674) लड़कियाँ थीं।

नवोदय विद्यालय समिति में कम से कम 15 प्रतिशत सीटें अनुसूचित जाति तथा 7.5 प्रतिशत सीटें अनुसूचित जन जाति के अभ्यार्थियों के लिए आरक्षित हैं। यह आरक्षण खुली प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता प्राप्त अ. जा. तथा. अ. ज. जा. के अभ्यार्थियों के अतिरिक्त है। जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा-1990 में 17,445 चयनित अभ्यार्थियों में 3,440 (1972%) अनुसूचित जाति तथा 1,787 (10.24%) अनुसूचित जन जाति से सम्बन्धित थे। शेष 12,218 (70.04%) अन्य पिछड़ी जातियों सहित सामान्य श्रेणी से थे।

नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 1991-92

शैक्षिक सत्र 1991-92 हेतु जवाहर नवोदय विद्यालयों में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों के चयन हेतु परीक्षा 10 मार्च, 1991 को देश के 214 जिलों के 2,607 खंडों में स्थित 2,753 केन्द्रों पर आयोजित की गई। परीक्षा में पंजीकृत 3,15,832 अभ्यर्थियों में से 2,91,093 (92.17%) अभ्यर्थी परीक्षा में बैठे। इस वर्ष शेष 42 जवाहर नवोदय विद्यालयों में प्रवेश के लिए चयन परीक्षा 4 मई, 1991 को आयोजित की गई।

जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 1989-90 की तकनीकी रिपोर्ट तैयार करना

1989-90 में आयोजित नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा की तकनीकी रिपोर्ट 1990-91 के दौरान तैयार कर मुद्रित करवाई गई। इस रिपोर्ट में मद-विश्लेषण तथा विभिन्न राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों और विभिन्न वर्गों के अभ्यार्थियों की परीक्षा निष्पादन की क्षमता की तुलना सम्मिलित की गई। जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 1990-91 की रिपोर्ट तैयार करने का कार्य भी आरम्भ किया गया। इसके अतिरिक्त, जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 1990-91 की सामान्य रिपोर्ट भी तैयार की गई।

सोलह प्रकाशन, प्रलेखन और प्रसारण

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् के कुछ मुख्य कार्यकलाप विद्यालय स्तर के लिए पाठ्यपुस्तकें, अभ्यास पुस्तिकाएँ, अध्यापक संदर्शिकाएँ तथा अध्यापकों के लिए अन्य अध्ययन सामग्री, अनुसंधान रिपोर्ट तथा मोनोग्राफ, व्यावसायिक पत्रिकाएँ एवं शैक्षिक सूचना का प्रलेखन और प्रसारण करना है। रा.शै.अ.प्र.प. का प्रकाशन विभाग, प्रकाशन कार्यक्रमों को देखता है। पुस्तकालय, प्रलेखन और सूचना विभाग (पु.प्र. और सू.वि.) सामान्य पुस्तकालय सेवाएँ उपलब्ध कराने के अतिरिक्त प्रलेखन सेवाओं का कार्य भी करता है, पत्रिका प्रकोष्ठ 6 शैक्षिक पत्रिकाओं के माध्यम से शैक्षिक सूचना के प्रसार से सम्बन्धित कार्य देखता है।

प्रकाशन : प्रकाशनों के निम्नलिखित मुख्य वर्ग हैं:

1. विद्यालय के लिए पाठ्यपुस्तकें, अभ्यास-पुस्तिकाएँ तथा निर्धारित पूरक रीडर्ज।
2. अध्यापक संदर्शिकाएँ, अध्यापक हैंडबुक्स और अन्य अनुदेशी सामग्री।
3. अनुसंधान रिपोर्ट और मोनोग्राफ्स।
4. शैक्षिक पत्रिकाएँ

इस वर्ष विभिन्न वर्गों के कुल 375 प्रकाशन प्रकाशित हुए, जिनका विवरण तालिका 16.1 में दिया गया है।

तालिका 16.1

1990-91 में प्रकाशित प्रकाशन

प्रकाशन वर्ग	*प्रकाशनों की संख्या*
पाठ्यपुस्तकों/अभ्यास पुस्तिकाओं/निर्धारित पूरक रीडरों का प्रथम संस्करण	47
पाठ्यपुस्तकों/अभ्यास पुस्तिकाओं/निर्धारित पूरक रीडरों का पुनर्मुद्रण	232
अन्य सरकारी अभिकरणों के लिए पाठ्यपुस्तकें/अभ्यास पुस्तिकाएँ	18
अनुसंधान मोनोग्राफ/रिपोर्टें तथा अन्य प्रकाशन	43
शैक्षिक पत्र-पत्रिकाएँ	34 अंक
योग	374

1990-91

नई पाठ्यपुस्तकों का प्रकाशन

रा.शै.अ.प्र.प. विद्यालय स्तर पर शिक्षा की विषय-वस्तु और प्रक्रिया के पुनराभिविन्यास के लिए 1986-87 से ही नई शिक्षण सामग्री के विकास और प्रकाशन कार्य में लगी हुई है। इस शिक्षण सामग्री में कक्षा 1 से 12 तक की पाठ्यपुस्तकें सम्मिलित हैं। इस वर्ष प्रकाशन विभाग ने कुछ विज्ञान, गणित तथा लेखा शास्त्र की पाठ्यपुस्तकों के हिन्दी संस्करणों को छोड़कर कक्षा 1 से 12 तक के लिए नई पाठ्यपुस्तकों के प्रकाशन कार्य को पूरा किया। 1990-91 में परिषद् द्वारा प्रकाशित प्रकाशनों की सूची तालिका 16.2 में दी गई है।

तालिका 16.2

1990-91 में रा.शै.अ.प्र.प. के प्रकाशन विभाग द्वारा प्रकाशित प्रकाशन

क्रमांक	*शीर्षक*	*प्रकाशन की तारीख*	*मुद्रित प्रतियों की संख्या*
पाठ्यपुस्तकों, अभ्यास पुस्तिकाओं तथा निर्धारित पूरक रीडर्स			
पहली कक्षा			
1.	बाल भारती भाग-1	जून 1990	2,00,000
2.	बाल भारती भाग-1	जनवरी 1991	2,80,000
3.	अभ्यास पुस्तिका बाल भारती भाग-1	दिसंबर 1991	1,75,000
4.	लैट-अस लर्न इंगलिश बुक-1 (एस.एस.)	जनवरी 1991	3,10,000
5.	वर्क बुक फॉर लैट-अस लर्न इंगलिश बुक-1 (एस.एस.)	जनवरी 1991	2,50,000
6.	लैट-अस लर्न मैथमैटिक्स बुक-1	मार्च 1991	2,90,000
दूसरी कक्षा			
7.	बाल भारती भाग-2	अप्रैल 1990	55,000
8.	अभ्यास पुस्तिका बाल भारती भाग-2	जनवरी 1991	2,00,000
9.	लैट-अस लर्न इंगलिश बुक-2 (एस.एस.)	दिसम्बर 1990	3,00,000
10.	वर्क बुक फॉर लैट-अस लर्न इंगलिश बुक-2 (एस.एस.)	फरवरी 1991	2,40,000
11.	लैट-अस लर्न मैथमैटिक्स बुक-2	मार्च 1991	3,00,000
तीसरी कक्षा			
12.	बाल भारती भाग-3	अप्रैल 1990	1,60,000
13.	अभ्यास पुस्तिका बाल भारती भाग-3	अप्रैल 1990	90,000
14.	अभ्यास पुस्तिका बाल भारती भाग-3	दिसम्बर 1990	2,30,000
15.	लैट-अस लर्न इंगलिश बुक-3 (एस.एस.)	दिसम्बर 1990	3,00,000

क्रमांक	शीर्षक	प्रकाशन की तारीख	मुद्रित प्रतियों की संख्या
16.	वर्क बुक फॉर लैट-अस लर्न इंगलिश बुक-3 (एस.एस.)	अप्रैल 1990	1,15,000
17.	वर्क बुक फॉर लैट-अस लर्न इंगलिश बुक-3 (एस.एस.)	मार्च 1991	2,50,000
18.	लैट-अस लर्न मैथमैटिक्स बुक-3	मार्च 1991	3,00,000
19.	वी.एण्ड अवर कन्ट्री (सोशल स्टडीज)	मार्च 1991	1,25,000
20.	हम और हमारा देश (सामाजिक अध्ययन)	सितम्बर 1990	7,000
21.	हम और हमारा देश (सामाजिक अध्ययन)	मार्च 1991	1,00,000
22.	एक्सप्लोरिंग एनवायरमेंट बुक-1 (साइंस)	अप्रैल 1990	1,25,000
23.	एक्सप्लोरिंग एनवायरमेंट बुक-1 (साइंस)	मार्च 1991	1,80,000
चौथी कक्षा			
24.	अभ्यास पुस्तिका बाल भारती भाग-4	मार्च 1991	1,35,000
25.	इंगलिश रीडर बुक-1 (एस.एस.)	जनवरी 1991	2,15,000
26.	इंगलिश रीडर बुक-1 (एस.एस.)	फरवरी 1991	2,40,000
27.	रीड फॉर प्लेजर-1 इंगलिश सप्लीमेंट्री (रीडर फॉर क्लास-4)	जुलाई 1990	85,000
28.	लैट-अस लर्न मैथमैटिक्स बुक-4	मई 1990	1,35,000
29.	अवर कन्ट्री इंडिया	दिसंबर 1990	1,30,000
30.	हमारा देश भारत	जनवरी 1991	1,05,000
पाँचवीं कक्षा			
31.	बाल भारती भाग-5	मार्च 1991	50,000
32.	अभ्यास पुस्तिका बाल भारती भाग-5	जनवरी 1991	1,55,000
33.	स्वस्ति भाग-1 (संस्कृत)	अगस्त 1990	45,000
34.	स्वस्ति भाग-1 (संस्कृत)	फरवरी 1991	85,000
35.	अभ्यास पुस्तिका स्वस्ति भाग-1	अप्रैल 1990	60,000
36.	अभ्यास पुस्तिका स्वस्ति भाग-1	मार्च 1991	85,000
37.	इंगलिश रीडर बुक-2 (एस.एस.)	अप्रैल 1990	95,000
38.	इंगलिश रीडर बुक-2 (एस.एस.)	मार्च 1991	1,60,000
39.	वर्कबुक फॉर इंगलिश रीडर बुक-2 (एस.एस.)	अप्रैल 1990	1,45,000
40.	वर्कबुक फॉर इंगलिश रीडर बुक-2 (एस.एस.)	दिसम्बर, 1990	60,000
41.	रीड फॉर प्लेजर-2 (इंगलिश सप्लीमेंट्री रीडर फॉर क्लास-5	दिसम्बर 1990	1,25,000
42.	लैट-अस लर्न मैथमैटिक्स बुक-5	अप्रैल 1990	1,00,000
43.	हमारा देश और संसार	मई 1990	75,000
44.	हमारा देश और संसार	मार्च 1990	1,00,000

1990-91

क्रमांक	शीर्षक	प्रकाशन की तारीख	मुद्रित प्रतियों की संख्या
45.	अवर कन्ट्री एण्ड दी वर्ल्ड (सोशल स्टडीज)	मार्च 1991	90,000
46.	एक्सप्लोरिंग एनवायरमेंट बुक-3 (साइंस)	अप्रैल 1990	1,50,000
47.	एक्सप्लोरिंग एनवायरमेंट बुक-3 (साइंस)	मार्च 1991	1,50,000
छठी कक्षा			
48.	किशोर भारती भाग-1	अप्रैल 1990	1,30,000
49.	किशोर भारती भाग-1	मार्च 1991	1,55,000
50.	स्वस्ति भाग-2 (संस्कृत)	सितम्बर, 1990	35,000
51.	स्वस्ति भाग-2 (संस्कृत)	दिसम्बर, 1990	65,000
52.	संक्षिप्त रामायण	जनवरी 1991	1,05,000
53.	अभ्यास पुस्तिका स्वस्ति भाग-2	अगस्त 1990	45,000
54.	अभ्यास पुस्तिका स्वस्ति भाग-2	नवम्बर 1990	60,000
55.	इंगलिश रीडर बुक-3 (एस.एस.)	फरवरी 1991	1,25,000
56.	वर्कबुक फॉर इंगलिश रीडर बुक-3 (एस.एस.)	जून 1990	85,000
57.	वर्कबुक फॉर इंगलिश रीडर बुक-3 (एस.एस.)	नवम्बर 1990	1,50,000
58.	रीड फॉर प्लेजर-3 (इंगलिश सप्लीमेंट्री रीडर) फॉर क्लास-6	दिसम्बर 1990	1,05,000
59.	मैथमैटिक्स बुक-1	अप्रैल 1990	1,35,000
60.	मैथमैटिक्स बुक-1	दिसम्बर 1990	1,85,000
61.	ऐनसियन्ट इंडिया	अप्रैल 1990	95,000
62.	ऐनसियन्ट इंडिया	मार्च 1991	1,05,000
63.	लैण्ड एण्ड पीपुल पार्ट-1	अप्रैल 1990	85,000
64.	लैण्ड एण्ड पीपुल पार्ट-1	फरवरी 1991	1,05,000
65.	देश और उनके निवासी भाग-1	जून 1990	50,000
66.	देश और उनके निवासी भाग-1	मार्च 1991	65,000
67.	अवर सिविक लाइफ	अप्रैल 1990	95,000
68.	अवर सिविक लाइफ	जनवरी 1991	90,000

क्रमांक	शीर्षक	प्रकाशन की तारीख	मुद्रित प्रतियों की संख्या
69.	हमारा नागरिक जीवन	मार्च 1991	95,000
70.	साइंस बुक-1	मार्च 1991	1,80,000
सातवीं कक्षा			
71.	किशोर भारती भाग-2	अप्रैल 1990	90,000
72.	संक्षिप्त महाभारत	मार्च 1991	60,000
73.	स्वस्ति भाग-3 (संस्कृत)	सितम्बर 1990	25,000
74.	स्वस्ति भाग-3 (संस्कृत)	जनवरी 1991	30,000
75.	अभ्यास पुस्तिका स्वस्ति भाग-3	अप्रैल 1990	45,000
76.	अभ्यास पुस्तिका स्वस्ति भाग-3	अगस्त 1990	25,000
77.	इंगलिश रीडर बुक-4 (एस.एस.)	दिसम्बर 1990	1,00,000
78.	रीड फॉर प्लेजर-4 (इंगलिश सप्लीमेंट्री रीडर) फॉर क्लास-7	अप्रैल 1990	70,000
79.	रीड फॉर प्लेजर-4 (इंगलिश सप्लीमेंट्री रीडर) फॉर क्लास-7	दिसम्बर 1990	85,000
80.	मैथमैटिक्स बुक-2 पार्ट-1	जून 1990	1,60,000
81.	हाउ वी गवर्न अवरसेल्वस	नवम्बर 1990	1,05,000
82.	हम अपना शासन कैसे चलाते हैं (नागरिक शास्त्र)	अप्रैल 1990	60,000
83.	हम अपना शासन कैसे चलाते हैं (नागरिक शास्त्र)	मार्च 1991	60,000
84.	मेडीवल इंडिया	अप्रैल 1990	70,000
85.	मेडीवल इंडिया	नवम्बर 1990	1,10,000
86.	मध्यकालीन भारत	मार्च 1991	53,000
87.	देश और उनके निवासी भाग-2	अप्रैल 1990	60,000
88.	देश और उनके निवासी भाग-2	मार्च 1991	45,000
89.	साइंस बुक-2	जून 1990	1,30,000
90.	साइंस बुक-2	मार्च 1991	1,75,000

1990-91

क्रमांक	शीर्षक	प्रकाशन की तारीख	मुद्रित प्रतियों की संख्या
आठवीं कक्षा			
91.	किशोर भारती भाग-3	अप्रैल 1990	1,10,000
92.	किशोर भारती भाग-3	जनवरी 1991	1,30,000
93.	जीवन और विज्ञान (हिन्दी सप्लीमेंट्री रीडर)	जून 1990	25,000
94.	स्वस्ति भाग-4 (संस्कृत)	सितम्बर 1990	25,000
95.	स्वस्ति भाग-4 (संस्कृत)	दिसम्बर 1990	45,000
96.	अभ्यास पुस्तिका स्वस्ति भाग-4	अगस्त 1990	25,000
97.	इंगलिश रीडर बुक-5 (एस.एस.)	जुलाई 1990	65,000
98.	इंगलिश रीडर बुक-5 (एस.एस.)	फरवरी 1991	85,000
99.	रीड फॉर प्लेजर-5 (इंगलिश सप्लीमेंट्री रीडर) क्लास-8	अप्रैल 1990	65,000
100.	रीड फॉर प्लेजर-5 (इंगलिश सप्लीमेंट्री रीडर) क्लास-8	दिसम्बर 1990	95,000
101.	मैथमैटिक्स बुक-3 पार्ट-1	जून 1990	1,25,000
102.	मैथमैटिक्स बुक-3 पार्ट-1	दिसम्बर 1990	1,40,000
103.	मैथमैटिक्स बुक-3 पार्ट-2	अप्रैल 1990	1,25,000
104.	मैथमैटिक्स बुक-3 पार्ट-2	मार्च 1991	1,60,000
105.	अवर कन्ट्री टुडे—प्रोबलम्स एण्ड चैलेंजेज (सिविक्स)	अप्रैल 1990	65,000
106.	अवर कन्ट्री टुडे—प्रोबलम्स एण्ड चैलेंजेज (सिविक्स)	मार्च 1991	90,000
107.	हमारा भारत—आज की समस्याएं और चुनौतियाँ	फरवरी 1991	80,000
108.	हमारा भारत—आज की समस्याएं और चुनौतियाँ	अप्रैल 1991	90,000
109.	माडर्न इंडिया (हिस्ट्री)	अप्रैल 1990	70,000
110.	माडर्न इंडिया (हिस्ट्री)	जनवरी 1991	80,000
111.	लैण्ड्स एण्ड पीपुल पार्ट-3 (ज्योगरफी)	जनवरी 1991	90,000
112.	साइंस बुक-3	मार्च 1991	1,45,000

1990-91

क्रमांक	शीर्षक	प्रकाशन की तारीख	मुद्रित प्रतियों की संख्या
नवीं कक्षा			
113.	लैंग्वेज थ्रू लिटरेचर इंगलिश रीडर-1 ("बी" कोर्स)	मार्च 1991	85,000
114.	वर्कबुक टू लैंग्वेज थ्रू लिटरेचर इंगलिश रीडर ("बी" कोर्स)	जनवरी 1991	85,000
115.	स्वस्ति भाग 1 हिन्दी "ए" कोर्स (कविता)	फरवरी 1991	1,90,000
116.	चित्रा भाग-1 (हिन्दी)	अप्रैल 1990	55,000
117.	साइंस	जून 1990	1,75,000
118.	विज्ञान भाग-1	अप्रैल 1990	1,40,000
119.	विज्ञान भाग-2	अप्रैल 1990	1,40,000
120.	मैथमैटिक्स	जून 1990	1,75,000
121.	गणित भाग-1	अप्रैल 1990	1,40,000
122.	गणित भाग-2	जुलाई 1990	1,40,000
123.	द स्टोरी ऑफ सिविलाइजेशन वाल्यूम-1 (हिस्ट्री)	जून 1990	1,35,000
124.	सभ्याता की कहानी भाग-1 (इतिहास)	मई 1990	1,85,000
125.	सभ्याता की कहानी भाग-1 (इतिहास)	मार्च 1991	1,25,000
126.	अन्डरस्टैंडिंग एनवायरमेंट (जोगरफी)	सितम्बर 1990	1,35,000
127.	अन्डरस्टैंडिंग एनवायरमेंट (जोगरफी)	जनवरी 1991	1,30,000
128.	पर्यावरण बोध (भूगोल)	मई 1990	1,85,000
129.	पर्यावरण बोध (भूगोल)	मार्च 1991	1,25,000
130.	इन्ट्रोडक्शन टू अवर इकोनामी	अप्रैल 1990	1,10,000
131.	इन्ट्रोडक्शन टू अवर इकोनामी	नवम्बर 1990	1,05,000
132.	हमारी अर्थव्यवस्था का परिचय (अर्थशास्त्र)	जनवरी 1991	1,05,000
दसवीं कक्षा			
133.	वर्कबुक टू लेंग्वेज थ्रू लिटरेचर ("बी" कोर्स)	जनवरी 1991	75,000
134.	लैंग्वेज थ्रू लिटरेचर सप्लीमेंट्री रीडर-2 ("बी" कोर्स)	मार्च 1991	95,000

1990-91

क्रमांक	शीर्षक	प्रकाशन की तारीख	मुद्रित प्रतियों की संख्या
135.	स्वाति भाग-2 हिन्दी "ए" कोर्स (पद्य)	मई 1990	50,000
136.	स्वाति भाग-2 हिन्दी "ए" कोर्स (पद्य)	फरवरी 1991	2,10,000
137.	पराग भाग-2 हिन्दी "ए" कोर्स (गद्य)	अप्रैल 1990	2,50,000
138.	चित्रा भाग-2 हिन्दी "बी" कोर्स (पद्य)	मई 1990	50,000
139.	चित्रा भाग-2 हिन्दी "बी" कोर्स (पद्य)	फरवरी 1991	60,000
140.	किसले भाग-2 हिन्दी "बी" कोर्स (प्रोज)	मई 1990	50,000
141.	किसले भाग-2 हिन्दी "बी" कोर्स (प्रोज)	फरवरी 1991	60,000
142.	साइंस	अप्रैल 1990	2,20,000
143.	साइंस	मार्च 1991	2,30,000
144.	मैथमैटिक्स	मई 1990	2,20,000
145.	मैथमैटिक्स	मार्च 1991	2,30,000
146.	विज्ञान भाग-2 खण्ड-1	जून 1990	1,75,000
147.	विज्ञान भाग-2 खण्ड-1	मार्च 1991	85,000
148.	विज्ञान भाग-2 खण्ड-2	फरवरी 1991	1,75,000
149.	गणित भाग-2 खण्ड-1	जून 1990	1,75,000
150.	गणित भाग-2 खण्ड-1	मार्च 1991	1,75,000
151.	द स्टोरी ऑफ सिविलाइजेशन वाल्यूम-2 (हिस्ट्री)	मई 1990	50,000
152.	द स्टोरी ऑफ सिविलाइजेशन वाल्यूम-2 (हिस्ट्री)	फरवरी 1991	1,60,000
153.	सभ्यता की कहानी भाग-2 (इतिहास)	मई 1990	2,25,000
154.	सभ्यता की कहानी भाग-2 (इतिहास)	मार्च 1991	1,50,000
155.	इंडिया—इकोनामिक जोगरफी (जोगरफी)	मई 1990	
156.	भारत—आर्थिक भूगोल	जून 1990	2,25,000
157.	अवर गवर्नमेंट हाउ इट फंक्शन्स (सिविक्स)	मई 1990	1,00,000
158.	पल्लव भाग-1 हिन्दी (केन्द्रिक) (गद्य)	फरवरी 1991	45,000
159.	मंदाकिनी भाग-1 हिन्दी (वैकल्पिक) (पद्य)	दिसम्बर, 1990	55,000

1990-91

क्रमांक	शीर्षक	प्रकाशन की तारीख	मुद्रित प्रतियों की संख्या
160.	प्रवाल भाग-1 हिन्दी (वैकल्पिक) (गद्य)	अप्रैल 1990	70,000
161.	प्रवाल भाग-1 हिन्दी (वैकल्पिक) (प्रोज)	जनवरी, 1991	55,000
162.	साहित्य का स्वरूप	मई 1990	10,000
163.	साहित्य का स्वरूप	अक्तूबर 1990	20,000
164.	आई द पीपुल इंगलिश सप्लीमेंट्री रीडर (कोर)	फरवरी, 1991	1,10,000
165.	स्टोरीज, प्लेज एण्ड टेल्स ऑफ एडवेंचर्स	अप्रैल 1990	60,000
166.	स्टोरीज, प्लेज एण्ड टेल्स ऑफ एडवेंचर्स	मार्च 1991	1,60,000
167.	फाइव वन-एक्ट प्लेज इंगलिश (इलेक्टिव)	मई 1990	8,000
168.	फाइव वन-एक्ट प्लेज इंगलिश (इलेक्टिव)	मार्च 1991	12,000
169.	संस्कृत साहित्य परिचय (वैकल्पिक)	जनवरी 1991	6,000
170.	सोसाइटी, स्टेट एण्ड गवर्नमेंट	फरवरी 1991	20,000
171.	समाज, राज्य और सरकार (राजनीति विज्ञान)	मई 1990	6,000
172.	ओरगेन्स ऑफ गवर्नमेंट : ए टेक्सटबुक फॉर पोलिटिकल साइंस	मई 1990	20,000
173.	आरगेन्स ऑफ गवर्नमेंट : ए टेक्सटबुक फॉर पोलिटिकल साइंस	मार्च 1991	17,000
174.	सरकार के अंग–राजनीति विज्ञान की पाठ्यपुस्तक	मई 1990	13,000
175.	ऐन्सियंट इंडिया (हिस्ट्री)	मई 1990	40,000
176.	प्राचीन भारत (हिस्ट्री)	मई 1990	20,000
177.	प्रिंसिपल्स ऑफ जोगरफी पार्ट-1	जून 1990	15,000
178.	प्रिंसिपल्स ऑफ जोगरफी पार्ट-1	मार्च 1991	18,000
179.	भूगोल के सिद्धांत भाग-1	अप्रैल 1990	10,000
180.	भूगोल के सिद्धांत भाग-1	जनवरी 1991	8,000
181.	भूगोल के सिद्धांत भाग-2	फरवरी 1991	7,000
182.	ऐन इंट्रोडक्शन टू सोशियोलॉजी	अगस्त 1990	2,000
183.	समाजशास्त्र–एक परिचय	जून 1990	2,500
184.	समाजशास्त्र–एक परिचय	फरवरी 1991	2,000

1990-91

क्रमांक	शीर्षक	प्रकाशन की तारीख	मुद्रित प्रतियों की संख्या
185.	मेडीवल इंडिया (हिस्ट्री)	नवम्बर 1990	80,000
186.	मध्यकालीन भारत	नवम्बर 1990	45,000
187.	एलीमेंट्री स्टैटिस्टिक्स	अप्रैल 1990	16,000
188.	एलीमेंट्री स्टैटिस्टिक्स	फरवरी 1991	25,000
189.	प्रारंभिक साँख्यिकी अर्थशास्त्र	फरवरी 1991	6,000
190.	इवोल्यूशन ऑफ इंडियन इकोनॉमी	अप्रैल 1990	14,000
191.	भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास (अर्थशास्त्र)	दिसंबर 1990	6,000
192.	भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास (अर्थशास्त्र)	फरवरी 1991	25,000
193.	फील्डवर्क एण्ड लेबोरेट्री टैक्निक्स इन जोगरफी	मई 1990	4,000
194.	फील्डवर्क एण्ड लेबोरेट्री टैक्निक्स इन जोगरफी	मार्च 1991	5,000
195.	भूगोल के क्षेत्रीय कार्य एवं प्रयोगशाला प्रविधियाँ	जनवरी 1991	3,000
196.	एकाउंटिंग बुक-1	अप्रैल 1990	10,000
197.	एकाउंटिंग बुक-1	मार्च 1991	10,000
198.	बिजनेस स्टडीज	अप्रैल 1990	5,000
199.	बिजनेस स्टडीज बुक इन हिन्दी	मार्च 1991	50,000
200.	फिजिक्स पार्ट-1	फरवरी 1991	85,000
201.	फिजिक्स पार्ट-2	जून 1990	75,000
202.	कैमिस्ट्री पार्ट-1	मार्च 1991	55,000
203.	कैमिस्ट्री पार्ट-2	मार्च 1991	45,000
204.	बायलोजी पार्ट-1	फरवरी 1991	60,000
205.	बायलोजी पार्ट-2	फरवरी 1991	60,000
206.	मैथमैटिक्स पार्ट-1	फरवरी 1991	1,30,000
207.	मैथमैटिक्स पार्ट-2	मार्च 1991	1,20,000
208.	सरल हिन्दी व्याकरण और रचना क्लास 9-10	मार्च 1991	20,000
ग्यारहवीं-बारहवीं कक्षा			
209.	व्याकरण सौरभम् (संस्कृत)	मार्च 1991	2,000

1990-91

क्रमांक	शीर्षक	प्रकाशन की तारीख	मुद्रित प्रतियों की संख्या
बारहवीं कक्षा			
210.	नीहारिका भाग-2 हिन्दी	जनवरी 1991	50,000
211.	नीहारिका भाग-2 हिन्दी	अप्रैल 1990	35,000
212.	पल्लव भाग-2 हिन्दी (केन्द्रिक) (गद्य)	मई 1990	35,000
213.	पल्लव भाग-2 हिन्दी (केन्द्रिक) (गद्य)	जनवरी 1991	60,000
214.	मंदाकिनी भाग-2 (हिन्दी) (इलेक्टिव) पद्य	अप्रैल 1990	80,000
215.	मंदाकिनी भाग-2 हिन्दी (इलेक्टिव) पोइट्री	मार्च, 1991	80,000
216.	प्रवाल भाग-2 हिन्दी वैकल्पिक गद्य (प्रोज)	अप्रैल, 1990	80,000
217.	प्रवाल भाग-2 हिन्दी गद्य (वैकल्पिक) (प्रोज)	मार्च, 1991	80,000
218.	ए कोर्स इन रिटेन इंगलिश (कोर)	अप्रैल, 1990	10,000
219.	ए कोर्स इन रिटेन इंगलिश (कोर)	मार्च, 1991	63,000
220.	द वेव ऑफ अवर लाइफ (कोर)	मार्च, 1991	1,00,000
221.	डियर टु आल द मसेज (इलेक्टिव)	अप्रैल, 1990	6,000
222.	डियर टु आल द मसेज (इलेक्टिव)	फरवरी, 1991	10,000
223.	ऑन टॉप आफ द वर्ल्ड (इलेक्टिव)	मार्च, 1991	10,000
224.	संस्कृत कविता कादम्बिनी	मई, 1990	6,000
225.	संस्कृत कविता कादम्बिनी	मार्च, 1991	5,000
226.	मैथमैटिक्स पार्ट-1	अप्रैल, 1990	1,00,000
227.	मैथमैटिक्स पार्ट-1	मार्च, 1991	1,00,000
228.	मैथमैटिक्स पार्ट-2	सितम्बर, 1990	70,000
229.	बायलोजी पार्ट-1	अगस्त, 1990	1,00,000
230.	बायलोजी पार्ट-2	अगस्त, 1990	1,00,000

1990-91

क्रमांक	शीर्षक	प्रकाशन की तारीख	मुद्रित प्रतियों की संख्या
231.	फिजिक्स पार्ट-1	अप्रैल, 1990	1,00,000
232.	फिजिक्स पार्ट-2	अगस्त, 1990	1,00,000
233.	फिजिक्स-लबोरेट्री मैनुअल	फरवरी, 1991	1,00,000
234.	कैमिस्ट्री पार्ट-1	मई, 1990	1,00,000
235.	कैमिस्ट्री पार्ट-2	फरवरी, 1991	1,00,000
236.	मेजर कनसेप्ट्स इन पोलिटकल साइंस	अप्रैल, 1990	40,000
237.	मेजर कनसेप्ट्स इन पोलिटिकल साईस	फरवरी, 1991	35,000
238.	राजनीति विज्ञान की प्रमुख अवधारणाएं (राजनीति विज्ञान)	मई, 1990	25,000
239.	राजनीति विज्ञान की प्रमुख अवधारणाएं (राजनीति विज्ञान)	मार्च, 1991	20,000
240.	इंडियन डेमोक्रेसी ऐट वर्क (पोलिटिकल साईस)	नवंबर, 1990	75,000
241.	भारत में लोकतंत्र (राजनीति विज्ञान)	नवंबर, 1990	45,000
242.	मॉडर्न इंडिया	जून, 1990	55,000
243.	मॉर्डन इंडिया	जनवरी, 1991	40,000
244.	आधुनिक भारत (इतिहास)	मई, 1990	20,000
245.	कनटेम्परेरी वर्ल्ड हिस्ट्री (हिस्ट्री)	नवंबर, 1990	90,000
246.	समसामईक विश्व इतिहास (इतिहास)	दिसंबर, 1990	40,000
247.	इंडिया-जनरल जोगरफी (जोगरफी)	मई, 1990	25,000
248.	भारत सामान्य भूगोल	मई, 1990	10,000
249.	जनरल जोगरफी आफ इंडियन रिसोर्सस एण्ड रीजनल डेवलपमेंट (सेकेंड समेस्टर)	मई, 1990	25,000
250.	जनरल जोगरफी ऑफ इंडियन रिसोर्सस एण्ड रीजनल डेवलपमेट (सेकेंड समेस्टर)	नवंबर, 1990	55,000
251.	भारतीय संसाधन और क्षेत्रीय विकास का भूगोल	नवंबर, 1990	22,000

क्रमांक	शीर्षक	प्रकाशन की तारीख	मुद्रित प्रतियों की संख्या
252.	एकाउंटिंग बुक-I	जून, 1990	15,000
253.	एकाउंटिंग बुक-2 फाइनेन्सिल स्टेटमेंट अनालेसिस	नवंबर, 1990	15,000
254.	बिजनेस स्टडीज	जून, 1990	15,000
255.	नेशनल इनकम एकाउंटिंग	मार्च, 1991	20,000
256.	राष्ट्रीय आय लेखा पद्धति	मार्च, 1991	6,000
257.	ऐन. इन्ट्रोडक्शन टू इकोनॉमिक थ्योरी	मई, 1990	15,000
258.	एन इन्ट्रोडक्शन टू इकोनॉमिक्स थ्योरी	मार्च, 1991	20,000
259.	आर्थिक सिद्धांत का परिचय	फरवरी, 1991	10,000
260.	इंडियन सोसाइटी	अप्रैल, 1990	6,000
261.	इंडियन सोसाइटी	फरवरी, 1991	7,000
262.	भारतीय समाज	जून, 1990	5,000
263.	चाइल्ड साईक्लोजी	अप्रैल, 1990	5,000
264.	सोशल चेन्ज	फरवरी, 1991	7,000
उर्दू की पाठ्य पुस्तकें			
पहली कक्षा			
265.	आओ हिसाब सीखें बुक-1 (लेट अस लर्न मैथमैटिक्स)	नवंबर, 1990	7,000
तीसरी कक्षा			
266.	आओ हिसाब सीखें बुक-3 (लेट अस लर्न मैथमैटिक्स)	मई, 1990	5,000
267	हम और हमारा देश	सितंबर, 1990	7,000
चौथी कक्षा			
268.	उर्दू की नई किताब	सितंबर, 1990	5,000

1990-91

क्रमांक	शीर्षक	प्रकाशन की तारीख	मुद्रित प्रतियों की संख्या
पाँचवी कक्षा			
26.9	उर्दू की नई किताब	दिसम्बर, 1990	5,000
छठी कक्षा			
270.	हिसाब पार्ट-1 (मैथमैटिक्स)	अप्रैल, 1990	5,000
271.	कदीम हिंदुस्तान (ऐंसिएंट इंडिया)	सितंबर, 1990	5,000
272.	ममालिक और उनके बासिंदे पार्ट-1 (लैंड एण्ड पीपुल)	सितंबर, 1990	5,000
सातवीं कक्षा			
273.	साइंस	सितंबर, 1990	5,000
274.	हम अपनी सरकार कैसे चलाते हैं (हाऊ वी गवर्न अवरसेल्वस)	सितंबर, 1990	5,000
275.	उर्दू की नई किताब	मई, 1990	5,000
आठवीं कक्षा			
276.	उर्दू की नई किताब	अप्रैल, 1990	5,000
नवीं कक्षा			
277.	उर्दू की नई किताब	सितंबर, 1990	5,000
ग्यारहवीं कक्षा			
278.	तबई जौगरफी (फिजिकल जोगरफी)	सितंबर, 1990	2,000
279.	नजरिया-ए-मशीयात का तारूफ (ऐन इंट्रोडक्सन टू इकोनामिक थ्योरी)	नवंबर, 1990 नवंबर, 1990	2,000 2,000

1990-91

क्रमांक	शीर्षक	प्रकाशन की तारीख	मुद्रित प्रतियों की संख्या
अरूणाचल प्रदेश के लिए पाठ्य पुस्तकें			
1.	अरूण भारती भाग-1	अप्रैल, 1990	40,000
2.	अरूण भारती भाग-2	अप्रैल, 1990	27,000
3.	वर्कबुक टू न्यू डाउन रीडर बुक-1	अप्रैल, 1990	40,000
4.	वर्कबुक टू न्यू डाउन रीडर बुक-2	अप्रैल, 1990	12,000
5.	अभ्यास पुस्तिका अरूण भारती भाग-3	अप्रैल, 1990	22,000
6.	अरूण भारती भाग-3	अप्रैल, 1990	25,000
7.	अरूण भारती भाग-4	अगस्त, 1990	15,000
8.	न्यु डाउन रीडर बुक-2	सितंबर, 1990	12,000
9.	सप्लीमेंट्री रीडर टू न्यू डाउन रीडर बुक-2	सितंबर, 1990	13,000
10.	न्यू डाउन रीडर बुक-1	सितंबर, 1990	40,000
11	सप्लीमेंट्री रीडर टू न्यू डाउन रीडर बुक-1	सितंबर, 1990	40,000
12.	हमारा अरूणाचल प्रदेश	अगस्त, 1990	15,000
13.	अरूण भारती भाग-2	अगस्त, 1990	30.000
14.	अभ्यास पुस्तिका अरूण भारती भाग-1	अक्तूबर, 1990	40,000
15.	अभ्यास पुस्तिका अरूण भारती भाग-4	जनवरी, 1991	5,000
पश्चिमी बंगाल के लिए पाठ्य पुस्तकें			
1.	काव्य भारती	अप्रैल, 1990	10,000
2.	गद्य भारती	अक्तूबर, 1990	7,000
नवोदय विद्यालयों के लिए पाठ्य पुस्तकें			
1.	द वर्ल्ड अराउंड मी फॉर क्लास-8	अगस्त, 1990	15,000
रीडिंग टू लर्न सीरीज			
1.	द लीजेंड ऑफ किंग ऑर्थर	जून, 1990	10,000
2.	ए बुक ऑफ 15 पोइम्स	अगस्त, 1990	10,000
3.	पी-ऐन एनडिंग स्टोरी इन मैथमैटिक्स	जुलाई, 1990	5,000

1990-91

क्रमांक	शीर्षक	प्रकाशन की तारीख	मुद्रित प्रतियों की संख्या
पढ़े और सीखें माला			
1.	जैव तकनीक (बायो टैक्नोलोजी)	जून, 1990	10,000
2.	भारत के प्रमुख तीर्थ स्थल	मई, 1990	15,000
3.	तारों की जीवन गाथा	सितंबर, 1990	10,000
4.	कर्म योगी तिलक	सितंबर, 1990	15,000
5.	नापो तो सच पता चले	सितंबर,1990	10,000
6.	नेहरू-नये भारत के निर्माता	जून, 1990	15,000
7.	उत्कृष्ट गैसें	अक्तूबर, 1990	10,000
8.	नाभिकीय विकिरण	सितंबर, 1990	10,000
9.	आदिवासी लोक कथाएं	नवंबर, 1990	10.000
10.	दक्षिण भारत की काव्य कथाएं	अक्तूबर, 1990	15.000
11.	स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुन्डा	जून, 1990	15.000
कमल पुस्तक माला			
1.	लाइफ ऑफ गुरु नानक (पेपर बैक)	अप्रैल, 1990	18,000
2.	लाइफ ऑफ गुरु नानक (हार्ड बाउड)	अप्रैल, 1990	3,000
व्यावसायिक पाठ्यक्रम तथा कार्य अनुभव पर पुस्तकें			
1.	सैरीकल्चर एक्सटेंशन एण्ड मैनेजमेंट-इंसट्रक्सनल-कम प्रैक्टिकल मैनुअल वाल्युम-6	अप्रैल, 1990	5,000
2.	सिल्कवर्क सीड प्रोडकशन टेक्नामलाजी-इंसट्रक्सनल-कम प्रैक्टिकल	अप्रैल, 1990	5,000
3.	सिल्क रीलिंग टैस्टिंग एंड स्पिनिंग-इंसट्रक्सनल-कम प्रैक्टिकल मैनुअल	अगस्त, 1990	5,000
4.	फोटोग्राफी-इंसट्रक्सनल-कम-प्रैक्टिकल मैनुअल क्लास-10	जून, 1990	5,000
5.	गाइड लाइंस फॉर इवैल्यूटिंग द इंप्लिमेंटेशन आफ वोकेशनल करीकुलम	जुलाई, 1990	5,000

क्रमांक	शीर्षक	प्रकाशन की तारीख	मुद्रित प्रतियों की संख्या
6.	मलबेरी एण्ड सिल्क वर्क क्रॉप प्रोटेक्सन	नवंबर, 1990	5,000
7.	डोमेस्टिक एप्लायंसेज रिपेयर वो.-2	नवंबर, 1990	5,000
8.	पब्लिक हेल्थ एन्टोमोनोलोजी	नवंबर, 1990	5,000
9.	इलेक्ट्रिकल वायरिंग, इस्टीमेटिंग एण्ड कॉस्टिंग फॉर क्लास-11-12	नवंपर, 1990	5,000
10.	सिल्क वॉर्म बायलोजी एण्ड रियरिंग (सेरीकल्चर-2)	मई, 1990	5,000
11.	नर्सरी मैनेजमेंट (इनलैंड फिशरी)- इन्सट्रक्सनल-कम-प्रैक्टिकल मैनुअल वो.3	दिसंबर, 1990	5,000
12.	सेरियोलोजी (मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नीक्स फॉर रूटीन डायगनोस्टिक टेस्टस) वो. 10	अक्तूबर, 1990	5,000
13.	लाइनमैन प्रैक्टिस वो.2 फॉर क्लास-12	मार्च, 1991	5,000
अनुसंधान मोनोग्राफ तथा अन्य प्रकाशन			
1.	नेशनल प्राइज कम्पिटिशन फॉर चिल्ड्रेनस लिटरेचर	अप्रैल, 1990	10,000
2.	फिफ्थ आल इन्डिया एजूकेशनल सर्वे-ए कन्साइज रिपोर्ट	अक्तूबर, 1990	7,500
3.	ऑडिट रिपोर्ट 1988-89	अक्टूबर, 1990	500
4.	ऐनुअल रिपोर्ट 1989-90	नवंबर, 1990	1,000
5.	टीचर एजूकेशन इन इंडिया—ए रिसोर्स बुक	नवंबर, 1990	5,000
6.	गाईड लाइंस फॉर द एस्टेब्लिशमेंट ऑफ करीकुलम डेवलप्मेंट सेंटर एण्ड डेवलप्मेंट ऑफ करीकुलम एण्ड इन्ट्रक्सनल मैटीरियल्स	अगस्त, 1990	1,000
7.	जवाहर लाल नेहरू नेशनल साइंस एक्जीबिशन फॉर चिल्ड्रन	नवंबर, 1990	2,000
8.	स्ट्रक्चर एण्ड वर्किंग आंफ साइंस माडलस	नवंबर, 1990	5,000
9.	जवाहर लाल नेहरू नेशनल साइंस एक्जीविशन फॉर चिल्ड्रन-1990 (फोल्डर) (हिंदी एण्ड इंगलिश)	नवंबर, 1990	5,000
10.	वोकेशनलाइजेशन ऑफ एजूकेशनः एचीवमेंटस इन सेवेंथ फाइव इयर प्लान	अक्टूबर, 1990	2,000
11.	वार्षिक रिपोर्ट 1989-90	दिसंबर, 1990	500
12.	मिनिमम लेवल्स आफ लर्निंग एट प्राइमरी स्टेज	फरवरी, 1991	25,000
13.	टुवर्ड्स ऐन ऐंज्वायबल रिटायरमेंट	फरवरी, 1991	4,000
14.	रैमा-ए-निगम (नॉन फारमल)	अप्रैल, 1990	5,000

1990-91

पत्रिकाएं

क्र. सं.	शीर्षक	प्रकाशन का दिनांक
1.	जरनल आफ इंडियन एजूकेशन	नवंबर, 1988, जनवरी, 1989, मार्च, 1989 मई, 1989, जुलाई 1989, सितंबर, 1989 नवंबर 1989
2.	भारतीय आधुनिक शिक्षा	जनवरी 1990, मार्च 1990, मई 1990, जुलाई 1989, सितंबर 1990, नवंबर 1990 जुलाई 1989, जनवरी 1990
3.	इंडियन एजूकेशनल रिव्यु	अक्टूबर 1988, जनवरी 1989, अप्रैल 1989, जुलाई 1989, जनवरी 1990, अप्रैल 1990, जुलाई 1989, अक्टूबर 1989
4.	दा प्राइमरी टीचर	जनवरी 1990, अप्रैल 1990, जुलाई 1990, अक्टूबर 1990
5.	प्राइमरी शिक्षक	अक्टूबर 1989, जनवरी 1990, अप्रैल 1990, अक्टूबर 1990
6.	स्कूल साइंस	मार्च 1989, जून 1989, सितंबर 1989

व्यावसायी पाठ्यक्रमों तथा कार्यानुभव पर पुस्तकः

व्यावसायी पाठ्यक्रमों तथा कार्यानुभव के लिए 13 शिक्षण एवं प्रयोगात्मक मैनुअल परिषद द्वारा प्रकाशित किए गये।

पूरक रीडर्सः

एन. सी. ई. आर. टी. ने विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न स्तरों के लिए अंग्रेजी और हिन्दी में पूरक पठन सामग्री प्रकाशित करना जारी रखा। ये सामग्री निम्नलिखित पुस्तक मालाओं के अन्तर्गत तैयार की गई :—

1. रीडिंग टू लर्न सीरीज
2. पढ़े और सीखें माला
3. लोटस सीरीज तथा
4. कमल पुस्तक माला

बिक्री

आलोच्य वर्ष रा. शै. अ. प्र. प. के प्रकाशनों से कुल रु. 11,50,69,506.47 की प्राप्ति हुई, जो अपने में एक रिकार्ड है।

कापीराइट की अनुमति :

राज्य स्तर की अनेक एजेसियों ने रा. शै. अ. प्र. प. द्वारा प्रकाशित पुस्तकों में अपनी अभिरुचि दिखलाई है। तालिका 16.3 में उन एजेंसियो के नाम दिये गये हैं, जिन्हें आलोच्य वर्ष में रा. शै. अ. प्र. प. ने अपनी पाठ्यपुस्तकों और अन्य प्रकाशनों को प्रकाशित करने के लिए स्वीकरण/अनुकूलन/अनुवाद करने की अनुमती दी है।

तालिका 16.3

1990-91 में रा. शै. अ. प्र. प. ने अपनी पाठ्य पुस्तकों और अन्य प्रकाशनों के प्रकाशित करने के लिए स्वीकरण/अनुकूलन/अनुवाद करने की कापीराइट अनुमति दी है।

सचिव माध्यमिक शिक्षा बोर्ड मणिपुर, इम्फाल	ग्यारहवीं कक्षा के लिए निम्नलिखित पाठ्य पुस्तकों के अभिग्रहण हेतु कापीपाइट अनुमती दी गई। *ग्यारहवीं कक्षा* 1. ऐंसियंट इंडिया 2. मेडीवल इंडिया पार्ट-1 3. मेडीवल इंडिया पार्ट-2 4. प्रिंसिपल्स ऑफ जोगरफी पार्ट-1 5. प्रिंसिपल्स ऑफ जोगरफी पार्ट-2 6. सोसाइटी, स्टेट एण्ड गवर्लमेंट 7. ऑरगेंस ऑफ गवर्नमेंट 8. बायलोजी पार्ट-1 एण्ड पार्ट-2 9. फिजिक्स पार्ट-1 एण्ड पार्ट-2 10. कैमिस्ट्री पार्ट-1 एण्ड पार्ट-2 11. फाइव वन एक्ट प्लेज 12. मैथमैटिक्स पार्ट-1 एण्ड पार्ट-2 13. एलीमेंट्री स्टेटिक्स 14. इवोल्यूशन ऑफ इंडियन इकोनॉमी
सचिव माध्यमिक शिक्षा बोर्ड मेधालय तुरा	पाँचवीं तथा आठवीं कक्षाओं के लिए निम्नलिखित पाठ्यपुस्तकों के अधिग्रहण तथा प्रकाशन हेतु कापीराइट अनुमति दी गई। *पाँचवीं कक्षा* 1. लेट अस लर्न मैथमैटिक्स 2. एक्सप्लोरिंग एनवायरनमेंट 3. अवर कन्ट्री एण्ड वर्ल्ड

1990-91

आठवीं कक्षा

1. मैथमैटिक्स पार्ट-1
2. मैथमैटिक्स पार्ट-2
3. साइंस
4. अवर कनट्री टुडे—प्रोब्लम्स एंड चैलेंजेज (सिविक्स)
5. मॉडर्न इंडिया (हिस्ट्री)
6. लैण्डस एण्ड पीपुल (जोगरफी)

सचिव,
विद्यालय शिक्षा बोर्ड
हरियाणा भिवानी

नवीं तथा बारहवीं के लिए रा. शै. अ. प्र. प. की निम्नलिखित पाठ्यपुस्तकों के अधिग्रहण हेतु कापीराइट अनुमति दी गई।

नवीं कक्षा -

1. मैथमैटिक्स
2. गणित भाग -1
3. गणित भाग -2
4. साइंस
5. विज्ञान भाग -1
6. विज्ञान भाग -2
7. हमारी अर्थ व्यवस्था का परिचय
8. सभ्यता की कहानी भाग -1

दसवीं कक्षा

1. मैथमैटिक्स
2. गणित भाग -2 खण्ड -1
3. गणित भाग -2 खण्ड -2
4. साइंस
5. विज्ञान भाग - 1 खण्ड - 1
6. विज्ञान भाग - 2 खण्ड -2
7. भारतीय आर्थिक भूगोल
8. हमारा शासन कैसे चलता है
9. सभ्यता की कहानी भाग -2

1990-91

ग्यारहवीं कक्षा

1. साहित्य का स्वरूप
2. समाज, राज्य और शासन
3. सरकार के अंग
4. प्राचीन भारत
5. भूगोल के सिद्धांत भाग -2
6. समाजशास्त्र एक परिचय
7. प्रारंभिक सांख्यिकी
8. भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास
9. भूगोल के क्षेत्रीय कार्य एवं प्रयोगशाला
10. भौतिकी भाग- 1
11. रसायन विज्ञान भाग -1
12. जीव विज्ञान भाग -1
13. गणित भाग -1
14. भूगोल के सिद्धान्त भाग -1

बारहवीं कक्षा

1. हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास ऐसा संग्रह जिसमें विदेशी लेखकों एवं कॉपीराइट धारकों की रचनाएँ शामिल हैं।

नवीं कक्षा

1. स्वाति भाग -1 (पद्य)
2. पराग भाग - 1 (गद्य)
3. इंगलिश रीडर -1 (बी कोर्स)
4. वर्कबुक टू इंगलिश रीडर -1 (बी कोर्स)
5. सप्लीमेंट्री रीडर - 1 (बी कोर्स)
6. पर्यावरण बोध

1990-91

दसवीं कक्षा

1. स्वाति भाग -2 (पद्य)
2. पराग भाग - 2 (गद्य)
3. इंगलिश रीडर -2 (बी कौर्स)
4. वर्कबुक टू इंगलिश रीडर -2 (बी कौर्स)
5. सप्लीमेंट्री रीडर - 2 (बी कौर्स)

ग्यारहवीं कक्षा

1. नीहारिका भाग -1 (केन्द्रिक)
2. पल्लव भाग -1 (गद्य)
3. मंदाकिनी भाग -1 (पद्य)
4. प्रवाल भाग - 1 (गद्य)
5. आई-द -पीपुल
6. स्टोरीज, प्लेज एण्ड टेल्स ऑफ एडवेंचर्स
7. फाइव-वन-एक्ट प्लेज

बारहवीं कक्षा

1. नीहारिका भाग -2 (केन्द्रिक)
2. पल्लव भाग -2 (गद्य)
3. मंदाकिनी भाग -2 (पद्य)
4. प्रवाल भाग - 2 (गद्य)
5. ए कोर्स इन रिटन इंगलिश (केन्द्रिक)
6. द वैव ऑफ अवर लाइफ (केन्द्रिक)
7. डीयर टू ऑल द मसेज (वैकल्पिक)
8. ऑन टॉप ऑफ द वर्ल्ड (वैकल्पिक)

1990-91

सचिव
माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
त्रिपुरा, अभय नगर अगरतला

सातवीं कक्षा के लिए रा. शै. अ. प्र. प. की निम्नलिखित पाठ्यपुस्तकों के अभिग्रहण तथा प्रकाशन हेतु कापीराइट अनुमति दी गई।

सातवीं कक्षा

1. साइंस पार्ट -2
2. मैथमैटिक्स पार्ट - 1 बुक -2
3. मैथमैटिक्स पार्ट -2 बुक -2
4. हाऊ वी गवर्न अवरसेल्वज
5. लैंडस एण्ड पीपुल्स पार्ट -2
6. मेडीवल इंडिया

विद्यालय शिक्षा निदेशक,
पश्चिम बंगाल सरकार कलकत्ता

कक्षा चार के लिए बाल भारती -4 के अभिग्रहण हेतु कापीराइट अनुमति दी गई।

निदेशक,
महाराष्ट्र राज्य ब्यूरो
पाठ्य पुस्तक निर्माण तथा पाठ्यचर्या
अनुसंधान पुणे।

हिन्दी पाठ्यपुस्तकों में समावेश हेतु रा. शै. अ. प्र. प. की पुरानी बाल भारती -3 से सात पाठ तथा पुरानी बाल भारती भाग 3 से एक पाठ को दोबारा तैयार करने हेतु कापीराईट अनुमति दी गई।

कुल सचिव
महात्मा गाँधी विश्वविद्यालय
कोट्टायम - 686562 केरल

ग्यारहवीं तथा बारहवीं कक्षा के लिए निम्नलिखित पाठ्यपुस्तकों के अभिग्रहण हेतु कापीराइट अनुमति दी गई।

ग्यारहवीं कक्षा

1. फिजिक्स पार्ट -1
2. फिजिक्स पार्ट -2

बारहवीं कक्षा

1. फिजिक्स पार्ट -1
2. फिजिक्स पार्ट -2

सचिव
विद्यालय शिक्षा बोर्ड
मिजोरम, आईजोल - 796001

निम्नलिखित पाठ्यपुस्तकों को मिजो भाषा में अभिग्रहण तथा अनुवाद हेतु कापीराईट अनुमति दी गई।

पहली कक्षा

1. लैट अस लर्न मैथमेटिक्स बुक -1

दूसरी कक्षा

1. लैट अस लर्न मैथमेटिक्स बुक -2

1990-91

प्रकाशनों का वितरण :

पहले की भाँति, रा. शै. अ. प्र. प. के प्रकाशन, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के प्रकाशन विभाग नई दिल्ली, कलकत्ता, बम्बई, मद्रास, तिरूअनुपुरम, पटना, लखनऊ और हैदराबाद स्थित बिक्री केन्द्रों द्वारा वितरित किए गए । पाठ्यपुस्तकों के सहज वितरण के लिए रा. शै. अ. प्र. प. ने अहमदाबाद, बेंगलूर, भोपाल, भुवनेश्वर, चण्डीगढ़, गुवाहाटी, जयपुर, जम्मु तथा विशाखापटनम में से प्रत्येक में एक-एक थोक एजेन्ट नियुक्त किए गए। संघ शासित क्षेत्र दिल्ली में रा.शै.अ.प्र.प. के प्रकाशन, परिषद् द्वारा नियुक्त 14 थोक एजेन्टों के माध्यम से बेचे और वितरित किए गए। उर्दू के प्रकाशन दिल्ली प्रशासन की उर्दू अकादमी के माध्यम से बेचे और वितरित किए गए। इस वर्ष रा.शै.अ.प्र.प. के विशेष प्रकाशन "इंडियाज स्ट्रगल फॉर इंडिपेंडेंस-विजुअल्स एंड डॉक्यूमेंटस "की बिक्री के लिए भी दिल्ली व मद्रास में दो वितरक नियुक्त किए गए।

थोक और वितरण की ऊपर बताई गई व्यवस्था के अतिरिक्त, रा. शै. अ. प्र. प. की पुस्तकों की आपूर्ति के लिए विद्यालयों तथा अन्य शैक्षिक संस्थाओं से सीधे आर्डर भी लिए गए तथा व्यक्तियों से प्राप्त बहुत सारे आर्डरों पर भी कार्यवाही की गई। रा. शै. अ. प्र. प. की पाठ्यपुस्तकों को खरीदने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान परिसर के बिक्री केन्द्र पर भी हजारों ग्राहक आए। इस वर्ष अनुमोदित सूची के अनुसार अनेक प्रकाशित शीर्षक डाक द्वारा भेजे गए। परिषद के निःशुल्क प्रकाशनों के लिए अनेक संस्थाओं तथा शोध कर्त्ताओं से प्राप्त मांगों की भी पूर्ति की गई।

पुस्तक मेलों/ प्रदर्शनियों में प्रतिभागिता :

अपनी प्रसार सेवाओं से सम्बद्ध कार्य के रूप में रा. शै. अ. प्र. प. ने निम्नलिखित पुस्तक मेलों/ प्रदर्शनियों में अपने प्रकाशन प्रदर्शित किए।

— बिहार के शैक्षिक गाईड द्वारा नवम्बर, 1990 में पटना में आयोजित पटना पुस्तक मेला।

— पाटा में दिसम्बर, 1990 में बच्चों के लिए आयोजित उन्नीसवीं राष्ट्रीय जवाहर लाल नेहरू विज्ञान प्रदर्शनी।

— नेशनल बुक ट्रस्ट ऑफ इंडिया द्वारा दिसम्बर, 1990 में दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय बाल पुस्तक मेला।

— नेशनल बुक ट्रस्ट ऑफ इंडिया द्वारा जनवरी, 1991 में जयपुर में आयोजित पन्द्रहवाँ राष्ट्रीय पुस्तक मेला।

— रा. शै. अ. प्र. प. के प्रकाशन विभाग ने अपने परिसर में भी विदेशी प्रतिनिधि मंडलों के आगमन पर कई बार अपनी पुस्तकों का प्रदर्शन किया।

रा. शै. अ. प्र. प. ने अपने चुनिंदा प्रकाशन नेशनल बुक ट्रस्ट ऑफ इंडिया के माध्यम से भेजकर निम्नलिखित अन्तर्राष्ट्रीय पुस्तक मैलों/ प्रदर्शनियों में भी भाग लिया।

— अगस्त, 1990 में आयोजित मलेशिया पुस्तक मेला (पेस्टा बुकी मलेशिया 90)

— 3 से 8 अक्टूबर, 1990 तक आयोजित 42 वां फ्रैंकफर्ट पुस्तक मेला।.

— 8 से 21 जनवरी, 1991 तक आयोजित 23 वां काहिरा अन्तर्राष्ट्रीय पुस्तक मेला।

— 24 से 26 मार्च, 1991 तक आयोजित लंदन पुस्तक मेला।

— मार्च, 1991 में मालदीप (माले) में भारतीय पुस्तकों की प्रदर्शनी।

प्रलेखन और पुस्तकालय सेवाएं

राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान के पुस्तकालय, प्रलेखन और सूचना विभाग (डी. एल. डी. आई) ने रा. शि., संस्थान विभिन्न विभागों तथा रा. शै. अ. प्र. प. के अन्य घटकों के अनुसंधान और विकास से संबंधित कार्यकलापों में सहयोग दिया। विभाग रा.शै. अ. प्र. प.

के संकाय सदस्यों की ही नहीं बल्कि देश भर के शिक्षाविदों तथा अनेक अनुसंधानकर्त्ताओं की आवश्यकताओं की पूर्ति भी करता है। इस विभाग में शिक्षा और मनोविज्ञान तथा समवर्गी शिक्षण के क्षेत्र की पुस्तिकाओं और पत्रिकाओं का बड़ा संग्रह है।

पुस्तकालय प्रलेखन और सूचना विभाग विद्यालयों तथा अध्यापक प्रशिक्षण संस्थाओं में प्रभावशाली पुस्तकालय सेवाओं के माध्यम से शिक्षा में सुधार के लिए उन संस्थाओं के पुस्तकालयों के पुस्तकालयाध्यक्षों अथवा प्रभारी अध्यापकों के लिए सेवाकालीन प्रशिक्षण एवं अभिविन्यास कार्यक्रम तथा कार्यशालाएं आयोजित करता है। शैक्षिक प्रक्रिया में पुस्तकालयों की महत्ता पर प्रकाश डालने के लिए तथा पुस्तकालय संग्रह एवं सेवाओं का समग्र रूप से सुधार करने की आवश्यकता पर जोर डालने के लिए, शैक्षिक प्रशासकों की संगोष्ठी करने की योजना है।

पुस्तकालय प्रेलखन ओर सूचना विभाग ने अपने परिसर में निम्नलिखित केन्द्र स्थापित किए हैं :

1. अन्तर्राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रलेखन केन्द्र (आई. ई. आर. डी, ओ. सी)

2. जनसंख्या शिक्षा प्रलेखन केन्द्र (पी. ओ. पी. डी, ओ. सी.)

इन केन्द्रों को शिक्षा और जनसंख्या शिक्षा के अन्तर्राष्ट्रीय तथा तुलनात्मक पहलुओं पर सामग्री के एकत्रीकरण तथा प्रचार में विशिष्टता प्राप्त है।

संग्रह

क.	31.3.90 को पुस्तकों की कुल संख्या 1,25,871	
ख.	1990-91 में बढ़ाई गई पुस्तकों की संख्या	
	1. खरीद	2,383
	2. उपहार स्वरूप प्राप्त	189
	3. बँधी हुई पंजीकृत	277
ग.	1990-91 में हटाई गई पुस्तकें	552
घ.	31.3.1991 तक कुल पुस्तकें (क + ख - ग)	1,28,168
ङ	1990-91 में पुस्तकों पर खर्च	3,94,039

पत्र- पत्रिकाएँ

क.	1. अंशदान प्राप्त	451
	2. नियमित आधार पर प्राप्त निःशुल्क पत्रिकाएं	40
ख.	अनुदान प्राप्त समाचार-पत्र	19
ग.	1990-91 में पत्रिकाओं पर कुल खर्च	7,72,350,20

1990-91

प्रलेखन एवं सूचना सेवाएँ

क. पु. प्र. और सू. वि. ने निम्नलिखित प्रकाशन प्रकाशित किए :

1. परिग्रहण सूची (त्रैमासिक)
2. समसामयिक विषय (मासिक)
3. शिक्षा में समसामयिक व्याख्यान (अर्द्ध वार्षिक)

ख. **संदर्भ ग्रंथ सूची**

1. अध्यापक प्रशिक्षण संस्थाओं के लिए पुस्तको की चुनिंदा सूची
2. महिलाओं का स्तर
3. शिक्षा का व्यावसायीकरण
4. जिम्मेवार अभिभावकत्व
5. तुलनात्मक शिक्षा तथा शिक्षा की राष्ट्रीय पद्धति।
6. दूरस्थ शिक्षा पर चुनिंदा संदर्भ-ग्रन्थ सूची
7. शिक्षा की चुनिंदा सूची—चिल्ड्रन इन एनसिएन्ट इंडिया जून 1990

ग. तैयार की जा रही संदर्भ ग्रंथ सूचियाँ

1. राष्ट्रीय एकता
2. शांति अध्ययन
3. पी. एच. डी., शोध प्रबन्ध तथा चल रहे अनुसंधानों की सूची।

घ.	समाचार कतरनें	1049
ङ	दी गई फोटो प्रतियाँ	54291

परिचालन सेवाएँ

क.	1 अप्रैल, 1990 को सदस्यों की कुल संख्या	2842
ख.	वर्ष 1990-91 में नामांकित नये सदस्य	123
ग.	उन सदस्यों की संख्या जिन्होने अपनी सदस्यता छोड़ दी।	109
घ.	31 मार्च, 1991 को सदस्यों की कुल संख्या	2856
ङ	संदर्भ/ परामर्श सुविधाएं प्राप्त करने वाले बाहरी आगन्तुक	2613
च.	वर्ष 1990-91 में जारी की गई पुस्तकों की कुल संख्या	16325
छ.	अंतर-पुस्तकालय ऋण पर जारी की गई पुस्तकें	312

पुस्तकालय सोमवार से शुक्रवार तक प्रातः 8.00 बजे से सायं 8 बजे तक तथा शनिवार को प्राप्त 10.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक खुला रहता है।

कार्यशालाएँ तथा बैठकें

3 से 7 सितम्बर, 1990 तक शैक्षिक पुस्तकालय, बैंगलूर कर्नाटक से कर्नाटक के अध्यापक प्रशिक्षण संश्थाओं के पुस्तकालयों के विकास के लिए कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में विभिन्न अध्यापक प्रशिक्षण संस्थाओं के पुस्तकालयों के 28 प्रभारी अध्यापकों ने भाग लिया।

तमिलनाडू के अध्यापक प्रशिक्षण संस्थाओं के पुस्तकालयों के विकास के लिए पुस्तकालय प्रलेखन और सूचना विभाग ने 8 से 12 अक्टूबर, 1990 तक सैन्ट जोसफ कॉलेज तिरूचिरापल्ली में एक कार्यशाला आयोजित की।

पुस्तकालय, प्रलेखन और सूचना विभाग द्वारा एक और कार्यशाला 15 से 19 जनवरी , 1991 तक लक्ष्मी शिक्षा महाविद्यालय, गांधीग्राम (तमिलनाडू) में तमिलनाडू के अध्यापक प्रशिक्षण संस्थाओं के पुस्तकालयों के विकास हेतु आयोजित की गई।

14 से 15 मार्च, 1991 तक रा. शि. सं. के वरिष्ठ पुस्तकालय सदस्यों तथा क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों के बीच एक बैठक भुवनेश्वर में आयोजित की गई। बैठक में रा. शि. सं. तथा क्षे. शि. म. के बीच सार्थक सहयोग तथा समन्वय के लिए अर्थोपाय एवं पुस्तकालय सेवाओं के कम्प्यूटरीकरण के बारे मे भी विचार-विमर्श हुआ।

पुस्तकालय प्रलेखन और सूचना विभाग ने पुस्तकालय में कम्प्यूटर से पुस्तकालय सूचना सेवाएं देने हेतु पी. सी. 486 तथा पी. सी. एक्स टी की स्थापना के लिए आदेश दिए हैं।

पत्रिकाओं का प्रकाशन तथा शैक्षिक सूचनाओं का प्रसार

शैक्षिक सूचनाओं के प्रसार के लिए रा. शै. अ. प्र. प. छः पत्रिकाएँ प्रकाशित करती है। पत्रिकाओं के प्रकाशन संबंधी कार्यकलापों को राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान का पत्रिका प्रकोष्ठ समन्वित करता है। रा. शै. अ. प्र. प. द्वारा प्रकाशित पत्रिकाएं निम्नलिखित हैं :

इंडियन एजुकेशनल रिव्यू : (त्रैमासिक अनुसंधान अभिमुख पत्रिका) इसमें शोध लेख, शिक्षा और संबंधित विषयों में डॉक्टोरल, पोस्ट डॉक्टोरल तथा संस्थागत अध्ययन, अनुसंधान टिप्पणियाँ एवं पुस्तक समीक्षाएँ भी होती है।

जर्नल ऑफ इंडियन एजूकेशन

द्विमासिक : अध्यापकों तथा अध्यापक प्रशिक्षणों के लिए लक्ष्योन्मुख पत्रिका इसमें नवाचारों की सम्भावनाओं को बढ़ावा देनें के लिए लेख, प्रलेख-पुस्तक समीक्षाएँ तथा अन्य विद्यालयी एवं विशेष विषयों से संबंधित अंक भी समय-समय पर निकाले जाते है।

स्कूल साइंस (त्रैमासिक) यह समाज में लोकप्रिय विज्ञान से संबंधित लेखों के अतिरिक्त विद्यालयी विज्ञान में नवाचारों एवं प्रयोगों से संबंधित जानकारी का प्रसार करती है।

प्राइमरी टीचर (त्रैमासिक) तथा प्राइमरी शिक्षक (हिन्दी त्रैमासिक) पत्रिकाएं प्राथमिक-पूर्व, प्राथमिक तथा मीडल स्कूल अध्यापकों के लिए है, जिससे उन्हे कक्षाओं से संबंधित समस्याओं को हल करने, प्रयोगों की जांच करने तथा अध्यापन में सुधार लाने में सहायता मिलती है।

भारतीय आधुनिक शिक्षा (हिन्दी त्रैमासिक) अनुसंधानकर्त्ताओं, अध्यापक प्रशिक्षकों तथा विद्यालय अध्यापकों की पत्रिका है, जो कक्षागत अध्यापन में सुधार लाने में उनकी सहायता करती है। इसमें स्थायी स्तंभ के रूप में शिक्षा नवाचारों दी जाती है।

वर्ष 1990-91 में इन पत्रिकाओं के निम्नलिखित अंक निकाले गए

इंडियन एजूकेशन रिव्यू	पाँच अंक
जर्नल ऑफ इन्डियन एजूकेशन	दस अंक
प्राईमरी टीचर	चार अंक
प्राइमरी शिक्षक	चार अंक
स्कूल साइंस	तीन अंक
भारतीय आधुनिक शिक्षा	पाँच अंक

1990-91

इस वर्ष पत्रिका प्रकोष्ठ ने शैक्षिक पत्रकारिता पर इयर बुक (संसाधन पुस्तक) के विकास के संदर्भ में दो कार्यशालाएं आयोजित कीं। इन कार्यशालाओं का ब्यौरा तालिका 16.4 में दिया गया है।

तालिका 16.4

1990-91 में पत्रिका प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित कार्यशालाएं

कार्यक्रम का शीर्षक	*तारीख*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
इयर बुक (संसाधन पुस्तक)	17 से 19 सितम्बर, 1990 तक	कालीकट (केरल)	32
शैक्षिक पत्रकारिता	29 मार्च से 2 अप्रैल, 1991 तक	हैदराबाद (आन्ध्र प्रदेश)	18

सत्रह

अन्तर्राष्ट्रीय संबंध और सहायता

विद्यालयी शिक्षा और अध्यापक शिक्षा के क्षेत्र में भारत सरकार द्वारा अन्य देशों के साथ द्विपक्षीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के प्रावधानों के कार्यान्वयन के लिए रा.शै.अ.प्र.प. एक मुख्य अभिकरण के रूप में कार्य करती है। यह यूनेस्को/एपीड/यू.एन.डी.पी. द्वारा प्रायोजित परियोजनाओं/कार्यक्रमों पर कार्य कर रही है और विद्यालयी शिक्षा तथा अध्यापक शिक्षा के क्षेत्र में अन्य देशों के प्रतिनिधि मंडलों/विशेषज्ञों के विचारों/दृष्टिकोणों के आदान-प्रदान के लिए बैठकों का आयोजन करती है। यह यूनेस्को/यू.एन.डी.पी./यूनीसेफ आदि द्वारा प्रायोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों/कार्यशालाओं/परिसंवादों/संगोष्ठियों/बैठकों/प्रशिक्षण कार्यक्रमों आदि में भाग लेने के लिए अपने संकाय सदस्यों को भी प्रायोजित करती है। रा.शै.अ.प्र.प. विद्यालयी शिक्षा, अध्यापक शिक्षा और शैक्षिक प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में यूनेस्को संयोजन कार्यक्रमों के अन्तर्गत विदेशी नागरिकों के लिए अल्पकालिक सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करती है।

रा.शै.अ.प्र.प. का अन्तर्राष्ट्रीय संबंध एकक (आई.आर.यू.) रा.शै.अ.प्र.प. की उपरोक्त गतिविधियों/कार्यक्रमों के समन्वयन के लिए मुख्य रूप से उत्तरदायी है। अन्तर्राष्ट्रीय संबंध एकक शैक्षिक नवाचारों के लिए राष्ट्रीय विकास दल (एन.डी.जी.) सचिवालय के रूप में तथा भारत में विद्यालयी शिक्षा पर विभिन्न देशों और अन्तर्राष्ट्रीय अभिकरणों एवं संगठनों को सूचना देने तथा उनसे सूचना प्राप्त करने के लिए एक सूचना प्रसार केन्द्र के रूप में भी कार्य करता है।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् में विदेशी आगन्तुक

वर्ष 1990-91 के दौरान रा.शै.अ.प्र.प. में विभिन्न देशों के निम्नलिखित शिक्षाविद आए।

1. 12 अप्रैल, 1990 को मॉन्टबिलियर्ड, फ्रांस से 25 अध्यापकों तथा प्रधानाचार्यों का एक समूह रा.शै.अ.प्र.प. के दौरे पर आया। समूह ने शिक्षा से संबंधित मुद्दों पर परिषद् के निदेशक, संयुक्त निदेशक तथा अन्य वरिष्ठ संकाय सदस्यों के साथ विचार-विमर्श किया।

2. श्री चार्लिस पर्सी, भूतपूर्व सीनेटर तथा रूस की विदेश संबंध समिति के अध्यक्ष 12 अप्रैल 1990 को रा.शै.अ.प्र.प. के दौरे पर आए। उन्होंने विभिन्न शैक्षिक पहलुओं पर निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. तथा कुछ वरिष्ठ संकाय सदस्यों के साथ विचार-विमर्श किया।

1990-91

3. 16 अप्रैल, 1990 को साईप्रस से अध्यापकों तथा विद्यार्थियों का एक समूह रा.शै.अ.प्र.प. के दौरे पर आया। उन्होंने भारत में पाठ्यचर्या विकास तथा अध्यापक प्रशिक्षण के अनिवार्य पहलुओं पर अध्यापक शिक्षा, विशेष शिक्षा और विस्तार सेवा विभाग, तथा सामाजिक विज्ञान और मानविकी शिक्षा विभाग के साथ विचार-विमर्श किया।

4. नामीबिया के शिक्षा, संस्कृति तथा खेल उप मंत्री श्री एच.ई. जेम्स डब्लू. वैन्टवर्थ 25 सितम्बर, 1990 को रा.शै.अ.प्र.प. के दौरे पर आये। उन्होंने विद्यालयी शिक्षा से संबंधित मुद्दों पर रा.शै.अ.प्र.प. के संयुक्त निदेशक तथा वरिष्ठ संकाय सदस्यों के साथ विचार-विमर्श किया।

5. अनौपचारिक शिक्षा के भारतीय कार्यक्रम के अध्ययन हेतु 20 जून से 4 जुलाई 1990 तक 14 दिनों का एक प्रशिक्षण संयोजन कार्यक्रम श्री एस.बी. इकेनाईफ निदेशक, अनौपचारिक तथा तकनीकी शिक्षा, राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान, श्रीलंका के लिए आयोजित किया गया।

6. पर्यावरणीय शिक्षा, यूनेस्को मुख्यालय, पेरिस के प्रमुख डा. ए.गफूर गजनवी 26 जुलाई 1990 को रा.शै.अ.प्र.प. के दौरे पर आए। उन्होंने पर्यावरणीय शिक्षा के क्षेत्र में रा.शै.अ.प्र.प. को यूनेस्को निर्दिष्ट कार्यक्रमों पर निदेशक तथा संयुक्त निदेशक के साथ विचार-विमर्श किया।

7. 10 अगस्त 1990 को जिम्बाबवे से तीन सदस्यों का एक प्रतिनिधि-मंडल जिसमें श्री ई.जे. चाणक्य, स्थायी शिक्षा सचिव के साथ श्री जे.एस. सिबन्दा, व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र के प्रधानाचार्य तथा श्री आर. तनिक्वा, प्रधान प्राध्यापक, गृह आर्थिक विभाग, अध्यापक विद्यालय, जिम्बाबवे भी शामिल थें। रा.शै.अ.प्र.प. के दौरे पर आये प्रतिनिधि-मंडल ने रा.शै.अ.प्र.प. के संकाय सदस्यों से कृषि सहित व्यावसायिक/तकनीकी क्षेत्रों में प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण की प्रक्रिया एवं विभिन्न स्तरों पर पुस्तकों के उत्पादन से संबंधित मामलों पर बातचीत की। रा.शै.अ.प्र.प. के वरिष्ठ संकाय सदस्यों के साथ विचार-विमर्श किया।

8. 1990-92 के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) के भारत-चेकोस्लोवाकिया सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम के अन्तर्गत चेकोस्लोवाकिया के विद्वान डा. फ्रेनसेक उहेर, 11 सितंबर को रा.शै.अ.प्र.प. के दौरे पर आए तथा विद्यालयों में अध्यापक शिक्षा तथा शिक्षण में भाषा के स्थान से संबंधित मुख्य मुद्दों के संबंध में रा.शै.अ.प्र.प. के वरिष्ठ संकाय सदस्यों से विचार-विमर्श किया।

9. 17 से 21 सितंबर, 1990 तक डा. जो खटेना प्रोफेसर शैक्षिक मनोविज्ञान मिसीसिपी राज्य विश्वविद्यालय, सं.रा. अमेरिका, रा.शै.अ.प्र.प. के दौरे पर आए और शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और मार्गदर्शन विभाग के संकाय सदस्यों तथा विभाग द्वारा आयोजित संगोष्ठी के प्रतिनिधियों के साथ विचार विमर्श किया। 5 से 17 नवंबर, 1990 तक डा. खटेना पुनः रा.शै.अ.प्र.प. में आए और विभाग के संकाय सदस्यों के साथ विचार-विमर्श किया तथा डिप्लोमा पाठ्यक्रम के प्रशिक्षणार्थियों को व्याख्यान दिया।

10. वियतनाम से डा. हांग ताम सन, निदेशक, शैक्षिक प्रबंध महाविद्यालय, श्री ह्यून क्वेन, अध्यक्ष, शैक्षिक प्रबंध विज्ञान विभाग तथा शिक्षा में कम्प्यूटर विशेषज्ञ, प्रोफेसर त्रान वान हाओ 1 से 5 अक्तूबर, 1990 तक रा.शै.अ.प्र.प. के दौरे पर आए। इस दल ने शैक्षिक प्रौद्योगिकी तथा कम्प्यूटर शिक्षा के क्षेत्रों में क्रमशः केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सी.आई.ई.टी.) तथा विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एम.) के वरिष्ठ संकाय सदस्यों के साथ विचार-विमर्श किया।

11. पाठ्यचर्या विकास के क्षेत्र में सामाजिक विज्ञान और मानविकी शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प. में 14 अक्तूबर से

3 नवम्बर, 1990 तक एक संयोजन प्रशिक्षण कार्यक्रम में श्रीमती मरियम अजरा अहमद, पाठ्यचर्या विकासक, शैक्षिक विकास केन्द्र, मालद्वीव ने हिस्सा लिया।

12. श्री लंका के पांच सदस्यं का एक प्रतिनिधि मंडल जिसमें श्री बी.एन. जिनासेना, श्री एम.ए. अरियादासा, श्री ई.एस. लियानागा, श्रीमती जी.एन. डिसिल्वा तथा श्री डी.ए. जयसेना शामिल थे, 15 से 16 नवंबर, 1990 तक रा.शै.अ.प्र.प. के दोर पर रहे। प्रतिनिधि-मंडल ने अध्यापकों/अध्यापक प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण की कार्यप्रणाली के संबंध में रा.शै.अ.प्र.प. के अध्यापक शिक्षा, विशेष शिक्षा तथा विस्तार सेवा विभाग के वरिष्ठ संकाय सदस्यों के साथ विचार-विमर्श किया।

13. यूनेस्कों के श्रीलंकाई राष्ट्रीय आयोग की प्रकाशन अधिकारी श्रीमती डबल्यू.ए. नन्दानी परेरा, दिनांक 28 नवंबर 1990 को रा.शै.अ.प्र.प. के दौर पर आई, उन्होंने पुस्तक प्रकाशन तथा मुद्रण से संबंधित मामलों पर अध्यक्ष, प्रकाशन विभाग के साथ विचार-विमर्श किया।

14. इथोसिया से तीन सदस्यों का एक प्रतिनिधि-मंडल, जिसमें श्री गिजा जैवजे, उप मंत्री शैक्षिक मानव संसाधन विकास, श्री तिबेबू किडामे, अध्यक्ष, तकनीकी व्यावसायिक शिक्षा विभाग, मोई तथा डा. केबेड यादेती समन्वयक, विज्ञान और प्रौद्योगिकी शिक्षा शामिल थे, रा.शै.अ.प्र.प. के दौरे पर आया। प्रतिनिधियों ने व्यावसायकि शिक्षा तथा शैक्षिक प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में क्रमशः शिक्षा व्यावसायीकरण विभाग तथा केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिक संस्थान के वरिष्ठ संकाय सदस्यों के साथ विचार-विमर्श किया।

15. माध्यमिक शिक्षा की पुनःसंरचना के क्षेत्र में यूनेस्को प्रायोजित संयोजन कार्यक्रम के अन्तर्गत श्री बाबा साहब तूफान, अध्यक्ष, सामान्य शिक्षा, शिक्षा मंत्रालय अफगानिस्तान ने 12 से 23 नवम्बर, 1990 तक रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली का दौरा किया। उन्होंने विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग, अध्यापक शिक्षा, विशेष शिक्षा और विस्तार सेवा विभाग, शिक्षा व्यावसायीकरण विभाग तथा मापन, मूल्यांकन, सर्वेक्षण और आंकड़ा प्रक्रियन विभाग के साथ विचार-विमर्श किया। उन्होंने राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली तथा केन्द्रीय विद्यालय, एन्ड्रूजगंज, नई दिल्ली का भी दौरा किया।

16. श्री हिदायत अहमद, निदेशक, यूनेस्को-प्रॉप, बैंकाक ने श्री ए.हुक, शिक्षा-विशेषज्ञ, यूनेस्को, जोरबाग, नई दिल्ली के साथ 4 दिसम्बर, 1990 को रा.शै.अ.प्र.प. के दौरे पर आए तथा निदेशक और संयुक्त निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. के साथ विचार-विमर्श किया तथा रा.शै.अ.प्र.प. और इसके क्षेत्रीय महाविद्यालयों के मुख्य कार्यकलापों/कार्यक्रमों एवं रा.शै.अ.प्र.प. और राज्यों के बीच सहयोग/समन्वय स्थापित करने में, इसमें क्षेत्रीय कार्यालयों की भूमिका तथा जनसंख्या शिक्षा के क्षेत्र में वर्तमान स्थिति की चर्चा की। शैक्षिक नवाचारों के लिए राष्ट्रीय विकास समूह (एन.डी.जी.) की गतिविधियों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

17. श्री गुलाम फारूख पुष्दर, उपमंत्री, तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा विभाग तथा श्री मोहम्मद अमान रशीक, सदस्य, तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा बोर्ड, तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा विभाग अफगानिस्तान दिनांक 16 नवंबर से 8 दिसम्बर, 1990 तक दौरे पर रहे तथा विभाग की व्यावसायिक दक्षता में सुधार पर व्यावसायिक शिक्षा विभाग (डी.वी.ई.) रा.शै.अ.प्र.प. के साथ विचार-विमर्श किया।

18. श्रीमती सिमोने टेस्टा, शिक्षा मंत्री, साईचल्स सरकार, श्री बेरनर्ड शामलें, निदेशक, स्कूल प्रभाग, शिक्षा विभाग, साईचल्स सरकार, के साथ 31 जनवरी, 1991 को रा.शै.अ.प्र.प. के दौरे पर आई। उन्होंने भारत में व्यावसायिक और तकनीकी शिक्षा के विशेष महत्व पर

रा.शै.अ.प्र.प. के कुछ वरिष्ठ संकाय सदस्यों के साथ विचार-विमर्श किया।

19. श्री पी.एल. नेरोला, सहायक सचिव, भूटान राष्ट्रीय आयोग यूनेस्को ने 6 फरवरी, 1991 को रा.शै.अ.प्र.प. का दौरा किया। उन्होंने विभिन्न शैक्षिक पहलुओं पर संयुक्त निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. के साथ संक्षिप्त चर्चा की।

20. डा. ए. गफूर गजनवी, कार्यक्रम विशेषज्ञ पर्यावरण शिक्षा अनुभाग, विज्ञान, तकनीकी तथा पर्यावरण शिक्षा प्रभाग, यूनेस्को, पेरिस, 12 दिसम्बर, 1990 को दूसरी बार रा.शै.अ.प्र.प. के दौरे पर आए। उन्होंने रा.शै.अ.प्र.प. को सौंपी गई यूनेस्को प्रायोजित परियोजनाओं तथा भविष्य में सहयोग की सम्भावनाओं के संदर्भ में निदेशक, संयुक्त निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. तथा विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग के संकाय सदस्यों और अन्तर्राष्ट्रीय संबंध एकक के साथ संक्षिप्त विचार-विमर्श किया।

21. नीपा से शैक्षिक योजना तथा प्रशासन में सातवें अन्तर्राष्ट्रीय उपाधि पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों का एक समूह 15 फरवरी 1991 को रा.शै.अ.प्र.प. के दौरे पर आया तथा संयुक्त निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प., अध्यक्ष, विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग तथा अध्यक्ष, शिक्षा व्यावसायीकरण विभाग के साथ संक्षिप्त विचार-विमर्श किया।

22. श्री अद अब्दुस सलीम, सचिव, बंगलादेश राष्ट्रीय आयोग यूनेस्को सहयोग, 20 फरवरी, 1991 को रा.शै.अ.प्र.प. में दौरे पर आये। उन्होंने भारत में शिक्षा से संबंधित मामलों पर निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. के साथ विचार-विमर्श किया।

23. श्री पैट्रिक जॉर्ज पिल्लै, प्रधानाचार्य सचिव, शिक्षा मंत्रालय, श्री सेलवाई रेमांग जोस्फ डोरा तथा श्री ऐरी आर्नेफाईफ प्रभारी निदेशक, अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग, शिक्षा मंत्रालय, साइचल्स का एक तीन सदस्यीय प्रतिनिधि-मंडल 28 फरवरी, 1991 को रा.शै.अ.प्र.प. के दौरे पर आया। प्रतिनिधि-मंडल के दौरे का मूल उद्देश्य विद्यालय तथा विश्वविद्यालय स्तरों पर शिक्षा प्रणाली का अध्ययन था। दौरे पर आए दल ने रा.शै.अ.प्र.प. के वरिष्ठ संकाय सदस्यों के साथ विचार-विमर्श किया। प्रतिनिधि-मंडल ने सी.आई.ई.टी. का दौरा भी किया।

24. श्री मरीनो आस्टिनी, वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षा विभाग, स्विटजर लैंड, 27 मार्च, 1991 को रा.शै.अ.प्र.प. के दौरे पर आए। उन्होंने सी.आई.ई.टी. के वरिष्ठ संकाय सदस्यों के साथ विद्यालयी पाठ्यक्रम एवं प्राथमिक तथा माध्यमिक स्तरों पर सांस्कृतिक पहलुओं से संबंधित व्यावसायिक, प्रशिक्षण एवं विद्यालयी परियोजनाओं में मीडिया एवं सूचना के उपयोग के क्षेत्रों पर चर्चा की/उनके सांस्कृतिक अनुसंधान और प्रशिक्षण केन्द्र (सी.सी.आर.टी.) नई दिल्ली के दौरे की व्यवस्था भी रा.शै.अ.प्र.प. ने की।

अन्तर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों में रा.शै.अ.प्र.प. के संकाय सदस्यों की सहभागिता

1. डा. एन.के. जंगीरा, प्रोफेसर तथा श्रीमती अनुपम आहुजा, प्राध्यापक अ.शि., वि.शि. और वि.से.वि., रा.शै.अ.प्र.प. ने 2 से 12 अप्रैल, 1990 तक हरारे, जिम्बाबे में आयोजित 'कक्षा में विशेष आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए 'अध्यापक शिक्षा संसाधन' पर अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला तथा संगोष्ठी में भाग लिया।

2. प्रोफेसर सी.जे. दासवानी, अध्यक्ष, अनौपचारिक शिक्षा और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प. तथा श्री के. रामचन्द्रन, रीडर, योजना, प्रोग्रामिंग, अनुवीक्षण एवं मूल्यांकन प्रभाग, रा.शै.अ.प्र.प. 13 से 26 मई, 1990 तक पाठ्यचर्या विकास पर यूनेस्को चलटीम के सदस्य के रूप में टोकियो सियोल तथा बैंकॉक के दौरे पर गए। दूसरा एक दल जिसमें प्रोफेसर एम.एस.

खापर्डे, अध्यक्ष, अन्तर्राष्ट्रीय संबंध एकक तथा डा. जी.एल. अरोड़ा, रीडर, अध्यापक शिक्षा, विशेष शिक्षा और विस्तार सेवा विभाग रा.शै.अ.प्र.प. शामिल थे, 9 से 26 मई, 1990 तक यूनेस्को प्रायोजित कार्यक्रम के अन्तर्गत मनीला तथा बैंकॉक के दौरे पर गया।

3. विद्यालय पूर्व-और प्रारम्भिक शिक्षा विभाग की प्रोफेसर (श्रीमती) आर. मुरलीधरन ने 7 से 9 मई, 1990 तक इटली में प्रारम्भिक बाल्यावस्था विकास मापन पर हुई कार्यशाला में भाग लिया।

4. प्रोफेसर डी.एस. मुले, राष्ट्रीय समन्वयक, जनसंख्या शिक्षा कार्यक्रम, सामाजिक विज्ञान और मानविकी शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प. ने 14 से 19 मई, 1990 तक हुई तकनीकी कार्य-समूह की बैठक तथा 21 से 28 मई, 1990 तक जनसंख्या शिक्षा पर बैंकॉक में हुई क्षेत्रीय सलाहकार संगोष्ठी में संबंधित विद्वान के रूप में भाग लिया।

5. डा. (श्रीमती) दलजीत गुप्ता, रीडर, विद्यालय पूर्व और प्रारम्भिक शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प. तथा डा. आई.पी. अग्रवाल, रीडर, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भोपाल ने 25 जून से 6 जुलाई, 1990 तक चेईग माई, थाईलैंड में अध्यापक शिक्षा पर क्षेत्रीय अध्ययन समूह की बैठक में भाग लिया।

6. रा.शै.अ.प्र.प. के संकायों का एक दल जिसमें डा. ए.के. शर्मा, अध्यक्ष, अ.शि.वि.शि. और वि.से.वि., डा. ए.एन. माहेश्वरी, प्रधानाचार्य, क्षे.शि.म., मैसूर, डा. आर.डी. शुक्ला, प्रोफेसर, वि. और ग.शि.वि., डा. जे. मित्रा, प्रोफेसर, वि. और ग.शि.वि., श्री के. रामचन्द्रन, प्रभारी रीडर, यो.प्रो.अ. एवं मू.प्र. तथा डा. एन. खान, रीडर, सा.वि. और मा.शि.वि. शामिल थे, 20 से 26 जून, 1990 तक भारतीय उच्च विद्यालय, दुबई में खाड़ी में सी.बी.एस.ई. से संबद्ध विद्यालयों की परिषद् के अनुरोध पर माध्यमिक तथा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के अध्यापकों के लिए एक सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

7. डा. जी. रवीन्द्र, प्रोफेसर (गणित) क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, मैसूर, ने 9 से 13 जुलाई, 1990 तक पेरिस (फ्रांस) में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय विचार-गोष्ठी में भाग लिया।

8. डा. (श्रीमती) ऊषा नायर, अध्यक्ष, महिला अध्ययन विभाग, रा.शै.अ.प्र.प. ने 28 मई से 1 जून, 1990 तक चीन में आयोजित यूनीसेफ कार्यक्रम में संबंधित विद्वान के रूप में कार्य किया।

9. डा. इन्दिरा कुलश्रेष्ठ, रीडर, महिला अध्ययन विभाग, रा.शै.अ.प्र.प. ने 23 से 27 जुलाई, 1990 तक हांगकांग में एशियन शिक्षा पर बाहरवीं अन्तर्राष्ट्रीय विचार-गोष्ठी में भाग लिया।

10. डा. एम.के. रैना, प्रोफेसर, अ.शि.वि.शि. और वि.से.वि., रा.शै.अ.प्र.प. ने 4 से 8 अगस्त, 1990 तक बफैलो (न्यूयार्क) में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला अनुसंधान सम्मेलन में भाग लिया।

11. डा. पी.एल. शर्मा, शिक्षा-प्राध्यापक, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, मैसूर को 2 अक्तूबर, 1989 से अगस्त, 1990 तक मैनचेस्टर विश्वविद्यालय ब्रिटेन में विशेष शिक्षा में एम.फिल. करने के लिए शिक्षावृत्ति पर प्रतिनियुक्त किया गया।

12. डा. के.के. मिश्रा, रीडर, सा.वि. और मा.शि.वि., रा.शै.अ.प्र.प. ने 27 अगस्त से 2 सितम्बर 1990 तक वियेना (ऑस्ट्रिया) में आयोजित आठवें विश्व संस्कृत सम्मेलन में भाग लिया।

13. डा. एस.सी. पंत, रीडर, शिक्षा, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भोपाल को 17 से 29 सितम्बर, 1990 तक हिरोशिमा विश्वविद्यालय, जापान में शिक्षा पर आयोजित सम्मेलन में भाग लेने के लिए प्रतिनियुक्त किया गया।

14. श्रीमती सुचित्रा श्रीनागेश, रीडर, अंग्रेजी, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, मैसूर ने 25 सितम्बर, 1989 से 24 सितम्बर, 1990 तक ब्राइटन, ब्रिटेन में तकनीकी सहयोग प्रशिक्षण में भाग लिया।

15. कु. सुधा राव, रीडर, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, मैसूर तथा श्री डी.पी. जैन, वरिष्ठ प्राध्यापक, सा.वि. और मा.शि.वि., रा.शै.अ.प्र.प. ने 28 सितम्बर से 7 अक्तूबर, 1990 तक इस्लामाबाद (पाकिस्तान) में आयोजित दक्षिण एशिया उप-क्षेत्र के लिए जनसंख्या शिक्षा में समूह प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लिया।

16. श्री ओ.पी. मलिक, रीडर, सा.वि. और मा.शि.वि., रा.शै.अ.प्र.प. ने 16 सितम्बर से 1 अक्तूबर, 1990 तक इस्लामाबाद (पाकिस्तान) में आयोजित दक्षिण एशिया उप-क्षेत्र के लिए जनसंख्या शिक्षा में यूनेस्को प्रायोजित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में संबंधित विद्वान के रूप में कार्य किया।

17. डा. डी.एस. मुले, राष्ट्रीय समन्वयक, जनसंख्या शिक्षा कार्यक्रम सा.वि. और मा.सि.वि., रा.शै.अ.प्र.प. ने 16 सितम्बर से 1 अक्तूबर, 1990 तक इस्लामाबाद (पाकिस्तान) में आयोजित दक्षिण एशिया उप-क्षेत्र के लिए जनसंख्या शिक्षा पर विशेषज्ञ समूह की बैठक में भाग लिया।

18. डा. जे.एल. पांडे, रीडर, सा.वि. और मा.शि.वि., रा.शै.अ.प्र.प. जनसंख्या शिक्षा में परामर्शदाता के रूप में 8 से 30 अप्रैल, 1990 तक वियतनाम तथा 18 से 29 अक्तूबर, 1990 तक भूटान के दौरे पर गए।

19. डा. (श्रीमती) ऊषा नायर, अध्यक्ष, महिला अध्ययन विभाग, रा.शै.अ.प्र.प. ने 29 सितम्बर से 4 अक्तूबर, 1990 तक यूनेस्को शिक्षा संस्थान, हैमबर्ग में आयोजित औपचारिक तथा अनौपचारिक शिक्षा के बीच संपूरकता पर गोल मेज सम्मेलन में संबंधित विद्वान के रूप में भाग लिया।

20. डा. एच.सी. जैन, रीडर, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, अजमेर ने 8 से 27 नवम्बर, 1990 तक यूनेस्को (ए.सी.सी.यू.) टोकियो जापान के लिए एशिया सांस्कृतिक केन्द्र पर आयोजित एशिया तथा प्रशान्त में पुस्तक उत्पादन पर तेईसवें प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लिया।

21. डा. के.एम. पंत, रीडर, विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प. ने 19 से 28 नवम्बर, 1990 तक इस्लामाबाद में आयोजित शिक्षार्थियों के जीवन के वास्तविक अनुभवों से लिए गए प्राथमिक/निम्न माध्यमिक स्तर की विज्ञान पाठ्यचार्य विनिर्देशनों का चयन करने पर क्षेत्रीय परिचालन कार्यशाला में भाग लिया।

22. श्री के. रामचन्द्रन, प्रभारी रीडर, योजना, प्रोग्रामिंग, अनुवीक्षण एवं मूल्यांकन प्रभाग, रा.शै.अ.प्र.प. ने 18 अक्तूबर से 11 नवम्बर, 1990 तक नीयर, टोकियो, जापान में आयोजित शिक्षा में बर्बादी कम करने तथा कार्यक्षमता बढ़ाने की कार्यनीति पर क्षेत्रीय बैठक में भाग लिया।

23. विद्यालय पूर्व और प्रारम्भिक शिक्षा विभाग रा.शै.अ.प्र.प. की प्रोफेसर (श्रीमती) आर. मुरलीधरन 19 से 26 नवंबर, 1990 तक चीन में प्रारम्भिक बाल विकास पर अन्तर्राष्ट्रीय विचार-गोष्ठी में उपस्थित रहीं।

24. डा. (श्रीमती) जयश्री शर्मा, रीडर, विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प. ने 3 से 14 दिसम्बर, 1990 तक रेसाम पीनांग मलेशिया में आयोजित विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी सुधार हेतु अध्यापक प्रशिक्षण पर क्षेत्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

25. श्री सी.के. मिश्रा, रीडर, शि.व्या.वि., रा.शै.अ.प्र.प. ने 11 से 19 दिसम्बर, 1990 तक पश्चिमी सिडनी विश्वविद्यालय ह्यूक्सबरी ऑस्ट्रेलिया में आयोजित रोजगार पद्धति में बदलाव हेतु विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा की प्रासंगिकता तथा प्रशिक्षण पर उप-क्षेत्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

26. श्री एस.पी. चावला, रीडर, सा.वि. और मा.शि.वि., रा.शै.अ.प्र.प. ने 3 से 7 दिसम्बर, 1990 तक काठमांडू में आयोजित जनसंख्या शिक्षा में सामग्री के विकास पर विशेषज्ञ समूह की बैठक में भाग लिया।

27. डा. के. गोपालन, निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. ने 9 से 15 दिसंबर, 1990 तक एक्टिम (फ्रेंच तकनीकी औद्योगिक तथा आर्थिक सहयोग एजेन्सी पेरिस) द्वारा आयोजित शिक्षा प्रदर्शनी तथा विचार-गोष्ठी में भाग लिया।

28. डा. सी. शेषाद्रि, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, शिक्षा विभाग क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, मैसूर 19 नवंबर से 3 दिसम्बर, 1990 तक यूनेस्को परामर्श के लिए बैंकॉक के दौरे पर गए।

29. श्री एच. के. वेंकटारानागाचार, रीडर, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, मैसूर ने 2 से 16 जनवरी, 1991 तक ढाका में आयोजित साक्षरता कर्मचारियों के प्रशिक्षण हेतु चौथी उप-क्षेत्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

30. आई. टी. ई. सी. कार्यक्रम के अन्तर्गत श्री बी. एन. रावत, रीडर, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भोपाल, डा. एस. के. हुसैन, रीडर, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भोपाल, डा. सी. पी. पंढरीपांड, रीडर, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय भोपाल तथा डा. पी. वीरप्पन, प्राध्यापक, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, मैसूर, नवंबर—दिसम्बर, 1990 में मॉरीशस के दौरे पर गये।

31. श्री के. बी. रथ, विशेष शिक्षा में प्राध्यापक, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, अजमेर को 17 सितम्बर, 1990 से 30 सितंबर, 1991 तक मैनचेस्टर विश्वविद्यालय, ब्रिटेन में विशेष शिक्षा मे. शिक्षावृत्ति पर प्रतिनियुक्त किया गया।

32. श्री पी. साहू प्राध्यापक विशेष शिक्षा, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भुववनेश्वर को 30 सितंबर 1990 से 30 सितबर, 1991 तक मैनचेस्टर विश्वविद्यालय, ब्रिटेन में विशेष शिक्षा में शिक्षावृत्ति पर प्रतिनियुक्त किया गया।

33. श्री ए. एस. त्यागी, वरिष्ठ अभियंता के. शै. प्रौ. सं., रा. शै. अ. प्र. प. को 17 मार्च, 1989 से 27 सितंबर, तक की अवधि के किए मरीशस 1991 में आई. टी. ई. सी. विशेषज्ञ के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया।

34. डा. (कु.) एस. राम., क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, मैसूर को 2 अक्टूबर, 1990 से 30 सितम्बर, 1991 तक विशेष शिक्षा में पोस्ट डॉक्टोरल कार्य के लिए मैनचेस्टर विश्वविद्यालय, ब्रिटेन में प्रतिनियुक्त किया गया।

यूनेस्को—प्रायोजित परियोजनाएं/कार्यक्रम

एन.सी.ई.आर.टी. सामान्यतः शैक्षिक नवाचारों के विकास से संबंधित एशिया एवं प्रशान्त कार्यक्रमों के माध्यम से तथा विद्यालयी शिक्षा एवं अध्यापक शिक्षा से संबंधित अध्ययन/परियोजनाओं/कार्यक्रमों का आयोजन करके यूनेस्को प्रायोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लेती रही है। 1990—91 में रा.शै.अ.प्र.प. ने निम्नलिखित परियोजनाओं पर कार्य करने के लिए यूनेस्को के साथ अनुबन्धों पर हस्ताक्षर किए:

1990-91

क्र.सं.	शीर्षक	जिसे परियोजना सौंपी गई
1.	जल्दी प्राथमिक विद्यालय छोड़ने वाले बच्चों की शिक्षा जारी रखने के लिए स्थानीय गतिविधियों पर कार्यशाला का एपीड का अनुवर्तन/अनुबन्ध सं. 817.5 42.0 (90/59) (65)	विद्यालय-पूर्व और प्रारम्भिक शिक्षा विभाग।
2.	ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक शिक्षा के विकास हेतु अभिभावक—अध्यापक सहयोग पर एपीड अध्ययन/अनुबंध सं. 810.626(90/76) (83)	विद्यालय-पूर्व और प्रारम्भिक शिक्षा विभाग
3.	प्राथमिक तथा/अथवा निम्न माध्यमिक स्तर पर विज्ञान और प्रौद्योगिकी शिक्षा में विकास गतिविधि पर कार्यशाला/अनुवन्ध सं. 817.612.0 (90/97) (104)	क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, अजमेर
4.	ग्रामीण क्षेत्रों में बालिकाओं के लिए प्राथमिक शिक्षा का विकास/ अनुबन्ध सं. 810.653.0 (90/174) (183)	महिला अध्ययन विभाग
5.	विज्ञान विषय पर मैनुअल एवं आलेख तैयार करना/अनुबन्ध सं. 817.621.0 (90/122) (129)	विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग
6.	कार्य अभिमुख प्राथमिक शिक्षा पर स्थानीय कार्यशाला/अनुबन्ध सं. 817.645.0 (90/164) (173)	विद्यालय-पूर्व और प्रारम्भिक शिक्षा विभाग
7.	एशिया में पाठ्यचर्या विकास में चल दल अनुबंन्ध सं. 818.515.0 (90/239) (249)	योजना, प्रोग्रामिंग, अनुवीण एवं मूल्यांकन प्रभाग
8.	अंतर्राष्ट्रीय समक्ष की शिक्षा, मानव अधिकारों एवं मौलिक स्वतंत्रता से संबंधित सहयोग, शांति एवं शिक्षा के संबंध में सिफारिशों के कार्यान्वियन से संबंधित अध्ययन। अनुबंध सं. 811.268.0 (90/2800) (291)	सामाजिक विज्ञान और मानविकी शिक्षा विभाग

द्विपक्षीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम

भारत सरकार द्वारा विभिन्न देशों के साथ किए गए द्विपक्षीय सांस्कृतिक आदान प्रदान कार्यक्रमों के अन्तर्गत रा.शै.अ.प्र.प को कार्यान्वियन के लिए निर्दिष्ट मदों के तहत अरब गणराज्य इजिप्ट सेशल्स, पुर्तगाल, जर्मन संघीय गणराज्य, जाम्बिया गणराज्य, ब्रिटेन, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात, अलजीरिया तथा इटली को शैक्षिक सासग्री/सूचना भेजी गई। वर्ष 1991-91 में

रा.शै.अ.प्र.प. को जर्मन संघीय गणराज्य तथा पाकिस्तान से शैक्षिक सामग्री/सूचना प्राप्त हुई।

शैक्षिक नवाचारों हेतु राष्ट्रीय विकास दल के अन्तर्गत गतिविधियां

यूनेस्को के एपीड (विकास हेतु शैक्षिक नवाचारों सम्बन्धी एशिया और प्रशान्त क्षेत्र कार्यक्रम) के संदर्भ में भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय विकास दल (एन.डी.जी.) स्थापित किया गया। रा.शै.अ.प्र.प. के अन्तराष्ट्रीय संबंध एकक में स्थित राष्ट्रीय विकास दल (एन.डी.जी.) सचिवालय, शैक्षिक नवाचारों को बढ़ावा देने के क्रियाकलापों एवं सूचना प्रसार केन्द्र के समन्वयन का कार्य करता है। इस वर्ष राष्ट्रीय विकास दल (एन.डी.ज़ी.) द्वारा निम्नलिखित प्रमुख कार्य किए गए :

विकास के लिए शैक्षिक नवाचारों पर क्षेत्रीय संगोष्ठी (पूर्वी क्षेत्र)

राष्ट्रीय विकास दल (एन.डी.जी.) सचिवालय ने रा.शै.अ.प्र.प. में शैक्षिक नवाचारों के विकास हेतु 5 से 8 नवम्बर, 1990 तक क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भुवनेश्वर में क्षेत्रीय संगोष्ठी (पूर्वी क्षेत्र) आयोजित की। संगोष्ठी में उड़ीसा के पश्चिमी बंगाल, असम राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों तथा भारत में एपीड के कुछ राष्ट्रीय/क्षेत्रीय स्तर के सहयोगी केन्द्रों के विभिन्न शैक्षिक विकास क्षेत्रों (सामान्य शिक्षा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, कृषि शिक्षा से सम्बन्धित लगभग 30 शैक्षिक प्रवर्तकों ने भाग लिया। संगोष्ठी ने नए विचारों एवं अनुभवों के आदान-प्रदान के लिए विभिन्न विकास क्षेत्रों सें कार्यरत शैक्षिक प्रवर्तकों के लिए एक मंच प्रदान किया। संगोष्ठी में एन.डी.जी. के भावी कार्यक्रमों तथा कार्यविधियों से संबधित कुछ सिफारिशें भी की गई।

शैक्षिक रूप से सुविधाविहीन जनसंख्या-वर्ग का अध्ययन

एशिया और प्रशांत के लिए यूनेस्को के प्रधान क्षेत्रीय कार्यालय, बैंकॉक के सुझाव पर सहासचिव, भारतीय राष्ट्रीय आयोग (भा.रा.आ.) यूनेस्को–सहयोग, मानव संसाधन विकास संत्रालय (मा.सं.वि.मं.) भारत सरकार ने एन.डी.जी. सचिवालय को भारत में शैक्षिक रूप से सुविधाविहीन वर्गों का अध्ययन करने के लिए एक समिति गठित करने को कहा। अध्ययन के सुख्य उद्देश्य निम्नलिखित थे:

— क्षेत्र में शैक्षिक रूप से असुविधाएं किस प्रकार की तथा किस सीमा तक हैं तथा इन्हें दूर करने के लिए क्या उपाय किए गए या भविष्य में क्या कार्यनीति बनाई जा रही है इनके बारे में विश्वसनीय तथा अद्यतन जानकारी प्राप्त करना।

— शैक्षिक रूप से सुविधाविहीन जनसंख्या के बारे में नई सूचना तथा संश्लेषण आंकड़े एकत्रित करना।

— (विश्वसनीय अनुसंधान आधारित कुछ आधारभूत आंकड़े प्राप्त करना जिनके सहारे वर्तमान एवं भविष्य में सुधारों, विकासों एवं नवाचारों की सफलता का मापन शैक्षिक असुविधाओं को कम करने पर इनके प्रभाव के संदर्भ में किया जा सके)।

रा.शै.अ.प्र.प. के एक पाचं सदस्यीय अन्तर्विभागीय दल ने अध्ययन का संचालन किया तथा यूनेस्को, बैंकॉक को देश की रिपोर्ट प्रस्तुत की। अध्ययन में अन्य बातों के साथ-साथ समस्याओं तथा शैक्षिक असुविधाओं को कम करने के लिए बनाई गई नीतियों, योजनाओं एवं उपायों पर एक विहंगम दृष्टि डाली गई।

एन.डी.जी. समाचार-पत्र

समन्वयन और सूचनाओं के प्रसार कार्य के एक अंग के रूप में राष्ट्रीय विकास दल सचिवालय (एन.डी.जी.) "शैक्षिक नवाचार" शीर्षक से एक समाचार-पत्र प्रकाशित करता है। रिपोर्ट की अवधि में समाचार–पत्र का 1989 अंक प्रकाशित किया गया।

अठारह क्षेत्रीय सेवाएँ और विस्तार समन्वयन

राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों के शिक्षा विभागों/निदेशालयों तथा अन्य विद्यालय तथा अध्यापक शिक्षा से सम्बन्धित संस्थाओं के साथ सम्पर्क बनाए रखने के लिए रा.शै.अ.प्र.प ने पूरे देश में 17 क्षेत्रीय कार्यालय स्थापित किए हैं। ये क्षेत्रीय कार्यालय रा.शै.अ.प्र.प. के विभिन्न संघटक एककों के कार्यकलापों और कार्यक्रमों से सम्बद्ध आवश्यक सूचनाएँ राज्य के शिक्षा विभागों को देते रहते हैं। ये कार्यालय अपने कार्य—क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों की विशिष्ट आवश्यकताओं से संबद्ध सूचनाओं को एकत्रित करके रा.शै.अ.प्र.प. तथा इसके संघटक एककों को भेजते है और साथ ही ये कार्यालय प्रशिक्षण एवं विस्तार कार्यक्रमों को आयोजित करने में रा.शै.अ.प्र.प. के विभिन्न संघटक एककों की आवश्यक सहायता करते हैं।

क्षेत्रीय कार्यालयों के कार्यकलापों का समन्वयन

मुख्यालय स्थित क्षेत्रीय सेवाएँ एवं विस्तार समन्वयन विभाग देश में विद्यालयी शिक्षा एवं आध्यापक शिक्षा में गुणात्मक सुधार लाने के लिए नीति निर्माण एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में राज्यों एवं मानव संसाधन विकास मंत्रालय को सलाह एवं सहायता देने की एन.सी.ई.आर.टी. की प्रभावशाली भूमिका में एक ओर क्षेत्रीय सलाहकार कार्यालयों (क्षे.स.का.) तथा क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों (क्षे.शि.म.) के बीच तथा दूसरी ओर इन क्षैत्रीय कार्यालयों एवं रा.शि.सं. और के.शै.प्रौ.सं. के विभागों के बीच परस्पर संस्थागत समन्वय स्थापित करने में केन्द्रीय विभाग का काम करता है। क्षे.से. और वि.स. विभाग रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा शैक्षित रूप से पिछड़े अल्पसंख्यकों की शिक्षा के विकास हेतु चलाए जा रहे कार्यक्रमों के लिए समन्वयन एवं जाँच अभिकरण के रूप में कार्य करता है।

क्षैत्रीय सेवाएँ और विस्तार समन्वयन

इस वर्ष क्षे.से.वि.स. विभाग ने क्षेत्रीय कार्यालयों से प्राप्त सूचनाओं को संसाधित किया तथा उन कार्यक्रमों/कार्यकलापों का चयन किया जिनके कार्यान्वयन में एन सी ई आर टी की शैक्षिक सहायता की आवश्यकता थी और संबंधित संघटकों को अनुवर्ती कार्रवाई करने को कहा। इसके अतिरिक्त क्षे.से.वि.स. विभाग ने राज्यों की उन शैक्षिक आवश्यकताओं की पहचान करने में जिन्हें एन.सी.ई.आर.टी. के अकादमिक/तकनीकी सहायता की जरूरत है, क्षैत्रीय कार्यालयों की, क्षै.शि.म. एवं राज्य शिक्षा विभागों के बीच संपर्क बनाए रखने में तथा इन आवश्यकताओं की प्रभावशाली ढंग से पूर्ति करने के लिए कार्यपद्धति निर्धारित करने में सहयोग दिया।

प्रत्येक क्षेत्रीय कार्यालय की कार्यप्रणाली तथा उपलब्धियों की जाँच करने के लिए क्षेत्रीय सेवाएं और विस्तार समन्वयन विभाग ने मासिक रिपोर्ट में दी गई क्षेत्रीय कार्यालय के कार्यकलापों की जानकारी को संसाधित किया तथा समेकित सार तैयार किया। यह उल्लेखनीय है कि क्षेत्रीय कार्यालयों से जानकारी प्राप्त करने का प्रपत्र संशोधित किया गया ताकि सूचनाएँ अधिक उद्देश्यपूर्ण एवं व्यापक हो सकें तथा क्षेत्रीय कार्यालयों की कार्यप्रणाली की सूचना–व्यवस्था अधिक कारगर बनाई जा सके।

क्षे.से.वि.स. विभाग ने क्षेत्रीय कार्यालयों तथा संबंधित क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों के कार्यक्रमों के बीच प्रभावशाली समन्वयन के लिए क्षेत्रीय समन्वयन समितियों की व्यवस्था को प्रभावी ढंग से चलाने के उपाय किए एवं इन बैठकों में अकादमिक सहयोग प्रदान किया। इन बैठकों का ब्यौरा तालिका 18.1 में दिया गया है :–

तालिका 18.1

क्षेत्रीय समन्वयन समिति की बैठकें

क्रमांक	*क्षेत्र*	*क्षेत्रीय कार्यालय का क्षेत्र*	*स्थान*	*दिनांक*
1.	पश्चिम	अहमदाबाद, भोपाल, पुणे	क्षे.शि.म. भोपाल	25 तथा 26 अप्रैल, 1 सितम्बर, 1990
2.	पूर्व	भुवनेश्वर, कलकत्ता, गुवाहाटी पटना, शिलांग	क्षेत्रीय कार्यालय कलकत्ता	1 तथा 2 जून 1990
3.	दक्षिण	बैंगलूर, हैदराबाद, मद्रास त्रिवेन्द्रम	क्षेत्रीय शि.म. मैसूर	8 जून, 990
4.	उत्तर	इलाहाबाद, चंडीगढ़, जम्मू, जयपुर, शिमला	हरिद्वार	6 तथा 7 जुलाई, 1990

विभाग ने 11 तथा 12 अक्टूबर, 1990 को रा.शै.अ.प्र.प. के क्षेत्रीय कार्यालयों की वार्षिक बैठक आयोजित की। इस बैठक में राज्यों, क्षेत्रीय तथा राष्ट्रीय स्तरों पर रा.शै.अ.प्र.प. के संघटकों तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय के बीच संप्रेषण का प्रभावी माध्यम बनाने में क्षेत्रीय कार्यालयों की भूमिका तथा कार्य पर विचार-विमर्श किया गया। क्षेत्रीय कार्यालयों की संशोधित भूमिका, कार्य तथा परिचालन कार्यपद्धति को उनके प्रभावी कार्यान्वियन के लिए अन्तिम रूप दिया गया जिसकी 7 मार्च 1991 को हुई बैठक में रा.शै.अ.प्र.प. की कार्यक्रम सलाहकार समिति ने पुष्टि की।

क्षेत्रीय सलाहकार कार्यालय सहित रा.शै.अ.प्र.प. के संशोधित कार्य :

(क) राज्य स्तर के शैक्षिक प्राधिकारियों/कार्यकर्ताओं से बातचीत करके उनकी आवश्यकताओं एवं समस्याओं का पता लगाना, जिन्हें क्षेत्रीय तथा राष्ट्रीय स्तरों पर एन.सी.ई.आर.टी. के कार्यक्रमों का

एक हिस्सा बनाया जा सके।

(ख) रा.शै.अ.प्र.प. के कार्यकलापों/कार्यक्रमों के संबंध में राज्य स्तर की शैक्षिक संस्थाओं को सूचना देना (क्षेत्रीय तथा राष्ट्रीय स्तर के संघटकों द्वारा)

(ग) राज्यों में विद्यालयी शिक्षा में गुणात्मक सुधारों के लिए केन्द्रीय प्रायोजित योजनाओं के कार्यानवयन के संबंध में मानव संसाधन विकास मंत्रालय को प्रतिपुष्टि देना।

(घ) राज्य में शैक्षिक विकास पर संबंधित सूचना एकत्र करके राज्य में शैक्षिक घटना-क्रम पर सूचनाओं को अद्यतन करना, संक्षिप्त रिपोर्ट के रूप में उनका संसाधन तथा उद्देश्यपूर्ण प्रस्तुतिकरण, जिसे रा.शै.अ.प्र.प. तथा मानव ससाधन विकास मंत्रालय क्षेत्रीय तथा राष्ट्रीय स्तरों पर प्रशासनिक तथा शैक्षिक नीतियों का निर्णय करते समय उपयोग पर सकें।

(ङ) एन.सी.ई.आर.टी. के क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के संघटकों को उनके कार्यक्रमों के कार्यान्वियन में स्थानीय संगठनात्मक सहयोग देना जिसमें राज्य स्तर के संगठनों के अपेक्षित प्रतिभागियों को प्रतिनियुक्त करना, उपयुक्त स्थलों के चुनाव में सहायता देना, राज्य स्तर के विद्वान व्यक्तियों का सुझाव एवं कार्यक्रमों के कार्यान्वियन मे अन्य आधारिक सहयोग देने जैसे अनुवर्ती कार्यो को शामिल किया जा सकता है।

(च) अध्यापक पुरस्कार के लिए अध्यापकों के चयन के लिए राज्य स्तर की समितियों तथा अन्य राज्य स्तर की समितियों में एन.सी.ईआर.टी. तथा मा.सं.वि.मं. का प्रतिनिधित्व करना जिसके लिए राज्य प्राधिकारियों से समय—समय पर अनुरोध प्राप्त हों।

कार्य करने के लिए परिचालनात्मक कार्यपद्धति में निम्नलिखित शामिल हैं:

(क) रा.शि.सं. के विभाग, क्षेत्रीय कार्यालयों को उनके चालू वर्ष के कार्यक्रमों को यथा शीघ्र तथा अधिक से अधिक मई तक करने के लिए सूचित करते हैं तथा इस उद्देश्य के लिए क्षेत्रीय सलाहकारों की वार्षिक बैठक की व्यवस्था का उपयोग करते हैं।

(ख) एन सी ई आर टी के इन संघटकों की सलाहकार समितियां की बैठक से पूर्व क्षे.शि.म./रा.शि.सं. को राज्यों की आवश्यकताओं के बारे में बताना, क्षेत्रीय समन्वयन समितियों की बैठक क्षेत्रीय महाविद्यालयों के प्रधानाचार्य अप्रैल में आयोजित करें ताकि इन बैठकों के निष्कर्षों को क्षे.शि.म./रा.शि.सं. के विभागों को उपलब्ध कराया जा सके जिससे उन्हें अगले वर्ष राज्यों की आवश्यकताओं के आधार पर अपने कार्यक्रमों के निर्माण में सहयोग मिल सके।

(ङ) एन सी ई आर टी के योगदान के बारे में राज्य शैक्षिक प्राधिकारियों को सूचित करने तथा उन्हें राज्यों में भी लागू करने के लिए क्षेत्रीय कार्यालय विद्यालयी शिक्षा से संबंधित राज्य अधिकारियों की एक बैठक जुलाई में आयोजित करें।

(घ) राज्यों की शैक्षिक आवश्यकताओं को जानने के लिए क्षेत्रिय कार्यालय राज्य समन्वयन समिति की बैठक मार्च—अप्रैल में करें ताकि इस बैठक की कारवाई और इनके निष्कर्ष क्षेत्रीय कार्यालयों की वार्षिक बैठक के समय क्षे.शि.म./रा.शि.सं. के विभागों को दिए जा सकें। इन राज्यों की आवश्यकताओं के आधार पर एन सी ई आर टी के संघटक अपने संबंधित प्रस्तावों को तैयार करते समय इन्हें भी शामिल कर सकें।

क्षे.से.वि.स. विभाग ने क्षेत्रीय कार्यालयों के अकादमिक संकाय—सदस्यों को संशोधित भूमिका तथा कार्यों से परिचित कराने के लिए प्रवेश—व—प्रबंध पाठ्यक्रम के लिए प्रशिक्षण सामग्री तैयार की।

शैक्षिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यकों की शिक्षा

शैक्षिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यकों के विद्यालयों के अध्यापकों

की व्यावसायिक क्षमता का संवर्धन करने के लिए कुछ चुने हुए विश्वविद्यालयों में स्थापित क्षेत्रीय संसाधन केन्द्रों को एन.सी.ई.आर.टी. की ओर से दी जाने वाली अनुदान सहायता योजना के अंतर्गत क्षे.से.वि.स. विभाग ने इन केन्द्रों के प्रशिक्षण कार्यों का निरीक्षण किया तथा इनकी सूचना त्रैमासिक रिपोर्टों द्वारा मा.सं.वि.म.को दी।

1990-91 में अल्पसंख्यक विद्यालयों में रा.शै.अ.प्र.प. के जीविका मार्गदर्शन निदेशों के क्षेत्रीय मूल्यांकन अध्ययन की रिपोर्ट तैयार की गई तथा अल्पसंख्यक विद्यालयों के अध्यापकों के लिए इस विभाग द्वारा आयोजित प्रशिक्षण पर प्रतिपुष्टि के रूप में रा.शि.सं. के केन्द्रीय विभाग को भेजी गई।

वर्ष 1990-91 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा अल्पसंख्यकों के कल्याण पर उप-समूह की बैठकों की एक श्रृंखला आयोजित की गई। इन बैठकों में. क्षेत्रीय संसाधन केन्द्र के कार्यक्रमों पर अद्यतन सूचना प्रस्तुत की गई तथा क्षेत्रीय सेवाएं और विस्तार समन्वयन विभाग द्वारा शैक्षिक रूप से पिछड़े अल्संख्यक विद्यालयों के अध्यापकों की कार्य क्षमता बढ़ाने हेतु वैकल्पिक कार्यनीति के सुझाव दिए गए।

प्रतिपुष्टि, अध्ययन तथा अन्य कार्यकलाप

रा.शै.अ.प्र.प. ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 तथा विद्यालयी शिक्षा के विकास में उसकी उपयोगिता के अन्तर्गत कार्यक्रमों के संबंध में राज्यों में विद्यालय पदाधिकारियों तथा लोगों के ज्ञान का मूल्यांकन करने के लिए एक अभ्यास प्रारम्भ किया। इस अध्ययन का संचालन रा.शै.अ.प्र.प. के क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से क्षेत्रीय सेवाएँ और विस्तार समन्वयन विभाग ने किया तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 के पुनरीक्षण हेतु भारत सरकार द्वारा स्थापित निरीक्षण समिति के उपयोग के लिए इसकी रिपोर्ट मानव संसाधन विकास मंत्रालय को भेजी गई।

— कल्याण मंत्रालय, सहिला एवं बाल विकास विभाग की सलाह पर, प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा केन्द्रों की कार्यप्रणाली पर, जिसके लिए मंत्रालय ने राज्यों की स्वयं सेवी ऐजेंसियों को अनुदान दिए थे, क्षेत्रीय कार्यालयों से निरीक्षण रिपोर्ट प्राप्त की गई तथा मंत्रालय को भेजी गई।

— विभाग ने व्यवस्थित निरीक्षण के लिए मार्गदर्शी सिद्धान्त भी विकसित किए, जिन्हें क्षेत्रीय परीक्षण के लिए कुछ चुनिंदा क्षेत्रीय कार्यालयों को भेजा गया।

— मेरठ क्षेत्र में विद्यालय अध्यापकों के सामूहिक अभिविन्यास कार्यक्रम (पीमोस्ट) पर एक प्रतिपुष्टि अध्ययन की एक रिपोर्ट पूरी की गई।

— सभी राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों के विद्यालयों में सामुदायिक गायन कार्यक्रम के कार्यान्वियन पर प्रतिपुष्टि अध्ययन की एक रिपोर्ट पूरी की गई।

— उपरोक्त के अतिरिक्त, 1982-89 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के लिए रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा संचालित सामुदायिक गायन कार्यक्रम की उत्पत्ति तथा कार्यान्वियन पहलू के विकास पर एक विस्तृत टिप्पणी तैयार की गई।

— केन्द्र द्वारा प्रायोजित शैक्षिक प्रौद्योगिकी योजना के अंतर्गत पुस्तक के "लेट अस सिंग टूगेदर" नामक पुस्तक के किफायती संस्करण तथा भारत में प्राथमिक एवं उच्च-प्राथमिक विद्यालयों के लिए रिकॉर्ड किए गए गानों के कैसेट पर आए खर्च की सूचना मा.सं.वि.सं. को दी गई।

— राजस्थान में इतिहास शिक्षम के आलोचनात्मक विश्लेषण पर एरिक द्वारा अनुमोदित अनुसंधान अध्ययन पूरा किया गया।

— राष्ट्रीय एकता संवर्धन के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय की प्रवास योजना के अन्तर्गत आने वाले विद्यार्थियों की समस्याओं को समझने तथा उनके समायोजन के लिए

प्रतिपुष्टि अध्ययन पूरा किया गया। अध्ययन की उपलब्धियाँ एव विद्यालय प्राधिकारियों के लिए सामान्य रूप से तथा विशेष रूप से शिक्षकों के लिए इनके उपयोग की सूचना संबंधित विभागों/संगठनों को दी गई।

– नीपा के अनुरोध पर, अनु. जाति/जन जाति के विद्यार्थियों के केन्द्रीयण के क्षेत्रों में महाविद्यालयों के प्राधानाचार्यों के लिए राष्ट्र-स्तरीय अभिविन्यास कार्यक्रम के प्रतिभागियों के साथ एक व्याख्यान-विचार-विमर्श आयोजित किया गया। इन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्मिक सेवाएँ आरंभ करने के तरीकों पर चर्चा की गई।

– "शिक्षकों से अपेक्षाएँ" विषय पर शिक्षक दिवस 1990 के प्रसारण के लिए वीडियो तथा ऑडियो कार्यक्रमों के निमार्ण से संबंधित कार्यकलापों में के.शै.प्रौ.सं. के विभागों को विशेषज्ञता प्रदान की गई।

– राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कारों के लिए विद्यालय अध्यापकों के चयन में दिल्ली प्रशासन की सहायता की गई।

क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा किए गए कार्यकलाप

वर्ष 1990-91 में राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों में क्षेत्रीय कार्यालयों ने रा.शि.सं. के विभिन्न, विभागों, क्षे.शि.म. तथा के.शै.प्रौ.सं. को राज्यों तथा संघ शासित क्षेत्रों में उनके कार्यक्रम आयोजित करने में सहायता प्रदान की। इन क्षेत्रीय कार्यालयों ने रा.शै.अ.प्र.प. के विभिन्न एककों द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों/कार्यकलापों के कार्यान्वियन से संबंधित अनेक कार्यकलाप किए जो निम्नलिखित हैं :–

1. जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रवेश हेतु चयन परीक्षा के आयोजन में राज्य/संघ शासित क्षेत्र स्तर पर कार्यकलापों का समन्वयन करना।

2. राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा के आयोजन में राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों को मार्गदर्शन तथा सहायता देना।

3. राष्ट्रीय प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति के लिए चुने गए विद्यार्थियों के साक्षात्कार के सम्बन्ध में कार्यकलापों का समन्वयन करना।

4. राज्य स्तर की विज्ञान प्रदर्शनी तथा खिलौना प्रतियोगिताओं के आयोजन में राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों को सहायता देना।

इन कार्यकलापों के अतिरिक्त क्षेत्र सलाहकारों के कार्यालयों में रा.शै.प्र.प. के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के संबंध में अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा कार्यशालाएँ भी आयोजित की। इन कार्यक्रमों का ब्यौरा तालिका 18.2 में दिया गया है :

तालिका 18.2

1990-91 के दौरान रा.शै.अ.प्र.प. के क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा आयोजित कार्यशालाएँ, अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा बैठकें:

क्रम सं.	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*दिनांक*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
क्षेत्रीय कार्यालय, इलाहाबाद				
1.	उत्तर प्रदेश में अनु. जाति/जन जाति के बच्चों में शिक्षा के विकास हेतु अपनाये गये नवीकरण उपायों पर अध्ययन व कार्यशाला	18 से 12 अक्टूबर, 1990	शान्ति कुंज हरिद्वार	21

1990-91

क्रम स.	कार्यक्रम का शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
क्षेत्रीय कार्यालय, बेंगलूर				
1.	कर्नाटक में जि.शै.प्रौ.सं. की स्थापना पर विचार के लिए बैठक	मई, 1990	क्षेत्रीय कार्यालय बेंगलूर	5
2.	राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा के मैट की मदों तथा शैक्षिक क्षेत्रों के अन्तर्गत विद्यार्थियों को उत्तर देने में सहायता के लिए अध्यापकों का अभिविन्यास कार्यक्रम	9 से 11 जुलाई, 1990	वेनीविलास हाई स्कूल राजाजी नगर	66
3.	रामामूर्ति समिति के संदर्श पत्र पर संगोष्ठी	10 अक्टूबर, 1990	आर.वी.टी.चर्स कालेज बेंगलूर	20
4.	कर्नाटक और केरल में डी डी पी आई तथा नवोदय विद्यालयों के प्रधानाचार्यों का अभिविन्यास सम्मेलन	12 नवम्बर, 1990	राज्य शिक्षा संस्थान, त्रिवेन्द्रम	65
5.	पर्यावरण अध्ययन/सामाजिक विज्ञान के अध्ययन की कार्यपद्धति पर पाठ्य पुस्तकों के लिए सम्भावित लेखकों के चयन पर बैठक	28 दिसम्बर, 1990	आर.वी. अध्यापक महाविद्यालय, बेंगलूर	5
6.	राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा 1990 पर राज्य सलाहकार समिति की बैठक	16 फरवरी, 1991	डी एस ई आर टी बेंगलूर	12
7.	'केप' पर राज्य सलाहकार समिति की बैठक	28 फरवरी, 1991	डी एस ई आर टी बेंगलूर	10
8.	कर्नाटक के सामाजिक विज्ञान पाठ्यक्रम पर पुनरीक्षण समिति की बैठक	26 फरवरी, 1991	डी एस ई आर टी बेंगलूर	4
क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल				
1.	गणक तथा सम्बद्ध गणित अध्यापन के प्रयोग में डी आई ई टी तथा बी.टी.आई के प्रमुख संबंधित विद्वानों का अभिविन्यास	7 से 11 जनवरी, 1991	डायट राजगढ़	18

1990-91

क्रम सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
2.	जन जातीय विद्यालयों सें माध्यमिक स्तर पर अध्यापन भाषा में परिवर्तनशील अभ्यासों पर अभिविन्यास व कार्यशाला	17 से 23 जनवरी, 1991	भारत भारती विद्यालय, बेतुल	22
3.	माध्यमिक स्तर पर हिन्दी अध्यापन के परिवर्तनशील अभ्यासों में प्रमुख संबंधित विद्वानों का अभिविन्यास	16 स 22 जुलाई, 1990	गवर्नमेंट हायर सैकेन्ड्री स्कूल, तिरला जिला—धर	21
4.	प्रबंध, अनुदेशात्मक योजना और मार्गदर्शन में आवासीय जनजातीय विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	4 से 10 अक्टूबर, 1990	गवर्नमेंट हायर सैकेन्ड्र स्कूल मंडलेश्वर, जिला—खरगॉव	25
5.	माध्यमिक स्तर पर सर्जनात्मक लेखन पर अभिविन्यास—व—कार्यशाला	23 अक्टूबर से 1 नवम्बर, 1990	गवर्नमेंट हायर सैकेन्ड्री स्कूल, नारायणपुर, जिला—बस्तर	45
6.	अध्यापन में परिवर्तनशील अभ्यासों में जन जातीय विद्यालयों के प्रधानाचार्यों का अभिविन्यास	19 से 24 नवम्बर 1990	कन्या शिक्षा परिसर कुकसी	—
7.	अध्यापन में परिवर्तनशील अभ्यासों में विशेष जन—जातीय विद्यालयों के प्रधानाचार्यों का अभिविन्यास	3 से 8 दिस्म्बर, 1990	गवर्नमेट हायर सैकेन्ड्री स्कूल, अमरकंटक, जिला—शाहोल	—
8.	प्रबंध, संस्थागत योजना तथा मार्गदर्शन में आवासीय जन जातीय विद्यालयों के प्रधानाचार्यो का अभिविन्यास	16 से 22 दिसम्बर, 1990	मॉजल स्कूल, शिजहोरा, जिला—मंडला	—
9.	माध्यमिक स्तर पर विज्ञान और गणित अध्यापन में परिवर्तनशील अभ्यास	28 जनवरी से 3 फरवरी, 1991	गुरूकुल विद्यालय, पेन्ड्रा जिला—विलासपुर	13

क्रम सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
10.	जिला झाबुआ के जन-जातीय विद्यालयों के अध्यापकों की शैक्षिक आवश्यकताओं की पहचान।	18 से 23 अगस्त 1990	गवर्नमेंट हायर सैकेन्ड्री स्कूल, कोंडागांव	27
11.	जिला झाबुआ के जन-जातीय विद्यालयों के अध्यापकों की शैक्षिक आवश्यकताओं की पहचान।	5 से 10 नवम्बर, 1990	गवर्नमेंट बालिका हायर सैकेन्ड्री स्कूल झाबुआ	30
12.	जहाँ विज्ञान विकास परियोजना आरंभ की गई है, वहाँ विद्यालयों में सीखने के वातावरण पर अनुसंधान अध्ययन।	6 दिसम्बर, 1990	गवर्नमेंट मिडिल स्कूल, विदिशा	30
13.	जहाँ विज्ञान विकास परियोजना आरंभ की गई है, वहाँ सीखने के वातावरण पर अनुसंधान अध्ययन।	7 दिसम्बर, 1990	गवर्नमेंट बी.टी.आई. सेहोर	35
क्षेत्रीय कार्यालय, भुवनेश्वर				
1.	उड़ीसा में माध्यमिक कक्षाओं के लिए विज्ञान में नमूना परीक्षा मदों का विकास (शारीरिक विज्ञान और जीवन विज्ञान)	15 से 20 जनवरी, 1990	राधानाथ इंस्टीट्यूट आफॅ एडवान्सड, स्टडीज इन एजूकेशन कटक	28
क्षेत्रीय कार्यालय, कलकत्ता				
1.	विज्ञान शिक्षण के विशेष संदर्भ में साइकोलिंग्विस्टिक्स पर अभिविन्यास कार्यक्रम		क्षेत्रीय कार्यालय (रा.शै.अ.प्र.प.) कलकत्ता	24
क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़				
1.	चंडीगढ़ के +2 व्यावसायिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के लिए विद्यालय–औद्योगिक–कार्य–संबंध पर अभिविन्यास–व–पुनरीक्षण कार्यक्रम	7 से 8 फरवरी, 1991	राज्य शिक्षा संस्थान चंडीगढ़	7
2.	चंडीगढ़ के अनु. जाति/जन जीत के प्राथमिक विद्यालयों के लिए प्राथमिक विज्ञान किट, गणित किट तथा छोटे संयंत्र किट के प्रयोग हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम	11 से 15 फरवरी, 1991	–वही–	

1990-91

क्रम सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद				
1.	माध्यमिक स्तर पर स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा में प्रमुख व्यक्तियों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम	28 से 30 अगस्त, 1990	कोपान्ना पालम (पश्चिम गोदावरी जिला)	24
2.	आन्ध्र प्रदेश में जन जातीय माध्यमिक विद्यालयों के अध्यापकों के लिए विज्ञान में संवर्धन पाठ्यक्रम	11 से 15 सितम्बर, 1990	बी.एच.ई.एल. रामचन्द्रपुरम हैदराबाद	
3.	आन्ध्र प्रदेश में जन जातीय माध्यमिक विद्यालयों के अध्यापकों के लिए गणित में संवर्धन पाठ्यक्रसम	5 से 8 फरवरी, 1990	हनामकोंडा जिला—वरांगल	13
4.	एस.यू.पी.डब्ल्यू. में उच्च प्राथमिक विद्यालयों के प्राधानाचार्यों/मुख्य अध्यापकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	28 से 30 जनवरी, 1991	राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् हैदराबाद	21
5.	माध्यमिक स्तर पर पर्यावरण अध्ययनों पर अनुदेशी सामग्री का विकास करने हेतु माध्यमिक विद्यालयों के मुख्य अध्यापकों/प्रधानाचार्यों के लिए कार्यशाला	19 से 22 फरवरी, 1991	—वही—	
6.	जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा, 1991 के संदर्भ में जवाहार नवोदय विद्यालयों के डी ई ओ/ ए सी जी ई तथा प्रधानाचार्यों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	15 अक्टूबर, 1990	नवोदय विद्यालय चयन क्षेत्रीय कार्यालय	48
क्षेत्रीय कार्यालय, पुणे				
1.	महाराष्ट्र, गोवा, दमन और दीव के पूर्व—प्राथमिक, प्राथमिक तथा बालवाड़ी अध्यापकों के लिए राष्ट्रीय/ राज्य स्तरीय खिलौने बनाने की प्रतियोगिता	अक्टूबर, 1990	क्षेत्रीय कार्यालय (रा.शै.अ.प्र.प.) पुणे	84
2.	प्रथम तथा द्वितीय स्तरों पर नई पाठ्यचर्या के अध्यापन के मूल्यांकन पर कार्यशाला	30 अक्टूबर, 1990 से 1 जनवरी, 1991	एस.सी.ई.आर.टी. पुणे	20

क्रम सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
3.	प्राथमिक अध्यापकों के लिए शैक्षिक कार्यशाला	18 जून से 23 जून, 1990	केन्द्रीय विद्यालय, एयर फोर्स स्टेसन, लोह गाँव, पुणे	40 (एयर फोर्स पश्चिमी कमान द्वारा प्रायोजित)
क्षेत्रीय कार्यालय, शिलांग				
1.	खिलौने बनाने की प्रतियोगिता, 1990	6 नवम्बर तथा 15 दिसम्बर, 1990	मेघालय, मिजोरम तथा त्रिपुरा के एस.टी.ई./ एस.सी.ई.आर.टी.	
क्षेत्रीय कार्यालय, शिमला				
1.	जिला शिक्षा अनुसंधान मंच के माध्यम से प्रारंभिक शिक्षा में सुधार तथा अनुसंधान एंव प्रयोग की प्रोन्नति	8 से 13 अक्टूबर, 1990	बी.टी.एस. सोलान 40 से अधिक विद्यालयों ने भाग लिया	40
2.	हिमाचल प्रदेश के प्राथमिक अध्यापकों के के लिए दूरस्थ शिक्षा के माध्यस से प्राथमिक स्तर की बहु-कक्षा अध्यापन के लिए संवर्धन कार्यक्रम	4 से 11 जनवरी, 1990	बी.टी.एस. नाहन	42
3.	हिमाचल प्रदेश में पर्यावरणीय अध्ययन पर बैठक	4 फरवरी, 1991	ददाहू जिला सिरमौर	अध्यापक/वी. पी.ई.ओ.तथा विशेषज्ञ
क्षेत्रीय कार्यालय, त्रिवेन्द्रम				
1.	अनु. जाति/जन जाति केन्द्रित क्षेत्रों के लिए पूरक शिक्षा में प्रमुख व्यक्तियों को प्रशिक्षण	22 अक्टूबर, 1990	हाई स्कूल, शोरानूर	30
2.	उच्च प्राथमिक विद्यालयों के अरबी अध्यापकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	22 से 23 नवम्बर, 1990	राजकीय बालिका हाई स्कूल त्रिपुनीथुरा	31
3.	हाई स्कूल अध्यापकों के लिए व्यापक तथा निरन्तर मुल्यांकन पर कार्यशाला	17 से 21 दिसम्बर, 1990	राजकीय हाई स्कूल चावाक्काड	40

1990-91

उन्नीस प्रशासनिक और कल्याण कार्यकलाप तथा वित्त

विद्यालयी शिक्षा तथा अध्यापक शिक्षा में गुणात्मक सुधार के लिए रा.शै.अ.प्र.प. सचिवालय इस वर्ष भी रा.शै.अ.प्र.प. के विभिन्न संघटक एककों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों/परियोजनाओं के प्रभावी कार्यान्वियन में महत्वपूर्ण योगदान देता रहा।

कल्याण कार्यकलाप

रा.शि.सं. परिसर में 16 टाइप-4 क्वार्टरों तथा शॉपिंग काम्पलेक्स का निर्माण कार्य पूरा किया गया। परिषद् ने 16 टाइप-1 तथा 8 टाइप 4 के आवासों के निर्माण के लिए सी.पी.डबल्यू.डी. को रु.25,00,000 (रुपये पच्चीस लाख) दिए।

परिषद् ने अपने कर्मचारियों के हित के लिए खेल-कूद की सुविधाएँ उपलब्ध कराना जारी रखा। अंतर्क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, रा.शि. संस्थान एवं सी.आई.ई.टी. स्टाफ का दसवां टूर्नामेंट 24 से 27 दिसम्बर, 1990 तक रा.शि. संस्थान परिसर, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। पुरुषों के लिए फुटबाल, बालीबाल, बास्केटबाल, क्रिकेट, लॉन टेनिस, टेवल टेनिस तथा बैडमिंटन की प्रतियोगिताएं तथा महिलाओं के लिए टेबल टेनिस तथा टेनीकोइट में प्रतियोगिताएं की गई। टूर्नामेंट में चारों महाविद्यालयों में रा.शि. संस्थान तथा सी.आई.ई.टी. में प्रत्येक से एक-एक टीम ने भाग लिया। रा.शै.अ.प्र.प. के लगभग 150 कर्मचारियों ने विभिन्न खेलों में भाग लिया। खिलाड़ियों ने इन खेलों में काफी रुचि दिखाई और बन्धुत्व की भावना से उनमें भाग लिया।

कल्याण कार्य के रूप में, परिषद् ने अपने प्रत्येक सेवानिवृत्त कर्मचारी को रु. 250/- का उपहार यादगार स्वरूप देना आरंभ किया है।

हिन्दी प्रकोष्ठ के कार्यकलाप

वर्ष 1990-91 में कार्यालयी कार्य में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए रा.शै.अ.प्र.प. के हिन्दी प्रकोष्ठ ने अनेक कार्यकलाप किए। इस वर्ष प्रकोष्ठ के प्रमुख कार्य निम्नलिखित थे:

1. प्रकोष्ठ ने परिषद् के शैक्षिक और प्रशासनिक दस्तावेजों का अनुवाद कार्य पूरा किया। इसके अतिरक्त, प्रकोष्ठ ने परिषद् की वर्ष 1989-90 की वार्षिक रिपोर्ट के हिन्दी अनुवाद का कार्य किया।

2. प्रकोष्ठ ने 4 से 5 सितंबर, 1990 तक निम्नलिखित प्रतियोगिताएँ आयोजित कीं:

- हिन्दी टंकण प्रतियोगिता
- हिन्दी टिप्पण एवं प्रारूपण प्रतियोगिता
- हिन्दी अनुवाद प्रतियोगिता

इन प्रतियोगिताओं में परिषद् के 50 कर्मचारियों ने भाग लिया।

3. प्रकोष्ठ ने परिषद् मुख्यालय, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों तथा राज्यों में क्षेत्रीय सलाहकारों, (रा.शै.अ.प्र.प.) के कार्यालयों के लिए हिन्दी से अंग्रेजी तथा अंग्रेजी से हिन्दी के अनुवाद की सुविधा प्रारम्भ की। इस सहायता के परिणाम स्वरूप, परिषद् के अधिकांश परिपत्रों/आदेशों इत्यादि को अब द्विभाषी रूप में जारी किया जाता है। इन कार्यकलापों के अतिरिक्त प्रकोष्ठ ने रा.शि.सं. तथा रा.शै.अ.प्र.प. सचिवालय के विभागों/अनुभागों/एककों, जहाँ हिन्दी टाइप की सुविधा उपलब्ध नहीं है, को हिन्दी टाइपिंग/साइक्लोस्टाइलिंग की सेवाएं देना जारी रखा।

व्यावसायिक शैक्षिक संगठन के लिए दिया गया अनुदान

शिक्षा, विशेषतः विद्यालयी शिक्षा तथा अध्यापक शिक्षा में सुधार के लिए स्वैच्छिक प्रयासों को जारी रखने तथा उन्हें बढ़ावा देने के कार्यक्रम के अन्तर्गत रा.शै.अ.प्र.प. व्यावसायिक शैक्षिक संगठनों (पी.ई.ओ.) को वित्तीय सहायता प्रदान करने की योजना चला रही है। 1990-91 में पाँच व्यावसायिक शैक्षिक संगठनों को पत्रिकाओं के प्रकाशन के लिए तथा तीन व्यावसायिक शैक्षिक संगठनों को सम्मेलनों/सभाओं के आयोजन के लिए अनुदान दिया गया। इन व्यावसायिक शैक्षिक संगठनों को दिए गए अनुदानों का विवरण तालिका 19.1 तथा 19.2 में दिया जा रहा है।

तालिका 19.1

वर्ष 1990-91 में पत्रिकाओं के प्रकाशन हेतु व्यावसायिक शैक्षिक संगठनों को दिया गया अनुदान

क्र. सं.	संगठन का नाम	पत्रिकाओं का शीर्षक	स्वीकृत राशि
1.	शैक्षिक अनुसंधान तथा विकास समिति, 46 हरिनगर, गोत्री रोड बड़ौदरा-390007	पर्सपेक्टिव्स ऑफ एजुकेशन	रू. 8,000
2.	गणित अध्यापन सुधार संघ 25, फर्न रोड, कलकत्ता-700019	इंडियन जरनल ऑफ मैथेमेटिक्स टीचिंग	रू. 4,000
3.	भौतिकी अध्यापकों का भारतीय संघ 2 क/229, आजाद नगर कानपुर-208002	फिजिक्स टीचर्स	रू. 5,000

क्र. सं.	संगठन का नाम	पत्रिकाओं का शीर्षक	स्वीकृत राशि
4.	विज्ञान शिक्षा के विकास हेतु संघ 3 फर्स्ट लिंक स्ट्रीट मंडावली पक्कम मद्रास-600028	जूनियर साइंटिस्ट	रू. 5,000
5.	भारतीय भौतिकी संघ द्वारा टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च होमी भाभा रोड़ बम्बई-400005	फिजिक्स न्यूज	रू. 5,000

तालिका 19.2

वर्ष 1990-91 में वार्षिक सम्मेलनों/संगोष्ठियों/सभाओं के आयोजन हेतु व्यावसायिक शैक्षिक संगठनों को दिया गया अनुदान

क्र. सं.	आयोजक का नाम	कार्यक्रम का शीर्षक	स्वीकृत राशि
1.	भौतिकी अध्यापकों का भारतीय संघ 2 क/229, आजाद नगर कानपुर	भारतीय भौतिकी संघ की पाँचवीं राष्ट्रीय सभा	रू. 5,000
2.	भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी ईश्वर शरण डिग्री कालेज परिसर इलाहाबाद-211004	"समाज, भाषा और विकास" पर पन्द्रहवीं भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस	रू. 10,000
3.	भारतीय खेल मनोविज्ञान संघ मनोविज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़	खेल मनोविज्ञान पर पहला अन्तर्राष्ट्रीय तथा छठा राष्ट्रीय सम्मेलन	रू. 5,000

वित्त

वर्ष 1990-91 के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् की प्राप्ति और भुगतान की समेकित लेखा तालिका 19.3 में दी जा रही है।

तालिका 19.3

वर्ष 1990-91 के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् की प्राप्ति और भुगतान का समेकित लेखा

प्राप्ति	*राशि (रु.)*		*भुगतान*		*राशि (रु.)*	
आदि शेष			*बजट खर्च*			
नकद राशि और बैंक में बचत खाते में धन	7,49,12,124 47,31,700		अधिकारियों के वेतन	गैर योजना योजना	3,40,73,331 8,696	3,40,73,331
बचत खाता (सा.भ.नि.)	68,00,891	8,64,44,715	स्थापना का वेतन	गैर योजना योजना	3,62,48,868 3,40,313	3,65,80,681
बजट खर्च के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय से प्राप्त अनुदान योजना गैर योजना	 3,50,00,000 14,94,00,000	18,44,00,000	भत्ते और मानदेय	गैर योजना योजना	4,54,84,027 3,21,663	4,58,05,690
मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा कागज के खर्च के लिए दिया गया सहायता अनुदान		6,79,59,304	यात्रा भत्ता	गैर योजना योजना	13,91,554 52,396	14,43,950
विशिष्ट परियोजनाओं का अनुदान तथा वापसी	7,15,69,503		अन्य प्रभार	गैर योजना योजना	3,47,39,988 13,00,498	3,60,40,486
			छात्रवृत्तियाँ तथा फैलोशिप	गैर योजना योजना	11,60,149 2,91,499	14,51,648
			मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा भुगतान किया गया कागज का मूल्य			6,79,59,304
			कार्यक्रम	गैर योजना योजना	9,34,42,268 1,12,01,306	10,46,43,574

प्राप्ति	राशि (रु.)		भुगतान		राशि (रु.)	
			उपस्कर और फर्नीचर	गैर योजना	11,85,873	
				योजना	19,36,250	31,22,123
			भूमि और भवन	गैर योजना	70,77,134	
				योजना .	99,93,013	1,70,70,147
			विशिष्ट परियोजनाओं पर भुगतान			6,18,99,357
	41,03,73,522					41,01,07,987
परिषद् की प्राप्ति			*विविध भुगतान*			
परिषद् भवनों का किराया	15,43,199		अवकाश वेतन और पेंशन		38,699	
अधिक भुगतान की वसूली	23,52,752		सी.जी.एच.एस.		25,690	
शुल्क और प्रभार	5,31,008		डी.एल.आई.एस.		71,884	
अवकाश वेतन और पेंशन	2,56,003		विविध		1,38,47,017	1,39,83,290
सी.जी.एच.एस.	2,65,083					
विज्ञान किटों की बिक्री	12,76,263		सा.भ.नि. पर ब्याज		1,06,00,400	
ऋणों/अग्रिमों पर ब्याज	7,91,317		अ.भ.नि. पर ब्याज तथा			
			कर्मचारी का अंश		1,99,600	1,08,00,000
पी.एफ. निवेष पर ब्याज	14,07,077					
पुस्तकों और प्रकाशनों की बिक्री	50,69,506		अतिरिक्त जमा एस.टी.डी. पर ब्याज			
	49,315					
विश्वविद्यालयों से रायल्टी (पी.डी.)	17,407					
विविध प्राप्तियाँ	1,33,52,056		कार्यक्रम/विविध अग्रिम			13,83,879
योग		13,68,61,676				
कार्यक्रम/विविध अग्रिम		13,52,042				2,62,16,484
		13,82,13,718				
			ऋण और अग्रिम			
मोटर साइकिल/स्कूटर अग्रिम	15,88,916		मोटर साइकिल/स्कूटर अग्रिम		24,88,170	
साइकिल अग्रिम	86,095		साइकिल अग्रिम		1,26,600	

प्राप्ति	राशि (रु.)		भुगतान	राशि (रु.)	
			ऋण और अग्रिम		
भवन निर्माण अग्रिम	31,32,922		भवन निर्माण अग्रिम	34,20,740	
पंखा अग्रिम	10,035		पंखा अग्रिम	9,200	
त्यौहार अग्रिम	5,52,245		त्यौहार अग्रिम	5,33,160	
स्थानान्तरण यात्रा भत्ता/वेतन अग्रिम	31,451		स्थानान्तरण यात्रा-भत्ता/वेतन अग्रिम		
स्थायी अग्रिम	700		स्थायी अग्रिम		51,334
		54,02,364	जलपानगृह अग्रिम	3,900	
				85,331	
					67,18,412
			निधि एवं निवेश		
स.भ.नि.					
अ.भ.नि.	2,76,91,015		स.भ.नि. चालू खाता		
स.भ.नि. पर ब्याज	3,81,711	2,80,72,726	बचत खाता	1,03,78,189	
अ.भ.नि. पर ब्याज तथा परिषद् का अंश	1,06,00,400		स.भ.नि. चालू खाता	1,16,12,603	2,19,90,792
परिपक्व निवेश	1,99,600	1,08,00,000	बचत खाता	1,48,889	
भ. नि. प्राप्ति चालू खाता		25,25,000	भ.नि. निवेश	1,11,769	2,60,658
	1,00,00,000		बचत खाते में स्थानान्तरित भ.नि.		1,25,00,000
क्षे.शि.म. भुवनेश्वर खाता				1,00,00,000	
अल्पकालिक जमा	35,00,000	1,45,00,000			
		20,00,000	अल्पकालिक जमा		
		6,33,00,000			20,00,000
					5,44,69,862
			जमा		
बयाना धन और प्रतिभूति जमा					
अवधान द्रव्य	3,58,872		बयाना धन और प्रतिभूति जमा		
अन्य जमा	1,12,901		अवधान द्रव्य	5,18,559	
	3,16,793	7,88,566	अन्य जमा	1,13,330	
			प्रेषण	2,79,435	9,11,324
सा.भ.नि./अ.भ.नि.			सा.भ.नि./अ.भ.नि.		
पी.एल.आई./एल.आई.सी	4,55,809		पी.एल.आई./एल.आई.सी.	3,49,321	
आयकर	1,10,165		आयकर	1,27,220	
डी.आर.एफ.	18,57,051		डी.आर.एफ.	18,85,935	
टी.सी.एस.	38,130		टी.सी.एस.	51,299	
	4,57,311			4,58,024	

प्राप्ति	राशि (रु.)		भुगतान	राशि (रु.)	
जी.आई.आई.एस.	20,42,208		जी.आई.आई.एस.	18,59,453	
उप-कार्यलय प्रेषण	24,26,657		उप-कार्यलय प्रेषण	24,35,128	
आवधिक प्रेषण	14,30,59,150		आवधिक प्रेषण	14,30,59,150	
विविध प्रेषण	13,81,216	15,18,27,697	विविध प्रेषण	13,08,829	15,15,34,359
योग:		15,26,16,263	अन्तः शेष	12,01,14,384	
			नकद राशि	1,50,000	
			बैंक बचत खाता में धन	9,99,193	
			(सा.भ.नि.)	12,12,63,577	
			योग:	27,37,09,260	
कुल योग:		76,45,03,593	कुल योग:	76,45,03,593	

परिशिष्ट अ

वर्ष 1990-91 के लिए रा.शै.अ.प्र.प. की समितियाँ

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् की आम सभा
(परिषद् के नियमों के नियम 3 के अन्तर्गत) (2-11-1993 तक मान्य)

1. मानव संसाधन विकास मंत्रालय अध्यक्ष पदेन	1. श्री चिम्मन भाई मेहता मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री नई दिल्ली (7 नवम्बर, 1990 तक) 2. श्री राजमंगल पांडे मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री नई दिल्ली (21 नवम्बर, 1990 से)
2. अध्यक्ष विश्वविद्यालय अनुदान आयोग पदेन	प्रो. यशपाल अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग बहादुरशाह जफर मार्ग नई दिल्ली
3. सचिव मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग) पदेन	3. श्री अनिल बोर्डिया मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग) भारत सरकार शास्त्री भवन, नई दिल्ली
4. भारत सरकार द्वारा नामित विश्वविद्यालयों के चार कुलपति (प्रत्येक क्षेत्र से एक)	4. प्रो. इकबाल नारायण कुलपति उत्तर पूर्वी हिल विश्वविद्यालय शिलांग 793001 5. प्रो. आर.एल. पारिख कुलपति गुजरात विद्यापीठ अहमदाबाद-380014

5. प्रत्येक राज्य सरकार/संघ शासित क्षेत्र का एक-एक प्रतिनिधि विधायक जो राज्य/संघ शासित क्षेत्र का शिक्षा मंत्री (या उसका प्रतिनिधि) होना चाहिए और दिल्ली के मामले में मुख्य कार्यकारी पार्षद (या उनका प्रतिनिधि)

6. डा. अमर कुमार सिंह
कुलपति
रांची विश्वविद्यालय
रांची-834008

7. प्रो. जाफर निजाम
कुलपति
काकातिया विश्वविद्यालय
विद्यारनियापुरी
वारंगल-506009

8. शिक्षा मंत्री
आन्ध्र प्रदेश सरकार
सचिवालय भवन
हैदराबाद-500022
आन्ध्र प्रदेश

9. शिक्षा मंत्री
बिहार सरकार
नया सचिवालय भवन
पटना-500016
बिहार

10. शिक्षा मंत्री
असम सरकार
सचिवालय भवन
गुवाहाटी
आसाम

11. शिक्षा मंत्री
ब्लाक नं. 1 सचिवालय
गांधी नगर-382010
गुजरात

12. शिक्षा मंत्री
हरियाणा सरकार
हरियाणा सिविल सचिवालय
चंडीगढ़-160001

13. शिक्षा मंत्री
हिमाचल प्रदेश सरकार
शिमला-170002
हिमाचल प्रदेश

14. शिक्षा मंत्री
जम्मू और कश्मीर सरकार
श्रीनगर
जम्मू और कश्मीर

15. शिक्षा मंत्री
केरल सरकार
अशोक, नथेन्कोड, त्रिवेन्द्रम
केरल

16. शिक्षा मंत्री
मध्य प्रदेश सरकार
भोपाल
मध्य प्रदेश

17. शिक्षा मंत्री
महाराष्ट्र सरकार
मुख्य मंत्रालय
बम्बई-400032
महाराष्ट्र

18. शिक्षा मंत्री
मेघालय सरकार
सचिवालय
शिलांग-793001
मेघालय

19. शिक्षा मंत्री
मणिपुर सरकार
सचिवालय
इम्फाल-795001
मणिपुर

20. शिक्षा मंत्री
कर्नाटक सरकार
विधान सौध
बंगलौर-560001
कर्नाटक

21. शिक्षा मंत्री
नागालैंड सरकार
कोहिमा-797001
नागालैंड

22. शिक्षा मंत्री
उड़ीसा सरकार
उड़ीसा सचिवालय
भुवनेश्वर 751001
उड़ीसा

23. शिक्षा मंत्री
पंजाब सरकार
चण्डीगढ़

(24) शिक्षा मंत्री
राजस्थान सरकार
सचिवालय जयपुर
राजस्थान

(25) शिक्षा मंत्री
तमिलनाडु सरकार
फोर्ट सेंट जार्ज
मद्रास—600009
तमिलनाडु

(26) शिक्षा मंत्री
त्रिपुरा सरकार
सिविल सचिवालय
अगरतला
त्रिपुरा

(27) शिक्षा मंत्री
सिक्किम सरकार
सिक्किम सचिवालय ताशिलिंग
गंगटोक–737101
सिक्किम

(28) शिक्षा मंत्री
उत्तर प्रदेश सरकार
लखनऊ–226001
उत्तर प्रदेश

(29) शिक्षा मंत्री
पश्चिमी बंगाल सरकार
राइटर्स बिल्डिंग
कलकत्ता–700001
पश्चिम बंगाल

(30) शिक्षा मंत्री
अरूणाचल प्रदेश सरकार,
इटानगर–791111
अरूणाचल प्रदेश

(31) मुख्य कार्यकारी पार्षद
दिल्ली प्रशासन
पुराना सचिवालय
दिल्ली–110054

(32) शिक्षा मंत्री, गोआ सरकार
सचिवालय पणजी–403001
गोआ

(33) शिक्षा मंत्री
मिजोरम सरकार
ऐजाबल–796001
मिजोरम

(34) शिक्षा मंत्री
पांडिचेरी सरकार
असेम्बली सचिवालय
विक्टर सिमोनल स्ट्रीट
पांडिचेरी

6. कार्यकारिणी समिति के वे सभी सदस्य, जो ऊपर सम्मिलित नहीं है।

(35) श्री बी. गोवर्धन, मानव संसाधन
विकास राज्य मंत्री, मानव संसाधन
विकास मंत्रालय, शास्त्रीभवन,
नई दिल्ली
(21नवम्बर 1990 से मार्च 1991)

(36) डा. के. गोपालन
निदेशक,
रा.शै.अ.प्र.प.
नई दिल्ली

(37) प्रो.डी.एस. कोठारी
कुलाधिपति,
जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय
न्यू महरौली रोड
नई दिल्ली

(38) प्रो.एन.एस. बोस
कुलपति
विश्व–भारती
शान्ति निकेतन
पश्चिम बंगाल

(39) श्री एस. नरसिंहमलु
सचिव, नंदिनी पब्लिक स्कूल
चिराग अली लेन
हैदराबाद–500001
आन्ध्र प्रदेश

(40) फादर जॉन पेटरिक
प्रधानाचार्य,
सहोदय स्कूल
सी-1 सफदरजंग डवलपमेंट एरिया
नई दिल्ली

(41) डा. एम.एम. चौधरी,
संयुक्त निदेशक
रा.शै.अ.प्र.प.
(18 जुलाई, 1989 से 2 जुलाई, 1990)

(41) (क) डा. ए.के. शर्मा
संयुक्त निदेशक
रा.शै.अ.प्र.प.
(3 जुलाई, 1990 से)

(42) प्रो.ओ.एस. देवल
प्राचार्य
क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय,
अजमेर

(43) श्रीमती लक्ष्मी आराध्य
रीडर, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय,
मैसूर

(44) डा. (श्रीमती) डी.एम.दी.रेबेलो
संयुक्त सचिव (एस)
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(शिक्षा विभाग)
शास्त्री भवन
नई दिल्ली

(45) श्री एल.एस. नारायणन
वित्तीय सलाहकार
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(शिक्षा विभाग)
शास्त्री भवन
नई दिल्ली
(31 दिसंबर 1990 तक)

7. (क) अध्यक्ष,
केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
नई दिल्ली पदेन

(46) अध्यक्ष
केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
शिक्षा केन्द्र
2-कम्यूनिटी सैंटर
प्रीत विहार
नई दिल्ली-1100092

(ख) आयुक्त
केंन्द्रीय विद्यालय संगठन
नई दिल्ली पदेन

(47) आयुक्त
केन्द्रीय विद्यालय संगठन
जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय परिसर
न्यू महरौली रोड
नई दिल्ली

(ग) निदेशक,
केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो
(स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक)
नई दिल्ली पदेन

(48) निदेशक
केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो
(डी.जी.एच.एस.)
स्वास्थ्य एंव परिवार कल्याण संत्रालय
कोटला रोड
नई दिल्ली

(घ) उप महानिदेशक-प्रभारी
कृषि शिक्षा, भारतीय कृषि
अनुसंधान परिषद
कृषि मंत्रालय
नई दिल्ली पदेन

(49) उप महानिदेशक-प्रभारी
कृषि शिक्षा (आई.सी.ए.आर)
कृषि मंत्रालय
डा. राजेन्द्र प्रसाद रोड
नई दिल्ली

(च) प्रशिक्षण निदेशक
प्रशिक्षण तथा रोजगार महानिदेशालय
श्रम मंत्रालय
नई दिल्ली पदेन

(50) प्रशिक्षण निदेशक
प्रशिक्षण तथा रोजगार महानिदेशालय
श्रम मंत्रालय
नई दिल्ली

(छ) योजना आयोग शिक्षा विभाग के प्रतिनिधि
पदेन

(51) शिक्षा सलाहाकार
योजना आयोग
योजना भवन
संसद मार्ग
नई दिल्ली—110001

8. भारत सरकार द्वारा मनोनीत छः व्यक्ति, जिनमें कम से कम चार विद्यालय अध्यापक होने चाहिए।

(52) ब्रदर ह्टोप एस.जे.
प्रधानाचार्य
सैन्ट एक्सवियर स्कूल
4 राजनिवास मार्ग
दिल्ली—110054

(53) कु. नलिनी उपाध्याय
निदेशक
अनुसंधान केन्द्र
फाल्क आर्ट कनिकब
हरीवास नगर, रामा रोड़
राजकोट

(54) डा.आर.एच. देव
ए—96, सैक्टर—26, नोएड़ा
जिला गाजियाबाद
उत्तर प्रदेश

(55) श्री दर्शन सिंह
मुख्याध्यापक
वार्ड नं. 7, फोर्ट ब्रिज के पास,
खंड साईड कथुआ, जम्मू तथा काश्मीर

(56) श्रीमती एस. क्रिसटायना मेलेजिंग
मुख्याध्यापिका
(प्राईमरी स्कूल)
मावपिचलेंज
इस्ट कसाई हिल्स
मेघालय

(57) श्रीमती अजीत कौशल
नर्सरी टीचर
गवर्नमेंट मॉडल हायर सैकेन्ड्री स्कूल
सैक्टर 20-डी
चंड़ीगढ़

विशेष आमन्त्रित

(58) सचिव
भारतीय स्कूल प्रमाण पत्र परीक्षा परिषद
प्रगति भवन, तीसरी मंजिल
47-नेहरू पैलेस
नई दिल्ली

सचिव-संयोजक

(59) (1) श्री एच.के.एल. चुघ,
सचिव
राष्टीय शैक्षिक अनुसंधान और
प्रशिक्षम परिषद्
नई दिल्ली
(30 अप्रैल, 1990 तक)

(2) श्री जी.आर.दास,
सचिव
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और
प्रशिक्षण परिषद्
नई दिल्ली
(2 मई, 1990 से 19 सितम्बर, 1990 तक)

(3) श्री के.जे.एस. चतरथ
सचिव
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद,
नई दिल्ली
(19 सितम्बर, 1990 से)

कार्यकारिणी समिति
परिषद के नियम 23 के अन्तर्गत
(1-9-1991 से मान्य)

परिषद के अध्यक्ष जो कार्यकारिणी समिति के पदेन अध्यक्ष होंगे।	1— (1)	श्री चिम्मन भाई मेहता मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री भारत सरकार नई दिल्ली (7 नवम्बर, 1990 तक)
	(2)	श्री राजमंगल पांडे मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री भारत सरकार नई दिल्ली
मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री जो कार्यकारिणी समिति के पदेन उपाध्यक्ष होंगे।		श्री वी. गोवर्धन मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री भारत सरकार नई दिल्ली (21 नवम्बर, 1990 से मार्च, 1991 तक)
परिषद के निदेशक	2.	डा. के. गोपालन निदेशक रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली
सचिव मानव संसाधन विकास मंत्रालय पदेन	3.	श्री अनिल बोर्दिया सचिव मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग) शास्त्री भवन नई दिल्ली

अध्यक्ष विश्वविद्यालय अनुदान आयोग सदस्य पदेन	4.	प्रो. यशपाल अध्यक्ष विश्वविद्यालय अनुदान आयोग बहादुरशाह जफर मार्ग नई दिल्ली-110001
अध्यक्ष द्वारा मनोनीत स्कूल शिक्षा में अनुभूत रुचि रखने वाले चार शिक्षाविद (जिनमें से दो स्कूल के अध्यापक हों)	5.	प्रो.डी.एस. कोठारी कुलपति जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय न्यू महरौली रोड नई दिल्ली
	6.	प्रो. एन.एस. बोस, कुलपति विश्व-भारती, शान्ति निकेतन पश्चिम बंगाल
	7.	श्री एस. नरसिंह सचिव नंदनी पब्लिक स्कूल चिराग अली लेन हैदराबाद–500001 आन्ध्र प्रदेश
	8.	फादर जॉन पैट्रिक प्रधानाचार्य सहोदय स्कूल सी-1 सफदरजंग डवलपमेंट एरिया नई दिल्ली
परिषद के संयुक्त निदेशक	9.	(1) डा.एम.एस. चौधरी संयुक्त निदेशक रा.शै.अ.प्र.प नई दिल्ली (18 जुलाई, 1989 से 2 जुलाई, 1990) (2) डा.ए.के. शर्मा संयुक्त निदेशक रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली (3 जुलाई, 1990 से)

अध्यक्ष द्वारा मनोनीत, परिषद की संकाय के तीन सदस्य जिनमें से कम से कम दो, प्रोफेसर तथा विभागाध्यक्षों के स्तर के हों।

10. प्रोफेसर ओ.एस. देवल
प्रधानाचार्य
क्षेत्रीय शिक्षा सहाविद्यालय
अजमेर

11. श्रीमती लक्ष्मी आराध्य
रीडर, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय
मैसूर

12. संयुक्त निदेशक
के.शै.प्रौ.सं.
रा.शै.अ.प्र.प.
नई दिल्ली

मानव संसाधन विकास मंत्रालय का एक प्रतिनिधि

13. डा. (श्रीमती) डी.म.डी. रिबेलो,
संयुक्त सचिव (स्कूल)
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(शिक्षा विभाग)
शास्त्री भवन
नई दिल्ली

वित्त मंत्रालय से एक प्रतिनिधि जो परिषद का वित्तीय सलाहकार होगा।

14. श्री एल.एस. नारायणन
वित्तीय सलाहाकार
रा.शै.अ.प्र.प.
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
शास्त्री भवन
नई दिल्ली
(31 दिसम्बर, 1990 तक)

सचिव—संयोजक

15 (1) श्री एच.के.एल. चुघ
सचिव
रा.शै.अ.प्र.प.
नई दिल्ली
(30 अप्रैल, 1990 तक)

(2) श्री जी.आर. दास
सचिव,
रा.शै.अ.प्र.प.
नई दिल्ली
(2 मई, 1990 से 19 सितम्बर, 1990 तक)

(3) डा. के.जे.एस. चतरथ
सचिव,
रा.शै.अ.प्र.प.
नई दिल्ली
(19 सितम्बर, 1990 से)

वित्त समिति
(परिषद के नियम 62 के अधीन)
(25.10.1992 से मान्य)

1. निदेशक
रा.शै.अ.प्र.प. पदेन

2. वित्तीय सलाहकार पदेन

3. संयुक्त सचिव (स्कूली शिक्षा)
मानव संसाधन विकास मंत्रालय

1. डा. के. गोपालन
निदेशक
रा.शै.अ.प्र.प.
नई दिल्ली

2. श्री एल.एस. नारायणन
वित्तीय सलाहकार
रा.शै.अ.प्र.प.
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(शिक्षा विभाग) शास्त्री भवन
नई दिल्ली

3. डा. (श्रीमती) डी.एम.डी. रिबेलो
संयुक्त सचिव (स्कूल)
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
शास्त्री भवन
नई दिल्ली

4. प्रो. एस. के. खन्ना,
उपाध्यक्ष
विश्वविद्यालय जफर मार्ग
नई दिल्ली

5. (1) श्री एच.एस. सिंघा
अध्यक्ष
केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
शिक्षा केन्द्र
2-कम्यूनिटी सैंटर
प्रीत विहार
दिल्ली-110092

4. सचिव,
रा.शै.अ.प्र.प. सदस्य-संयोजक

(2) एच.के.एल. चुघ
सचिव
रा.शै.अ.प्र.प.
(30 अप्रैल, 1990 तक)

(3) श्री जी. आर. दास
सचिव
रा.शै.अ.प्र.प.
(2 मई, 1990 से 19 सितम्बर, 1990 तक)

डा. के.जे.एस. चतरथ
सचिव
रा.शै.अ.प्र.प.
(19 सितम्बर, 1990 से)

स्थापना समिति
(परिषद के विनियम 10 के अधीन)
(9.11.1992 से मान्य)

1. निदेशक
रा.शै.अ.प्र.प.
अध्यक्ष

1. डा.के. गोपालन
निदेशक
रा.शै.अ.प्र.प.
नई दिल्ली

2. संयुक्त निदेशक
रा.शै.अ.प्र.प.

2. (1) डा.एम.एम. चौधरी
संयुक्त निदेशक
रा.शै.अ.प्र.प.,
नई दिल्ली
(18 जुलाई, 1989 से 2 जुलाई, 1990 तक)

(2) डा.ए.के. शर्मा,
संयुक्त निदेशक
रा.शै.अ.प्र.प.
नई दिल्ली
(3 जुलाई, 1990 से)

3. अध्यक्ष द्वारा मनोनीत, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शिक्षा विभाग, भारत सरकार से नामित व्यक्ति	3. डा. (श्रीमती) डी.एम.डी.रिबेलो संयुक्त सचिव (स्कूल) मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग) शास्त्री भवन नई दिल्ली
4. अध्यक्ष द्वारा मनोनीत, चार शिक्षाविद, जिनमें से कम से कम एक वैज्ञानिक हो।	4. प्रो.बी.बी. त्रिपाठी भौतिकी विभाग भारतीय प्रौद्योगिक संस्थान हौज खास, नई दिल्ली
	5. प्रो.गुणवन्त शाह तहुके 139-विनायक सोसायटी जूना पदरा रोड़ बड़ौदा-390020
	6. प्रो. (श्रीमती) रेनु देवी शिक्षा विभाग गुहावटी विश्वविद्यालय गुहावटी
	7. प्रोफेसर टी.के. जयालक्ष्मी, प्रधानाचार्य, आर.वी. टीचर्स कालेज जनागढ़, बंगलौर-11
5. अध्यक्ष द्वारा मनोनीत, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय से एक प्रतिनिधि	8. डा.ए.बी. सक्सैना, रीडर- भौतिकी क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय भोपाल-462013
6. अध्यक्ष द्वारा मनोनीत नई दिल्ली के राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान से एक प्रतिनिधि	9. डा. (श्रीमती) आशा भटनागर, रीडर, शैक्षिक मनोविज्ञान परामर्श और निर्देशन विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली
7. परिषद के शैक्षिक तथा गैर-शैक्षिक नियमित स्टाफ में से, विनियम के परिशिष्ट में बताए अनुसार अपने-अपने वर्ग में से एक-एक चुनकर दो प्रतिनिधि	10. प्रोफेसर आर.पी.सिंह अध्यक्ष, अ.शि., वि.शि.और वि.से. विभाग तथा संकायाध्यक्ष (अनुसंधान) रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

8. वित्तीय सलाहकार, रा.शै.अ.प्र.प.

9. सचिव
रा.शै.अ.प्र.प.

11. श्री प्रबोध कुमार
उ.श्रे.लि.
मापन, मूल्यांकन, सर्वेक्षण और आंकड़ा प्रक्रियन विभाग
रा.शै.अ.प्र.प.
नई दिल्ली

12. श्री एल.एस. नारायणन
वित्तीय सलाहकार
रा.शै.अ.प्र.प.
(शिक्षा विभाग)
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
शास्त्री भवन
नई दिल्ली
(31 दिसम्बर, 1990 तक)

13. (1) श्री एच.के.एल. चुघ
सचिव
रा.शै.अ.प्र.प
नई दिल्ली
(30 अप्रैल, 1990 तक)

(2) श्री जी.आर.दास
सचिव
रा.शै.अ.प्र.प.
नई दिल्ली
(2 मई, 1990 से 19 सितंबर, 1990 तक)

(3) डा.के.जे.एस. चतरथ
सचिव
रा.शै.अ.प्र.प.
नई दिल्ली
(19 सितम्बर, 1990 से)

भवन एव निर्माण समिति
(23.12.1992 तक मान्य)

1.	निदेशक रा.शै.अ.प्र.प. पदेन	डा. के. गोपालन निदेशक रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली
2.	सयुक्त निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. पदेन	डा. एम.एम. चौधरी संयुक्त निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली (18 जुलाई, 1989 से 2 जुलाई, 1990) डा. ए.के. शर्मा संयुक्त निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली (3 जुलाई, 1990 से)
3.	मुख्य अभियंता, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग या उनका प्रतिनिधि	श्री पी. कृष्णन मुख्य इंजीनियर (निर्याण) केन्द्रीय लोक निमार्ण विभाग रामकृष्ण पुरम, सेवा भवन नई दिल्ली
4.	वित्त मत्रालय (निर्माण) का एक प्रतिनिधि	श्री ओ.पी. गुप्ता सहायक वित्त सलाहकार (निर्माण) ग्रामीण विकास मंत्रालय निर्माण भवन नई दिल्ली
5.	रा.शै.अ.प्र.प. के परामर्शदाता वास्तुकार	श्री आर.एस. कौशल वरिष्ठ वास्तुकार केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग (एन.डी.जैड-4) कमरा न. 426, "ए" विंग, निर्माण भवान नई दिल्ली
6.	परिषद् के वित्तीय सलाहकार या उनका प्रतिनिधि	श्री. एल.एस. नारायणन वित्तीय सलाहकार रा.शै.अ.प्र.प. मानव संसाधन विकास मत्रालय (शिक्षा विभाग) शास्त्री भवन नई दिल्ली (31 दिसम्बर, 1990 तक)

7.	मानव संसाधन विकास मंत्रालय का प्रतिनिधि		डा. (श्रीमती) डी.एम.डी. रिबेलो संयुक्त सचिव (स्कूल) मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग), शास्त्री भवन नई दिल्ली
8.	प्रख्यात सिविल इंजीनियर (अध्यक्ष द्वारा मनोनीत)		डा. ओ.पी. जैन भूतपूर्व निदेशक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान 27, मुनिरका एलक्लेव नई दिल्ली
9.	प्रख्यात विद्युत अभियंता (अध्यक्ष द्वारा मनोनीत)		श्री जी.के. केमानी मुख्य अभियंता (विद्युत) के.लो.नि.वि., विद्युत भवन शंकर मार्किट-1 नई दिल्ली
10.	कार्यकारिणी समिति का एक सदस्य (अध्यक्ष द्वारा मनोनित)		प्रो. ओ.एस. देवल प्रधानाचार्य क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय अजमेर
11.	सचिव, रा.शै.अ.प्र.प.	सदस्य सचिव	श्री एच.के.एल. चुघ सचिव, रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली (30 अप्रैल 1990 तक) श्री जी.आर. दास सचिव, रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली (2 मई 1990 से 19 सितम्बर 1990 तक) डा. के.जे. एस. चतरथ सचिव, रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली (19 सितम्बर 1990 से)

कार्यक्रम सलाहकार समिति
(परिषद् के नियम 48 के अधीन)
(14.8.1993 तक मान्य)

1. निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प — अध्यक्ष
2. संयुक्त निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. — उपाध्यक्ष
3. प्रोफेसर (श्रीमती) अमृत कौर, डीन, शिक्षा संकाय, शिक्षा एवं सामुदायिक सेवा विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, पटियाला-147002
4. डा. डी.बी. देसाई, प्रोफेसर-शिक्षा, "सनतम" 14 हरी नगर समिति, गोटरी रोड़, बड़ोदरा-390007
5. प्रोफेसर एम.ए. सुधीर, डीन, शिक्षा संकाय, शिक्षा विभाग, अरुणाचल विश्वविद्यालय, इटानगर-791111 (अरुणाचल प्रदेश)
6. डा. वी. ईश्वर रेड्डी, प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, उसमानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद-500007
7. डा. करुणा अहमद, शैक्षिक अध्ययनों के लिए जाकिर हुसैन केन्द्र (एसएस.एस.) जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली-110016
8. निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, सोहना रोड़, गुड़गांवा-122001 (हरियाणा)
9. निदेशक, राज्य शिक्षा संस्थान, जहांगीराबाद, भोपाल-462008 (मध्य प्रदेश)
10. निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, कोहिमा-707001 (नागालैंड)
11. निदेशक, अध्यापक शिक्षा एवं राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, उड़ीसा, भुवनेश्वर-751001
12. शिक्षा निदेशक, शिक्षा विभाग, पांडिचेरी सरकार, पांडिचेरी-605001
13. अध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान और मानविकी शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एस.एच.) रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
14. डा. डी.एस. मूले, प्रोफेसर, सामाजिक विज्ञान और मानविकी शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एस.एच.) रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
15. अध्यक्ष, विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एम.) रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
16. डा. आर.डी. शुक्ला, प्रोफेसर, विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एम.) रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
17. अध्यक्ष, शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और मार्गदर्शन विभाग (डी.ई.पी.सी.जी.) रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
18. डा. जे.एस. गौड़, प्रोफेसर, शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और मार्गदर्शन विभाग (डी.ई.पी.सी.जी.) रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
19. अध्यक्ष, विद्यालय-पूर्व और प्रारम्भिक शिक्षा विभाग (डी.पी.एस.ई.ई.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
20. डा. एस.डी. रोका, प्रोफेसर, विद्यालय-पूर्व और प्रारम्भिक शिक्षा विभाग (डी.पी.एस.ई.ई.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
21. अध्यक्ष, अनौपचारिक शिक्षा और अनुसूचित जाति/जन जाति शिक्षा विभाग (डी.एन.एफ.ई.ई.एस.सी./एस.टी.) रा.शै.अ.प्र.प.,नई दिल्ली-110016
22. डा. एल.आर.एन. श्रीवास्तव, प्रोफेसर, अनौपचारिक शिक्षा और अनुसूचित जाति/जन जाति शिक्षा विभाग (डी.एन.एफ.ई.ई.एस.सी./एस.टी.) रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
23. अध्यक्ष, मापन, मूल्यांकन, सर्वेक्षण और आंकड़ा प्रक्रियन विभाग (डी.एम.ई.एस.डी.पी.) रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
24. श्री जे.पी. अग्रवाल, रीडर, मापन, मूल्यांकन, सर्वेक्षण और आंकड़ा प्रक्रियन विभाग (डी.एम.ई.एस.डी.पी.) रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110067
25. अध्यक्ष, क्षेत्रीय सेवाएं, विस्तार और समन्वयन विभाग (डी.एफ.एस.ई.सी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016

1990-91

26. डा. (कु.) इन्दु सेठ, रीडर, क्षेत्रीय सेवाएं, विस्तार और समन्वयन विभाग (डी.एफ.एस.ई.सी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
27. अध्यक्ष, शिक्षा व्यावसायीकरण विभाग (डी.वी.ई.) रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
28. डा. ए.के. सचेती, रीडर, शिक्षा व्यावसायीकरण विभाग (डी.वी.ई.) रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
29. अध्यक्ष, अध्यापक शिक्षा, विशेष शिक्षा और विस्तार सेवा विभाग, (डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
30. डा. एन.के. जंगीरा, प्रोफेसर, अध्यापक शिक्षा, विशेष शिक्षा और विस्तार सेवा विभाग, (डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
31. अध्यक्ष, महिला अध्ययन विभाग (डी.डबल्यू.एस.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
32. अध्यक्ष, पुस्तकालय, प्रलेखन एवं सूचना विभाग (डी.एल.डी.आई.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
33. अध्यक्ष, प्रकाशन विभाग (पी.डी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
34. अध्यक्ष, कर्मशाला विभाग (डबल्यू.डी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
35. अध्यक्ष, नीति अनुसंधान, नियोजन और कार्यक्रम विभाग (डी.पी.आर.पी.पी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
36. संयुक्त निदेशक, केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सी.आई.ई.टी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
37. डा. सी.एच.के. मिश्रा, प्रोफेसर, केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सी.आई.ई.टी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
38. अध्यक्ष, पत्रिका प्रकोष्ठ (जे.सी.) रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
39. अध्यक्ष, नवोदय विद्यालय प्रकोष्ठ (एन.वी.सी.) रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
40. अध्यक्ष, अन्तर्राष्ट्रीय संबंध एकक (आई.आर.यू.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
41. रीडर/प्रभारी, योजना, प्रोग्रामिंग, अनुवीक्षण एवं मूल्यांकन प्रभाग (पी.पी.एम.ई.डी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
42. अध्यक्ष, हिन्दी प्रकोष्ठ (एच.सी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
43. डा. प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, (आर.सी.ई.), अजमेर, राजस्थान
44. डा. (श्रीमती) अमृत कौर, प्रोफेसर, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (आर.सी.ई.), अजमेर, राजस्थान
45. प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (आर.सी.ई.), भोपाल, मध्य प्रदेश
46. डा. जे.एस. ग्रेवाल, प्रोफेसर, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (आर.सी.ई.), भोपाल, मध्य प्रदेश
47. प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (आर.सी.ई.), भुवनेश्वर-571007, उड़ीसा
48. डा. एस.टी.वी.जी. आचार्यूलू, प्रोफेसर-शिक्षा, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (आर.सी.ई.), भुवनेश्वर-571007, उड़ीसा
49. प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (आर.सी.ई.), मैसूर, कर्नाटक
50. डा. ए.सी. बनर्जी, शिक्षा डीन, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (आर.सी.ई.), मैसूर, कर्नाटक
51. सचिव, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
52. डा. कुलदीप कुमार, प्रोफेसर प्रभारी, (कार्यक्रम अनुभाग) रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016

शैक्षिक अनुसंधान और नवाचार समिति के सदस्य
(14 दिसम्बर, 1993 तक मान्य)

क. *रा.शै.अ.प्र.प.*

1. संकायाध्यक्ष (अनुसंधान) — अध्यक्ष
2. संकायाध्यक्ष (शैक्षिक)
3. संकायाध्यक्ष (समन्वय)
4. रा.शि.सं. के सभी विभागाध्यक्ष
5. क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों के प्रधानाचार्य तथा केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान

ख. *राज्य शिक्षा संस्थान के प्रतिनिधि*

6. निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा नामित राज्य शिक्षा संस्थान के दो व्यक्ति

 1. निदेशक
 राज्य शिक्षा संस्थान
 श्रीनगर

 2. निदेशक
 राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण विभाग
 श्री बी.पी. वाडिया रोड़
 बसवनगुड़ी, बैंगलूर

ग. *विशेषज्ञ/शिक्षाशास्त्री/शोध शिक्षाविद*

7. अध्यक्ष, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा नामित विश्वविद्यालयों/अनुसंधान संस्थाओं अथवा उपयुक्त एजेन्सी से आठ व्यक्ति

 1. प्रोफेसर मोहम्मद मियाँ
 अध्यक्ष, शिक्षा विभाग
 जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय
 नई दिल्ली-110025

 2. प्रोफेसर (सुश्री) बीनाशाह
 संकायाध्यक्ष, शिक्षा संकाय
 रूहेलखंड विश्वविद्यालय
 बरेली-243001

3. डा. पी.एस. बालासुब्रह्मण्यम
प्रोफेसर तथा अध्यक्ष
शिक्षा विभाग
मद्रास विश्वविद्यालय
मद्रास-600005

4. डा. (श्रीमती) एम. चन्द्रमणि
शिक्षा संकायाध्यक्ष
गृह विज्ञान एवं महिला उच्चतर
शिक्षा अविनाशीलिंगम संस्थान,
कोयम्बतूर-641043

5. प्रोफेसर सी.एल. आनन्द
उप कुलपति
अरुणाचल विश्वविद्यालय
इटानगर-791111

6. प्रोफेसर ए.के. सिंह
उप कुलपति
रांची विश्वविद्यालय
रांची-834008

7. प्रोफेसर (श्रीमती) एम.डी बंगाली
उप कुलपति
बम्बई विश्वविद्यालय
विद्या नगरी
बम्बई-400001

8. डा. एम.के. मेहता
निदेशक
विक्रम साराभाई सामुदायिक विज्ञान केन्द्र
नवरंगपुरा
अहमदाबाद-380009

घ. *निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. के विशेष अतिथि*

1. डा. एस.डी. रोका, प्रोफेसर, डी.पी.एस.ई.ई., रा.शै.अ.प्र.प.

2. डा. जे.एस. गौड़, प्रोफेसर, डी.ई.पी.सी.एवं जी., रा.शै.अ.प्र.प.
3. डा. डी.एस. मूले, प्रोफेसर, डी.ई.एस.एस.एच., रा.शै.अ.प्र.प.
4. डा. आर.एम. कालरा, प्रोफेसर, डी.टी.ई.एस.ई.एवं ई.एस., रा.शै.अ.प्र.प.
5. डा. एन.के. अम्बष्ट, प्रोफेसर, डी.एन.एफ.ई.एस.सी./एस.टी., रा.शै.अ.प्र.प.
6. डा. के.वी. राव, प्रोफेसर, डी.ई.एस.एम., रा.शै.अ.प्र.प.
7. प्रोफेसर कृष्ण कुमार
अध्यक्ष, केन्द्रीय शिक्षा संस्थान
दिल्ली विश्वविद्यालय
दिल्ली-110007

8. प्रोफेसर दुर्गाचन्द सिन्हा
8 मालवीय रोड़
इलाहाबाद-211002

9. प्रोफेसर पी.आर. पंचमुखी
निदेशक
भारतीय शिक्षा संस्थान
128/2 जे.पी. नायक पथ
ऑफ कार्वे रोड़, कोथरुड़
पुणे-411029

10. प्रो. (सुश्री) सुभा बी. चिटनीस
उप कुलपति
एस.एन.डी.टी. महिला विश्वविद्यालय
बम्बई-400020

11. प्रोफेसर पी.आर. नायर
स्नातकोत्तर अध्ययन एवं शोध शिक्षा विभाग
मैसूर विश्वविद्यालय
मैसूर-570005

12. प्रो. (सुश्री) बीना मजूमदार
भारतीय महिला अध्ययन संघ
बी-43, पंचशील एन्कलेव
नई दिल्ली-110017

13. डा. (श्रीमती) वसंता रामकुमार
अध्यक्ष, शिक्षा विभाग
केरल विश्वविद्यालय
त्रिवेन्द्रम

14. प्रो. जे.एन. जोशी
अध्यक्ष, शिक्षा विभाग
पंजाब विश्वविद्यालय
चंडीगढ़

15. प्रोफेसर सच्चिदानन्द
द्वारा भारतीय संचार एवं मानव संबंध संस्थान
पाटलीपुत्र पथ, राजेन्द्र नगर
पटना-16

16. डा. वी.आर. नागपुरे
शिक्षा निदेशक
निदेशक, राज्य शै.अ.प्र.प.
पुणे
महाराष्ट्र

राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान की शैक्षिक समिति
(14.8.1993 तक मान्य)

1. संकायाध्यक्ष (शैक्षिक) रा.शै.अ.प्र.प. — अध्यक्ष/संयोजक
2. संकायाध्यक्ष (अनुसंधान) रा.शै.अ.प्र.प.
3. संकायाध्यक्ष (समन्वय) रा.शै.अ.प्र.प.
4. संयुक्त निदेशक, के.शै.प्रौ.सं., रा.शै.अ.प्र.प. के नामित
5. अध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान और मानविकी शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एस.एच.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
6. अध्यक्ष, विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एम.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
7. अध्यक्ष, शिक्षा व्यावसायीकरण विभाग (डी.वी.ई.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
8. अध्यक्ष, मापन, मूल्यांकन, सर्वेक्षण और आंकड़ा प्रक्रियन विभाग (डी.एम.ई.एस.डी.पी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
9. अध्यक्ष, अनौपचारिक शिक्षा और अनुसूचित जाति/जन जाति शिक्षा विभाग (डी.एन.एफ.ई.ई.एस.सी./एस.टी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
10. अध्यक्ष, शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और मार्गदर्शन विभाग (डी.ई.पी.सी.जी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016

11. अध्यक्ष, विद्यालय-पूर्व और प्रारम्भिक शिक्षा विभाग (डी.पी.एस.ई.ई.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
12. अध्यक्ष, अध्यापक शिक्षा, विशेष शिक्षा और विस्तार सेवा विभाग (डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
13. अध्यक्ष, कर्मशाला विभाग (डब्ल्यू.डी), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
14. अध्यक्ष, प्रकाशन विभाग (पी.डी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
15. अध्यक्ष, क्षेत्रीय सेवाएं, विस्तार और समन्वयन विभाग (डी.एफ.एस.ई.सी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
16. अध्यक्ष, पुस्तकालय प्रलेखन और सूचना विभाग (डी.एल.डी.आई.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
17. अध्यक्ष, नीति अनुसंधान, नियोजन और कार्यक्रम विभाग (डी.पी.आर.पी.पी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
18. अध्यक्ष, महिला अध्ययन विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
19. अध्यक्ष, अन्तर्राष्ट्रीय संबंध एकक, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
20. अध्यक्ष, नवोदय विद्यालय प्रकोष्ठ, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
21. अध्यक्ष, पत्रिका प्रकोष्ठ, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
22. प्रवक्ता प्रभारी, (पी.पी.एम.ई.डी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
23. अध्यक्ष, हिन्दी प्रकोष्ठ, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
24. डा. डी.एस. मूले, प्रोफेसर, (डी.ई.एस.एस.एच.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
25. डा. के.वी. राव, प्रोफेसर (डी.ई.एस.एम.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
26. डा. ए.के. सचेती, रीडर, (डी.वी.ई.) रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
27. डा. आर.के. माथुर, प्रोफेसर, (डी.एम.ई.एस.डी.पी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
28. डा. एस.डी. रोका, प्रोफेसर, (डी.पी.एस.ई.ई.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
29. डा. आर.एम. कालरा, प्रोफेसर, (डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.) रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
30. डा. जे.एस. गौड़, प्रोफेसर, (डी.ई.पी.सी.जी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
31. प्रोफेसर प्रभारी, कार्यक्रम, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
32. प्रोफेसर (श्रीमती) अमृत कौर, डीन, शिक्षा संकाय, शिक्षा और सामुदायिक सेवाएं विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, पटियाला-147002
33. प्रोफेसर डी.बी. देसाई, शिक्षा विभाग, शिक्षा और मनोविज्ञान संकाय, एम.एस. विश्वविद्यालय "सनतम" 14 हरि नगर समिति, गोटरी रोड़, बड़ौदरा-390007
34. प्रोफेसर एम.ए. सुधीर, डीन, शिक्षा विभाग, अरूणाचल विस्वविद्यालय, इटानगर-791111
35. प्रोफेसर बी. ईश्वर रेड्डी, शिक्षा विभाग, उसमानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद-500007
36. प्रोफेसर करुणा अहमद, मनोविज्ञान विभाग, शैक्षिक अध्ययनों का जाकिर हुसैन केन्द्र (एस.एस.एस.) जवाहर लाल नेहरू विस्वविद्यालय, नई दिल्ली-110067

1990-91

विभागीय सलाहकार बोर्ड

1. *सामाजिक विज्ञान और मानविकी शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एस.एच.)*

1. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एस.एच. — संयोजक
2. डा. डी.एस. मूले, प्रोफेसर, डी.ई.एस.एस.एच.
3. श्री डी.बी. बक्शी, रीडर, डी.ई.एस.एस.एच.
4. श्री रमेश चन्द्र, रीडर, डी.ई.एस.एस.एच.
5. श्रीमती एस. लूथरा, रीडर, डी.ई.एस.एस.एच.
6. डा. नशीरूद्दीन खाँ, रीडर, डी.ई.एस.एस.एच.
7. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एम.
8. अध्यक्ष, डी.एस.ई.एस.डी.पी.
9. अध्यक्ष, डी.पी.एस.ई.ई.
10. अध्यक्ष, डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.
11. अध्यक्ष, प्रकाशन विभाग
12. डा. डी.एन. झा, प्रोफेसर, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007
13. डा. अजाउद्दीन अहमद, प्रोफेसर (भूगोल), क्षेत्रीय विकास अध्ययन केन्द्र, सामाजिक विज्ञान विद्यालय, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली-110067
14. प्रोफेसर नामवर सिंह, भाषा अध्ययनों का केन्द्र, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली-110067
15. प्रोफेसर सुभाष जैन, निदेशक, एच.एम. पटेल अंग्रेजी संस्थान, बल्लभ विद्यानगर, गुजरात
16. डा. दीनानाथ पट्ठे, प्रधानाचार्य, बी.के. कला और कौशल विद्यालय, भुवनेश्वर, उड़ीसा

2. *विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एम.)*

1. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एम. — संयोजक
2. डा. के.वी. राव, प्रोफेसर, डी.ई.एस.एम.
3. डा. आर.डी. शुक्ला, प्रोफेसर, डी.ई.एस.एम.
4. श्री के.जे. खुराना, प्रोफेसर, डी.ई.एस.एम.
5. डा. आर.पी. गुप्ता, रीडर, डी.ई.एस.एम.
6. अध्यक्ष, प्रकाशन विभाग
7. सयुक्त निदेशक, के.शै.प्रौ.सं., रा.शै.अ.प्र.प. के नामित

8. अध्यक्ष, डी.एफ.एस.ई.सी.
9. अध्यक्ष, डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.
10. डा. बी.बी. त्रिपाठी, प्रोफेसर भौतिकी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली-110016
11. प्रोफेसर के.वी. सेन, रसायन विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007
12. प्रोफेसर एस. बनर्जी, विज्ञान शिक्षा संस्थान, वर्धवान विश्वविद्यालय, वर्धवान (पश्चिम बंगाल)
13. प्रोफेसर एस. ईश्वर हुसैन, गणित विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश

3. *शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और मार्गदर्शन विभाग (डी.ई.पी.सी. एंड जी.)*

1. अध्यक्ष, डी.ई.पी.सी.जी. — संयोजक
2. डा. जे.एस. गौड़, प्रोफेसर, डी.ई.पी.सी.जी.
3. डा. (श्रीमती) सुषमा गुलाटी, रीडर, डी.ई.पी.सी.जी.
4. अध्यक्ष, डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.
5. अध्यक्ष, डी.वी.ई.
6. अध्यक्ष, डी.पी.एस.ई.ई.
7. डा. (श्रीमती) बिद्यु मोहन, प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़
8. डा. मेरसी अब्राहम, प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, केरल विश्वविद्यालय, त्रिवेन्द्रम

4. *विद्यालय-पूर्व और प्रारंभिक शिक्षा विभाग (डी.पी.एस.ई.ई.)*

1. अध्यक्ष, डी.पी.एस.ई.ई. — संयोजक
2. डा. एस.डी. रोका, प्रोफेसर, डी.पी.एस.ई.ई.
3. डा. आर.के. गुप्ता, रीडर, डी.पी.एस.ई.ई.
4. डा. (श्रीमती) दलजीत गुप्ता, रीडर, डी.पी.एस.ई.ई.
5. संयुक्त निदेशक, सी.आई.ई.टी. के नामित
6. अध्यक्ष, डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.
7. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एस.एच.
8. अध्यक्ष डी.ई.एस.एम.
9. अध्यक्ष, डी.वी.ई.
10. अध्यक्ष, डी.ई.पी.सी.जी.
11. अध्यक्ष, प्रकाशन विभाग

12. श्रीमती फ्रेनी तारापोर, प्रधानाचार्य, गृह-विज्ञान एस.एन.डी.टी., विद्यालय महर्षि कर्वे विद्या भवन, कर्वे रोड, पुणे-411038
13. प्रोफेसर पुरुषोत्तम पटेल, शिक्षा विभाग, गुजरात विद्यापीठ, आश्रम रोड, अहमदाबाद
14. श्री एफ. ललुरा, प्रधानाचार्य, डी.आई.ई.टी. राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, चहलांग, अजावल-796012 (मिजोरम)

5. *अनौपचारिक शिक्षा एवं अनुसूचित जाति/जन जाति शिक्षा विभाग (डी.एन.एफ.ई.ई.एस.सी./एस.टी.)*

1. अध्यक्ष, डी.एन.एफ.ई.ई.एस.सी./एस.टी. — संयोजक
2. प्रोफेसर, एल.आर.एन. श्रीवास्तव, प्रोफेसर, डी.एन.एफ.ई.ई.एस.सी./एस.टी.
3. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एस.एच.
4. अध्यक्ष, डी.पी.एस.ई.ई.
5. अध्यक्ष, डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.
6. संयुक्त निदेशक, सी.आई.ई.टी. के नामित
7. अध्यक्ष, डी.एफ.एस.ई.सी.
8. अध्यक्ष, प्रकाशन विभाग
9. अध्यक्ष, डी.डबल्यू.एस.
10. प्रोफेसर ए. अन्नामलई, भारतीय भाषा का केन्द्रीय संस्थान, मैसूर
11. डा. एल.एल. व्यास, निदेशक, मानिक लाल वर्मा जन जाति अनुसंधान संस्थान, उदयपुर (राजस्थान)
12. श्री वैंकटा सुभन्ना, संयुक्त निदेशक, विद्यालय शिक्षा निदेशालय, हैदराबाद

6. *मापन, मूल्यांकन, सर्वेक्षण और आकड़ा प्रक्रियन विभाग (डी.एम.ई.एस.डी.पी.)*

1. अध्यक्ष, डी.एम.ई.एस.डी.पी. — संयोजक
2. प्रोफेसर, आर.के. माथुर, डी.एम.ई.एस.डी.पी.
3. श्री जे.पी. अग्रवाल, रीडर, डी.एम.ई.एस.डी.पी.
4. डा. सी.एल. कौल, रीडर, डी.एम.ई.एस.डी.पी.
5. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एस.एच.
6. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एम.
7. अध्यक्ष, डी.वी.ई.
8. अध्यक्ष, डी.ई.पी.सी.जी.
9. अध्यक्ष, डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.
10. अध्यक्ष, डी.पी.एस.ई.ई.

11. डा. डी. जोशी, डीन, शिक्षा संकाय, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली-110025
12. प्रोफेसर के. कुमारास्वामी पिल्ले, भूतपूर्व अध्यक्ष शिक्षा विभाग, अन्नामलाई विश्वविद्यालय, अन्नामलाई नगर, मद्रास
13. डा. वी.एस. मिश्रा, अध्यक्ष तथा डीन, शिक्षा संकाय, गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर

7. *क्षेत्रीय सेवाएं, विस्तार और समन्वयन विभाग (डी.एफ.एस.ई.सी.)*

1. अध्यक्ष, डी.एफ.एस.ई.सी. — संयोजक
2. डा. एस. प्रसाद, रीडर, डी.एफ.एस.ई.सी.
3. अध्यक्ष, डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.
4. अध्यक्ष, डी.वी.ई.
5. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एम.
6. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एस.एच.
7. संयुक्त निदेशक, सी.आई.ई.टी. के नामित
8. फादर टी.वी. कुन्नानकल, सलाहकार, राष्ट्रीय ओपन स्कूल, सामुदायिक केन्द्र, वजीरपुर, नई दिल्ली
9. प्रधानाचार्य, राजकीय शिक्षा विद्यालय, श्रीनगर (जम्मू तथा कश्मीर)

8. *शिक्षा व्यावसायीकरण विभाग (डी.वी.ई.)*

1. अध्यक्ष, डी.वी.ई. — संयोजक
2. डा. ए.के. सचेती, रीडर, डी.वी.ई.
3. श्री सी.के. मिश्र, रीडर, डी.वी.ई.
4. अध्यक्ष, डी.पी.एस.ई.ई.
5. अध्यक्ष, डी.ई.पी.सी.जी.
6. संयुक्त निदेशक, सी.आई.ई.टी. के नामित
7. अध्यक्ष, डी.एम.ई.एस.डी.पी.
8. डा. सी.पी. जोंनशिकर, क्षेत्रीय निदेशक, क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशालय, मराठवाड़ा कृषि विश्वविद्यालय, औरंगाबाद, महाराष्ट्र
9. डा. के.पी. रमजा, निदेशक, व्यावसायिक उच्चतर माध्यमिक शिक्षा, कॉटन हिल, त्रिवेन्द्रम

9. *अध्यापक शिक्षा, विशेष शिक्षा और विस्तार सेवा विभाग (डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.)*

1. अध्यक्ष, डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस. — संयोजक
2. डा. आर.एम. कालरा, प्रोफेसर, डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.
3. डा. एन.के. जंगीरा, प्रोफेसर, डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.

4. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एस.एच.
5. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एम.
6. अध्यक्ष, डी.पी.एस.ई.ई.
7. अध्यक्ष, डी.ई.पी.सी.जी.
8. अध्यक्ष, डी.एम.ई.एस.डी.पी.
9. संयुक्त निदेशक, सी.आई.ई.टी. के नामित
10. अध्यक्ष, डी.वी.ई.
11. अध्यक्ष, डी.एन.एफ.ई.ई.एस.सी./एस.टी.
12. डा. स्मृति स्वरूप, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, विशेष शिक्षा, महिलाओं के लिए एस.एन.डी.टी. विश्वविद्यालय, जुहु परिसर, बम्बई-400049
13. प्रोफेसर लोकेश कौल, अध्यक्ष, शिक्षा विभाग, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला-5

10. *महिला अध्ययन विभाग (डी.डबल्यू.एस.)*

1. अध्यक्ष, डी.डबल्यू.एस. — संयोजक
2. डा. इन्द्रा कुलश्रेष्ठ, रीडर, डी.डबल्यू.एस.
3. अध्यक्ष, डी.ई.पी.सी.जी.
4. अध्यक्ष, डी.वी.ई.
5. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एम.
6. अध्यक्ष, डी.पी.एस.ई.ई.
7. अध्यक्ष, डी.एन.एफ.ई.ई.एस.सी./एस.टी.
8. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एस.एच.
9. प्रोफेसर लीला दूबे, वरिष्ठ फैलो, नेहरू म्यूजियम तथा पुस्तकालय, तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली
10. श्रीमती रजनी कुमार, अध्यक्ष, पटेल शैक्षिक ट्रस्ट, पूसा रोड़, नई दिल्ली-110005

11. *पुस्तकालय, प्रलेखन और सूचना विभाग (डी.एल.डी.आई.)*

1. अध्यक्ष, डी.एल.डी.आई. — संयोजक
2. श्री एच.एस. शर्मा, उप पुस्तकालयाध्यक्ष
3. अध्यक्ष, डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.
4. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एस.एच.
5. अध्यक्ष, डी.इ.एस.एम.
6. पुस्तकालयाध्यक्ष, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, न्यू महरौली रोड़, नई दिल्ली-110067

12. *कर्मशाला विभाग (डबल्यू.डी.)*

1. अध्यक्ष, डबल्यू.डी. संयोजक
2. डा. बी.के. शर्मा, रीडर, डबल्यू.डी.
3. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एम.
4. अध्यक्ष, डी.पी.एस.ई.ई.
5. अध्यक्ष, डी.वी.ई.
6. प्रोफेसर एन.के. तिवारी, यांत्रिक इंजीनियरिंग विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हौजखास, नई दिल्ली-110016

13. *पत्रिका प्रकोष्ठ (जे.सी.)*

1. अध्यक्ष, जे.सी. संयोजक
2. डा. डी.एन. खोसला, रीडर, जे.सी.
3. अध्यक्ष, डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.
4. अध्यक्ष, डी.एल.डी.आई.
5. अध्यक्ष, प्रकाशन विभाग
6. संयुक्त निदेशक, के.शै.प्रौ.सं. के नामित
7. अध्यक्ष, डी.वी.ई.
8. जन सम्पर्क अधिकारी, रा.शै.अ.प्र.प.
9. डा. अमृत सिंह, 2/26 सर्वप्रिय विहार, नई दिल्ली-110016

14. *अन्तर्राष्ट्रीय संबंध एकक (आई.आर.यू.)*

1. प्रोफेसर प्रभारी/अध्यक्ष, अन्तर्राष्ट्रीय संबंध एकक संयोजक
2. श्री ओ.पी. गुप्ता, रीडर, आई.आर. यूनिट
3. डा. के.जी. विरमानी, अध्यक्ष, अन्तर्राष्ट्रीय एकक, नीपा, 17-बी, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली 110016
4. संयुक्त निदेशक, के.शै.प्रौ.सं. के नामित
5. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एस.एच.
6. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एम.
7. अध्यक्ष, डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.

1990-91

क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों (क्षे.शि.म.) की प्रबन्ध समितियाँ
(14.8.1993 तक मान्य)

1. *क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, अजमेर की प्रबन्ध समिति*

1. कुलपति, अजमेर विश्वविद्यालय, अजमेर — अध्यक्ष
2. *प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, अजमेर — उपाध्यक्ष
3. हरियाणा राज्य सरकार का प्रतिनिधि
4. जम्मू तथा कश्मीर सरकार का प्रतिनिधि
5. हिमाचल प्रदेश राज्य सरकार का प्रतिनिधि
6. उत्तर प्रदेश राज्य सरकार का प्रतिनिधि
7. पंजाब राज्य सरकार का प्रतिनिधि
8. राजस्थान राज्य सरकार का प्रतिनिधि
9. संघ शासित क्षेत्र दिल्ली का प्रतिनिधि
10. संघ शासित क्षेत्र चंडीगढ़ का प्रतिनिधि
11. डा. जे.एन. जोशी, प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, (अध्यक्ष, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत)
12. डा. एल.पी. पाण्डे, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (उत्तर प्रदेश), लखनऊ, (अध्यक्ष, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत)
13. अध्यक्ष, शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, अजमेर (निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत)
14. अध्यक्ष, विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, अजमेर, (निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत)
15. संकाय अध्यक्ष, (समन्वय), रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली, (निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत)
16. डा. के.एल. श्रीमाली, अध्यक्ष, विद्या भवन समिति, उदयपुर, (विश्वविद्यालय द्वारा विनियमों के अधीन मनोनीत प्रतिनिधि)
17. प्रशासनिक अधिकारी, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, अजमेर — सचिव

2. *क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भोपाल की प्रबन्ध समिति*

1. कुलपति, भोपाल विश्वविद्यालय, भोपाल — अध्यक्ष
2. प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भोपाल — उपाध्यक्ष
3. मध्य प्रदेश राज्य सरकार का प्रतिनिधि
4. गोआ राज्य सरकार का प्रतिनिधि
5. गुजरात राज्य सरकार का प्रतिनिधि
6. महाराष्ट्र राज्य सरकार का प्रतिनिधि
7. संघ शासित क्षेत्र दमन एवं दीव का प्रतिनिधि

8. सघ शासित क्षेत्र दादर एवं नगर हवेली का प्रतिनिधि
9. प्रोफेसर एम.एस. यादव, निदेशक सी.ए.एस.ई.एम.एस. विश्वविद्यालय बड़ौदरा, गुजरात, (अध्यक्ष, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत)
10. डा. विनोद रैना, एकलव्य, भोपाल, (अध्यक्ष, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत)
11. अध्यक्ष शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भोपाल, (निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत)
12. अध्यक्ष, विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भोपाल, (निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत)
13. डा. एच.एल. शुक्ला, अध्यक्ष, भाषा विज्ञान विभाग, भोपाल विश्वविद्यालय, भोपाल (विश्वविद्यालय द्वारा विनियमों के अधीन मनोनीत प्रतिनिधि)
14. डा. एस.एस. श्रीवास्तव, प्राचार्य, बेनजीर महाविद्यालय भोपाल (विश्वविद्यालय द्वारा विनियमों के अधीन मनोनीत प्रतिनिधि)
15. संकायाध्यक्ष (समन्वय), रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली, (निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत)
16. प्रशासनिक अधिकारी, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भोपाल — सचिव

3. *क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भुवनेश्वर की प्रबन्ध समिति*

1. कुलपति, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर — अध्यक्ष
2. प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भुवनेश्वर — उपाध्यक्ष
3. उड़ीसा राज्य सरकार का प्रतिनिधि
4. पश्चिमी बंगाल राज्य सरकार का प्रतिनिधि
5. बिहार राज्य सरकार का प्रतिनिधि
6. असम राज्य सरकार का प्रतिनिधि
7. मेघालय राज्य सरकार का प्रतिनिधि
8. नागालैंड राज्य सरकार का प्रतिनिधि
9. सिक्किम राज्य सरकार का प्रतिनिधि
10. मणिपुर राज्य सरकार का प्रतिनिधि
11. त्रिपुरा राज्य सरकार का प्रतिनिधि
12. मिजोरम राज्य सरकार का प्रतिनिधि
13. संघ शासित क्षेत्र अरुणाचल प्रदेश का प्रतिनिधि
14. संघ शासित क्षेत्र अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का प्रतिनिधि
15. प्रो. आर.सी. दास, भूतपूर्व कुलपति, बहरामपुर विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, (अध्यक्ष, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत)
16. प्रो. रेनू देवी, अध्यक्ष, शिक्षा विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, (अध्यक्ष, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत)
17. अध्यक्ष, शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भुनवेश्वर, (निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत)
18. अध्यक्ष, विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भुनवेश्वर, (निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत)

19. डा. जे.पी. दास, आई.ए.एस. (सेवानिवृत्त), 305, एस.एफ.एस.फलैटस, हौजखास, नई दिल्ली, (निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत)
20. डा. डी.सी. मिश्रा, डी.पी.आई. (सेवानिवृत्त), जगन्नाथ लेन, बादामबाड़ी, कटक (उड़ीसा) (विश्वविद्यालय द्वारा विनियमों के अधीन मनोनीत प्रतिनिधि)
21. प्रशासनिक अधिकारी, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भुवनेश्वर — सचिव

4. *क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, मैसूर की प्रबन्ध समिति*

1. कुलपति, मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर — अध्यक्ष
2. प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, मैसूर — उपाध्यक्ष
3. केरल राज्य सरकार का प्रतिनिधि
4. आन्ध्र प्रदेश राज्य सरकार का प्रतिनिधि
5. तमिलनाडू राज्य सरकार का प्रतिनिधि
6. कर्नाटक राज्य सरकार का प्रतिनिधि
7. संघ शासित क्षेत्र पांडिचेरी का प्रतिनिधि
8. संघ शासित क्षेत्र लक्षद्वीप का प्रतिनिधि
9. डा. मल्ला रेड्डी मामिदि, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, शिक्षा विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, (अध्यक्ष, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत)
10. प्रोफेसर पी.एस. बालासुब्रमण्यम, शिक्षा विभाग, तमिलनाडु विश्वविद्यालय, (अध्यक्ष, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत)
11. अध्यक्ष, शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय मैसूर, (निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत)
12. अध्यक्ष, विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय मैसूर, (निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत)
13. संकायाध्यक्ष (समन्वय), रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली, (निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत)
14. प्रशासनिक अधिकारी, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय मैसूर — सचिव

केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सी.आई.ई.टी.) का सलाहकार बोर्ड

1. संयुक्त निदेशक, सी.आई.ई.टी. — अध्यक्ष
2. प्रोफेसर सी.एच.के. मिश्रा, सी.आई.ई.टी.
3. प्रोफेसर एल.जी. सुमित्रा, सी.आई.ई.टी.
4. प्रोफेसर वाई.पी. खन्ना, सी.आई.ई.टी.
5. प्रोफेसर, तिलकराज बावा, सी.आई.ई.टी.
6. प्रोफेसर, एस.सी. वर्मा, सी.आई.ई.टी.
7. प्रोफेसर, एस.पी. सिंह, सी.आई.ई.टी.
8. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एम.

9. अध्यक्ष, डी.पी.एस.ई.ई.
10. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एस.एच.
11. अध्यक्ष, डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.
12. अध्यक्ष, डी.वी.ई.
13. श्री हरीश खन्ना, भूतपूर्व महानिदेशक, दूरदर्शन, एफ-69, आनन्द निकेतन, मोती बाग, नई दिल्ली
14. श्री हबीब किदवई, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली-110025
15. डा. एम. मुखोपाध्याय, नीपा, रा.शि.सं. परिसर, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली-110016
16. निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, 708, आर.बी. कुमटेकर मार्ग, सदाशिव पथ, पुणे-411030 (महाराष्ट्र)
17. प्रोफेसर एस.वी. खाल्के, तकनीकी अध्यापक प्रशिक्षण संस्थान (टी.टी.टी.आई.) पश्चिमी क्षेत्र, श्यामला हिल्स, भोपाल-462002
18. डा. जगदीश सिंह, रीडर, सी.आई.ई.टी. संयोजक

परिशिष्ट ब

राज्यों में क्षेत्रीय कार्यालयों की स्थिति

	दूरभाष सं. कार्यालय	निवास
1. क्षेत्रीय सलाहकार (रा.शै.अ.प्र.प.) 1 बी, चंद्रा कालोनी, नए समर्पण फ्लैट लॉ कालेज के पीछे अहमदाबाद-380006 (गुजरात)	445992	445992
2. क्षेत्रीय सलाहकार (रा.शै.अ.प्र.प.) 555-ई, मुमफोर्डगंज इलाहाबाद-211002 (उत्तर प्रदेश)	52212	54261
3. क्षेत्रीय सलाहकार (रा.शै.अ.प्र.प.) 100 रोड., होसोकेथली एक्सटेंशन बोनासंकरी 3 स्टेज बंगलौर-560085	629740	628043
4. क्षेत्रीय सलाहकार (रा.शै.अ.प्र.प.) एम.आई.जी.-161 सरस्वती नगर जवाहर चौक भोपाल-462003 (मध्य प्रदेश)	64465	540346
5. क्षेत्रीय सलाहकार (रा.शै.अ.प्र.प.) होमी भाभा होस्टल आर.सी.ई. कैम्पस भुवनेश्वर-751007 (उड़ीसा)	50516	52224
6. क्षेत्रीय सलाहकार (रा.शै.अ.प्र.प.) पी.-23, सी.आई.टी. रोड (स्कीम-55) कलकत्ता-700014 (पश्चिमी बंगाल)	245310	366407

7.	क्षेत्रीय सलाहकार (रा.शै.अ.प्र.प.) एस.सी.ओ. नं. 272, सैक्टर 35-डी चण्डीगढ़-160036 (हरियाणा)	26923	26923
8.	क्षेत्रीय सलाहकार (रा.शै.अ.प्र.प.) जू नारंगी रोड पी.ओ. बमुनीमेडन गुवाहाटी-781021 (आसाम)	87003	87003
9.	क्षेत्रीय सलाहकार (रा.शै.अ.प्र.प.) 3-6-69/बी-7, अवन्ती नगर कालोनी बशीर बाग, हैदराबाद-500020 (आन्ध्र प्रदेश)	235878	227207
10.	क्षेत्रीय सलाहकार (रा.शै.अ.प्र.प.) 2-2 ए, राजस्थान स्टेट टैक्सटबुक बोर्ड बिल्डिंग झालना डूंगरी जयपुर-302004 (राजस्थान)	70754	551042
11.	क्षेत्रीय सलाहकार (रा.शै.अ.प्र.प.) न. 64, 4 एवेन्यू अशोक नगर मद्रास-600083 (तमिलनाडु)	428264	72939
12.	क्षेत्रीय सलाहकार (रा.शै.अ.प्र.प.) कंकरबाग, पत्रकार नगर पटना-800020 (बिहार)	53243	53243
13.	क्षेत्रीय सलाहकार (रा.शै.अ.प्र.प.) 128/2 कोथरड, कारवे रोड पुणे-411029 (महाराष्ट्र)	337314	337314
14.	क्षेत्रीय सलाहकार (रा.शै.अ.प्र.प.) बॉयस रोड, लायतुमखड़ा शिलांग-795003 (मेघालय)	26317	26317
15.	क्षेत्रीय सलाहकार (रा.शै.अ.प्र.प.) हिमरस बिल्डिंग, सर्कुलर रोड शिमला-171001 (हिमाचल प्रदेश)	4548	6914

16. क्षेत्रीय सलाहकार (रा.शै.अ.प्र.प.) 87, रावलपोरा श्रीनगर-190005 (जम्मू एवं कश्मीर) अथवा जम्मू एवं कश्मीर राज्य शिक्षा बोर्ड रिहाड़ी जम्मू-180005 (जम्मू एवं कश्मीर)	31490	77170
17. क्षेत्रीय सलाहकार (रा.शै.अ.प्र.प.) एस.आई.ई. कैम्पस पो.ओ. पूजापुरा तिरूअनंतपुरम-695012 (केरल)	64389	64948

परिशिष्ट स

वर्गवार संस्वीकृत स्टाफ की 1.4.1991 की स्थिति

	शैक्षिक			गैर शैक्षिक (अनुसचिवीय वर्ग)			गैर शैक्षिक (तकनीकी)				कुल
	ग्रेड "ए"	ग्रेड "बी"	ग्रेड "सी"	ग्रेड "ए"	ग्रेड "बी"	ग्रेड "सी"	ग्रेड "ए"	ग्रेड "बी"	ग्रेड "सी"	"ग्रेड डी"	
परिषद् मुख्यालय	290	1	2	27	109	606	76	99	247	387	1844
क्षे.शि.म. अजमेर	65	27	46	1	6	43	4	5	39	93	329
क्षे.शि.म. भोपाल	62	25	46	1	6	45	4	5	38	90	322
क्षे.शि.म. भुवनेश्वर	84	31	62	1	6	41	4	5	45	89	368
क्षे.शि.म. मैसूर	87	22	50	1	6	46	4	8	39	82	345
क्षेत्रीय सलाहकार कार्यलय	36	–	–	–	–	52	–	–	18	36	142
योग	624	106	206	31	133	833	92	122	426	777	3,350